उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी

(Review Officer/Asstt. Review Officer)

सामान्य हिन्दी

विलोम, पर्यायवाची, तत्सम-तद्भव, अनेक शब्द के एक शब्द, वाक्य एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ, विशेषण-विशेष्य

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

लेखन सहयोग
परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com
© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम सांईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

₹ 295/-

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

Nitin-Gupta.com

विषय-सूची

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा

■ समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी : सामान्य हिन्दी परीक्षा पाठ्यक्रम..............3

■ विलोम.. 4-10

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न..10-27

■ पर्यायवाची 28-33

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न..33-50

■ तत्सम एवं तद्भव.. 51-55

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न..56-69

■ अनेक शब्दों के एक शब्द.. 70-78

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न..78-96

■ वाक्य एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ 97-108

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न..109-138

■ विशेषण एवं विशेष्य 139-145

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न..145-160

Nitin-Gupta.com

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग
समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी

पाठ्यक्रम

सामान्य हिन्दी (प्रारम्भिक परीक्षा)

(सामान्य शब्द ज्ञान एवं व्याकरण) (वस्तुनिष्ठ) (Objective)

समय– एक घण्टा	प्रश्न–60	पूर्णांक–60
(i) विलोम	(10 शब्द)	
(ii) वाक्य एवं वर्तनी शुद्धि	(10 वाक्य)	
(iii) अनके शब्दों के एक शब्द	(10 शब्द)	
(iv) तत्सम एवं तद्‌भव शब्द	(10 शब्द)	
(v) विशेष्य और विशेषण	(10 शब्द)	
(vi) पर्यायवाची शब्द	(10 शब्द)	

सामान्य हिन्दी (मुख्य परीक्षा)

सामान्य ज्ञान एवं व्याकरण (वस्तुनिष्ठ) (Objective)

समय– आधा घण्टा	प्रश्न–30	पूर्णांक–60
(i) विलोम	(6 शब्द)	12 अंक
(ii) वाक्य एवं वर्तनी शुद्धि	(6 वाक्य)	12 अंक
(iii) अनके शब्दों के एक शब्द	(6 शब्द)	12 अंक
(iv) तत्सम एवं तद्‌भव शब्द	(6 शब्द)	12 अंक
(v) विशेष्य और विशेषण	(6 शब्द)	12 अंक

Nitin-Gupta.com

विलोम

शब्दों के प्रायः अपने निश्चित अर्थ होते हैं। इन अर्थों के विपरीत अर्थ देने वाले शब्द **विलोम अथवा विपरीतार्थक** शब्द कहलाते हैं।

अभिव्यक्ति की पूर्णता, सप्रमाणता एवं आत्मसंतुष्टि हेतु विलोम शब्दों का विशेष महत्त्व है। विलोम शब्दों का प्रयोग कथन को विशेष प्रभावी बना देता है। जीवन में उतार-चढ़ाव एक सामान्य सी बात है। समता के बीच विषमता का होना सृष्टि का एक क्रमबद्ध विधान है, जिस प्रकार उदय के पश्चात् अस्त का पाया जाना पूर्ण विनिश्चित है, प्रकृति के नियम भी ऐसे ही होते हैं। इसी कारण सुख के साथ दुःख, यश के साथ अपयश, विजय के साथ पराजय और जीवन के साथ मरण अनिवार्य रूप से सम्बद्ध है।

जीवन एवं अस्तित्व की रक्षा हेतु परस्पर विपरीत तत्त्वों की संभावना अनवरत रहती है। इन सभी तथ्यों के मद्देनजर विलोम शब्दों का ज्ञान अपेक्षित है। हिन्दी में प्रायः दो प्रकार के विलोम शब्दों का प्रचलन है। पहला तो वे जो अपने मूल रूप में ही विपरीतार्थक है **यथा– हानि का लाभ, दिवस का रात्रि** एवं **सुख का दुःख**। दूसरे वे विलोम शब्द हैं जो उपसर्ग के लग जाने के बाद विपरीतार्थक हो जाते हैं।

जैसे- **कीर्ति का अपकीर्ति, जय का पराजय, योग का वियोग** आदि। सम्प्रति अध्याय हेतु (विलोम) एक बात विशेष ध्यान देने योग्य है कि **संज्ञा शब्द का विलोम संज्ञा** और **विशेषण का विलोम विशेषण** ही होना चाहिए। विलोम शब्द परस्पर समान व्याकरणिक कोटि में ही होने चाहिए।

विपरीतार्थक अर्थ देने वाले शब्द निम्न प्रकार से बनते हैं –

1. **लिंग परिवर्तन के द्वारा** – उदाहरणार्थ : राजा-रानी, वर-वधू, लड़का-लड़की, गाय-बैल इत्यादि।
2. **भिन्न जातीय शब्द द्वारा** – उदाहरणार्थ : आजाद–गुलाम, आगे–पीछे, कड़वा–मीठा, अधम–उत्तम, अनुराग–विराग इत्यादि।
3. **प्रत्यय के समान प्रयुक्त होने वाले शब्दों के परिवर्तन से**–उदाहरणार्थ : गणतंत्र-राजतंत्र, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक, उत्तरायण-दक्षिणायन, एकतंत्र-बहुतंत्र इत्यादि।
4. **उपसर्ग की सहायता से** – उदाहरणार्थ : ईश्वर–अनीश्वर, अल्पायु–दीर्घायु, अन्तर्मुखी–बहिर्मुखी, दुराचार–सदाचार, आकर्षण–विकर्षण, उत्कर्ष–अपकर्ष इत्यादि।
5. **नञ् समास के पद बनाकर**–उदाहरणार्थ : आदि-अनादि, संभव-असंभव, आस्तिक-नास्तिक, सार्थक-निरर्थक इत्यादि।

कतिपय शब्द एवं उसके विलोम

अ

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अर्जन	व्ययन	अस्त	उदय
अधोलिखित	उपरिलिखित	अनाथ	सनाथ
अथ	इति	अल्पज्ञ	बहुज्ञ
अनुराग	विराग	अभिसरण	अपसरण
अनुदार	उदार	अर्पण	ग्रहण
अवलम्ब	निरवलम्ब	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अर्वाचीन	प्राचीन	अंतरंग	बहिरंग
असीम	ससीम	अल्पायु	दीर्घायु
अंधेरा	उजाला	अनिवार्य	वैकल्पिक
अल्प	बहु	अधोगामी	ऊर्ध्वगामी
अनुग्रह	विग्रह	अधित्यका	उपत्यका
आकर्षण	विकर्षण	अस्वीकार	स्वीकार
अनवधान	सावधान	अविकृत	विकृत
अनुकूल	प्रतिकूल	अंगीकार	अनंगीकार
अवनति	उन्नति	अवनत	उन्नत
अंतर्द्वंद्व	बहिर्द्वंद्व	अधम	उत्तम
अज्ञ	विज्ञ/प्रज्ञ	अगम	सुगम
अमृत	विष	अपमान	सम्मान

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अंधकार	प्रकाश	अवनि	अंबर
अभिज्ञ	अनभिज्ञ	अत्यन्त	अत्यल्प
अपकार	उपकार	अवरोह	आरोह
अनाहूत	आहूत	अधिक	न्यून
अचल	सचल	अन्तर्मुखी	बहिर्मुखी
अभिमानी	निरभिमानी	अपेक्षा	उपेक्षा
अग्र	पश्च	अनभिज्ञ	भिज्ञ
अनेकान्त	एकान्त	अनैक्य	ऐक्य
अनावृत्त	आवृत्त	अधिकारी	अनधिकारी
अनुलोम	प्रतिलोम	अक्षुण्ण	क्षुण्ण
अपव्ययी	मितव्ययी	अवतल	उत्तल
अति	अल्प	अभिव्यक्त	अनभिव्यक्त
अंकुश	निरंकुश	अधर्म	धर्म
अवर	प्रवर	अतल	वितल
अनृत	ऋत	अवाक्	सवाक्
अवज्ञा	आज्ञा	अभिमुख	प्रतिमुख
अचिंतनीय	चिंतनीय	अध्यवसाय	अनध्यवसाय
अर्पित	ग्रहीत	अन्तर्साक्ष्य	बहिर्साक्ष्य
अनुरक्ति	विरक्ति	अरुचि	सुरुचि
अमावस्या	पूर्णिमा	अधम	उत्तम

Nitin-Gupta.com

अकर्मक — सकर्मक		अल्पकालीन— दीर्घकालीन	
अन्त	आदि	अपमान	सम्मान
अनातप	आतप	आरम्भ	समाप्त
आपत्ति	अनापत्ति	अभ्यस्त	अनभ्यस्त
अधुनातन	पुरातन	अनुरक्त	विरक्त
अचेतन	चेतन	अपेक्षित	अनपेक्षित
अवरोध	अनवरोध	अंशतः	पूर्णतः
अभिशाप	आशीर्वाद	अक्षत	क्षत
अगाध	छिछला	अनुनासिक	निरनुनासिक
अधीन	स्वतन्त्र	अश्लील	श्लील
अकलुष	कलुष	अवशेष	निःशेष
अमर	मर्त्य	अंतिम	अनंतिम
अनुमत	अननुमत	अस्तेय	स्तेय
अवगत	अनवगत		

आ

आदान	प्रदान	आकर्षण	विकर्षण
आग्रह	अनाग्रह	आगमन	प्रस्थान
आधुनिक	प्राचीन	आगामी	विगत
आविर्भाव	तिरोभाव	आयात	निर्यात
आसक्त	अनासक्त	आय	व्यय
आचार	अनाचार	आध्यात्मिक	भौतिक
आघात	प्रतिघात	आत्मा	परमात्मा
आभ्यंतर	बाह्य	आत्मावलम्बी	परावलम्बी
आक्रमण	प्रतिरक्षा	आर्द्र	शुष्क
आयोजन	वियोजन	आस्तिक	नास्तिक
आरूढ़	अनारूढ़	आवर्तक	अनावर्तक
आरोह	अवरोह	आरोहण	अवरोहण
आडम्बर	सादगी	आपूरित	रिक्त
आवाहन	विसर्जन	आगमन	प्रस्थान
आधार	निराधार	आमिष	निरामिष
आवश्यक	अनावश्यक	आकांक्षा	अनाकांक्षा
आवरण	अनावरण	आपद	निरापद
आहार	निराहार	आलोक	तिमिर
आगम	अनागम	आत्मसंशय	आत्मविश्वास
आजादी	गुलामी	आनन्द	शोक
आधिक्य	अनाधिक्य	आकीर्ण	विकीर्ण
आदरणीय	अनादरणीय	आकुंचन	प्रसारण
आदृत	निरादृत, अनादृत	आर्ष	अनार्ष

इ/ई

इहलोक	परलोक	इष्ट	अनिष्ट
इच्छुक	अनिच्छुक	इच्छित	अनिच्छित
इधर	उधर	इति	अथ
ईश्वर	अनीश्वर	इच्छा	अनिच्छा
ईद	मुहर्रम	ईश	अनीश
ईप्सित	अनीप्सित	ईमानदार	बेईमान
ईश्वरवादी	अनीश्वरवादी		

उ/ऊ

उदार	कृपण	उपरि	अधः
उपसर्ग	प्रत्यय	उग्र	सौम्य
उन्मूलन	रोपण	उद्घाटन	समापन
उत्कृष्ट	निकृष्ट	उन्मीलन	निमीलन
उपयोग	अनुपयोग	उत्तरार्द्ध	पूर्वार्द्ध
उपयुक्त	अनुपयुक्त	उत्थित	पतित
उच्च	निम्न	उर्वर	अनुर्वर
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उर्वरा	बंजर
उद्धत	विनीत	उन्मुख	विमुख
उदयाचल	अस्ताचल	उत्पत्ति	प्रलय/विनाश
उपकार	अपकार	उक्त	अनुक्त
उत्कर्ष	अपकर्ष	उद्गम	विलय
उदात्त	अनुदात्त	ऊषा	संध्या
उत्साह	निरुत्साह/अनुत्साह	उदय	अस्त
उत्तम	अधम	उज्ज्वल	धूमिल
उद्यमी	निरुद्यम	उष्ण	शीत
उत्थान	पतन	उपादेय	अनुपादेय
उधार	नकद	ऊर्ध्व	अधो/अधः
उग्र	सौम्य	ऊँच	नीच
ऊष्मा	शीतलता		

ए/ऐ

एकार्थक	अनेकार्थक	एकपक्षीय	बहुपक्षीय
एकता	अनेकता	एक	अनेक
ऐच्छिक	अनैच्छिक	ऐतिहासिक	अनैतिहासिक
एकेश्वरवाद	बहुदेववाद	एकत्र	विकीर्ण
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य	एकतन्त्र	बहुतन्त्र
ऐहिक	पारलौकिक	एकांगी	सर्वांगीण
एकांकी	अनेकांकी	एकाकी	दुकेला
एकाग्र	चंचल	एकाधिकार	सर्वाधिकार
एकश्रुत	बहुश्रुत	एकनिष्ठ	बहुनिष्ठ
एड़ी	चोटी	ऐषणा	अनैषणा
एकाग्रता	चंचलता		

ओ/औ

ओजस्वी	निस्तेज	ओछा	गम्भीर
औरस	जारज	औदार्य	अनौदार्य
औपचारिक	अनौपचारिक	औचित्य	अनौचित्य
औरत	आदमी	औषधि	अनौषधि
ओत-प्रोत	विहीन		

ऋ

ऋत	अनृत	ऋणात्मक	धनात्मक
ऋजु	वक्र	ऋद्धि	विपन्न
ऋणग्रस्त	ऋणमुक्त		

क

कृत्रिम	प्राकृतिक	कुंद	तीक्ष्ण
कठोर	कोमल	कदाचार	सदाचार
कुसंग	सुसंग	कुमार्ग	सुमार्ग

Nitin-Gupta.com

करुण	—	निष्ठुर	क्रोध	—	क्षमा
कनिष्ठ	—	ज्येष्ठ	कर्कश	—	मधुर
कीर्ति	—	अपकीर्ति	कृतघ्न	—	कृतज्ञ
कृपण	—	दानी	कपट	—	निष्कपट
कारण	—	अकारण	कृष्ण	—	शुक्ल
कोलाहल	—	नीरवता	कलंकित	—	निष्कलंक
कथ्य	—	अकथ्य	कर्षण	—	विकर्षण
कुव्यवस्था	—	सुव्यवस्था	कुटिल	—	सरल
कायर	—	निडर/साहसी	कल्पित	—	यथार्थ
कर्मण्यता	—	अकर्मण्यता	कारागार	—	महल
कुरूप	—	सुरूप	कटु	—	मधुर
कुपात्र	—	सुपात्र	क्रूरता	—	करुणा
क्रमहीन	—	क्रमबद्ध	कदाचार	—	सदाचार
कुमारी	—	विवाहिता	कपूत	—	सपूत
कड़ा	—	मुलायम	कृपणता	—	उदारता
कुकृत्य	—	सुकृत्य	कर्मण्य	—	अकर्मण्य
कलयुग	—	सतयुग	कुलदीप	—	कुलांगर
कीर्ति	—	अपकीर्ति	क्रय	—	विक्रय
क्रूर	—	अक्रूर,सदय	कृत्रिम	—	प्रकृत
कर्म	—	निष्कर्म/अकर्म	कुसुम	—	वज्र
काम	—	निष्काम	कृश	—	पुष्ट/पीन
कृपा	—	कोप	कुपुत्र	—	सुपुत्र

ख

खास	—	आम	खुश	—	नाखुश
खगोल	—	भूगोल	खेद	—	प्रसन्नता
खोटा	—	खरा	खिलना	—	मुरझाना
ख्यात	—	कुख्यात	खग	—	मृग
खुला	—	बन्द	खण्डन	—	मण्डन
खीझना	—	रीझना	खेचर	—	भूचर
खुशी	—	गम			

ग

गुरु	—	लघु, शिष्य	गत	—	आगत
गहरा	—	छिछला	गमनीय	—	अगमनीय
गण्य	—	नगण्य	गद्य	—	पद्य
गमन	—	आगमन	गम्भीर	—	चंचल
ग्रस्त	—	मुक्त	गरल	—	सुधा
गौरव	—	लाघव	गगन	—	पृथ्वी
गौण	—	मुख्य	गूढ़	—	प्रकट
ग्रहीता	—	दाता	गणतन्त्र	—	राजतन्त्र
गृहस्थ	—	संन्यासी	गुण	—	अवगुण/दोष
ग्राम	—	नगर	गेय	—	अगेय
गुणाढ्य	—	गुणहीन	ग्राह्य	—	त्याज्य
गोपनीय	—	प्रकाशनीय	ग्रस्त	—	मुक्त
गरिमा	—	लघिमा	गतिशील	—	गतिहीन
गरीब	—	अमीर	ग्रीष्म	—	शरद
गीला	—	सूखा	गगनचुम्बी	—	तलस्पर्शी

घ

घना	—	विरल	घटक	—	समुदाय
घात	—	प्रतिघात	घातक	—	रक्षक
घोषित	—	अघोषित	घरेलू	—	बाहरी
घृणा	—	प्रेम	घनिष्ठ	—	दूरस्थ
घोष	—	अघोष			

च

चर	—	अचर	चतुर	—	मूढ़, मूर्ख
चेतन	—	अचेतन,जड़	चाह	—	अनचाह
चंचल	—	गम्भीर, शान्त	च्युत	—	अच्युत
चिन्ता	—	शांति	चिरंतन	—	नश्वर
चिरंजीवी	—	अल्पजीवी	चातुर्य	—	मूर्खता
चरित्रवान	—	चरित्रहीन	चित्	—	अचित्
चोर	—	साधु	चल	—	अचल
चिंतित	—	निश्चिंत	चुस्त	—	सुस्त
चेष्ट	—	निश्चेष्ट			

छ

छाया	—	धूप	छात्र	—	छात्रा
छन्दबद्ध	—	छन्दमुक्त	छोटा	—	बड़ा
छुटकारा	—	बन्धन	छल	—	निश्छल
छादन	—	प्रकाशन	छूत	—	अछूत

ज

जेय	—	अजेय	जड़ता	—	चेतनता
जीना	—	मरना	जन्म	—	मृत्यु, मरण
जीवन	—	मरण	जीवित	—	मृत
जड़	—	चेतन	जल	—	थल/स्थल
जीत	—	हार	जंगम	—	स्थावर
जागरण	—	निद्रा	जटिल	—	सरल
जय	—	पराजय	ज्योति	—	तम
ज्वार	—	भाटा	ज्येष्ठ	—	कनिष्ठ
जाग्रत्	—	सुषुप्त	जनक	—	जननी
जर्जर	—	दृढ़	जितेन्द्रिय	—	इन्द्रियासक्त
जनाकीर्ण	—	जनहीन	जागना	—	सोना
ज्योतिर्मय	—	तमोमय	जंगली	—	घरेलू/पालतू
ज्वलन	—	शमनज	जागरूक	—	उदासीन
जीर्ण	—	अजीर्ण	जारज	—	औरस

झ

झूठ	—	सच	झोपड़ी	—	महल
झगड़ा	—	शांति	झंकृत	—	निस्तब्ध
झीना	—	त्रफ	झंझा	—	तूफान

ट/ठ

टीका	—	भाष्य	टूटना	—	जोड़ना
टल	—	अटल	ठोस	—	तरल/द्रव
ठंडा	—	गर्म	ठीक	—	गलत
ठौर	—	कुठौर			

Nitin-Gupta.com

ड/ढ

डरपोक	निड़र	डाल	पत्ती
ढ़ंग	बेढंग/कुढ़ंग	ढाढ़स	त्रास
ढाल	समतल	ढीठ	विनम्र

त

ताप	शीत	तुच्छ	महान
तीव्र	मंद	तेज	धीमा
तिमिर	प्रकाश	तामसिक	सात्विक
तुकांत	अतुकांत	तरल	ठोस
तल	अतल	तनय	तनया
तनुता	पुष्टता	तन्द्रा	जागरण
तारूण्य	वार्द्धक्य	तृष्णा	वितृष्णा/तृप्ति
तृप्त	अतृप्त	तिक्त	मधुर
तरुण	वृद्ध	त्याज्य	ग्राह्य
त्यक्त	ग्रहीत	तुष्ट	रुष्ट
तेजस्वी	निस्तेज	तटस्थ	सापेक्ष
तलवार	ढाल	तम	ज्योति
तुकान्त	अतुकान्त		

थ

थाह	अथाह	थोड़ा	बहुत
थकावट	स्फूर्ति	थोक	फुटकर/खुदरा

द

देव	दानव	दुष्ट/दुर्जन	सज्जन
देय	अदेय	दीर्घकाय	कृशकाय
दिवा	रात्रि	दूषित	स्वच्छ
दुर्बल	सबल	दक्षिण	वाम/उत्तर
दास	स्वामी	दरिद्र	धनी,धनाढ्य
देही	विदेह,अदेह	दयालु	निर्दय
दंड	क्षमा/पुरस्कार	दुःसाध्य	सुसाध्य
दुर्बुद्धि	सुबुद्धि	दृश्य	अदृश्य
दुर्लभ	सुलभ	दुर्गम	सुगम
दुर्भाग्य	सुभाग्य	दोषी	निर्दोष
दुर्दान्त	शांत	दूरवर्ती	निकटवर्ती
दमित	उत्तेजित	दैविक	भौतिक
दुराचार	सदाचार	दाता	याचक
दानी	कृपण	द्रुत	मंथर
द्वन्द	शांति	द्वेषी	अद्वेषी
द्वेष	सद्भावना	दृढ़	अदृढ़

ध

ध्वंस	निर्माण	धूप	छाँव
धर्म	अधर्म	धरा	गगन
धनी	निर्धन	धीरोदात्त	धीरोद्धत्त
धृष्ट	नम्र, विनम्र	धवल	श्याम
ध्रुव	अस्थिर		

न

निन्दा	स्तुति,प्रशंसा	नश्वर	शाश्वत
नास्तिक	आस्तिक	निषेध	विधि
नौकर	मालिक	निर्मल	मलिन
निरक्षर	साक्षर	नूतन	पुरातन
निरुग्णता	रुग्णता	निरामिष	सामिष
निर्दय	सदय	नीरोग	रोगी
निरुद्विग्न	उद्विग्न	नकद	उधार
नागरिक	ग्रामीण	निन्दनीय	प्रशंसनीय
निर्माण	ध्वंस	निष्क्रिय	सक्रिय
निषिद्ध	विहित	नीति	अनीति
निर्बुद्धि	बुद्धिमान्	नख	शिख
निश्चेष्ट	सचेष्ट	न्यून	अधिक
निन्द्य	वन्द्य	निरुद्ध	अनिरुद्ध
निर्भीक	भयभीत	निराधार	साधार
निर्जीव	सजीव	नकारात्मक	सकारात्मक
नीरस	सरस	निर्वाक्	सवाक्
निर्बल	सबल	न्यूनतम	अधिकतम
निर्भीक	डरपोक/भयभीत	निर्गमन	आगमन
निरर्थक	सार्थक	निःसीम	ससीम
निष्कलंक	कलंकित	निष्काम	सकाम
निद्रा	जागरण	निःशंक	सशंक
निवृत्त	प्रवृत्त	निरुद्विग्न	उद्विग्न
निज	पर	निष्कंटक	सकंटक
निर्लज्ज	सलज्ज	नरक	स्वर्ग
नगर	ग्राम	निर्दोष	सदोष
नैसर्गिक	कृत्रिम	निरादर	आदर/सादर
निरावृत्त	आवृत्त		

प

पक्ष	विपक्ष	परतंत्र	स्वतंत्र
पाश्चात्य	पूर्वीय/पौरस्त्य	पूर्व	पश्चिम
पुण्य	पाप	परार्थ	स्वार्थ
परलोक	इहलोक	पेय	अपेय
पतन	उत्थान	परिपक्व	अपरिपक्व
परोक्ष	प्रत्यक्ष	पूरा	अधूरा
प्रमुख	गौण	प्रवृत्ति	निवृत्ति
पहला	अंतिम	पराया	अपना
पूर्वकालीन	उत्तरकालीन	पवित्र	अपवित्र
परिणत	अपरिणत	पोषित	अपोषित
पराजय	जय,विजय	पौरुष	स्त्रीत्व
पृष्ठ	अग्र	प्रवृत्ति	निवृत्ति
पूर्वाह्न	अपराह्न	प्रखर	मन्द
पराधीन	स्वाधीन	परायन्त	स्वायन्त
पुरस्कार	तिरस्कार/दण्ड	परास्त	विजयी
पुष्ट	क्षीण	परिश्रम	विश्राम
पल्लवन	संक्षेपण	प्रशस्त्र	संकुचित
पंडित	मूर्ख	प्रदत्त	आदत्त/लब्ध

Nitin-Gupta.com

प्राची	प्रतीची	प्रत्यक्ष	परोक्ष
प्रयोग	अप्रयोग	प्रभु	भृत्य
प्रच्छन्न	अप्रच्छन्न/प्रकट	प्रशंसक	निन्दक
प्रदान	आदान	पक्षपाती	निष्पक्ष
प्रबुद्ध	बुद्धिहीन	प्राच्छादन	अनाच्छादन
प्रख्यात	कुख्यात	प्रशान्त	उद्भ्रान्त
प्रियोक्ति	कटूक्ति	प्रमुख	सामान्य
प्रसाद	विषाद	पतनोन्मुख	विकासोन्मुख
प्रफुल्ल	म्लान	प्रकाश	अन्धकार
प्रगति	अवनति	प्रेषक	प्रापक
प्रलय	सृष्टि	प्रधान	गौण
पुष्ट	अपुष्ट/क्षीण	पाठक	श्रोता
पार्थिव	अपार्थिव	पूर्वार्द्ध	उत्तरार्द्ध
पर्णकुटी	प्रासाद	पालक	संहारक
पापी	निष्पाप/पुण्यवान	पूर्ववर्ती	परवर्ती
परुष	कोमल	प्राचीन	नवीन/अर्वाचीन
प्राकृतिक	कृत्रिम	प्रवेश	निकास
प्रवृत्ति	निवृत्ति	प्रसारण	संकुचन
प्रजातंत्र	राजतंत्र	प्रशंसा	निंदा
प्रकाशन	गोपन	प्रकट	गुप्त

फ

फल	निष्फल, प्रतिफल	फूल	काँटा
फायदा	नुकसान	फलित	अफलित
फलाहारी	अनाजी	फैलना	सिकुड़ना

ब

बंजर	उर्वर	बलवान	बलहीन
बहुमत	अल्पमत	बोधगम्य	अबोधगम्य
बर्बर	सभ्य	बन्धन	मोक्ष/मुक्ति
बाहर	अन्दर	बेडौल	सुडौल
बहुधा	यदाकदा	बीमार	तंदरुस्त
बहिरंग	अंतरंग	बद्ध	अबद्ध, मुक्त
बाह्य	आभ्यंतर	बध्य	अबध्य
बुरा	भला	बाधित	अबाधित
बुद्धिमान्	बुद्धिहीन/निर्बुद्धि	बृहत्	लघु

भ

भक्ष्य	अभक्ष्य	भला	बुरा
भूत	भविष्य	भद्र	अभद्र
भीतरी	बाहरी	भूषण	दूषण
भय	अभय	भाग्य	अभाग्य/दुर्भाग्य
भोग्य	अभोग्य	भयाक्रान्त	भयशून्य
भौतिक	आध्यात्मिक	भावी	भूत
भोगी	योगी	भारी	हल्का
भोज्य	अभोज्य	भोक्ता	अभोक्ता
भगवान	भगवती	भंजक	योजक
भूमिका	उपसंहार	भ्रान्त	निर्भ्रान्त
भ्रामक	निश्चयात्मक	भेद्य	अभेद्य
भव्य	सामान्य, फूहड़		

म

मिलन	वियोग/विरह	मर्त्य	अमर्त्य
मधुर	कटु	मनुष्य	पशु
मंथर	क्षिप्र	महत्त्वपूर्ण	गौण
मार्जित	अमार्जित	महिमा	लघिमा
ममता	निर्ममता	मूर्छित	सचेत
महान	तुच्छ	मनसा	कर्मणा
मलिन	निर्मल	मुसीबत	आराम
मन्द	द्रुत	महात्मा	दुरात्मा
मित्र	शत्रु	मूल	निर्मूल
मूक	वाचाल	महायोगी	महाभोगी
मनुज	दनुज	मीठा	खट्टा
मृत्युञ्जय	मर्त्य	मुदित	खिन्न
मतभेद	मतैक्य	मेधावी	मूर्ख
मानव	दानव	मृदुल	कठोर
मिथ्या	सत्य	मुक्ति	बन्धन
मौन	मुखर	मान	अपमान
मुक्त	बद्ध	मुद्रित	अमुद्रित
मूढ़	ज्ञानी	महत्तम	लघुत्तम
मानवीय	अमानवीय	मुख	पृष्ठ/प्रतिमुख
मुश्किल	आसान	मुनाफा	नुकसान
मैत्री	अमैत्री	मानवता	नृशंसता
मतैक्य	मतभेद	महँगा	सस्ता
मसृण	रूक्ष		

य

यति	गृहस्थ	योग	वियोग
योगी	भोगी	यादृश	तादृश
युयुत्सा	मैत्री	याचक	दाता
यथार्थ	काल्पनिक	युद्ध	शान्ति
यथेष्ट	स्वल्प	यश	अपयश
योग्य	अयोग्य	यौवन	वार्धक्य

र

रोगी	नीरोग	रौद्र	शांत
रिपु	सुहृद्, मित्र	रक्षक	भक्षक
राजा	रंक	रत	विरत
रात्रि	दिन, दिवा	राष्ट्रप्रेम	राष्ट्रद्रोह
राग	विराग	रचना	ध्वंस
रहमदिल	बेरहम	रसिक	अरसिक
रिक्त	पूर्ण	राजतन्त्र	जनतन्त्र
रूपवान	रूपहीन/कुरूप	रूक्ष	मसृण

ल

लम्बा	ठिगना	लोभ	निर्लोभ
लंघनीय	अलंघनीय	लाभदायक	हानिकारक
लज्जालु	निर्लज्ज	लाभ	हानि
लालसा	विरक्ति	लब्ध	प्रदत्त
लक्ष्य	अलक्ष्य	लोक	परलोक
लिप्त	निर्लिप्त	लुभावना	घिनौना
लोकतन्त्र	राजतन्त्र	लिखित	मौखिक

Nitin-Gupta.com

लजीला	—	बेशर्म	लम्बाई	—	चौड़ाई
लापरवाह	—	सावधान	लुप्त	—	व्यक्त
लघु	—	दीर्घ/गुरु	लायक	—	नालायक
लौकिक	—	पारलौकिक			

व

विजयी	—	परास्त	वृद्धि	—	ह्रास
विकास	—	ह्रास, विनाश	विज्ञ	—	अज्ञ
व्यष्टि	—	समष्टि	व्यर्थ	—	अव्यर्थ
विधि	—	निषेध	वनस्थल	—	मरूस्थल
वैषम्य	—	साम्य	विपुल	—	अल्प
वीरता	—	कायरता	विधवा	—	सधवा
वर	—	वधू	व्यक्ति	—	समाज
वादी	—	प्रतिवादी	वियोजन	—	संयोजन
वैमनस्य	—	सौमनस्य	विषाद	—	हर्ष
व्यक्तिगत	—	सार्वजनिक	विजय	—	पराजय
विषाद	—	हर्ष	विनत	—	उद्धत
विशिष्ट	—	साधारण	वाचाल	—	मूक
विशेष	—	सामान्य	सद्वृत्त	—	दुर्वृत्त
विपन्न	—	सम्पन्न	सुकृति	—	कुकृति/दुष्कृति
विकल्प	—	संकल्प	विवाद	—	निर्विवाद
विस्तृत	—	संक्षिप्त	वसन्त	—	पतझड़
वैतनिक	—	अवैतनिक	विशालकाय	—	क्षीणकाय
वृहत्	—	लघु	व्यस्त	—	अव्यस्त
विपद्	—	सम्पद	वियोग	—	संयोग/मिलन
विदेश	—	स्वदेश	वर्ण	—	विवर्ण
वध्य	—	अवध्य	विभव	—	पराभव
व्यवहृत	—	अव्यवहृत	व्यभिचारी	—	सदाचारी
वैज्ञानिक	—	अवैज्ञानिक	विरत	—	रत
वरदान	—	अभिशाप	विष	—	अमृत
वृद्ध	—	बालक	वरिष्ठ	—	कनिष्ठ
विदेशी	—	स्वदेशी	वंदनीय	—	निंदनीय
वन्ध्या	—	उर्वरा	विस्मरण	—	स्मरण
विनिर्णीत	—	अनिर्णीत	विभ्रान्त	—	शांत
विराट	—	लघु	विश्लेषण	—	संश्लेषण
विस्तृत	—	संक्षिप्त	विवेकी	—	अविवेकी
विमुख	—	सम्मुख	वीर	—	कायर
वक्र	—	सरल/ऋजु	वैभव	—	दारिद्रय
विधुर	—	सपत्नीक	विहित	—	निषेध
वर्जनीय	—	ग्रहणीय	वांछित	—	अवांछित

श

शुल्क	—	निःशुल्क	शांत	—	अशांत
शीत	—	उष्ण	श्वास	—	निःश्वास
शोषण	—	पोषण	श्याम	—	गौर
शुचि	—	अशुचि	शुभ	—	अशुभ
शोभन	—	अशोभन	शेष	—	अशेष
शकुन	—	अपशकुन	श्वेत	—	श्याम
शासक	—	शासित	शयन	—	जागरण
शुष्क	—	आर्द्र	शान्ति	—	अशान्ति/क्रांति
शोषक	—	पोषक	शिव	—	अशिव
शठता	—	सज्जनता	श्वास	—	प्रश्वास
शिथिल	—	दृढ़	श्लिष्ट	—	अश्लिष्ट
शारीरिक	—	मानसिक	शक्तिमान	—	शक्तिहीन
श्यामा	—	गौरी	शूर	—	भीरु
श्लाघ्य	—	अश्लाघ्य	शिक्षक	—	शिक्षार्थी
शाश्वत	—	क्षणिक	शयन	—	जागरण

स

सम	—	विषम	सरलता	—	कठिनता
सफल	—	विफल	सभ्य	—	असभ्य
सगुण	—	निर्गुण	संदेह	—	निःसंदेह
सुगन्ध	—	दुर्गन्ध	सारथी	—	विरथी
साकार	—	निराकार	सन्धि	—	विच्छेद
सम्मान	—	अपमान	सूक्ष्म	—	स्थूल
स्वतन्त्रता	—	परतन्त्रता	सहयोगी	—	प्रतियोगी
संयोग	—	वियोग	सकर्म	—	निष्कर्म
सार्थक	—	निरर्थक	सम्मुख	—	प्रतिमुख
स्वजाति	—	विजाति	सजीव	—	निर्जीव
सुगम	—	दुर्गम	सरल	—	कठिन, कुटिल, वक्र
स्वर	—	व्यंजन	सदाचार	—	दुराचार
सौम्य	—	उग्र	सकाम	—	निष्काम
स्वकीय	—	परकीय	सजल	—	निर्जल
संदेह	—	विश्वास	स्वर्ग	—	नरक
सृष्टि	—	प्रलय	स्वदेशी	—	विदेशी
सुबोध	—	दुर्बोध	स्पष्ट	—	अस्पष्ट
सरस	—	नीरस	साहसी	—	भीरु
संग्रह	—	विग्रह, अपरिग्रह	संकीर्ण	—	विकीर्ण
सृजन	—	विनाश	संश्लेषण	—	विश्लेषण
समरूप	—	असमरूप	साहचर्य	—	पृथक्करण
संकल्प	—	विकल्प	संक्षिप्त	—	विस्तृत
सुसंगति	—	कुसंगति	संघटन	—	विघटन
सम्पत्ति	—	विपत्ति	संदेह	—	निस्संदेह
संभेद्य	—	अभेद्य	सम्भव	—	असम्भव
सन्त	—	असन्त	सदाचार	—	दुराचार
सौभाग्य	—	दुर्भाग्य	सुपरिणाम	—	दुष्परिणाम
स्वल्पायु	—	चिरायु	समास	—	व्यास
स्तुति	—	निन्दा	स्त्री	—	पुरुष
सत्कर्म	—	दुष्कर्म	सुमति	—	कुमति
सदाशय	—	दुराशय	सविकार	—	निर्विकार
सक्षम	—	अक्षम	सत्याग्रह	—	दुराग्रह
स्वार्थ	—	परार्थ	सामिष	—	निरामिष
संकीर्ण	—	विस्तीर्ण	स्वकीया	—	परकीया
सात्विक	—	तामसिक	समादृत	—	निरादृत
ससीम	—	असीम	सजल	—	निर्जल
सन्मार्गी	—	कुमार्गी	सन्ध्या	—	प्रातः
स्वदेश	—	परदेश	स्वानुगत	—	परानुगत
समर्थन	—	विरोध	संन्यस्त	—	गृहस्थ
सुयोग	—	कुयोग	सम्मुख	—	विमुख
सत्	—	असत्	सुधा	—	गरल/विष

Nitin-Gupta.com

सुकर	—	दुष्कर	संचय	—	असंचय
समर्थ	—	असमर्थ	स्वप्न	—	जागरण
सद्भावना	—	दुर्भावना	स्फुट	—	अस्फुट
सुन्दर	—	कुरूप	समावेशन	—	अनावेशन
सशस्त्र	—	निरस्त्र	संन्यासी	—	गार्हस्थ
समता	—	विषमता	सनातनी	—	प्रगतिवादी
संभाव्य	—	असंभाव्य	स्थिर	—	अस्थिर
सदाशय	—	कदाशय, दुराशय	सुसाध्य	—	दुःसाध्य
सुगति	—	दुर्गति	सहज	—	असहज
सापेक्ष	—	निरपेक्ष	स्थावर	—	जंगम
स्वागत	—	तिरस्कार	सत्कार	—	तिरस्कार
साध्वी	—	असाध्वी	सशंक	—	निश्शंक
समीपस्थ	—	दूरस्थ	सहनीय	—	असहनीय
सामान्य	—	विशिष्ट	सक्षम	—	अक्षम
सम्पदा	—	विपदा	सविकार	—	निर्विकार
संगठित	—	विघटित	स्वजाति	—	विजाति
सुनाम	—	दुर्नाम	सबला	—	अबला
स्वदेश	—	विदेश	सुफल	—	कुफल
सहृदय	—	हृदयहीन	सशुल्क	—	निःशुल्क
सम्मान	—	अपमान	सुयश	—	अपयश
स्थूल	—	सूक्ष्म	सहायक	—	प्रधान
स्याह	—	सफेद	सुलभ	—	दुर्लभ
सुपथ	—	कुपथ	स्मरण	—	विस्मरण
साकार	—	निराकार	सुदूर	—	सन्निकट

श्र

श्रीगणेश	—	इतिश्री	श्रीमान्	—	श्रीमती
श्रम	—	विश्राम	श्रेष्ठ	—	निम्न
श्रद्धा	—	घृणा	श्रोता	—	वक्ता
श्रांत	—	अश्रांत	श्रुत	—	अश्रुत
शृंखला	—	विशृंखला	श्रव्य	—	दृश्य
श्रवण	—	दर्शन			

ह

हताश	—	आशावान	ह्रास	—	वृद्धि
हिंसा	—	अहिंसा	हार	—	जीत
हित	—	अहित	ह्रस्व	—	दीर्घ
हतोत्साह	—	सहोत्साह	हास	—	रूदन
हत्या	—	जीवन-दान	हल्का	—	भारी
हानिप्रद	—	लाभप्रद	हर्ष	—	विषाद

क्ष

क्षत	—	अक्षत	क्षर	—	अक्षर
क्षति	—	लाभ	क्षुद्र	—	विराट्
क्षम्य	—	अक्षम्य	क्षमा	—	दण्ड
क्षुब्ध	—	शान्त			

ज्ञ

ज्ञानी	—	अज्ञानी, मूढ़	ज्ञान	—	अज्ञान
ज्ञेय	—	अज्ञेय			

विगत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न : संकलन

1. इनमें से विलोम शब्दों का सही युग्म है-

(a) सन्मुख-उन्मुख
(b) स्थावर-चंचल
(c) अल्पज्ञ-अवज्ञ
(d) आकुंचन - प्रसारण

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (d) : 'आकुंचन - प्रसारण' युग्म विलोम की दृष्टि से सही है। अन्य शब्दों के विलोम निम्न हैं-

शब्द	**विलोम**
सम्मुख	विमुख
स्थावर	जंगम
अल्पज्ञ	बहुज्ञ
उन्मुख	विमुख
चंचल	गंभीर, शांत

2. 'दुर्बल' का विलोम शब्द है-

(a) सबल (b) निर्बल
(c) कुबल (d) अबल

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (a) : दिये गये विकल्पों में 'दुर्बल' का विलोम शब्द 'सबल' होगा। अन्य विकल्प असंगत हैं।

3. 'अभिज्ञ' का विलोम शब्द है-

(a) सभिज्ञ (b) दुर्भिज्ञ
(c) अनभिज्ञ (d) भिज्ञ

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (c) : दिये गये शब्दो में 'अभिज्ञ' का विलोम शब्द 'अनभिज्ञ' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

4. इनमें से विलोम शब्दों का गलत युग्म है–

(a) आविर्भाव - विभाव (b) अपराधी - निरपराध
(c) उन्मूलन - रोपण (d) विहित - निषिद्ध

UPPCS RO/ARO (Mains) 2021

Ans. (a) : दिये गये विलोम शब्द युग्मों में 'आविर्भाव - विभाव' युग्म गलत है। 'आविर्भाव' का विलोम 'तिरोभाव' होगा न कि 'विभाव'।

Nitin-Gupta.com

5. **इनमें से 'सरल' शब्द का विलोम नहीं है–**
(a) विरल (b) वक्र
(c) कुटिल (d) कठिन
UPPCS RO/ARO (Mains) 2021

Ans. (a) : 'विरल' शब्द 'सघन' का विलोम होता है न कि 'सरल' का, जबकि अन्य शब्द 'सरल' के विलोम हैं।

6. **निम्नलिखित में विलोम शब्दों का सही युग्म है–**
(a) आग्रह - विग्रह
(b) गणतन्त्र - लोकतन्त्र
(c) आकीर्ण - विकीर्ण
(d) थोक - परचून
UPPCS RO/ARO (Mains) 2021

Ans. (c) : 'आकीर्ण - विकीर्ण' विलोम शब्द का सही युग्म है। जबकि अन्य शब्दों का सही विलोम युग्म इस प्रकार हैं–

शब्द	विलोम
आग्रह	अनाग्रह
गणतन्त्र	राजतंत्र
थोक	फुटकर
अनुग्रह	विग्रह

7. **'उपत्यका' का विलोम शब्द है–**
(a) अनुत्यका (b) अधित्यका
(c) उचत्यका (d) अपत्यका
UPPCS RO/ARO (Mains) 2021

Ans. (b) : 'उपत्यका' का विलोम 'अधित्यका' होगा।

8. **'मसृण' का विपरीतार्थक शब्द होगा–**
(a) सुकुमार (b) चिक्कण
(c) रुक्ष (d) नरम
UPPCS RO/ARO (Mains) 2021

Ans. (c) : 'मसृण' का विपरीतार्थक शब्द 'रुक्ष' होगा। अन्य शब्दों के विलोम निम्न हैं–

शब्द	विलोम
सुकुमार	कमासुत
चिक्कण	खुरदुरा
नरम	कड़ा/कठोर

9. **निम्नलिखित में 'अनघ' का विलोम है–**
(a) निरघ (b) निष्पाप
(c) कृती (d) अघी
UPPCS RO/ARO (Mains) 2021

Ans. (d) : 'अनघ' का विलोम 'अघी' होगा। अन्य शब्दों के विलोम निम्न हैं–

शब्द	विलोम
निरघ	अघी
निष्पाप	पापी
कृती	अकृती

10. **विलोम शब्दों की दृष्टि से इनमें से एक युग्म अशुद्ध है, वह है**
(a) आतप-निरातप (b) उदय-अस्त
(c) कुटिल-जटिल (d) गहरा-छिछला
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) : 'कुटिल-जटिल' विलोम युग्म अशुद्ध है। इसका सही विलोम युग्म होगा- कुटिल-सरल। अन्य विलोम युग्म शुद्ध हैं।

11. **'अनवधान' शब्द का विलोम है**
(a) वरदान (b) सावधानी
(c) निरभिमान (d) अननुमत
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (b) : 'अनवधान' का विलोम 'सावधानी' होगा। अन्य शब्दों के विलोम निम्न हैं-

शब्द	विलोम
वरदान	शाप
निरभिमान	अभिमान
अननुमत	अनुमत

12. **निम्नांकित शब्द – युग्मों में से विलोम शब्दों की दृष्टि से एक युग्म गलत है, वह है**
(a) हयादार - बेहया
(b) अभिमानी - निरभिमान
(c) अज्ञ – अनभिज्ञ
(d) सुशासन - कुशासन
UPPSC AE 2021

Ans. (c) : 'अज्ञ' का विलोम 'विज्ञ' या 'प्रज्ञ' होता है। 'अभिज्ञ' का विलोम 'अनभिज्ञ' होता है। अज्ञ व अनभिज्ञ समानार्थी शब्द हैं जिनका अर्थ मूर्ख/ज्ञानरहित होता है।

13. **'नैसर्गिक' का विपरीतार्थक शब्द है-**
(a) अनुर्वर (b) आविर्भाव
(c) प्राकृत (d) कृत्रिम
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'नैसर्गिक' का विपरीतार्थक शब्द 'कृत्रिम' होगा। अन्य शब्दों के विपरीतार्थक शब्द इस प्रकार हैं-

शब्द	विपरीतार्थक
अनुर्वर	उर्वर
आविर्भाव	तिरोभाव
प्राकृत	अप्राकृत

Nitin-Gupta.com

14. इनमें से 'प्रथम' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द होगा-

(a) प्रधान (b) गौण
(c) अंतिम (d) प्रत्यक्ष

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'प्रथम' का उपयुक्त विपरीतार्थ शब्द 'अंतिम' होगा।

शब्द	विलोम
प्रधान	गौण
प्रथम	अंतिम
प्रत्यक्ष	अप्रत्यक्ष, परोक्ष

15. 'अनुरक्ति' का विपरीतार्थक शब्द है-

(a) आसक्ति (b) प्रशस्ति
(c) विरक्ति (d) प्रकृति

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c): 'अनुरक्ति' का विपरीतार्थक शब्द 'विरक्ति' होगा।

शब्द	विलोम
आसक्ति	अनासक्ति
प्रकृति	विकृति
प्रशस्ति	निंदा, अनादर

16. 'अनुग्रह' का उपयुक्त' विपरीतार्थक शब्द होगा-

(a) विग्रह (b) आग्रह
(c) परिग्रह (d) संग्रह

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : 'अनुग्रह' का विपरीतार्थक शब्द 'विग्रह' होगा।

शब्द	-	विलोम
आग्रह	-	अनाग्रह
परिग्रह	-	अपरिग्रह
संग्रह	-	विग्रह

17. इनमें से विलोम शब्दों का एक सही युग्म है-

(a) आपत्ति - विपत्ति
(b) अवर्षण – अनावर्षण
(c) गणतन्त्र – जनतन्त्र
(d) आदृत – तिरस्कृत

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : आदृत – तिरस्कृत, विलोम शब्दों का एक सही युग्म है।

शब्द		विलोम
आपत्ति	-	संपत्ति
अवर्षण	-	वर्षण
गणतंत्र	-	राजतंत्र
आदृत	-	अनादृत, निरादृत, तिरस्कृत

18. 'आधुनिक' का विलोम है -

(a) समीचीन (b) अर्वाचीन
(c) प्राचीन (d) समसामयिक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : आधुनिक का विलोम 'प्राचीन' है जबकि प्राचीन का विलोम नवीन, अर्वाचीन तथा आधुनिक होता है। 'समीचीन' का विलोम शब्द 'असमीचीन' होगा।

19. 'आवर्तक' का विपरीतार्थक शब्द है -

(a) प्रवर्तक (b) अनावर्तक
(c) आवृत (d) प्रकर्षक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'आवर्तक' का विपरीतार्थक शब्द 'अनावर्तक' है। अन्य शब्दों के विपरीतार्थक शब्द –

शब्द	-	विपरीतार्थक शब्द
प्रवर्तक	-	अप्रवर्तक
आवृत	-	अनावृत
प्रकर्ष	-	अपकर्ष

20. 'गौरव का विपरीतार्थक शब्द है -

(a) वैभव (b) लाघव
(c) पराभव (d) निर्मोक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'गौरव' का विपरीतार्थक शब्द 'लाघव' होगा।
दिये गये विकल्पों के विलोम शब्द निम्न हैं-

शब्द	विलोम शब्द
वैभव	दैन्य (दारिद्रय)
पराभव	विभव

21. 'अमृत' का विलोम है

(a) अर्क (b) पीयूष
(c) मधुर (d) विष

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'अमृत' का विलोम 'विष' होगा।
दिये गये विकल्पों के विलोम शब्द निम्न हैं-

शब्द		विलोम शब्द
मधुर	-	कटु, कर्कश
पीयूष	-	विष

22. 'सदाचार' का विलोम है-

(a) आचार (b) कदाचार
(c) अपराध (d) अन्याय

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'सदाचार' का विलोम शब्द 'कदाचार' होगा।
दिये गये विकल्पों के विलोम शब्द निम्न हैं–

शब्द		विलोम शब्द
आचार	-	अनाचार
अपराध	-	निरपराध
अन्याय	-	न्याय

Nitin-Gupta.com

23. **'उत्कर्ष' का विलोम है**

(a) निष्कर्ष (b) उपकर्ष
(c) अपकर्ष (d) उत्सर्ग

UPPCS (Pre) CSAT 2021

Ans. (c) : 'उत्कर्ष' का विलोम शब्द है– 'अपकर्ष'
अन्य विकल्प संगत नहीं हैं।

24. **गगनचुम्बी का सर्वथा शुद्ध विलोम शब्द है**

(a) भूतल (b) धराशायी
(c) भूमिसात् (d) तलस्पर्शी

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (d) : 'गगनचुम्बी' का सर्वथा शुद्ध विलोम शब्द है- तलस्पर्शी।

25. **आघात का विलोम शब्द है-**

(a) संघात (b) उद्घात
(c) प्रतिघात (d) बलाघात

UPPCS RO/ARO (Mains) 2016

Ans. (c) : 'घात/आघात' का विलोम 'प्रतिघात' है।

26. **निम्नलिखित में से उन्मूलन का सही विलोम है**

(a) अवरुद्ध (b) निर्माण
(c) समृद्धि (d) रोपण

UPPCS RO/ARO (Mains) 2016

Ans. (d) : 'उन्मूलन' का विलोम 'रोपण' होता है। अन्य शब्दों के विलोम निम्नवत् हैं-

शब्द		**विलोम**
अवरुद्ध	-	अनवरुद्ध
निर्माण	-	ध्वंस
समृद्धि	-	विनाश

27. **विलोम की दृष्टि से निम्नलिखित में से एक सही युग्म है**

(a) ताण्डव - माँडव (b) अनृत-ऋत
(c) मुक्त-विमुक्त (d) विभावना-सद्भावना

UPPCS RO/ARO (Mains) 2016

Ans. (b) : 'अनृत' का विलोम 'ऋत' है। 'मुक्त' का 'बँधा या बद्ध', 'ताण्डव' का 'लास्य' और 'विभावना' का विलोम 'विशेषोक्ति' होता है।

28. **निम्नलिखित में से विलोम का अशुद्ध युग्म है**

(a) अनन्त-असीम (b) कुशल-अकुशल
(c) अधर्म-धर्म (d) जड़-चेतन

UPPCS RO/ARO (Mains) 2016

Ans. (a) : 'अनन्त' शब्द का विलोम 'सांत' होता है। जबकि, असीम 'अनन्त' का समानार्थी शब्द है। शेष सभी विकल्प सही हैं।

29. **विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म है**

(a) विराग - चिराग
(b) संयुक्त - वियुक्त
(c) सरस - अरस
(d) अर्वाचीन - समीचीन

UPPCS RO/ARO (Mains) 2016

Ans. (b) : विवरण निम्नवत है-

शब्द		**विलोम**
विराग	-	राग
संयुक्त	-	पृथक, असंयुक्त, वियुक्त
सरस	-	नीरस
अर्वाचीन	-	प्राचीन

30. **'आविर्भूत' का सही विलोम शब्द है–**

(a) अनास्था (b) अनेकता
(c) तिरोभूत (d) अनावृष्टि

UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (c): 'आविर्भूत' का सही विलोम शब्द 'तिरोभूत' है। 'अनास्था' का विलोम 'आस्था', 'अनेकता' का विलोम 'एकता' और 'अनावृष्टि' का विलोम 'अतिवृष्टि' होता है।

31. **'क्षणिक' का सही विलोम शब्द है–**

(a) अल्प (b) शाश्वत
(c) क्षर (d) विमुख

UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (b) : 'क्षणिक' का विलोम शब्द 'शाश्वत' है। 'अल्प' का विलोम 'अति', 'क्षर' का विलोम 'अक्षर', 'विमुख' का विलोम 'उन्मुख/सम्मुख' होता है।

32. **'अग्रज' का विलोम शब्द है–**

(a) अक्षत (b) अतुल
(c) अनुज (d) अटल

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'अग्रज' का विलोम शब्द 'अनुज' है। 'अक्षत' का विलोम 'क्षत' तथा 'अटल' का विलोम 'डाँवाँडोल/ढुलमुल' होता है।

33. **निम्नलिखित में से विलोम शब्दों की दृष्टि से एक युग्म गलत है, वह है–**

(a) मौन–मुखर (b) शानदार–शर्मनाक
(c) बर्बर–सभ्य (d) अनुचर–परिचर

UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (d) : विलोम शब्दों की दृष्टि से गलत युग्म 'अनुचर–परिचर' है। दोनों का अर्थ 'सेवक' है। 'मौन' का विलोम 'मुखर या वाचाल', 'शानदार' का विलोम 'शर्मनाक' और 'बर्बर' का विलोम 'सभ्य' सही है।

34. **विलोम शब्द की दृष्टि से इनमें एक युग्म गलत है, वह है–**

(a) अमित–परिमित (b) सत्कार–तिरस्कार
(c) आच्छादित–परिच्छन्न (d) सुख–दुःख

UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (c) : विलोम शब्दों की दृष्टि से 'आच्छादित–परिच्छन्न' गलत युग्म है। 'आच्छादित' का विलोम 'अनाच्छादित' होता है। विलोम की दृष्टि से अन्य युग्म सही हैं।

Nitin-Gupta.com

35. **'भौतिक' का विलोम शब्द है–**
(a) आध्यात्मिक (b) दार्शनिक
(c) सांस्कृतिक (d) राजनीतिक
UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (a) : 'भौतिक' का विलोम शब्द 'आध्यात्मिक' है। भौतिक एवं आध्यात्मिक विशेषण शब्द हैं। विशेषण शब्द का विलोम सदैव विशेषण होता है।

36. **'प्राची' शब्द का विपरीतार्थक है–**
(a) उदीची (b) प्रतीची
(c) नवीन (d) समीची
UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (b): दिये गये शब्दों के विपरीतार्थक शब्द इस प्रकार हैं–

शब्द	**विलोम**
प्राची (पूरब)	प्रतीची (पश्चिम)
उदीची (उत्तर)	अवाची (दक्षिण)
नवीन	प्राचीन

'समीची' का अर्थ 'प्रशंसा' व 'गुणगान' होता है। इसका विलोम 'निंदा' हो सकता है।

37. **'समष्टि' का विलोम शब्द है–**
(a) विशिष्ट (b) व्यष्टि
(c) अशिष्ट (d) अपुष्टि
UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (b) : 'समष्टि' का विलोम 'व्यष्टि' है। 'विशिष्ट' का 'सामान्य', 'अशिष्ट' का 'शिष्ट', 'अपुष्टि' का विलोम 'पुष्टि' होता है।

38. **निम्नलिखित में से विलोम शब्दों की दृष्टि से एक युग्म गलत है, वह है–**
(a) विधि–निषेध (b) आह्वान–विसर्जन
(c) आग्रह–विग्रह (d) अमिय–हलाहल
UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (c) : विलोम की दृष्टि से गलत युग्म 'आग्रह–विग्रह' है। सही विलोम युग्म हैं–

शब्द		**विलोम**
विधि	–	निषेध
आह्वान	–	विसर्जन
आग्रह	–	दुराग्रह
अमिय	–	हलाहल
संधि	–	विग्रह

39. **विलोम शब्द की दृष्टि से इनमें से सही युग्म है–**
(a) अकीर्ण–विकीर्ण (b) ईप्सित–अभीप्सित
(c) आदृत–निरादृत (d) दोष–सदोष
UPPCS RO/ARO Pre (Re-Exam) 2016

Ans. (c) : विलोम की 'दृष्टि' से सही युग्म 'आदृत–निरादृत' है। अन्य शब्दों का सही विलोम है–संकीर्ण–विकीर्ण, ईप्सित–अनीप्सित, अदोष–सदोष, दोष–गुण।

40. **उत्तरायण का विलोम है-**
(a) पलायन (b) विस्थापन
(c) ईशान (d) दक्षिणायन
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'उत्तरायण' का विलोमार्थक शब्द 'दक्षिणायन' है।

41. **'स्तब्ध' के लिए सही विलोम है-**
(a) अनस्तब्ध (b) प्रारब्ध
(c) अस्तब्ध (d) लब्ध
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'स्तब्ध' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विलोमार्थक शब्द 'अस्तब्ध' है।

42. **आवर्तक का सही विलोम है-**
(a) प्रवर्तक (b) अनावर्तक
(c) सवर्तक (d) समर्थक
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(b)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'आवर्तक' का सटीक विलोमार्थक शब्द 'अनावर्तक' है।

43. **निम्नलिखित में से विलोम की दृष्टि से सही युग्म है-**
(a) अधिष्ठित-प्रतिष्ठित
(b) आस्था-विश्वास
(c) असूया-अनसूया
(d) प्रमुख-विमुख
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में विलोम की दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त युग्म 'असूया-अनसूया' है। अन्य शब्द युग्म असंगत हैं। जिनका संगत युग्म निम्नलिखित हैं–

शब्द	**विलोम**
अधिष्ठित	अनधिष्ठित
आस्था	अनास्था
प्रमुख	सामान्य, गौण

44. **निम्नलिखित में विलोम की दृष्टि से सही युग्म है-**
(a) विशेष-आशेष (b) विपत्ति-आपत्ति
(c) स्वतन्त्रता-स्वाधीनता (d) वक्र-ऋजु
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(d)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में विलोम की 'दृष्टि' से सही युग्म 'वक्र-ऋजु' है। अन्य शब्दों का सही युग्म निम्नवत है–

शब्द	**विलोम**
विशेष	सामान्य
विपत्ति	सम्पत्ति
स्वतन्त्रता	परतन्त्रता

45. निम्नलिखित में एक शब्द 'शुष्क' का विलोम है-

(a) उष्ण (b) आर्द्र
(c) शीत (d) शिष्ट

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या–'शुष्क' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'आर्द्र' होता है जबकि 'शिष्ट' का विलोम 'अशिष्ट' होता है। 'शीत' व 'उष्ण' परस्पर विपरीतार्थी शब्द है।

46. निम्नलिखित में से एक शब्द 'स्थूल' का विलोम नहीं है-

(a) सूक्ष्म (b) तन्वी (c) दुर्बल (d) शाश्वत

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या– दिये गये शब्दों में 'शाश्वत' शब्द 'स्थूल' का विलोम नहीं है जबकि यह 'क्षणिक' का विलोम है। सूक्ष्म, तन्वी एवं दुर्बल स्थूल के विलोम हैं।

47. 'पृथक्' का सही विलोम है-

(a) एकत्र (b) संयुक्त (c) थकित (d) सुघटित

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या– 'पृथक्' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'संयुक्त' होता है जबकि 'एकत्र' का विलोम शब्द 'विकीर्ण' होता है।

48. निम्नलिखित में एक शब्द 'उपयोग' का विलोम है-

(a) समुपयोग (b) निरुपयोग
(c) सदुपयोग (d) अनुपयोग

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या– 'उपयोग' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'अनुपयोग' होता है। शेष विकल्प असंगत एवं त्रुटिपूर्ण हैं।

49. इनमें से विलोम शब्दों का एक गलत युग्म है-

(a) दक्षिण - वाम (b) उद्यम - निरुद्यम
(c) विधि - निषेध (d) बर्बर - सभ्य

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या– दिये गये विलोम शब्दों में अशुद्ध युग्म 'उद्यम-निरुद्यम' है। इसका शुद्ध विलोम शब्द 'उद्यम-आलस्य' होगा और 'उद्यमी' का विलोम 'आलसी' या 'निरुद्यम' होगा। शेष विलोम युग्म शुद्ध हैं।

50. निम्नलिखित में विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म है-

(a) अल्पज्ञ - बहुज्ञ (b) संयुक्त - संधियुक्त
(c) समस्त - अभ्यस्त (d) अज्ञ - अनभिज्ञ

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या– विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म 'अल्पज्ञ-बहुज्ञ' है। अन्य शब्दों के विलोम इस प्रकार हैं–

शब्द	**विलोम**
संयुक्त	असंयुक्त
अज्ञ	विज्ञ, प्रज्ञ
अभिज्ञ	अनभिज्ञ

51. विलोमार्थक दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

(a) सचल - चल (b) निरपेक्ष - सापेक्ष
(c) मौलिक - अनूदित (d) बंधन - मोक्ष

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या– 'चल' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'अचल' होता है न कि सचल। शेष युग्म शुद्ध हैं।

52. निम्नलिखित में से विलोम की दृष्टि से सही शब्द युग्म है-

(a) आग्रह - विग्रह
(b) अपकर्ष - उपकर्ष
(c) जारज - औरस
(d) उत्सर्जन - विसर्जन

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या–'जारज' का विलोम 'औरस', 'अपकर्ष' का विलोम 'उत्कर्ष' जबकि 'आग्रह' का विलोम 'दुराग्रह', 'विसर्जन' का विलोम 'आह्वान' होता है।

53. निम्नलिखित में विलोम शब्दों का सही युग्म है-

(a) ईप्सित - अभीप्सित
(b) अमित - समित
(c) हया - बेहया
(d) अघी - निरघ

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या– दिये गये विलोम शब्दों में शुद्ध युग्म 'अघी-निरघ' है। जबकि शेष युग्म अशुद्ध है। जिनका शुद्ध रूप इस प्रकार होगा–

ईप्सित – अनीप्सित
अमित – परिमित

नोट– 'बेहया' हयादार का विलोम होता है न कि हया का। 'हया' भाववाचक संज्ञा है जबकि 'बेहया' विशेषण शब्द है। अतः इसका विलोम विशेषण शब्द (हयादार) होगा।

Nitin-Gupta.com

54. 'सुलभ' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है–

(a) दुष्प्राप्य (b) अलब्ध
(c) अप्राप्य (d) दुर्लभ

UPPCS AE 2013
UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'सुलभ' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'दुर्लभ' है जबकि 'दुष्प्राप्य' अथवा 'अप्राप्य' का विलोम शब्द 'प्राप्य' और 'लब्ध' का विपरीतार्थक शब्द 'अलब्ध' अथवा 'प्रदत्त' होता है।

55. 'दीर्घायु' का विलोम होगा–

(a) चिरायु (b) अल्पायु
(c) नश्वर (d) क्षणिक

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'दीर्घायु' अथवा 'चिरायु' का विलोम शब्द 'अल्पायु' है जबकि 'नश्वर' अथवा 'क्षणिक' का विपरीतार्थक शब्द 'शाश्वत' है।

56. 'व्यष्टि' का विपरीतार्थक शब्द है–

(a) समास (b) समवेत
(c) समष्टि (d) समस्त

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'व्यष्टि' का विपरीतार्थक शब्द 'समष्टि' है जबकि 'समास' का विलोम शब्द 'व्यास', 'समवेत' का विलोम शब्द 'असमवेत' होता है।

57. 'उपमेय' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है–

(a) अनुपमेय (b) अतुलनीय
(c) अनुपम (d) अनुपमित

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'उपमेय' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'अनुपमेय' है। 'अतुलनीय' का तात्पर्य है जिसकी तुलना न की जा सके जबकि 'अनुपम' का अर्थ है जिसकी कोई उपमा न हो।

58. 'भूगोल' का विपरीतार्थक शब्द है–

(a) इतिहास (b) अंतरिक्ष
(c) ध्रुवगोल (d) खगोल

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'भूगोल' का विपरीतार्थक शब्द 'खगोल' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

59. 'सहयोगी' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है–

(a) प्रतियोगी (b) प्रतिद्वन्द्वी
(c) प्रतिरोधी (d) प्रतिकूल

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'सहयोगी' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'प्रतियोगी' होता है जबकि 'प्रतिकूल' का विपरीतार्थक शब्द 'अनुकूल' होता है।

60. 'जोड़' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है–

(a) गुणा (b) भाग
(c) घटाव (d) बाकी

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जोड़' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'घटाव' होता है जबकि 'गुणा' का विपरीतार्थक शब्द 'भाग' होता है।

61. 'तृष्णा' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है–

(a) वितृष्णा (b) निस्पृह
(c) संतुष्टि (d) वितृप्त

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'तृष्णा' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'वितृष्णा' है जबकि 'संतुष्टि' का विपरीतार्थक शब्द 'असंतुष्टि' है।

62. 'निषिद्ध' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है–

(a) निश्चित (b) विहित
(c) उचित (d) निर्मित

UP RO/ARO (Pre) 2016, 2017
UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर– (b)

व्याख्या- 'निषिद्ध' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'विहित' है, जबकि 'निश्चित' का विलोम 'अनिश्चित', 'उचित' का विलोम 'अनुचित' और 'निर्मित' का विलोम 'अनिर्मित' होता है।

63. 'पोषक' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द होगा–

(a) चूषण (b) अनपोषक
(c) शोषक (d) क्षीणकारी

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'पोषक' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'शोषक' होता है।

64. 'जंगम' का विलोम शब्द है –

(a) अगम (b) दुर्गम
(c) स्थावर (d) चंचल

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'जंगम' का विलोम शब्द 'स्थावर' होता है। 'दुर्गम' का विलोम 'सुगम' होता है, 'अगम' का विलोम 'गम्य' तथा 'चंचल' का विलोम 'स्थिर' होता है।

Nitin-Gupta.com

65. 'सृष्टि' का विलोम शब्द है –

(a) विसृष्टि (b) प्रलय
(c) व्यष्टि (d) समष्टि

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'सृष्टि' का विलोम 'प्रलय' होता है जबकि 'व्यष्टि' का विलोम 'समष्टि' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

66. 'साहचर्य' का विलोम शब्द है –

(a) वैमनस्य (b) असहयोग
(c) विनियोग (d) अलगाव

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या– 'साहचर्य' का विलोम 'अलगाव' होता है। 'असहयोग' का विलोम 'सहयोग' होता है। 'वैमनस्य' का विलोम 'सौमनस्य' होता है।

67. 'विराट्' का विलोम शब्द है –

(a) वृहद् (b) वृहत्
(c) छोटापन (d) क्षुद्र

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'विराट्' का विलोम 'क्षुद्र' होता है। 'वृहत' का विलोम 'लघु' तथा 'छोटापन' का विलोम 'बड़ापन' होता है।

68. 'स्पृश्य' का विलोम शब्द है –

(a) स्पृस्य (b) अस्पृस्य
(c) अश्पृष्य (d) अस्पृश्य

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'स्पृश्य' का विलोम 'अस्पृश्य' होता है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

69. 'अज्ञ' का विलोम शब्द है –

(a) विज्ञ (b) यज्ञ
(c) सर्वज्ञ (d) अनज्ञ

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या – 'अज्ञ' का विलोम शब्द 'विज्ञ' है। 'सर्वज्ञ' का विलोम 'अल्पज्ञ' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

70. 'गौरव' का विलोम शब्द है –

(a) लाघव (b) लघुत्व
(c) लघुता (d) लघुतम

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या– 'गौरव' का विलोम 'लाघव' होता है। 'लघु' का विलोम 'दीर्घ' होता है। इसी प्रकार 'लघुता' का विलोम 'दीर्घता' होता है।

71. 'बहिरंग' का विलोम शब्द है–

(a) सर्वाङ्ग (b) अंतरंग
(c) चतुरंग (d) अभ्यङ्ग

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'बहिरंग' का विलोम 'अंतरंग' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

72. 'ग्रस्त' का विलोम शब्द है –

(a) सुप्त (b) ग्राह्य
(c) मुक्त (d) लुप्त

UP RO/ARO (Pre) 2014
UPPCS (Pre) IInd Paper 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'ग्रस्त' का विलोम 'मुक्त' है। 'ग्राह्य' का विलोम 'त्याज्य' और 'लुप्त' का विलोम 'प्रकट' होता है। इसी प्रकार 'मुक्त' का विलोम 'बद्ध' होता है।

73. 'आहूत' का विलोम शब्द है–

(a) हूत (b) अनहूत
(c) अपहूत (d) अनाहूत

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'आहूत' का विलोम शब्द 'अनाहूत' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

74. 'वादी' का विलोम शब्द है–

(a) अवादी (b) विवादी
(c) प्रतिवादी (d) अनावादी

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'वादी' का विलोम शब्द 'प्रतिवादी' होगा। शेष विकल्प असंगत हैं।

75. 'अवर' का विलोम शब्द है–

(a) लघु (b) प्रवर
(c) सुवर (d) कनिष्ठ

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'अवर' का विलोम शब्द 'प्रवर' होगा। 'लघु' का विलोम 'दीर्घ' तथा 'कनिष्ठ' का विलोम 'वरिष्ठ' एवं 'सुवर' का विलोम 'कुवर' होगा।

Nitin-Gupta.com

76. **'जटिल' का विलोम शब्द है–**

(a) सरल (b) कुटिल
(c) सहज (d) अजटिल.

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या – 'जटिल' का विलोम शब्द 'सरल' है, जबकि कुटिल का भी विलोम 'सरल' होगा तथा 'सहज' का विलोम 'असहज' होगा।

77. **विलोम की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है–**

(a) आयात-निर्यात (b) दृश्य-अदृश्य
(c) प्रत्यक्ष-परोक्ष (d) आमिष-सामिष

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – विलोम की दृष्टि से 'आमिष-सामिष' युग्म अशुद्ध है। इसका शुद्ध युग्म 'आमिष-निरामिष' होगा, जबकि आयात-निर्यात, दृश्य-अदृश्य, प्रत्यक्ष-परोक्ष विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म हैं।

78. **'प्रत्यक्ष' शब्द का विलोम है –**

(a) अपरोक्ष (b) परोक्ष
(c) सुंदर (d) प्रत्यय

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'प्रत्यक्ष' का विलोम शब्द 'परोक्ष' है न कि अपरोक्ष, प्रत्यक्ष और सुन्दर। अपरोक्ष का अर्थ भी प्रत्यक्ष है।

79. **'सामान्य' शब्द का विलोम है –**

(a) श्रेष्ठ (b) सर्वज्ञ
(c) साधारण (d) विशिष्ट

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (d)

व्याख्या – 'सामान्य' शब्द का विलोम शब्द 'विशिष्ट' है। श्रेष्ठ, सर्वज्ञ और साधारण इसके विलोम शब्द नहीं हैं। 'साधारण' का विलोम 'असाधारण', 'सर्वज्ञ' का विलोम 'अल्पज्ञ' और 'श्रेष्ठ' का विलोम 'निम्न/निकृष्ट/अधम' होता है।

80. **'अमर' शब्द का विलोम है –**

(a) मृतक (b) मृत्यु
(c) मरण (d) मर्त्य

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या – 'अमर' शब्द का विलोम 'मर्त्य' है न कि मृतक, मृत्यु और मरण।

81. **'तिमिर' शब्द का विलोम है –**

(a) आलोक (b) किरण
(c) रंगीन (d) रंगहीन

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'तिमिर' शब्द का विलोम 'आलोक' है न कि किरण, रंगीन, और रंगहीन।

82. **'उक्त' शब्द का विलोम है –**

(a) अनुक्त (b) उपयुक्त
(c) अनुपयुक्त (d) उपर्युक्त

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'उक्त' का विलोम 'अनुक्त' होता है, जबकि उपयुक्त का विलोम 'अनुपयुक्त' होता है।

83. **'निर्दय' शब्द का विलोम है –**

(a) सह्य (b) सहृदय
(c) सदय (d) सभय

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'निर्दय' का विलोम 'सदय' होता है न कि सहृदय, सभय और सह्य।

84. **'उत्कर्ष' शब्द का विलोम है –**

(a) अकर्ष (b) अनुत्कर्ष
(c) अपकर्ष (d) आकर्ष

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'उत्कर्ष' शब्द का विलोम 'अपकर्ष' होगा। शेष विकल्प असंगत हैं।

85. **'उत्कर्ष' शब्द का विलोम लिखिए।**

(a) पतन (b) अपकर्ष
(c) अपभ्रष्ट (d) विकर्ष

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'उत्कर्ष' शब्द का विलोम शब्द **'अपकर्ष'** होता है तथा पतन का विलोम उत्थान होता है।

86. **'अन्तर्मुखी' का विलोम लिखिए।**

(a) जगत्मुखी (b) वाचाल
(c) चतुर्मुखी (d) बहिर्मुखी

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या – 'अंतर्मुखी' शब्द का विलोम **'बहिर्मुखी'** होता है, न कि जगतमुखी, वाचाल, चतुर्मुखी। वाचाल का विलोम मूक होता है।

87. **'अतिवृष्टि' का विलोम शब्द है–**

(a) अल्पवृष्टि (b) लघुवृष्टि
(c) अनावृष्टि (d) न्यूनवृष्टि

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(c)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या – 'अतिवृष्टि' का विलोम शब्द '**अनावृष्टि**' होता है, न कि अल्पवृष्टि, लघुवृष्टि और न्यूनवृष्टि।

88. 'राजा' शब्द का विलोम लिखिए।

(a) गरीब (b) दरिद्र
(c) रंक (d) भिखारी

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'राजा' शब्द का विलोम शब्द '**रंक**' होता है, न कि गरीब, दरिद्र और भिखारी।

89. 'आकाश' शब्द का विलोम है?

(a) धरती (b) नागलोक
(c) पाताल (d) समुद्र

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'आकाश' शब्द का विलोम '**पाताल**' होता है, न कि धरती, समुद्र और नागलोक।

90. 'सगुण' शब्द का विलोम है?

(a) अवगुण (b) अगुण
(c) दुर्गुण (d) निर्गुण

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या–'सगुण' शब्द का विलोम शब्द '**निर्गुण**' होता है, न कि अवगुण, अगुण और दुर्गुण। 'गुण' का विलोम 'अवगुण' तथा 'सद्गुण' का विलोम 'दुर्गुण' होता है।

91. 'अपशकुन' का विलोम है–

(a) अशकुन (b) शकुन
(c) पुण्य (d) पावन

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'अपशकुन' का विलोम शब्द '**शकुन**' होता है, न कि पावन, पुण्य और अशकुन। 'पाप' का विलोम 'पुण्य' तथा 'पावन' का विलोम 'पतित/अपावन' होता है।

92. 'अथ' का विलोम है –

(a) पूर्ण (b) समाप्त
(c) इति (d) खत्म

UP RO/ARO (Pre) 2010
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(c)

व्याख्या–'अथ' का विलोम 'इति' होता है जबकि 'पूर्ण' का विलोम 'अपूर्ण', 'समाप्त' का विलोम 'आरम्भ' और 'खत्म' का विलोम 'शुरू' होता है।

93. 'अभिज्ञ' का विलोम है –

(a) अज्ञ (b) तज्ञ
(c) प्रज्ञ (d) चतुर

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'अभिज्ञ' का विलोम **अनभिज्ञ** होता है जबकि 'अज्ञ' का विलोम 'विज्ञ' होता है। चूँकि विकल्प में अनभिज्ञ नहीं दिया गया है अतः 'अभिज्ञ' का विलोम 'अज्ञ' ही होगा। 'चतुर' का विलोम 'मूर्ख/मूढ़' होता है।

94. 'कृतज्ञ' का विलोम है –

(a) अकृतज्ञ (b) संवेदनहीन
(c) कृतघ्न (d) जड़

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या–'कृतज्ञ' का विलोम शब्द 'कृतघ्न' होता है जबकि 'जड़' का विलोम 'चेतन', 'संवेदनहीन' का विलोम 'संवेदनशील', 'अकृतज्ञ' का विलोम 'कृतज्ञ' होता है।

95. 'संकीर्ण' का विलोम है –

(a) संक्षेप (b) विस्तार
(c) विकीर्ण (d) विस्तीर्ण

UP RO/ARO (Pre) 2010
UP PCS AE (I) 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या–'संकीर्ण' का विलोम 'विस्तीर्ण' होता है न कि विस्तार, विकीर्ण और संक्षेप। 'संक्षेप' का विलोम 'विस्तार' और 'आकीर्ण' का विलोम 'विकीर्ण' होता है।

96. 'सापेक्ष' का विलोम शब्द है –

(a) असापेक्ष (b) निष्पक्ष
(c) निरपेक्ष (d) आपेक्ष

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या–'सापेक्ष' का विलोम 'निरपेक्ष' होता है जबकि असापेक्ष, निष्पक्ष और आपेक्ष शब्द का आशय प्रश्न से बिल्कुल असम्बद्ध है।

97. 'विग्रह' का विलोम –

(a) सन्धि (b) अविग्रह
(c) आग्रह (d) ग्रहण

UP RO/ARO (Pre) 2010
UPPCS (I) 2007

उत्तर–(a)

व्याख्या–'विग्रह' का विलोम 'सन्धि' होता है न कि आग्रह, ग्रहण और अविग्रह। 'आग्रह' का विलोम 'अनाग्रह' एवं 'ग्रहण' का विलोम 'त्याज्य' होता है।

Nitin-Gupta.com

98. निम्नलिखित में कौन सा विलोम युग्म त्रुटिपूर्ण है?

(a) अपेक्षा - उपेक्षा (b) अग्रज - अनुज
(c) उन्नत - अवगत (d) आदान - प्रदान

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या–दिये गये विलोम युग्म में अपेक्षा - उपेक्षा, अग्रज - अनुज और आदान - प्रदान सही विलोम युग्म हैं, जबकि 'उन्नत' का विलोम 'अवनत' होता है न कि अवगत।

99. 'यथार्थ' का विलोम है –

(a) कृत्रिम (b) आदर्श
(c) उचित (d) अनुचित

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या–'यथार्थ' का विलोम 'आदर्श' होता है वहीं 'कृत्रिम' का विलोम 'प्राकृतिक', 'अनुचित' का विलोम शब्द 'उचित' होता है।

100. 'साधु' का विलोम शब्द है –

(a) साधुनी (b) सन्यासिनी
(c) साध्वी (d) असाधु

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या–'साधु' का विलोम 'असाधु' होता है न कि साध्वी, संन्यासिनी और साधुनी।

101. नीचे दिये शब्द युग्म में कौन-सा त्रुटिपूर्ण है?

(a) अनुग्रह - आग्रह (b) अनन्त - सान्त
(c) जड़ - चेतन (d) आकृष्ट - विकृष्ट

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या–'अनुग्रह' का विलोम 'आग्रह' न होकर 'विग्रह' होगा। 'आग्रह' का विलोम 'अनाग्रह' होता है।

102. 'ऋजु' शब्द का विलोम है–

(a) वक्र (b) तक्र
(c) सीधा (d) विरल

UPPCS AE (I) 2007
UPPCS AE 2008
UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या-'ऋजु' शब्द का विलोम 'वक्र' होता है। 'सीधा' का विलोम 'टेढ़ा' होता है और 'विरल' का विलोम 'सघन' होता है।

103. 'आकलन' शब्द का विलोम है–

(a) विकलन (b) संकलन
(c) समाकलन (d) प्राक्कलन

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'आंकलन' का विलोम 'विकलन' होता है। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं। 'संकलन' का विलोम 'व्यकलन' होता है।

104. निम्नलिखित में कौन-सा विलोम-युग्म त्रुटिपूर्ण है?

(a) क्षर - अक्षर
(b) समास - व्यास
(c) स्वल्पायु - चिरायु
(d) आहार - विहार

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Mains) 2010**

व्याख्या- 'क्षर' का विलोम 'अक्षर', 'समास' का विलोम 'व्यास' और 'स्वल्पायु' का विलोम 'चिरायु' होता है वहीं 'आहार' का विलोम 'विहार' न होकर 'निराहार' होता है।

105. निम्नलिखित में कौन-सा विलोम-युग्म त्रुटिपूर्ण है?

(a) आमिष - सामिष (b) आधार - आधेय
(c) विनीत - उद्धत (d) विपत्ति - संपत्ति

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या- आधार का आधेय, विनीत का 'उद्धत' और विपत्ति का सम्पत्ति सही विलोम शब्द है जबकि आमिष का विलोम सामिष न होकर **निरामिष** होता है।

106. 'ईप्सित' शब्द का विलोम है–

(a) अनीप्सित (b) अभीप्सित
(c) अधीप्सित (d) कुत्सित

UP RO/ARO Special (Pre) 2010
UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या – 'ईप्सित' शब्द का विलोम 'अनीप्सित' है, अभीप्सित, अधीप्सित एवं कुत्सित शब्द इससे पृथक शब्द है।

107. 'स्वजाति' का विलोम है–

(a) अजाति (b) कुजाति
(c) सुजाति (d) विजाति

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या–'स्वजाति' का विलोम 'विजाति' होता है। जबकि कुजाति, सुजाति एवं अजाति का संबंध स्वजाति से नहीं है।

108. 'उन्मूलन' का विलोम है–

(a) आमुलन (b) निमीलन
(c) समूलन (d) रोपण

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या–'उन्मूलन' का विलोम 'रोपण' होता है। निमीलन, समूलन, आमुलन का इससे कोई सम्बन्ध नहीं है।

Nitin-Gupta.com

109. 'अमित' शब्द का विलोम है–

(a) सुमित (b) कुमित
(c) परिमित (d) दुर्मित

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'अमित' का विलोम 'परिमित' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

110. 'श्रीगणेश' शब्द का विलोम है–

(a) इति (b) इतिश्री
(c) अथ (d) इत्यालम्

UPPCS AE 2007
UPPCS AE 2008
UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'श्रीगणेश' का शब्द विलोम 'इतिश्री' है। जबकि 'अथ' का विलोम 'इति' होता है।

111. 'धनी' का विलोम शब्द है–

(a) धनहीन (b) अधीन
(c) अधनी (d) निर्धन

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'धनी' का विलोम 'निर्धन' होता है। अधनी, अधीन एवं धनहीन, धनी के विलोम शब्द नहीं है।

112. 'उन्मीलन' का विलोम शब्द है–

(a) अवमीलन (b) सुमेलन
(c) अनुमीलन (d) निमीलन

UP RO/ARO Special (Pre) 2010
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'उन्मीलन' का विलोम शब्द 'निमीलन' होता है। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

113. 'अधिकृत' शब्द का विलोम है–

(a) अनाधिकृत
(b) अनधिकृत
(c) अनाधिकारिक
(d) प्राधिकृत

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'अधिकृत' का विलोम 'अनधिकृत' होता है जबकि प्राधिकृत, अनाधिकृत और अनाधिकारिक का अधिकृत से कोई सम्बन्ध नहीं है।

114. 'अनुलोम' शब्द का विलोम है–

(a) सुलोम (b) प्रतिलोम
(c) अनलोम (d) अवलोम

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'अनुलोम' शब्द का विलोम 'प्रतिलोम' होता है। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

115. 'परिश्रम' का विलोम है–

(a) आश्रम (b) विश्रम
(c) विश्राम (d) विश्रांत

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'परिश्रम' का विपरीतार्थक शब्द 'विश्राम' होगा, जबकि दिये गये अन्य विकल्पों में प्रयुक्त शब्द आश्रम, विश्रम और विश्रान्त असंगत हैं।

116. 'अनुग्रह' शब्द का विलोम लिखिए–

(a) ग्रहण (b) गृहीत
(c) आग्रह (d) विग्रह

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – 'अनुग्रह' शब्द का विलोम 'विग्रह' होता है, जबकि 'ग्रहण' का त्याग, 'आग्रह' का 'अनाग्रह' और 'गृहीत' का 'अर्पित' विलोम शब्द होता है।

117. 'अनभिज्ञ' का विलोम है–

(a) अज्ञ (b) प्रज्ञ
(c) अभिज्ञ (d) अविज्ञ

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या–'अज्ञ' का विलोम 'विज्ञ' होता है। 'अनभिज्ञ' का विलोम **अभिज्ञ** होगा।

118. 'सौम्य' शब्द का विलोम है–

(a) सौभाग्य (b) उग्र
(c) शत्रु (d) दुराशय

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'सौम्य' शब्द का विलोम 'उग्र' होगा। इसी प्रकार 'सौभाग्य' का 'दुर्भाग्य', 'शत्रु' का 'मित्र' और 'दुराशय' का 'सदाशय' विलोम शब्द होगा।

119. 'ह्रास' शब्द का विलोम है–

(a) हास्य (b) वृद्धि
(c) हँसी (d) हस्त

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या– 'ह्रास' शब्द का विपरीतार्थक शब्द 'वृद्धि' होगा जबकि 'हास्य' का विलोम 'रूदन' और 'हस्त' का विलोम 'पाद' होगा।

120. **'न्यून' शब्द का विलोम है–**

(a) अधिक (b) नवीन
(c) नवनीत (d) नगर

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या–'न्यून' शब्द का विलोम 'अधिक' होगा जबकि 'नवीन' का प्राचीन, 'नगर' का 'गाँव' विलोम शब्द होगा।

121. **'पुष्ट' शब्द का विलोम है–**

(a) क्षीण (b) दुष्ट
(c) पुरस्कार (d) प्रकृति

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'पुष्ट' शब्द का विलोम 'क्षीण' होगा, जबकि 'प्रकृति' का 'विकृति', 'पुरस्कार' का 'दण्ड' एवं 'दुष्ट' का 'सज्जन' विलोम शब्द होगा।

122. **'गुण' शब्द का विलोम है–**

(a) दोष (b) गुड़
(c) गुणा (d) गृहस्थ

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'गुण' शब्द का विलोम 'दोष' होगा जबकि 'गृहस्थ' का 'संन्यास' तथा 'गुणा' का विलोम 'भाग' होगा।

123. **'प्रफुल्ल' का विलोम शब्द है–**

(a) करुणा (b) शोक
(c) दुख (d) विषाद
(e) इनमें से कोई नहीं

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

उत्तर–(e)

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में 'प्रफुल्ल' का विलोम शब्द इनमें से कोई नहीं है। अन्य विवरण इस प्रकार है–

शब्द	**विलोम**
प्रफुल्ल	म्लान
हर्ष	विषाद
सुख	दुःख
करुणा	निष्ठुरता

124. **'मसृण' का विलोम है-**

(a) कम (b) रूक्ष
(c) साबुत (d) गाफिल

उत्तर-(b)

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

व्याख्या- 'मसृण' का विलोम होगा– रूक्ष। जबकि 'कम' का विलोम 'अधिक' या 'ज्यादा' और 'साबुत' का विलोम 'खण्डित' होता है।

125. **अनुरूप का विलोम है –**

(a) विरूप (b) प्रतिरूप
(c) अपरूप (d) व्यतिरूप

उत्तर–(c)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट द्वितीय प्रश्नपत्र, 2017

व्याख्या– 'अनुरूप' का विलोम 'अपरूप' होता है। अनुरूप का आशय सदृश, अच्छा, सुरूप आदि से है, जबकि अपरूप का आशय भद्दा और कुरूप से है।

126. **'चिरन्तन' का सही विलोम शब्द है–**

(a) नश्वर (b) अचिन्तन
(c) अचर (d) अचेतन

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016

उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी विशेष (प्रीलिम्स), 2010

UP RO/ARO Special (mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या–'चिरन्तन' शब्द का सही विलोम 'नश्वर' है। जबकि 'अचर' का 'चर', 'अचेतन' का 'चेतन' एवं 'अचिन्तन' का 'चिन्तन' विलोम शब्द होता है।

127. **'अनिवार्य' का विपरीतार्थक शब्द है –**

(a) निवारणीय (b)ऐच्छिक
(c) अनावश्यक (d) आवश्यक

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016

उत्तर–(b)

व्याख्या–'अनिवार्य' का विलोम 'ऐच्छिक' है। इसका अन्य विलोम 'वैकल्पिक' भी है। 'आवश्यक' का विलोम 'अनावश्यक' होगा।

128. **'प्रतिकूल' का विलोम शब्द है –**

(a) समान (b) प्रतिदर्श
(c) अनुकूल (d) अनुसार

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या–'प्रतिकूल' का विलोम शब्द 'अनुकूल' तथा 'समान' का विलोम 'असमान' होता है।

Nitin-Gupta.com

129. **'स्थावर' का विलोम शब्द है –**

(a) सचल (b) चंचल
(c) चेतन (d) जंगम

उत्तर-(d)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, द्वितीय प्रश्नपत्र, 2015

व्याख्या : 'स्थावर' का विलोम 'जंगम' है। जबकि 'चंचल' का विलोम 'अचंचल/स्थिर', 'चेतन' का विलोम 'अचेतन/जड़' तथा 'सचल' का विलोम 'अचल' होता है।

130. **'मूक' का विलोम क्या है?**

(a) अल्प भाषी (b) वाचाल
(c) मृदुभाषी (d) कटुभाषी

UK PCS AE 2012
उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'मूक' शब्द का विलोम शब्द 'वाचाल' है। इसी प्रकार 'अल्पभाषी' का विलोम 'बहुभाषी' तथा 'मृदुभाषी' का विलोम 'कटुभाषी' होगा।

131. **निम्नलिखित में से गलत विलोम शब्दयुग्म कौन है–**

(a) प्रवेश – नवेश
(b) मूक – वाचाल
(c) भूत – भविष्य
(d) पुरस्कार – तिरस्कार

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2012

उत्तर-(a)

व्याख्या- 'प्रवेश' का विलोम 'निषेध' होता है न कि नवेश। अन्य विलोम शब्द युग्म सही हैं।

132. **'नश्वर' शब्द का विलोम है –**

(a) नित्य (b) स्थायी
(c) शाश्वत (d) अमर

उत्तराखण्ड पी. सी. एस (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2014-15

उत्तर-(c)

व्याख्या– 'नश्वर' शब्द का विलोम 'शाश्वत' है। अन्य विलोम शब्द इस प्रकार हैं–

शब्द	**विलोम**
नित्य	अनित्य
स्थायी	अस्थायी
अमर	मर्त्य

133. **'उद्धत' शब्द का विलोम क्या है?**

(a) विनय (b) अवनति
(c) अनुदार (d) विनीत
(e) विनम्र

उत्तर–(d)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (प्रीलिम्स) परीक्षा द्वितीय प्रश्नपत्र, 2013

व्याख्या–'उद्धत' शब्द का विलोम शब्द 'विनीत' होता है। इसी प्रकार 'अवनति' का 'उन्नति', 'उदार' का 'अनुदार' और 'विनय' का 'अविनय' होता है। जबकि आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (e) दिया है।

134. **निम्नलिखित शब्दों में से 'अकाल' शब्द का विलोम शब्द छाँटिये –**

(a) दुकाल (b) महाकाल
(c) दुष्काल (d) सुकाल

UPPCS AE 2007

Ans. (d) 'अकाल' शब्द का विलोम **सुकाल** होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

135. **'आदि' शब्द का विलोम शब्द लिखिये –**

(a) अन्तिम (b) परवर्ती
(c) अन्त (d) विगत

UPPCS AE 2007

Ans. (c) 'आदि' शब्द का विलोम 'अन्त' है। अन्य विलोम शब्द इस प्रकार हैं-

शब्द	**विलोम**
अन्तिम	आरंभिक/अनंतिम
परवर्ती	अनुवर्ती
आगत	विगत

136. **'एक' का विलोमवाची शब्द इंगित करें –**

(a) दो (b) तीन
(c) बहुत (d) अनेक

UPPCS AE 2007

Ans. (d) 'एक' का विलोम शब्द 'अनेक' है जबकि 'थोड़ा' का विलोम 'बहुत' होगा। शेष विकल्प असंगत हैं।

137. **'संयोग' शब्द का विलोम चुनिए –**

(a) आयोग (b) दुर्योग
(c) वियोग (d) प्रयोग

UPPCS AE 2004, 2007
UP RO/ARO (Mains) 2010, 2013

Ans. (c) 'संयोग' शब्द का विलोम 'वियोग' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

Nitin-Gupta.com

138. निम्नलिखित शब्दों में से 'आगमन' का विलोम क्या है?

(a) आदान (b) प्रदान
(c) महान (d) प्रस्थान

UPPCS AE 2013

Ans. (d) दिए गए शब्दों में 'आगमन' का विलोम 'प्रस्थान' है। अन्य विलोम शब्द इस प्रकार हैं-

शब्द	**विलोम**
आदान	प्रदान
महान	तुच्छ

139. 'आकर्षण' शब्द का विपर्याय है-

(a) विकर्षण (b) अनाकर्षण
(c) पराकर्षण (d) अविकर्षण

UPPCS AE 2013

Ans. (a) 'आकर्षण' का विपर्याय (विलोम) 'विकर्षण' है। 'प्रतिकर्षण' इसका अन्य विलोम शब्द है।

140. 'आह्वान' का विलोम है-

(a) आवागमन (b) विसर्जन
(c) आगम (d) अनागम

UPPCS AE 2013

Ans. (b) 'आह्वान' का विलोम 'विसर्जन' हैं। जबकि 'आगम' का विलोम 'निगम' होगा।

141. अनाथ का विलोम शब्द है-

(a) बेकार (b) निर्धन
(c) सनाथ (d) धनी

UPPCS AE 2013

Ans. (c) 'अनाथ' का विलोम शब्द **सनाथ** होगा। जबकि 'धनी' का विलोम 'निर्धन' होगा।

142. 'शाश्वत' का विलोम शब्द है-

(a) स्थायी (b) नित्य
(c) नश्वर (d) सार्वकालिक

UPPCS AE 2013

Ans. (c) 'शाश्वत' का विलोम 'नश्वर' हैं। अन्य शब्द विलोम इस प्रकार हैं-

शब्द	**विलोम**
स्थायी	अस्थायी
नित्य	अनित्य
सार्वकालिक	अल्पकालिक

143. 'आहार' का विपरीतार्थक शब्द है–

(a) विहार (b) अनाहार
(c) फाका (d) अभोजन

UPPCS AE 2013

Ans. (b) 'आहार' का विपरीतार्थक शब्द **'अनाहार'** है। 'आहार' का विलोम 'निराहार' भी होता है।

144. 'अनुराग' का विपरीतार्थक शब्द है-

(a) राग (b) उच्चराग
(c) विराग (d) अग्रराग

UPPCS AE 2013

Ans. (c) 'अनुराग' का विपरीतार्थक शब्द **'विराग'** है। 'राग' का भी विपरीतार्थक शब्द 'द्वेष' होता है। 'अग्रराग' का विलोम 'पश्चराग' होगा।

145. 'शुभ' का विपरीतार्थक शब्द है-

(a) लाभ (b) अमुंगल
(c) आपत्ति (d) अशुभ

UPPCS AE 2013

Ans. (d) 'शुभ' का विपरीतार्थक शब्द **'अशुभ'** है। अन्य शब्दों के विलोम इस प्रकार हैं-

शब्द	**विलोम**
लाभ	हानि
अमंगल	मंगल
आपत्ति	सम्पत्ति

146. 'सार्थक' का विपरीतार्थक शब्द है-

(a) निरर्थक (b) असार्थक
(c) विरर्थक (d) विसार्थक

UPPCS AE 2013

Ans. (a) 'सार्थक' का विपरीतार्थक शब्द **'निरर्थक'** है। अन्य विकल्प असंगत एवं तृटिपूर्ण हैं।

147. विपरीतार्थक शब्द की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

(a) शकुन - अपशकुन (b) सम्मुख - आमुख
(c) शत्रु - मित्र (d) हिंसा - अहिंसा

UPPCS AE 2013

Ans. (b) दिये गये विलोम युग्मों में **'सम्मुख-आमुख'** युग्म अशुद्ध है जिसका शुद्ध रूप 'सम्मुख-विमुख' होगा-

148. विपरीतार्थक शब्द की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

(a) सदाशय - निराशय
(b) सामयिक -असामयिक
(c) स्वकीया - परकीया
(d) संस्मरण - विस्मरण

UPPCS AE 2013

Ans. (a) विपरीतार्थक शब्द की दृष्टि से **'सदाशय-निराशय'** युग्म अशुद्ध है, जिसका शुद्ध रूप 'सदाशय-दुराशय' होगा। अन्य युग्म शुद्ध हैं।

Nitin-Gupta.com

149. विपरीतार्थक शब्दों की दृष्टि से एक युग्म सही नहीं है-

(a) मुख्य - गौण (b) विवाद - निर्विवाद
(c) जय - पराजय (d) व्यस्त - निरस्त

UPPCS AE 2013

Ans. (d) विपरीतार्थक शब्दों की दृष्टि से 'व्यस्त-निरस्त' युग्म सही नहीं है, जिसका शुद्ध रूप 'व्यस्त-अव्यस्त' होगा। अन्य युग्म शुद्ध हैं।

150. 'अनुरक्ति ' का विपरीतार्थक शब्द है-

(a) आसक्ति (b) विरक्ति
(c) संन्यास (d) सुरागी

UP RO/ARO (Pre) 2010
UPPCS AE 2013

Ans. (b) 'अनुरक्ति' का विपरीतार्थक शब्द **'विरक्ति'** है। अन्य शब्दों के विलोम इस प्रकार हैं-

शब्द	विलोम
आसक्ति	अनासक्ति
संन्यास	गृहस्थ

151. 'उपकार' शब्द का विलोम बताइये –

(a) अनुपकार (b) अपकार
(c) तिरस्कार (d) विकार

UPPCS AE 2007
UP RO/ARO (Pre) 2013

Ans. (b) 'उपकार' शब्द का विलोम 'अपकार' होता है, जबकि 'तिरस्कार' का 'सत्कार' या 'पुरस्कार' तथा 'विकार' का 'अविकार' विलोम शब्द होता है।

152. 'सामिष' का विलोम शब्द है–

(a) मांसाहारी (b) शाकाहारी
(c) निरामिष (d) मिष्ठान्न प्रिय

UPPCS AE 2004

Ans. (c) : 'सामिष' शब्द का विलोम शब्द 'निरामिष' है। 'मांसाहारी' का विलोम शब्द 'शाकाहारी' है।

153. एक युग्म शुद्ध है–

(a) संपेरा - संपेरी (b) सुनार - सुनारी
(c) तेराक - तैराकी (d) लाडला–लाडली

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : दिए गए विकल्प में 'लाडला–लाडली' शुद्ध युग्म है। अन्य शब्दों के शुद्ध युग्म इस प्रकार हैं– सँपेरा-सँपेरिन, सुनार-सुनारिन तथा तैराक-तैराकिन होता है।

154. एक युग्म अशुद्ध है-

(a) गूंगा - गूंगी
(b) घोड़ा - घोड़ी
(c) गोप - गोपी
(d) कुंजड़ा - कुंजड़ी

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : 'कुंजड़ा - कुंजड़ी' विलोम युग्म अशुद्ध है। इसका शुद्ध युग्म कुँजड़ा - कुँजड़िन होता है, शेष युग्म शुद्ध हैं।

155. निम्नलिखित में से 'अग्रज' शब्द का विलोम कौन सा है?

(a) आत्मज (b) जलज
(c) सहज (d) अनुज

UKPCS AE 2007

Ans. (d) : 'अग्रज' का विलोम शब्द 'अनुज' है जबकि 'सहज' का विलोम 'असहज' तथा 'आत्मज' का विलोम 'आत्मजा' होता है।

156. निम्नलिखित में से 'सम्मान' शब्द का विलोम कौन सा है?

(a) मान (b) अपमान
(c) स्वाभिमान (d) असमान

UKPCS AE 2007

Ans. (b) **:** 'सम्मान' शब्द का विलोम 'अपमान' है जबकि 'समान' का विलोम 'असमान' होता है।

157. निम्नलिखित में से 'गौण' शब्द का विलोम कौन सा है?

(a) विशेष (b) मुख्य
(c) सामान्य (d) अनिवार्य

UKPCS AE 2012

Ans. (b) 'गौण' शब्द का विलोम 'मुख्य' है जबकि 'विशेष' का विलोम 'सामान्य' तथा 'अनिवार्य' का विलोम 'वैकल्पिक' होगा।

158. 'उत्कर्ष' का विलोम है–

(a) अपकर्ष (b) निष्कर्ष
(c) विमर्श (d) सहर्ष

UKPCS AE 2012

Ans. (a) 'उत्कर्ष' का विलोम शब्द 'अपकर्ष' है। अन्य विकल्प सही नहीं है।

159. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'अनुकूल' का विलोम है?

(a) प्रतिकूल (b) दुकुल
(c) आकुल (d) उपकूल

UKPCS AE 2012

Ans. (a) 'अनुकूल' का विलोम 'प्रतिकूल' है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

160. 'आविर्भाव' शब्द का विलोमार्थी क्या है?

(a) प्रादुर्भाव (b) प्रकट
(c) तिरोभाव (d) उद्भव

UP PCS AE (I) 2007
UK PCS AE 2012
UP RO/ARO (Pre) 2013

Nitin-Gupta.com

Ans. (c) 'आविर्भाव' शब्द का विलोम 'तिरोभाव' होता है। अन्य विवरण इस प्रकार हैं–

शब्द	विलोम
प्रकट	अप्रकट, गुप्त
उद्भव	अवसान

161. निम्नलिखित में से ''एकल'' शब्द का विलोम क्या है?

(a) शकल (b) विकल
(c) पंकिल (d) बहुल

UKPCS AE 2012

Ans. (d) 'एकल' शब्द का विलोम 'बहुल' होगा। एकल का अर्थ अकेला होता है जबकि बहुल का अर्थ बहुत या अधिक होता है।

162. 'अंकुश' का ठीक विपरीत शब्द लिखें –

(a) निरंकुश (b) बेलगाम
(c) उद्दंड (d) स्वच्छन्द

UKPCS AE 2012

Ans. (a) 'अंकुश' का विपरीतार्थक 'निरंकुश' होगा। जबकि 'उद्दंड' का 'विनम्र' होगा।

163. निम्नलिखित में से ''प्राकृतिक'' शब्द का विलोम कौन सा है?

(a) नैसर्गिक (b) स्वर्गिक
(c) क्षणिक (d) कृत्रिम

UKPCS AE 2012

Ans. (d) 'प्राकृतिक' शब्द का विलोम 'कृत्रिम' है। 'नैसर्गिक' का विलोम भी 'कृत्रिम' है। 'क्षणिक' का विलोम 'शाश्वत/चिरंतन' है।

164. 'प्रकाश' का विलोम है-

(a) अंधेरा (b) अँधियारा
(c) तम (d) अंधकार

UKPCS AE 2012

Ans. (d) 'प्रकाश' का विलोम 'अंधकार' है। 'तम' का विलोम 'आलोक' है। 'अँधियारा' का विलोम 'उजियारा' है।

165. 'हर्ष' का सही विलोम शब्द कौन-सा है?

(a) विषाद (b) वेदना
(c) खेद (d) दुःख

UKPCS AE 2012

Ans. (a) 'हर्ष' का विलोम शब्द 'विषाद' है। अन्य विकल्पों के विलोम इस प्रकार हैं-

शब्द	विलोम
वेदना	आनन्द
खेद	हर्ष/प्रसन्नता
दुःख	सुख

166. 'आस्तिक' का विलोम है–

(a) पापी (b) राक्षस
(c) नास्तिक (d) पुजारी

UPPCS AE 2008

Ans. (c) : 'आस्तिक' का विलोम 'नास्तिक' है। अन्य विकल्प असंगत हैं। 'पापी' का विलोम 'निष्पाप' या 'पुण्यवान' होता है।

167. 'अतिवृष्टि' शब्द का सबसे युक्तियुक्त विलोम है–

(a) अनावृष्टि (b) अवृष्टि
(c) अनवृष्टि (d) अल्पवृष्टि

UP PCS AE 2004
UPPCS AE 2008

Ans. (a) : 'अतिवृष्टि' शब्द का सबसे युक्तियुक्त विलोम 'अनावृष्टि' है।

168. एक युग्म अशुद्ध है–

(a) अनाथ - अनाथा (b) अश्व - अश्वा
(c) चातक - चातकी (d) सुलोचन -सुलोचनी

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : **सुलोचन-सुलोचनी** अशुद्ध युग्म है। इसका शुद्ध शब्द युग्म: सुलोचन-सुलोचना जिसमें सुलोचन का अर्थ है 'सुन्दर नयन वाला पुरुष' व सुलोचना का अर्थ है 'सुन्दर नयन वाली स्त्री'।

169. एक युग्म अशुद्ध है–

(a) अनुराग - विराग (b) अन्त - आदि
(c) अस्त - निरस्त (d) अमावस्या - पूर्णिमा

UPPCS AE 2011

Ans. (c) : 'अस्त-निरस्त' युग्म अशुद्ध है। इसका सही शब्द युग्म 'अस्त-उदय' या 'निरस्त-पारित' हैं। शेष शब्द युग्म शुद्ध हैं।

170. 'खण्डन' का विलोम है–

(a) अखण्डन (b) विखण्डन
(c) मण्डन (d) निखण्डन

UPPCS AE 2011

Ans. (c) : 'खण्डन' का विलोम 'मण्डन' होता है।

171. 'कलुष' का विलोम है–

(a) अकलुष (b) निष्कलुष
(c) उज्ज्वल (d) चमकीला

UPPCS AE 2011

Ans. (a&b) : 'कलुष' का विलोम 'अकलुष' और 'निष्कलुष' दोनों होता है। जबकि 'उज्ज्वल' का विलोम धूमिल, 'चमकीला' का विलोम 'मटमैला' है।

172. 'उन्मुख' का विलोम है–

(a) सन्मुख (b) प्रतिमुख
(c) विमुख (d) आमुख

UPPCS AE 2011

Nitin-Gupta.com

Ans. (c) : 'उन्मुख' का विलोम **विमुख** होता है। 'सन्मुख' का भी विलोम 'विमुख' होता है।

173. एक युग्म अशुद्ध है–

(a) ज्येष्ठ – कनिष्ठ (b) जड़ - चेतन
(c) जन्म - मृत्यु (d) जय - विजय

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : शब्द युग्म 'जय-विजय' अशुद्ध है क्योंकि दोनों शब्दों का अर्थ समान है। जबकि 'जय' का विलोम 'पराजय' होता है। शेष शब्द युग्म शुद्ध हैं।

निर्देश : (प्रश्न संख्या 174 से 184 तक) दिए गये शब्दों का उचित विलोम शब्द चिह्नित करिए।

174. क्रम–

(a) पराक्रम (b) व्यतिक्रम
(c) अनुक्रम (d) विक्रम

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : 'क्रम' का विलोम शब्द 'व्यतिक्रम' है, जबकि 'पराक्रम' का विलोम 'भीरुता', अनुक्रम का 'अपक्रम' तथा 'विक्रम' का 'संक्रम' होता है।

175. शीर्षस्थ–

(a) पदस्थ (b) पादस्थ
(c) अपदस्थ (d) इनमें कोई नहीं

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : 'शीर्षस्थ' का विलोम शब्द 'पादस्थ' है, जबकि 'पदस्थ' शब्द का विलोम 'अपदस्थ' होता है।

176. आकाश–

(a) पाताल (b) धरती
(c) उक्त दोनों (d) उक्त दोनों नहीं

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (a) : 'आकाश' का विलोम शब्द 'पाताल' है, 'धरती' शब्द का विलोम 'गगन/अम्बर' होता है।

177. मौन–

(a) मुखर (b) वाचाल
(c) प्रगल्भ (d) मितभाषी

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (a) : 'मौन' का विलोम शब्द 'मुखर' है, जबकि 'मूक' शब्द का विलोम 'वाचाल' तथा 'प्रगल्भ' शब्द का विलोम 'अप्रगल्भ' होगा।

178. अल्पज्ञ–

(a) सर्वज्ञ (b) बहुज्ञ
(c) सुविज्ञ (d) अभिज्ञ

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : 'अल्पज्ञ' का विलोम शब्द 'बहुज्ञ' है, जबकि 'अभिज्ञ' का विलोम 'अनभिज्ञ' है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

179. मंथर गति–

(a) सत्वर गति (b) द्रुत गति
(c) उक्त दोनों (d) उक्त दोनों नहीं

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : 'मंथर' गति का विलोम शब्द 'सत्वर गति' तथा 'द्रुतगति' दोनों होगा।

180. तिमिर–

(a) ज्योत्सना (b) प्रकाश
(c) आलोक (d) ज्योतिर्भाव

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : 'तिमिर' शब्द का विलोम शब्द 'आलोक' है। 'प्रकाश' का विलोम 'अंधकार' होता है।

181. 'अभ्युदय' का विलोम है–

(a) पराजय (b) अध:पतन
(c) पूर्वोदय (d) पूर्णोदय

UPPCS AE 2004

Ans. (b) : 'अभ्युदय' का विलोम 'अध:पतन' है तथा 'पराजय' का विलोम 'विजय/जय' है।

182. जागृति का विलोम है–

(a) प्रगति (b) क्रान्ति
(c) शान्ति (d) सुषुप्ति

UPPCS AE 2004

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (d) : 'जागृति' का विलोम **सुषुप्ति** है। अन्य शब्दों के विलोम शब्द इस प्रकार हैं—

शब्द	**विलोम**
प्रगति	प्रतिगमन
शांति	अशांति

183. 'हिमकर' का विलोम है–

(a) शशिकर (b) शीतकर
(c) सुखद (d) दिनकर

UPPCS AE 2004

Ans. (d) : 'हिमकर' (चन्द्रमा) का विलोम है **दिनकर** (सूर्य)। 'सुखद' का विलोम 'दुःखद' होगा।

184. 'अभिज्ञ' शब्द का सर्वाधिक उपयुक्त विलोम है–

(a) अनभिज्ञ (b) भिज्ञ
(c) सभिज्ञ (d) अनाभिज्ञ

UPPCS AE 2004

Ans. (a) : 'अभिज्ञ' शब्द का विलोम है- 'अनभिज्ञ'। 'भिज्ञ' का विलोम भी 'अनभिज्ञ' होता है। भिज्ञ व अभिज्ञ दोनों समानार्थी शब्द है जिसका अर्थ होता है– ज्ञाता या जानकार।

Nitin-Gupta.com

पर्यायवाची

पर्यायवाची शब्द

ऐसे शब्द जिनके अर्थ समान हों, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। पर्यायवाची शब्द को 'प्रतिशब्द' भी कहते हैं; **जैसे-** जल, नीर, अंबु, तोय, सभी पानी के पर्यायवाची हैं।

पर्यायवाची
- पूर्णपर्यायवाची
- पूर्णापूर्ण पर्यायवाची
- अपूर्ण पर्यायवाची

1. पूर्ण पर्यायवाची शब्द - जब वाक्य में एक शब्द के स्थान पर दूसरा शब्द रखा जाय और उसके अर्थ में अन्तर न हो तो ऐसे शब्द पूर्ण पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं; **जैसे-** अरण्य, विपिन, कानन आदि।

2. पूर्णापूर्ण पर्यायवाची शब्द - जब एक प्रसंग का समानार्थी शब्द दूसरे प्रसंग में असमान अर्थ का बोध स्पष्ट करता है तो पूर्णापूर्ण पर्याय शब्द कहलाता है; **जैसे-** खाना खाना, निगलना ।

3. अपूर्ण पर्यायवाची शब्द - जब शब्दों के अर्थ एक हों, लेकिन उचित स्थान पर इनका प्रयोग न होने के कारण अर्थ का अनर्थ हो जाता है, तो यह अपूर्ण पर्यायवाची शब्द कहलाता है। **जैसे**- 'कमर टूटना' के स्थान पर 'कटिभंग'।

Nitin-Gupta.com

कतिपय शब्द एवं उसके पर्यायवाची

अ

अवनति- पतन, क्षय, ह्रास, अपकर्ष, अधःपतन, गिरावट, झुकाव
अपमान- अवमान, अनादर, बेइज्जती, तिरस्कार, उपेक्षा, निरादर
अंधकार- तम, तिमिर, अँधियारा, तमस, अँधेरा
अमृत- अमिय, सुधा, मधु, सोम, पीयूष, जीवनोदक, सुरभोग
अग्नि-आग, वह्नि, पावक, अनल, धूमकेतु, कृशानु, ज्वाला, वैश्वानर, हुताशन, दहन, वायुसखा, जातदेव, जातवेद,पन्हि।
अतिथि- पाहुन, मेहमान, आगन्तुक, पाहुना, अभ्यागत
अनुपम- अनोखा, अपूर्व, अद्भुत, अनूठा, अतुल, अद्वितीय, अनन्य
असुर- दानव, दनुज, निशाचर, राक्षस,रजनीचर,देवारि,इन्द्रारि, यातुधान, दैत्य, निशिचर, तमचर
अभिमान-अहं, घमंड, गर्व, दर्प, मद, अहंकार, दंभ
अध्यापक-गुरु, आचार्य, शिक्षक, व्याख्याता, उपाध्याय, प्रवक्ता, प्राध्यापक
अध्यापिका-आचार्या, शिक्षिका, अध्यापयित्री, प्रशिक्षिका
अकाल- अनावृष्टि, सूखा, दुर्भिक्ष, दुष्काल, कमी, कुकाल, भुखमरी
अखण्ड- पूर्ण, अविभक्त, समग्र, सारा, पूरा, समूचा, सम्पूर्ण, सकल
अर्जुन- पार्थ, गुडाकेश, गांडीवधारी, धनंजय, कौन्तेय, कर्णारि, फाल्गुन, सव्यसाची, वृहन्नला, पांडुनन्दन, किरीटी, श्वेतवाहन, बीभत्सु, कपिध्वज
अज्ञानी- मूर्ख, मूढ़, अनजान, अनभिज्ञ, अज्ञ, जड़, निर्बुद्धि
अमर- अमर्त्य, नित्य, अनश्वर, अक्षय, चिरंजीवी, सनातन
अनिवार्य-आवश्यक, जरूरी, अपरिहार्य, बाध्यकर, अत्यावश्यक
अनुरोध-प्रार्थना, अभ्यर्थना, विनती, निवेदन, याचना, विनय, आग्रह
असभ्य-बर्बर, गँवार, अशिष्ट, दुःशील, असंस्कृत, अकुलीन, उजड्ड

आ

आकाश-अम्बर, व्योम, गगन, नभ, अनन्त, शून्य, अंतरिक्ष, अभ्र, आसमान, द्यौ, पुष्कर, तारापथ, अर्श
आनंद– हर्ष, प्रसन्नता, आह्लाद, उल्लास, सुख, आमोद, प्रमोद, मोद, चैन, विनोद
आँगन–अजिर, प्रांगण, बगर, आँगना, अँगना, अहाता, अजिरा, चौक
आँसू-अश्रु, नयननीर, नयनजल, नेत्रवारि, नेत्रनीर, अश्क, चक्षुजल
आदरणीय-पूज्य, पूजनीय, माननीय, मान्यवर, सम्माननीय, सम्मान्य
आकर्षक-मनोज्ञ, मंजुल, मनोहर, मोहक, चारु, सम्मोहक, विमोहक
आयुष्मान्-चिरायु, शतायु, दीर्घायु, दीर्घजीवी, चिरंजीवी
आँख-दृग, लोचन, नेत्र, नयन, अक्षि, चक्षु, अम्बक, विलोचन, ईक्षण, दृष्टि
आम-रसाल, सहकार, अमृतफल, पिकवल्लभ, आम्र, पियम्बु, पिकप्रिय, पिकबन्धु, अतिसौरभ, फलश्रेष्ठ, अंब
आज्ञा-अनुमति, स्वीकृति, मंजूरी, सहमति, इजाजत
आहार-भोजन, खाना, खाद्य वस्तु, भोज्यसामग्री
आभूषण-भूषण, आभरण, अलंकार, जेवर, गहना, विभूषण
आसानी-सरलता, सहजता, सुगमता, सुविधा
आधुनिक-नूतन, नया, वर्तमान, अर्वाचीन, नव्य, वर्तमानकालीन
आतंक-विभीषिका, उपद्रव, संत्रास, दहशत, अतिभय, भय, खौफ, त्रास
आवेग-जोश, चपलता, त्वरा, स्फूर्ति, तेजी
आश्रम-मठ, विहार, कुटी, अखाड़ा, संघ, स्तर

इ

इन्द्र-सुरपति, शचीपति, मघवा, शक्र, पुरन्दर, देवराज, अमरपति, सहस्राक्ष, वज्रधर, सुरेश, वासव, महेन्द्र, कौशिक, मेघपति, सुरेन्द्र, देवेन्द्र, पुरहूत, जिष्णु, विबुधेश, अमरेश

इष्ट-इच्छित, काम्य, अभीष्ट, मनोवांछित, अभिप्रेत, पूज्य, उद्देश्य, आराध्य, श्रेय, मनोनुकूल

इन्द्रधनुष-शक्रचाप, सुरधनु, सप्तवर्ण, इन्द्रायुध, ऋजुरोहित, सुरचाप, धनुक, मेघधनु

इच्छा-आकांक्षा, कामना, ईप्सा, अभिलाषा, लालसा, उत्कंठा, वांछा, चाह, मनोरथ, स्पृहा, ईहा, रुचि, लिप्सा

इन्द्रपुरी-देवलोक, अमरावती, इन्द्रलोक, देवेन्द्रपुरी, सुरपुर, इन्द्रधाम

इन्द्राणी-शची, पुलोमजा, पौलोमी, इन्द्रवधू, मधवानी, शतावरी, इन्द्रभार्या, इन्द्रा

ई

ईमानदारी-सत्यनिष्ठा, सदाशयता, निष्कपटता, निश्छलता, सत्यवादिता, यथार्थता, खरापन

ईश्वर-परमेश्वर, ईश, जगदीश, जगन्नाथ, प्रभु, त्रिलोकीनाथ, भगवान, परमात्मा, दीनानाथ, पारब्रह्म, जगतप्रभु, अज

उ/ऊ

उपवास-व्रत, अनशन, निराहार, फाका, लंघन

उपासना-पूजा, अर्चना, आराधना, प्रार्थना, इबादत, सेवा, वंदना

उल्लू-लक्ष्मीवाहन, उलूक, कौशिक, पिंगल

उत्कर्ष-उत्थान, उन्नति, अभ्युदय, आरोह, उत्क्रमण, उभार, प्रगति, समृद्धि, प्रकर्ष , उन्मेष, उन्नयन

उदास-खिन्न, चिन्तायुक्त, अप्रसन्न, विषण्ण, उन्मन, अन्यमनस्क, उद्विग्न

उपकार-हितसाधना, भलाई, नेकी, कल्याण, परोपकार, अच्छाई, हित, अनुग्रह, अनुकंपा, परमार्थ, अहसान, आभार, उद्धार

उजाला-ज्योति, प्रकाश, प्रभा, रोशनी, आलोक, ओज, चाँदनी, दीप्ति, विभा

उपेक्षा-अनासक्ति, विराग, विरक्ति, उदासीनता, तिरस्कार, उल्लंघन, अवज्ञा, अवहेलाना

उपमा-सादृश्य, मिलान, समानता, तुलना, साम्य, समता

उदाहरण-दृष्टांत, नजीर, नमूना, मिसाल, उद्धरण, निदर्शन

ऊँचा-ऊर्ध्व, उत्तुंग, बुलंद, शीर्षस्थ, उच्च, गगनचुम्बी, उन्नत, लम्बा, तुंग

ऊँट- लम्बोष्ठ, महाग्रीवा, उष्ट्र, क्रमेलक, शुतुर

ए/ऐ

एहसान– अनुग्रह, आभार, कृतज्ञता, उपकार

एकांत– सूनसान, सूना, शून्य, विजन, एकाकी

एकता– अभिन्नता, संगठन, मेल, जुड़ाव, अद्वैत

ऐच्छिक-स्वेच्छाकृत, वैकल्पिक, सविकल्प, मनचाहा, स्वैच्छिक

ऐश्वर्य-ऋद्धि, सम्पन्नता, वैभव, श्री, सम्पदा, समृद्धि, विभूति, सम्पत्ति

ऐंठन-मरोड़, बल, तनाव, अकड़न, उमेठन

ओ/औ

ओंठ-अधर, ओष्ठ, रदनच्छद, दंतच्छद, होंठ

ओस-तुषार, तुहिनकण, हिमकण, हिमबिन्दु, तुहिन, हिमसीकर, निहार, नीहार

ओझल-अदृश्य, लुप्त, तिरोहित, अंतर्धान, गायब, विलुप्त

औरत-स्त्री, जोरू, घरनी, घरवाली, वनिता, महिला, अंगना, अबला, कलत्र, कांता, गृहणी, नारी, मानवी, त्रिया,

औषधि-दवा, भेषज, दवाई, औषध, रसायन, जड़ी-बूटी

क

कबूतर-कपोत, रक्तलोचन, पारावत, हारीत, शांतिदूत, कलरव, परेवा, हारिल, धूम्रलोचन

कमल- जलज, पंकज, सरोज, नलिन, अरविन्द, सरसिज, राजीव, अम्भोज, अम्बुज, पुण्डरीक, अब्ज, पद्म, कंज, शतदल, अंबुज, तामरस, उत्पल, कुवलय, इंदीवर, वारिज, सरोरुह, नीरज, कोकनद, परिजात

कपड़ा-वस्त्र, पट, चीर, अम्बर, वसन, परिधान, अंशुक, पोशाक, दुकूल, चैल

किरण-अंशु, रश्मि, कर, मरीचि, मयूख, प्रभा, अर्चि, गो

कोकिल-पिक,कोयल, वनप्रिय, कोकिला, वसन्तदूत, श्यामा, कलघोष, मदनशलाका, काकपाली, परभूत

कल्पद्रुम-देववृक्ष, पारिजात, देवद्रुम, कल्पवृक्ष, कल्पलता, सुरतरू, मन्दार

कामदेव-मन्मथ, मदन, मनोज, अनंग, रतिपति, पंचशर, प्रद्युम्न, कुसुमेश, मनसिज, मकरध्वज, कन्दर्प, मीनकेतु, पुष्पधन्वा, मार, स्मर, मयन, केतन, दर्पक, मनोभव, आत्मभू, काम, पुष्पचाप, मकरकेतु, अतनु, शंबरारि, रतिप्रिय

कुबेर-धनद, किन्नरेश, धनपति, यक्षराज, धनेश, धनपाल, अंलकेश, धनाधिप, राजराज, धनेश्वर, नृपराज, निधीश्वर, वित्तेश, वैश्रवण

कारागार-बन्दीगृह, जेल, कारावास, कैदखाना, कारागृह

क्रोध-अमर्ष, रोष, आक्रोश, कोप, तैश, प्रकोप, क्षोभ, गुस्सा, आवेश, तमक, प्रतिघात

कंचन-सोना, स्वर्ण, कनक, हेम, सुवर्ण,महारजत, तपनीय, हिरण्य, कुंदन, हेम

कर्ण-सूतपुत्र, सूर्यपुत्र, राधेय, अंगराज, अरुणात्मज, अर्कज, पातंगी, रविनंदन, राधातनय, सावित्र, सूतज,

कान- विकर्ण, श्रुति, श्रवण, श्रुतिपटल, श्रवणेन्द्रिय, कर्ण

कली-कोंपल, मुकुल, ताम्रपल्लव, नवपल्लव, कलिका, पुष्प, किसलय, कोरक, गुंजा, कुड्मल

कुत्ता-श्वान, कुक्कुर, शुनक, सारमेय, श्वा

केला-कदली, रम्भा, भानुफल, मोचा, गंधशेखर,

कस्तूरी-मृगनाभि, मदलता, मृगमद

कृष्ण-श्याम, मुरलीधर, गिरिधर, वंशीधर, मधुसूदन, गोपीनाथ, वासुदेव, केशव, कन्हैया, माधव, राधारमण, दामोदर, मोहन, नंदलाल, बनवारी, नंदनंदन, हृषीकेश, गोविन्द, मुरारी, मुकंद, ब्रजवल्लभ, गोपीनाथ, क्षीरसायी, घनश्याम, यदुनंदन, द्वारिकाधीश, कंसारि, रणछोड़, गिरधारी, गोपाल

केश-बाल, कुंतल, कच, अलक, लट, शिरोरुह, चूल, चिकुर

Nitin-Gupta.com

कामुकता-लंपटता, व्यभिचारिता, विषयासक्ति, भोगासक्ति, इन्द्रियलोलुपता, कामपरता, कामासक्ति, विषयवासना, कामार्तता, कामांधता, कामपिपासा, कामार्त, कामातुर, कामांध, कामी, विलासी, विषयी
किनारा-तीर, कूल, छोर, तट, पुलिन, सिरा, कगार, सीमा, साहिल
केवट-मल्लाह, नाविक, मांझी, धीवर, खेवैया, घाटपाल, तारक
कृत्रिम-दिखावटी, बनावटी, नकली, अवास्तविक, अप्राकृतिक, प्रतिलिपि
कायर-डरपोक, बुजदिल, भीरु, कातर, कापुरुष, असाहसी
कानूनी-विधिसंगत, वैधानिक, विधिसम्मत, वैध, विधिक, सांविधिक, नियमानुकूल
किसान-कृषक, खेतिहर, काश्तकार, जोतदार, भूमिपुत्र, हलधर, अन्नदाता
कृतज्ञ-आभारी, अनुगृहीत, उपकृत, कृतार्थ, ऋणी, एहसानमंद, शुक्रगुजार
कन्या-बालिका, किशोरी, बाला, अपरिणीता, कुमारी, कुँआरि, अविवाहिता, अनूढ़ा
कार्तिकेय-षडानन, स्कंद, कुमार, शिखिवाहन, शरजन्मा, शरभव, पार्वतीनंदन, अग्निभू, विशाख, अंबिकेय, शिवसुत
कौआ –काक, काग, वायस, पिशुन, काण, करट, एकाक्ष
क्रूर-निर्दय, दयाहीन, कठोर, निर्दयी, बेरहम, बेदर्दी, बर्बर, अनाचारी, आततायी, नृशंस, उत्पीड़क

ख

खिड़की-गवाक्ष, वातायन, झरोखा, रोशनदान, दरीचा
खून-रक्त, लहू, रुधिर, लोहित, शोणित
खम्भा– खंभ, स्तंभ, टेक, थंभ
खोज– तलाश, अन्वेषण, गवेषण, अनुसंधान, अन्वीक्षण

ग

गणेश-गजानन, गणपति, लम्बोदर, विनायक, गजवदन, हेरम्ब, विघ्नविनाशक, भवानीनन्दन, गिरिजानन्दन, गौरीसुत, वक्रतुण्ड, मूषकवाहन, मंगलमूर्ति, एकदंत, महाकाय, विघ्नराज, मोदकप्रिय, मोददाता, गणाधिप, द्वयमातुर, प्रथमेश्वर
गंगा-मन्दाकिनी, जाह्नवी, सुरसरि, देवनदी, भागीरथी, देवापगा, विष्णुपदी, त्रिपथगा, सुरसरिता, देवसरि, सुरधुनि, नदीश्वरी, अलकनंदा, ध्रुवनंदा
गण-समूह, समुदाय, अनुचर, अनुयायी, दूत, संघ, पुंज, जत्था, श्रेणी, कोटि, वर्ग, सेवक, वृंद
गज-हस्ति, कुंजर, गयन्द, करि, मतंग, वितुण्ड, हाथी, कुंभी, दंती, द्विरद
गरुड़-खगेश, पन्नगारि, उरगारि, खगपति, सुपर्ण, नागान्तक, वैनतेय, पक्षिराज, विषमुख, हरियान, वातनेय
गृह-घर, सदन, भवन, मन्दिर, धाम, निकेतन, आलय, निलय, आयतन, शाला, मकान, आवास, आशियाना, निकेत, आगार, गेह
गाय-सुरभि, गौरी, भद्रा, दोग्धी, गो, धेनु, गऊ, रोहिणी, पयस्विनी
गर्दभ-वैशाखनन्दन, रासभ, खर, धूसर, गधा, गदहा, चक्रीवान, बेसर
गरीब-निर्धन, दरिद्र, अकिंचन, दीन, कंगाल, धनहीन, श्रीहीन, रंक
गौरव-बड़प्पन, मान, सम्मान, गुरुता, स्वाभिमान, गर्व, कीर्ति

घ

घास-तृण, दुर्वा, दूब, कुश, शाद्वल, शाद
घोड़ा– अश्व, बाजि, बाजी, सैंधव, तुरंग, तुरग, किवयान, हय, विमानक, घोटक, रविसुत, सारंग
घड़ा– घट, कलश, कुंभ, गगरा, मटका, हाड़ी

च

चोर-दस्यु, मोषक, तस्कर, रजनीचर, कुम्भिल, खनक, ठग, रात्रिचर, अस्तेन, कभिज, साहसिक
चमक-ज्योति, प्रभा, द्युति, कान्ति, शोभा, आभा, प्रकाश, दमक रौनक, दीप्ति, छवि, रोशनी
चतुर-निपुण, प्रवीण, पटु, कुशल, सयाना, नागर, योग्य, निष्णात, चालाक, विज्ञ, दक्ष, होशियार
चन्द्रमा-सुधाकर, शशांक, राकापति, रजनीपति, निशानाथ, सुधांशु, शशि, विधु, इन्दु, मृगांक, कलानिधि, मयंक, हिमकर, विभाकर, निशाकर, सुधाधर, राकेश, चाँद, चन्द्र, हिमांशु, सारंग, रजनीश, सोम, निशापति
चोटी-शृंग, शिखर, शीश, शिरोबिन्दु, तुंग, परकोटि, सानु, मूर्धा
चाँदनी-कौमुदी, ज्योत्स्ना, चन्द्रिका, चन्द्रकला, चन्द्रमरीचि, चन्द्रप्रभा
चश्मा-ऐनक, उपनेत्र, सहनेत्र, उपनयन
चंदन-मलय, हरिगंध, दिव्यगंध, मलयज, गंधसार, संदल, श्रीखण्ड, दारुसार, सारंग
चाटुकारी-खुशामद, चापलूसी, चमचागीरी, चिरौरी
चाँदी-रजत, रौप्य, रूपा, रूपक, नौध, चन्द्रहास, रूप्य, गातरूप

छ

छूट– रियायत, सहूलियत, कटौती, सुविधा, ढील
छाया-छाँव, परछाईं, बिम्ब, साया, छाँह, प्रतिबिम्ब, प्रतिकृति, प्रतिच्छाया

ज

जगत-विश्व, संसार, भव, जग, लोक, दुनिया, भुवन, मृत्युलोक, ब्रह्माण्ड, जगती
जल-अम्बु, वारि, नीर, उदक, तोय, सलिल, अमृत, मेघपुष्प, पानी, जीवन, पय, सुधा
जानकी-सीता, वैदेही, जनकसुता, जनकतनया, जनकात्मजा
जंगल-विपिन, कानन, वन, अरण्य, अटवी, कान्तार, दव, दाव
जमुना-सूर्यतनया, सूर्यसुता, कालिन्दी, यमुना, रवितनया, रविनंदिनी, कृष्णा, अक्रजा, तरणिजा
जुगनू-खद्योत, पटबीजना, प्रभाकीट

झ

झण्डा-ध्वजा, पताका, केतु, निशान, फरहरा
झरना-प्रपात, निर्झर, स्रोत, उत्स, जलप्रपात, प्रस्रवण, चश्मा
झोपड़ी-कुटी, कुटिया, पर्णकुटी, कुंज, मड़हा, छानी

ट/ठ

टुकड़ा-हिस्सा, भाग, अवयव, खण्ड, अंश
टीका-भाष्य, व्याख्या, वृत्ति, विवृत्ति, टिप्पण, टिप्पणी
ठग-वंचक, प्रवंचक, जालसाज, प्रतारक, धूर्त, छली, अड़ीमार

Nitin-Gupta.com

ड

डर-भय, खौफ, त्रास, आतंक, भीति

डाकू-लुटेरा, दस्यु, डकैत, साहसिक, बटमार, लुंठक, अपहर्ता

त/थ

तालाब-सर, जलाशय, तड़ाग, पुष्कर, ह्रद, सरोवर, कासार, पोखर, ताल, पद्‌माकर, सरसी

तूफान-झंझा, झंझावात, प्रभंजन, आँधी, अंधड

तरुणी-युवती, मनोज्ञा, सुन्दरी, प्रमदा, रमणी, नवयुवती, यौवनवती, नवयौवना

तन्मय-लीन, मग्न, तल्लीन, लवलीन, ध्यानस्थ, ध्यानमग्न

तटस्थ-निरपेक्ष, उदासीन, निष्पक्ष, निर्लिप्त

तोता-शुक, कीर, सुआ, सुग्गा, दाड़िमप्रिय, रक्ततुण्ड

तरंग-लहर, हिलोर, उर्मि, वीचि, उल्लोल

तरू-वृक्ष, विटप, पेड़, पादप, द्रुम, गाछ, पर्णी, पुष्पद

तलवार-कृपाण, खड्ग, चन्द्रहास, असि, करवाल, शमशीर, सारंग

तेजस्वी-प्रतापी, कांतिमय, वर्चस्वी, तेजवान्, तेजोमय, प्रभावशाली

थकान-श्रांति, क्लांति, शिथिलता, थकावट, परिश्रांति, थकन

द

दीपक-चिराग, दीया, दीप, प्रदीप, गृहमणि

दासी-अनुचरी, सेविका, किंकरी, परिचायिका, भृत्या, चेटी, बाँदी, नौकरानी, आया, टहलनी

द्रव्य-सम्पत्ति, विभूति, सम्पदा, धन, वित्त, दौलत

दर्पण-शीशा, प्रतिमान, मुकुर, आईना, आरसी,प्रतिबिम्बक, आदर्शिका

देवता-आदित्य, अमर्त्य, गीर्वाण, देव, अमर, सुर, निर्जर, त्रिदश, विबुध, अजर, अपहर्य

दिन-दिवा, दिवस, वासर, वार, अहन

दुःख-पीड़ा, कष्ट, क्लेश, यातना, व्यथा, उद्वेग, विषाद, वेदना, संकट, संताप, क्षोभ, यंत्रणा, शोक, खेद

दाँत-रद, रदन, द्विज, दशन, दंत, मुखखुर

दास-अनुचर, सेवक, भृत्य, किंकर, परिचायक, चाकर, नौकर, परिचर

दुर्गा-सिंहवाहिनी, चण्डिका, भवानी, कल्याणी, भगवती, मीनाक्षी, कालिका, कुमारी, कामाक्षी, सुभद्रा, महागौरी, नारायणी, महामाया, चण्डी, शक्ति, दुर्गे, शांभवी, विजया

द्रौपदी-द्रुपदसुता, पांचाली, याज्ञसेनी, कृष्णा, सैरन्ध्री

दूध-पय, क्षीर, दुग्ध, गोरस, स्तन्य, पीयूष, अमृत

दया-करुणा, अनुकम्पा, रहम, कृपा

दीपावली-दीपमाला, दीपोत्सव, दीवाली, दीपमालिका

दुर्बल-कृशकाय, दुबला, निर्बल, कमजोर

दिव्य-अलौकिक, लोकोत्तर, स्वर्गिक, लोकातीत

ध/न

धनुष-शरासन, कोदण्ड, चाप, धनु, कमान, पिनाक, सारंग

धंधा-व्यवसाय, व्यापार, रोजगार, कारोबार, उद्यम, कामकाज

नया– नूतन, नवीन, नव्य, नवल, आधुनिक, अभिनव

नाग–साँप, सर्प, विषधर, उरग, भुजंग, पन्नग

नदी-सरिता, निर्झरिणी, तरंगिनी, पयस्विनी, तटिनी, अपगा, आपगा, निम्नगा, कूलंकषा, तरनी, लहरी, सरि, तरंगवती।

नारद-देवर्षि, ब्रह्मपुत्र, देवमुनि

नरक-यमलोक, यमपुर, यमालय, जहन्नुम, दोजख

नियति-प्रारब्ध, भवितव्यता, भाग्य, भावी, होनी, विधि, दैव्य, किस्मत

नाव-तरिणी, नौका, डोंगी, नैया, जलयान, जलपात्र, तरी, बेड़ा, पतंग, उडुप

नमक-लवण, रामरस, लोन, नोन, नून

निस्तब्धता-चुप, शान्ति, खामोशी, सन्नाटा, नीरवता

प/फ

पर्वत-भूधर, गिरि, महीधर, शैल, नग, मेरु, तुंग, अचल, भूमिधर, पहाड़, धराधर

पत्थर-पाषाण, पाहन, शिला, प्रस्तर, उपल, अश्म, संग

पण्डित-सुधी, विद्वान, कोविद, बुध, धीर, मनीषी, विलक्षण, प्राज्ञ, विज्ञ, सुविज्ञ

पत्नी- भार्या, दारा, सहगामिनी, गृहिणी, वधू, प्राणप्रिया, वल्लभा, अर्धांगिनी, बहू, कलत्र, वामा, कान्ता, वामांगी

पार्वती-गिरिजा, शैलसुता, अम्बिका, भवानी, गौरी, उमा, शिवा, दुर्गा, सती, रूद्राणी, अंबा, हेमवती

पिता-तात, जनक, जनयिता, बाप, पितृ, वालिद

पवन-वायु, समीर, अनिल, हवा, मारुत, प्रभंजन, वात, बयार, प्राण, पवमान, मृगवाहन, नभप्राण, प्रकम्पन, समीरण

पक्षी-खग, विहग, पतंग, अंडज, नभचर, परिन्दा, द्विज, विहंग, पखेरू, चिड़िया, शंकुत, शकुनि

पत्ता-पल्लव, पर्ण, दल, पत्र, किसलय, पात, छदन, कोपल

पुत्र-बेटा, तनुज, सुत, आत्मज, तनय, पूत, नन्द, लड़का, औरस

पुत्री-तनया, आत्मजा, दुहिता, सुता, बेटी, लड़की, नंदिनी, तनुजा

पूजा-आराधना, अर्चना, उपासना, वंदना, इबादत

पूज्य-आराध्य, वंद्य, वंदनीय, पूजनीय, उपास्य, अर्चनीय

पृथ्वी-अचला, धरा, धरित्री, धरणी, वसुन्धरा, वसुधा, मेदिनी, भूमि, जगती, भू, मही, अवनि, धात्री, रत्नगर्भा, बीजप्रसू, प्रहुभि, क्षोणी, क्षिति, वसुमति, इला, उर्वी

प्रेम-स्नेह, अनुराग, ममता, दुलार, प्रीति, प्यार, मोहब्बत, प्रणय, रति

प्रभात-ऊषा, अरुणोदय, प्रातः, सवेरा, सुबह

प्रख्यात-प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर, यशस्वी, विश्रुत, नामी, लब्ध-प्रतिष्ठ, प्रतिष्ठित

प्रिया-प्रेयसी, प्यारी, वल्लभा, प्रियतमा, प्रेमिका

प्रसन्नता-हर्ष, खुशी, आह्लाद, आनन्द, प्रफुल्लता

प्रगति-विकास, उन्नति, श्रीवृद्धि, तरक्की

प्रगल्भ-अहंकारी, घमंडी, अभिमानी, दंभी, गर्वीला

फूल-पुष्प, कुसुम, पुहुप, सुमन, प्रसून, गुल, मंजरी, लतांत

ब

ब्रह्मा-स्वयंभू, चतुरानन, पितामह, विधाता, विरंचि, सृष्टिकर्ता, कमलासन, धाता, अज,प्रजापति, आत्मभू, कर्तार, हिरण्यगर्भ, लोकेश, विधि, विधना, स्रष्टा, सदानंद, अण्डज, गिरापति

बगीचा-बाग, उपवन, वाटिका, उद्यान, निकुंज, कुंज

बचपन-बालपन, लड़कपन, बाल्यावस्था, बचपना

बन्दर-कपि, मर्कट, वानर, कपीश, शाखामृग, हरि, कीश

Nitin-Gupta.com

बलराम-बलदेव, हलधर, बलभद्र, रेवतीरमण, रोहिणेय, श्यामबंधु, हली, हलायुध

बादल-मेघ, जलधर, वारिद, नीरद, वारिधर, अम्बुद, जीमूत, पयोदि, जलद, सारंग, पयोधर

बुढ़ापा-जरा, वृद्धावस्था, वृद्धत्व, जीर्णावस्था, वार्द्धक्य

ब्राह्मण-विप्र, द्विज, भूसुर, भूदेव, बाभन, महीसुर

बसन्त-ऋतुराज, ऋतुपति, मधुमास, कुसुमाकर, माधव, मधुऋतु

बिजली– विद्युत, चपला, चंचला, दामिनी, तड़ित, सौदामिनी, घनवल्ली, क्षणप्रभा

बाण-इषु, शिलीमुख, विशिख, शर, नाराच, तीर, आशुग

भ

भारती-वाणी, वागीश, वागेश्वरी, शारदा, वीणावादिनी, सरस्वती, विधात्री, वाचा, गिरा, ब्राह्मी

भौंरा-अलि,मधुकर, मधुप,चंचरीक, सारंग, भृंग, द्विरेफ, मिलिन्द, भ्रमर, षट्पद

भारत-जम्बूद्वीप, हिन्दुस्तान, भारतखण्ड, आर्यावर्त

भव्य-शानदार, रमणीय, दिव्य, मनोहर, आलीशान

भगिनी-बहन, दीदी, जीजी, सहोदरा

भय-त्रास, भीति, डर, खौफ, आतंक

म

मोर- केकी, शिखी, ध्वजी, नीलकण्ठ, शिखण्डी, कलापी, सारंग, मयूर, भुजगारि, शिवसुतवाहन, शितिकण्ठ

मैना-सारिका, कलहप्रिया, मधुरलापा, चित्रलोचना, चित्राक्षी, चित्रनेत्रा, मदना

मछली-मीन, मत्स्य, जलजीवन, झष, अंडभव, शफरी

मनोहर-मंजु, चारु, सुन्दर, मोहक, मनोरम

माँ-अम्बा, अम्बिका, मैया, जननी, माता, धात्री, जनयित्री, प्रसू

मुनि-सन्त, तापस, संन्यासी, अवधूत, साधु, योगि, तपस्वी, व्रती यति, ऋषि, वैरागी, महात्मा, मुक्तपुरुष

मोक्ष-कैवल्य, मुक्ति, सद्गति, निर्वाण, परमपद, अपवर्ग, अमृतत्त्व

मित्र-सखा, सौहार्द, दोस्त, यार, सहचर, मीत, हमदम

मुख-आनन, वदन, चेहरा, मुखड़ा, मुँह

मृत्यु-मरण, निधन, देहावसान, देहान्त, प्राणान्त, स्वर्गवास, अन्तकाल

मोती-शुक्तिज, मुक्ता, मौक्तिक, सीपिज, स्वातिसुत

मूँगा-प्रवाल, लतामणि, रक्तमणि, रक्तांग, विद्रुम

मन-चित्त, मानस, अंतर, अन्तःकरण, जी, दिल, हृदय

महात्मा-महामना, महानुभाव, महापुरुष, महाशय

मनुष्य-नर, मानव, इंसान, मनुज, आदमी

मेहनत-श्रम, परिश्रम, अध्यवसाय, उद्योग, कर्मठता, उद्यम

मदिरा-मद्य, हाला, सुरा, शराब, आसव, मधु, दारू, सोम, वारूणी

महारानी-पटरानी, राजरानी, महिषी, सम्राज्ञी, राजमहिषी

माया-छल, प्रपंच, धोखा, प्रवंचना, छलना, प्रतारणा, दृष्टिभ्रम

य

युद्ध-संग्राम, जंग, रण, समर, लड़ाई, द्वंद्व

यम-धर्मराज, काल, मृत्युपति, यमराज, श्राद्धदेव, दण्डधर, सूर्यपुत्र, शमन, जीवतेश, अंतक, जीविनेश, यमुनाभ्राता, जीवनपति, कीनाश, कृतांत

यमुना-सूर्यतनया, तरणितनूजा, भानुजा, कालिन्दी, सूर्यसुता, अर्कजा, कृष्णा, कालगंगा, यमभगिनी

युवती-सुन्दरी, श्यामा, किशोरी, रमणी, तरुणी, नवोढ़ा, यौवनवती

र

राजा-भूपति, भूप, महीप, नृप, नरपति, नरेश, भूपाल, नरेन्द्र, राव, सम्राट, महीपति, राजराज, अधिपति, धरणीश्वर

राधा-हरिप्रिया, राधिका, वृषभानुजा, ब्रजरानी, सर्वेश्वरी, कीर्ति-किशोरी

रात्रि-राका, निशा, रजनी, रैन, यामिनी, विभावरी, रात, शर्वरी, रजनी, त्रियामा, क्षणदा, तमिस्रा

रमा-श्रीकमला, कमलासना, विष्णुप्रिया, इन्दिरा, लक्ष्मी, पद्मा, भार्गवी, समुद्रजा, हरिप्रिया

राम-रघुपति, राघव, रघुनन्दन, रघुवर, सीतापति, जानकीवल्लभ

रावण-लंकेश, लंकापति, दशानन, दशशीश, दशकंठ, दशकंध, दैत्येन्द्र, राक्षसराज

ल

लक्ष्य-ध्येय, निशाना, उद्देश्य, मंजिल, ठिकाना, गंतव्य

लक्ष्मण-लखन, शेषावतार, सौमित्र, शेष, रामानुज, अनन्त, शेष

लाल-लोहित, रक्ताभ, अरुण, रक्तिम, सुर्ख

लज्जा-व्रीड़ा, संकोच, लाज, हया, शर्म

लोभ-लालच, लिप्सा, लोलुपता, तृष्णा

लाचार-निरुपाय, बेबस, विवश, बाध्य, मजबूर, बेचारा, निरीह

लता-बेलि, वल्लरी, लतिका, बल्ली, बेल

व

विमल-विशुद्ध, स्वच्छ, निर्मल, पावन, पवित्र, शुद्ध, प्रांजल

विद्वान-कोविद, विज्ञ, सुधी, विशारद, बुद्धिमान, पंडित, बुध, धीमान, ज्ञानी, मर्मज्ञ

वल्लभ-पति, प्रियतम, प्राणेश्वर, प्राणनाथ, प्रिय, नाथ

वायु-अनिल, समीर, पवन, हवा, वात, मारुत, पवमान, प्रभंजन, बयार

विज्ञ-जानकार, ज्ञानी, पंडित, समझदार, बुद्धिमान्, कोविद

वज्र-अशनि, कुलिश, दम्भोलि, पवि, कुलिस

विष-गरल, कालकूट, जहर, हलाहल, माहुर

विद्युत-चपला, बिजली, चञ्चला, तड़ित, दामिनी, क्षणप्रभा, सौदामिनी, अशिन, घनवल्ली, बीजुरी, कांचन, चम्पा, छटा,

वेशभूषा-पहनावा, परिधान, पोशाक, लिबास

वेश्या-गणिका, वारांगना, मंगलामुखी, रामजनी, पतुरिया, तवायफ

विष्णु-दैत्यारि, दामोदर, मधुरिपु, श्रीपति, चक्रपाणि, चतुर्भुज, विश्वम्भर, गरुड़ध्वज, अच्युत, मुकुन्द, केशव, माधव, गोविन्द, लक्ष्मीपति, मुरारी, पीताम्बर, जनार्दन, उपेन्द्र, नारायण, हृषीकेश, विभु, विश्वरूप, जलाशायी, वनमाली, रमापति, रमेश

विधि-रीति, नियम, तरीका, शैली, पद्धति, प्रणाली

विद्या-गुण, सरस्वती, हुनर, शिक्षा, ज्ञान, इल्म

Nitin-Gupta.com

श

शंकर-शंभु, भोले, त्रिपुरारि, महादेव, देवाधिदेव, कैलाशपति, उमापति, शिव, महेश, मदनारि, चन्द्रमौलि

शोभा-सौन्दर्य, सुषमा, मनोहरता, छटा, सुन्दरता, छवि, मंजुलता

शरीर-काया, गात, वपु, तन, अंग, देह, बदन

स

समुद्र-जलधि, रत्नाकर, अम्बुधि, नीरनिधि, सिन्धु, पयोधि, पयोनिधि, उदधि, वारीश, सागर, पारावार, नदीश, अर्णव, जलधाम, नीरधि

संसार-जग, जगत, जगती, विश्व, इहलोक

समता-समत्व, सादृश्य, साम्य, तुल्यता, बराबरी

संगम-मेल, संग, संयोग, मिलाप, साथ

संध्या-सायंकाल, दिनावसान, सायं, दिनांत, गोधूलि, प्रदोषकाल

सुगन्ध-सुवास, खुशबू, महक, परिमल, इष्टगंध, सुरभि

समीप-पार्श्व, आसन्न, निकट, सन्निकट, पास

सूर्य-तरणि, आदित्य, दिवाकर, भास्कर, प्रभाकर, मार्तण्ड, दिनकर, सविता, भानु, अंशुमाली, हंस, रवि, मरीची, पतंग

सिंह-नाहर, वनहरि, केशी, व्याघ्र, मृगारि, मृगेन्द्र, केसरी, शेर, मृगराज, शार्दूल, वनराज, पंचमुख, केहरी, महावीर

सोना-स्वर्ण, कनक, हिरण्य, हेम, सुवर्ण, कंचन, हाटक, जातरूप

स्त्री-नारी, अबला, वनिता, महिला, रमणी, कामिनी, कांता, प्रिया, अंगना, कलत्र, सुन्दरी, प्रमदा, वामा

स्थावर-अटल, अचल, स्थिर, निश्चल, अचर

स्वागत-शुभागमन, अगवानी, आवभगत

ह

हर्ष-खुशी, प्रसन्नता, आनन्द, आमोद, आह्लाद, मोद

हिमालय-हिमपति, नगराज, नगपति, हिमाद्रि, हिमाचल, हिमगिरि, गिरीश

हर्षित-आह्लादित, प्रमुदित, प्रसन्न, खुश

हिरन-मृग, सारङ्ग, हरिण, कुरंग, सुरभी

हनुमान-मारुतिनन्दन, महावीर, कपीस, पवनसुत, कपीश्वर, बजरंगबली, अंजनीनंदन, पवनपुत्र, आंजनेय, रामदूत

हंस-मराल, सरस्वतीवाहन, मुक्तभुक

हाथी-गज, करी, कुंजर, गजेन्द्र, हस्ती, द्विरद, सिन्धुर, नाग, दंती, कुम्भी, व्याल, वितुण्ड, द्विप, गयन्द, वारण

विगत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न : संकलन

1. निम्नलिखित में एक शब्द युग्म 'सरस्वती' का पर्याय नहीं है।-

(a) गिरा - वीणापाणि (b) भारती - वाणी
(c) हेम -हिरण्य (d) शारदा- वागीशा

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (c) : उक्त विकल्पों में से 'हेम-हिरण्य' युग्म 'सरस्वती' का पर्याय नहीं है, बल्कि यह 'सोना' का पर्याय है।

पर्यायवाची -

सोना- हेम, हिरण्य, स्वर्ण, कनक, सुवर्ण, कंचन, हाटक, जातरूप।

सरस्वती- भारती, वीणापाणि, शारदा , वाग्देवी , महाश्वेता, ज्ञानदा, हंसवाहिनी, वागीश्वरी, वाणी, विमला, ब्राह्मी, भाषा, वागेश्वरी श्वेता, श्वेतवसना।

2. गंगा का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(a) देवनदी (b) रवितनया
(c) त्रिपथगा (d) भगीरथ

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (b) : उपर्युक्त विकल्पों में 'रवितनया' गंगा का पर्यायवाची नहीं है बल्कि 'यमुना' का पर्यायवाची है।

नोट- विकल्प (d) 'भगीरथ' भी गंगा का पर्यायवाची नहीं है। भगीरथ सूर्यवंशी राजा दिलीप के पुत्र थे जिनके प्रयासों से गंगा पृथ्वी पर आयीं। इसीलिए 'गंगा' को 'भागीरथी' भी कहा जाता है।

भगीरथ- संज्ञा- राजा दिलीप के पुत्र।

भगीरथ- विशेषण- बहुत बड़ा।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'कुरंग' शब्द का पर्यायवाची शब्द है?

(a) प्रभात (b) हिरन
(c) पर्वत (d) समुद्र

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (b) : : दिये गये शब्दों में 'कुरंग' शब्द का पर्यायवाची 'हिरन' है। कुरंग के अन्य पर्यायवाची शब्द - मृग, हरिण, सुरभी, कृष्णसार इत्यादि हैं। अन्य शब्दों के पर्याप्त निम्नलिखित हैं-

प्रभात- प्रातःकाल, ऊषा, सवेरा, अरुणोदय, सुबह, भोर।

पर्वत- शैल, भूधर, गिरि, अचल, अद्रि, महीधर, मेरु।

समुद्र- सागर, पारावार, जलधि, उदधि, पयोधि, अर्णव, सिन्धु।

4. इनमें से कौन-सा शब्द 'पक्षी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

(a) हिरण्य (b) शकुंत
(c) पतंग (d) शकुनि

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (a) : दिये गये विकल्पों में 'हिरण्य' शब्द पक्षी का पर्यायवाची नहीं है, जबकि शेष विकल्प 'पक्षी' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'हिरण्य', 'सोना' का पर्यायवाची शब्द है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'सेना' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

(a) अनी (b) कटक
(c) बरुथ (d) निकर

UPPSC Mines Inspector 2022

Nitin-Gupta.com

Ans. (d) : दिये गये शब्दों में 'निकर' सेना शब्द का पर्यायवाची नहीं है, जबकि अन्य शब्द 'सेना' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'निकर' शब्द का अर्थ झुंड, समूह, राशि, ढेर इत्यादि होता है।

6. इनमें से 'अरण्य' शब्द का पर्यायवाची शब्द है-

(a) शस्य (b) कुलीन

(c) कांतार (d) आभारी

UPPCS CSAT 2022

Ans. (c) : दिये गये विकल्पों में से 'कांतार' शब्द 'अरण्य' का पर्यायवाची शब्द है। अरण्य के अन्य पर्यायवाची शब्द है- वन, कानन, विपिन, बीहड़, अटवी, अरण्य इत्यादि।

7. इनमें से 'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द है -

(a) विपुला (b) शर्वरी

(c) धेनुका (d) पयस्विनी

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : 'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द 'विपुला' है।
वसुधा के अन्य पर्यायवाची शब्द – भू, इला, भूमि, धरती, धरित्री, धरणी, वसुंधरा, अवनि, उर्वी, क्षिति, वसुमती, मेदिनी, रत्नगर्भा हैं।

8. 'चन्द्रहास' का पर्यायवाची शब्द है-

(a) तीर (b) तलवार

(c) भाला (d) धनुष-बाण

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'चन्द्रहास' का पर्यायवाची शब्द 'तलवार' है। चन्द्रहास के अन्य पर्यायवाची शब्द–करवाल, खड़ग, असि, कटार, कृपाण आदि हैं।
तीर का पर्यायवाची शब्द– आशुग, इषु, नाराच, शर, शायक, बाण, शिलिमुख, विशिख, सारंग।
भाला का पर्यायवाची शब्द– बर्छा, कुंत, शलाका, नेजा, बरछा।

9. 'चोर' का पर्यायवाची शब्द है-

(a) खनक (b) उदक

(c) धूसर (d) थलचर

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : 'चोर' का पर्यायवाची शब्द 'खनक' है।
चोर– खनक, दस्यु, रजनीचर, खनक, मोषक, तस्कर, कुम्भिल, कंभिज
उदक – पानी, नीर, सलिल, अम्बु, तोय, पय, अमृत, सारंग।
धूसर – गदहा, खर, गर्दभ, वैशाखनन्दन, रासभ, चक्रीवान, गधा।

10. 'जीभ' का पर्यायवाची है-

(a) वचन (b) रसना

(c) ध्वनि (d) जीव

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'जीभ' का पर्यायवाची शब्द 'रसना' है। जीभ के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- जिह्वा, रसज्ञा, रसिका, जबान आदि।
'जीव' का पर्यायवाची शब्द – रूह, प्राण, आत्मा, जीवात्मा।
'ध्वनि' का पर्यायवाची शब्द – नाद, रव, स्वर, ताल, आवाज।
'वचन' का पर्यायवाची शब्द – आश्वासन, वादा, प्रण, प्रतिज्ञा।

11. 'तिमिर' का पर्यायवाची है -

(a) प्रकाश (b) रात्रि

(c) सूर्य (d) अन्धकार

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'तिमिर' का पर्यायवाची शब्द 'अन्धकार' है।
तिमिर के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – तम, अंधेरा, तमिस्र।
रात्रि के पर्यायवाची शब्द – रात, निशा, विभावरी, निशीथ, यामिनी, शर्वरी।
सूर्य का पर्यायवाची शब्द – सूरज, रवि, दिनकर, दिवाकर, प्रभाकर, अंशुमाली, भास्कर।
प्रकाश का पर्यायवाची शब्द – प्रभा, ज्योति, उजाला, रोशनी।

12. 'हुताशन' पर्यायवाची है-

(a) निर्धन (b) अग्नि

(c) अगणित (d) अखंड

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'हुताशन' अग्नि का पर्यायवाची है।
अग्नि के अन्य पर्यायवाची शब्द – आग, पावक, दहन, अनल।
'निर्धन' का पर्यायवाची शब्द है – गरीब, विपन्न, अकिंचन, रंक, दरिद्र।
'अखण्ड' का पर्यायवाची शब्द है – अक्षय, अक्षुण्ण, अभंग, अविभक्त, पूर्ण।

13. 'बिजली' का पर्याय है -

(a) शर्वरी (b) तनया

(c) रमणी (d) दामिनी

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'बिजली' का पर्याय 'दामिनी' है।
बिजली के अन्य पर्याय - चपला, चंचला, तड़ित्, सौदामनी,
तनया का पर्यायवाची – आत्मजा, सुता, दुहिता, पुत्री।
शर्वरी का पर्यायवाची – रात्रि, रात, रजनी, निशीथ, क्षणदा।
रमणी का पर्यायवाची–सुन्दरी, नारी, स्त्री, कान्ता, वनिता, अबला, कामिनी।

14. 'अपर्णा' शब्द का पर्यायवाची है -

(a) औरत (b) देवांगना

(c) आराधना (d) पार्वती

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : अपर्णा शब्द का पर्यायवाची 'पार्वती' होगा। अपर्णा के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- गौरी, गिरिजा, पार्वती, भवानी, रुद्राणी।
दिये गये अन्य विकल्पों के पर्यायवाची शब्द निम्न हैं –

शब्द	**पर्यायवाची शब्द**
औरत	- स्त्री, वनिता, कान्ता, रमणी, नारी, अबला
आराधना	- प्रार्थना, पूजा, अर्चना, वन्दना
देवांगना	- मेनका, देवबाला, अप्सरा

15. निम्नलिखित विकल्पों में से 'चंचरीक' शब्द का पर्यायवाची चुनिए -

(a) हवा (b) भ्रमर

(c) मित्र (d) पुत्र

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : चंचरीक शब्द का पर्यायवाची 'भ्रमर' होगा।
भ्रमर शब्द के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – भौंरा, मधुप, अलि, षट्पद, मधुकर, द्विरेफ
दिये गये अन्य विकल्पों के पर्यायवाची शब्द निम्न हैं –
हवा – पवन, अनिल, समीर, वायु, बयार।
मित्र – सखा, दोस्त, सहचर, सुहृद, संगी।
पुत्र – पूत, तनय, लाल, छोरा, आत्मज।

Nitin-Gupta.com

16. निम्नलिखित में 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है -

(a) इला (b) अचला
(c) अचल (d) अवनि

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : दिये गये शब्दों में 'अचल' शब्द पृथ्वी का पर्यायवाची नहीं है बल्कि पर्वत का पर्यायवाची है।
इला, अचला तथा अवनि 'पृथ्वी' के पर्यायवाची हैं।

17. इनमें से 'मोर' का पर्यायवाची शब्द है

(a) अरुणशिखा (b) वारक
(c) ताम्रचूड़ (d) कलापी

UPPSC AE 2021

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न में 'कलापी' मोर का पर्यायवाची है। अन्य शब्द 'अरुणशिखा' व 'ताम्रचूड़', 'मुर्गा' के पर्याय हैं।

18. निम्नलिखित वर्गों में 'चन्द्रमा' के सभी पर्यायवाची शब्द किस वर्ग में शुद्ध हैं?

(a) हिमांशु, सुधांशु, सुधाकर
(b) चाँद, हिमांशु, अर्कजा
(c) चाँद, हिमांशु, पारावार
(d) चाँद, हिमांशु, पद्माकर

UPPSC AE 2021

Ans. (a) : हिमांशु, सुधांशु व सुधाकर, चन्द्रमा के पर्यायवाची शब्द हैं। चन्द्रमा के अन्य पर्यायवाची शब्द रजनीश, मयंक, तारापति, निशापति, राकापति इत्यादि हैं। 'अर्कजा' यमुना का, 'पारावार' समुद्र का तथा 'पद्माकर' तालाब का पयार्यवाची शब्द है।

19. 'अश्व' का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

(a) वाजि (b) सैंधव
(c) वैशाखनन्दन (d) हय

UPPSC AE 2021

Ans. (c) : 'हय', 'सैंधव' व 'वाजि' अश्व के पर्यायवाची शब्द हैं जबकि 'वैशाखनन्दन' गदहा का पर्याय है।

20. इनमें से 'अग्नि' का पर्यायवाची शब्द नहीं है

(a) जातवेद (b) वैश्वानर
(c) कान्तार (d) शाण्डिल्य

UPPSC AE 2021

Ans. (c) : 'जातवेद', 'वैश्वानर' व 'शाण्डिल्य' अग्नि के पर्यायवाची शब्द हैं जबकि 'कान्तार' जंगल का पर्यायवाची है।

21. अधोलिखित में से 'नदी' के पर्यायवाची किस वर्ग में नहीं है?

(a) तरंगिणी, सरिता (b) निम्नगा, तरंगिणी
(c) आपगा, तटिनी (d) जाह्नवी, यियामा

UPPSC AE 2021

Ans. (d) : नदी के पर्याय हैं – तरंगिणी, सरिता, निम्नगा, अपगा, आपगा, तटिनी, वाहिनी इत्यादि। 'जाह्नवी', गंगा का पर्याय है।

22. निम्नलिखित में 'देवता' का पर्यायवाची शब्द है

(a) किंकर (b) विबुध
(c) विपुल (d) लोकेश

UPPCS (Pre) CSAT 2021

Ans. (b) : उपर्युक्त विकल्प में देवता का पर्यायवाची शब्द 'विबुध' है। अन्य विकल्प के पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित हैं–
(1) किंकर – नौकर, भृत्य, चाकर।
(2) लोकेश – विधि, ब्रह्मा, सदानन्द।
(3) विपुल – अधिक, बड़ा, हिमालय।

23. 'आकाश' का पर्यायवाची शब्द है–

(a) सहकार (b) शून्य
(c) प्रभा (d) मंडली

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : आकाश का पर्यायवाची शब्द– शून्य, गगन, नभ, अम्बर, व्योम आदि होता है। प्रभा के पर्यायवाची शब्द हैं– चमक, ज्योति, दीप्ति, कान्ति, छवि, आभा आदि।

24. 'सोना' का पर्यायवाची शब्द है–

(a) अर्क (b) वर्क (c) माणिक्य (d) कनक

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'सोना' का पर्यायवाची 'कनक' है। इसके अन्य पर्याय हैं– स्वर्ण, सुवर्ण, पुष्कल, हेम, हाटक, कंचन आदि। अर्क के पर्यायवाची– सूर्य, रवि, भानु, दिनकर, दिवाकर, भास्कर आदि हैं।

25. 'उसके प्राण–पखेरू उड़ गये।' इस वाक्य में 'पखेरू' शब्द किसका पर्यायवाची है?

(a) पक्षी (b) जल्दी
(c) पखवाड़ा (d) पखारना

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'उसके प्राण–पखेरू उड़ गये।' इस वाक्य में पखेरू शब्द पक्षी का पर्यायवाची है। इसके अन्य पर्याय हैं– अंडज, विहग, खग, विहंग, शकुनि, पतंग, परिन्दा, चिड़िया आदि। 'जल्दी' का पर्याय तीव्र, द्रुत होगा।

26. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) सुधांशु (b) सुधाकर
(c) सुधाधर (d) सलिल

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'सलिल' शब्द चन्द्रमा का पर्यायवाची नहीं है, अपितु यह पानी का पर्याय है। पानी के अन्य पर्याय हैं– नीर, तोय, अम्बु, वारि आदि। सुधांशु, मयंक, शशि, चन्द्र, राकेश आदि चन्द्रमा के पर्यायवाची हैं।

27. निम्नांकित शब्दों में से एक शब्द 'माता' का पर्यायवाची नहीं है, वह है–

(a) अम्ब (b) अम्बु
(c) अम्बा (d) जननी

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : 'अम्बु' माता का पर्यायवाची नहीं है अपितु 'पानी' का पर्यायवाची हैं। अम्ब, अम्बा, जननी, मातृ, धात्री आदि माता के पर्यायवाची हैं।

28. 'मीमांसा' का सही पर्यायवाची शब्द है–

(a) स्वरूप (b) सुविज्ञता
(c) समालोचन (d) निष्क्रिय

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Nitin-Gupta.com

Ans. (c) : 'मीमांसा' का सही पर्यायवाची शब्द 'समालोचन' है। इसके अन्य पर्याय हैं–समीक्षा, आलोचना, विवेचना, निरूपण आदि।

29. 'बिजली' का पर्यायवाची शब्द है–

(a) चमक (b) सौदामिनी
(c) प्रकाश (d) इनमें से कोई नहीं

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : दिये गये शब्दों में बिजली का पर्यायवाची शब्द सौदामिनी है। इसके अन्य पर्यायवाची हैं– विद्युत, तड़ित, चपला, दामिनी। चमक का पर्यायवाची आभा, दीप्ति, द्युति, कांति, जगमगाहट है। प्रकाश का पर्यायवाची आलोक, रोशनी, उजाला, ज्योति होता है।

30. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'लक्ष्मी' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) रमा (b) इंदिरा
(c) कमला (d) भारती

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'भारती' लक्ष्मी का पर्यायवाची शब्द नहीं है। भारती सरस्वती का पर्यायवाची है। लक्ष्मी के पर्याय हैं– रमा, इंदिरा, कमला, विष्णुप्रिया, कमलासना, श्री आदि। सरस्वती के पर्याय हैं– भारती, वागेश्वरी, वीणावादिनी, वाचा, विद्यादेवी आदि।

31. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'कपड़ा' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) वस्त्र (b) पट
(c) वसन (d) वासन

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'वासन' शब्द कपड़ा का पर्यायवाची नहीं है। वस्त्र, पट, वसन, 'कपड़ा' के पर्यायवाची शब्द हैं।

32. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'मेघ' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) पयोधर (b) जलधर
(c) वारिधर (d) दामोधर

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'दामोधर' शब्द मेघ का पर्यायवाची नहीं है। मेघ के पर्यायवाची शब्द हैं– पयोधर, जलधर, वारिधर, वारिद, बादल, जीमूत, नीरद आदि। 'दामोधर' शब्द अशुद्ध है, इसका शुद्ध रूप 'दामोदर' होता है जिसका पर्यायवाची है– जनार्दन, चक्रपाणि, विश्वम्भर, मुकुन्द, नारायण, केशव, माधव, चतुर्भुज आदि।

33. इनमें से 'आकाश' का पर्यायवाची शब्द है

(a) पुष्कर (b) अपरिमित
(c) प्रपंच (d) अवलम्ब

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (a) : 'पुष्कर' शब्द 'आकाश' का पर्यायवाची है। आकाश के अन्य पर्यायवाची हैं- गगन, अंबर, नभ, व्योम, अभ्र, वियत, घनवास, शून्य।

34. निम्नलिखित में से 'गुफा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है

(a) गुहा (b) दरी
(c) गह्वर (d) विजन

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (d) : 'विजन' शब्द गुफा का पर्यायवाची नहीं है। अन्य शब्द गुहा, दरी, गह्वर, 'गुफा' के पर्याय हैं।

35. इनमें से 'भ्रमर' का पर्यायवाची शब्द हैं-

(a) विभावरी (b) मेदिनी
(c) शिलीमुख (d) निर्जर

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) : 'भ्रमर' का पर्यायवाची शब्द 'शिलीमुख' है, जबकि विभावरी 'रात' का, मेदिनी 'धरती' का तथा निर्जर 'देवता' का पर्यायवाची है। भ्रमर के अन्य पर्यायवाची हैं- भौरा,अलि, मधुकर, द्विरेफ, भृंग, मिलिंद, चंचरीक, सारंग।

36. इनमें से 'ध्वज' शब्द का पर्यायवाची है-

(a) पण (b) वितान
(c) फरहरा (d) झष

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) :दिये गये शब्दों में 'फरहरा' ध्वज का पर्यायवाची है। अन्य विकल्प असंगत हैं।
ध्वज के अन्य पयार्य- ध्वजा, पताका,केतु, निशान, झंडा।

37. 'विशिख' किस शब्द का पर्यायवाची है ?

(a) बुध (b) बाण
(c) तरु (d) सरोवर

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (b)

व्याख्या– 'विशिख' शब्द बाण का पर्यायवाची है। बाण के अन्य पर्यायवाची शब्द तीर, शर, सायक, आशुग आदि हैं।

38. निम्नलिखित में 'खर' का पर्याय शब्द नहीं है -

(a) दुष्ट (b) गदहा
(c) तिनका (d) तेज

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (a)

व्याख्या–'गदहा, तिनका और तेज' तीनों शब्द 'खर' के पर्याय हैं जबकि 'दुष्ट' शब्द 'खल' का पर्याय होता है।

39. 'टीका' शब्द का पर्याय है-

(a) व्याख्या (b) आलेख
(c) टेकुआ (d) तकली

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (a)

व्याख्या– व्याख्या, भाज्य, वृत्ति, भाषांतरण, विवृत्ति आदि टीका के पर्यायवाची शब्द हैं। आलेख, टेकुआ तथा तकली तीनों असंगत हैं।

40. निम्नलिखित में 'यमुना' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(a) हंससुता (b) अर्कजा
(c) कृष्णा (d) कूलंकषा

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (d)

व्याख्या– हंससुता, अर्कजा तथा कृष्णा तीनों यमुना के पर्यायवाची शब्द हैं, जबकि 'कूलंकषा' शब्द यमुना का पर्याय नहीं है बल्कि नदी का पर्यायवाची शब्द है।

Nitin-Gupta.com

41. निम्नलिखित में से 'मीन' का समानार्थी है-
(a) झख (b) शिलीमुख
(c) अलि (d) षट्पद
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर– (a)

व्याख्या– 'मीन' का समानार्थी शब्द 'झख' है जबकि शिलीमुख, अलि, षट्पद, मिलिंद, भ्रमर, चंचरीक, मधुकर, मधुप आदि भौंरा के पर्यायवाची शब्द हैं।

42. निम्नलिखित में से 'केतु' का पर्याय नहीं है-
(a) झंडा (b) पताका
(c) निशान (d) ग्रह
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर– (d)

व्याख्या– झंडा, पताका, निशान, केतन, ध्वज आदि 'केतु' के पर्यायवाची शब्द हैं जबकि 'ग्रह' केतु का पर्याय नहीं है।

43. 'तलवार' का पर्यायवाची शब्द है-
(a) हलवार (b) करवाल
(c) धरवार (d) धारदार
उत्तर– (b) **UP RO/ARO (Pre) 2017**

व्याख्या– करवाल, खड़ग, असि, कृपाण, तेग, और शमशीर आदि तलवार के पर्यायवाची शब्द हैं। अन्य विकल्प असंगत हैं।

44. निम्नलिखित में से 'कामदेव' का पर्यायवाची शब्द है-
(a) विडौजा (b) पिशुन
(c) मार (d) अश्म
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर– (c)

व्याख्या– मार, अनंग, कंदर्प, मन्मथ, मदन, अदेह, रतिपति आदि 'कामदेव' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'विडौजा' इन्द्र का, 'पिशुन' कौआ का तथा 'अश्म' पत्थर का पर्यायवाची शब्द है।

45. 'धनंजय' का पर्याय है-
(a) गुडाकेश (b) धनुर्धर
(c) मृत्यंजय (d) सारथी
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर– (a)

व्याख्या– अर्जुन, पार्थ, कौन्तेय, गुडाकेश, गांडीवधर आदि 'धनंजय' के पर्यायवाची शब्द हैं।

46. पर्यायवाची की दृष्टि से एक वर्ग शुद्ध है–
(a) सिंह, पंचानन, नाहर, मृगारि
(b) सूर्य, रवि, दिनकर, तरणी
(c) अग्नि, पावक, अनल, पिशुन
(d) महेश, रमेश, भूतेश, सतीश
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर– (a)

व्याख्या- सिंह, पंचानन, केसरी, नाहर, वनराज, मृगेन्द्र आदि शेर के पर्यायवाची शब्द हैं। रवि, दिनकर, दिवाकर सूर्य के पर्यायवाची हैं जबकि 'तरणी' नौका का पर्यायवाची है। इसी प्रकार अग्नि, पावक और अनल 'आग' के पर्यायवाची शब्द हैं। जबकि पिशुन चुगलखोर का पर्याय होता है। महेश, भूतेश और सतीश 'शिव' के पर्यायवाची है जबकि रमेश 'विष्णु' का पर्याय है।

47. निम्नलिखित में से एक 'पत्थर' का पर्यायवाची नहीं है–
(a) प्रस्तर (b) उपल
(c) पशम (d) पाहन
उत्तर– (c) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- 'पशम' पत्थर का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि 'ऊन' का पर्यायवाची है। पत्थर के पर्यायवाची शब्द हैं- प्रस्तर, उपल, पाहन, पाषाण, अश्म और शिला।

48. एक 'यमुना' का पर्यायवाची नहीं है–
(a) रविजा (b) तनुजा
(c) सूर्यजा (d) अर्कजा
उत्तर– (b) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- यमुना के पर्यायवाची रविजा, सूर्यजा, सूर्यसुता, अर्कजा, कृष्णा और कालिन्दी हैं जबकि 'तनुजा' पुत्री का पर्यायवाची शब्द है।

49. निम्नलिखित शब्दों में से एक शब्द 'शंकर' का पर्यायवाची नहीं है –
(a) ललाटाक्ष (b) गंगाधर
(c) त्रिलोचन (d) शशधर
उत्तर– (d) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- 'शशधर' शंकर का पर्यायवाची नहीं है। शंकर के पर्यायवाची शब्द ललाटाक्ष, गंगाधर, त्रिलोचन, महेश, शिव, महादेव आदि हैं, जबकि शशधर, चन्द्रमा तथा कपूर दोनों का पर्यायवाची शब्द है।

50. निम्नलिखित में से एक शब्द 'आम' का पर्यायवाची नहीं है –
(a) अतिसौरभ (b) सहकार
(c) अंबु (d) रसाल
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर– (c)

व्याख्या- अतिसौरभ, सहकार, रसाल, आम्र, फलश्रेष्ठ और अमृतफल आम के पर्यायवाची शब्द हैं, जबकि 'अंबु' जल का पर्यायवाची शब्द है।

51. निम्नलिखित में से एक 'विष्णु' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –
(a) कमलेश (b) कमलाकान्त
(c) कमलापति (d) कमलासन
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर– (d)

व्याख्या- कमलेश, कमलाकान्त, कमलापति, श्रीपति, लक्ष्मीपति चक्रपाणि, जनार्दन, हरि, नारायण इत्यादि विष्णु के पर्यायवाची शब्द हैं जबकि कमलासन 'ब्रह्मा' का पर्यायवाची शब्द है।

52. निम्नलिखित में से एक 'स्वर्ण' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –
(a) हेम (b) हाटक
(c) हिरण्या (d) कलधौत
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर– (c)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या- कंचन, कनक, सोना, हेम, हाटक, हिरण्य, कलधौत तामरस, जातरूप 'स्वर्ण' के पर्यायवाची शब्द हैं। इस प्रकार प्रश्नगत विकल्प (c) असत्य है।

53. पर्यायवाची की दृष्टि से एक वर्ग शुद्ध है –

(a) इन्द्र, रतीश, सहस्राक्ष, मघवा
(b) घर, निकेतन, आयतन, निलय
(c) यमुना, कालिन्दी, भानुतनया, जाह्नवी
(d) वस्त्र, पाटक, अम्बर, चीर

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (b)

व्याख्या- घर, निकेतन, आयतन, निलय, गृह के पर्यायवाची हैं। मघवा और सहस्राक्ष 'इन्द्र' के पर्यायवाची हैं, जबकि रतीश, 'कामदेव' का पर्यायवाची है। कालिन्दी और भानुतनया 'यमुना' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'जाह्नवी' गंगा का पर्यायवाची है। अम्बर व चीर वस्त्र के पर्याय हैं।

54. निम्नलिखित में से एक 'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –

(a) जलधि (b) जलधाम
(c) जलनिधि (d) जलाधिप

उत्तर– (d) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- जलधि, जलधाम, जलनिधि और सागर 'समुद्र' के पर्यायवाची शब्द हैं, जबकि 'जलाधिप' वैदिक देवता वरुण का पर्यायवाची शब्द है। समुद्र के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं– सागर, सिन्धु, उदधि, नदीश, वारीश, नीरनिधि, रत्नाकर, अर्णव, पयोनिधि, तोयनिधि, सरित्पति आदि।

55. निम्नलिखित में से एक 'नदी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –

(a) निम्नगा (b) त्रिपथगा
(c) कूलंकषा (d) कूलवती

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (b)

व्याख्या- निम्नगा, कूलंकषा, कूलवती, सरिता, नदिया, अपगा, लहरी और पयस्विनी 'नदी' के पर्यायवाची शब्द हैं जबकि त्रिपथगा 'गंगा' का पर्यायवाची शब्द है।

56. कौन-सा शब्द 'घोड़ा' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) बाजि (b) तुरंग
(c) शार्दूल (d) हय

UP RO/ARO (Pre) 2014, 2017

उत्तर-(c)

व्याख्या– शार्दूल शब्द घोड़ा का पर्यायवाची नहीं है, जबकि बाजि, तुरंग और हय, घोड़ा के पर्यायवाची शब्द हैं। शार्दूल का पर्याय 'सिंह' होता है। शार्दूल के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- मृगराज, केशी, नाहर, केहरी पंचमुख, मृगेन्द्र, पशुराज आदि।

57. 'मीनाक्षी' का पर्यायवाची शब्द है –

(a) सुन्दरी (b) दुर्गा
(c) मछली (d) लक्ष्मी

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a & b)

व्याख्या – मीनाक्षी का पर्यायवाची शब्द 'सुन्दरी' तथा 'दुर्गा' दोनों होता है। मीनाक्षी का आशय 'मीन की तरह आँख वाली' होता है।

नोट - आयोग ने इसका उत्तर (a) और (b) अर्थात सुन्दरी और दुर्गा दोनों को माना है।

58. कौन-सा शब्द 'नाग' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) सर्प (b) अहि
(c) विषधर (d) तुरंग

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – नाग का पर्यायवाची शब्द तुरंग नहीं है। 'तुरंग' का पर्याय 'घोड़ा' होता है। तुरंग के अन्य पर्याय–अश्व, घोटक, हय, वाजि, रविसुत, सैंधव आदि हैं जबकि सर्प, अहि और विषधर 'नाग' के पर्याय हैं।

59. कौन-सा शब्द 'दैत्य' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) राक्षस (b) दानव
(c) भूसुर (d) निशाचर

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में दैत्य का पर्याय 'भूसुर' नहीं होता है, जबकि अन्य तीनों विकल्प दैत्य के पर्याय हैं। भूसुर का पर्याय 'ब्राह्मण' होता है। भूसुर के अन्य पर्यायवाची शब्द– द्विज, महीसुर, भूदेव, विप्र, अग्रजन्मा आदि हैं।

60. 'रूख' का पर्यायवाची शब्द है –

(a) विटप (b) प्रसून
(c) तड़का (d) हेरम्ब

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या - रूख का पर्यायवाची शब्द 'विटप' होता है। रूख के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – वृक्ष, पेड़, द्रुम, पादप, विटप आदि। हेरम्ब 'गणेश' का पर्यायवाची शब्द है।

नोट–इस प्रश्न को आयोग ने हटा दिया है।

61. कौन-सा शब्द 'ब्रह्मा' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) कमलासन (b) चतुरानन
(c) चतुर्मुख (d) चतुर्भुज

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – उक्त विकल्पों में ब्रह्मा का पर्यायवाची 'चतुर्भुज' नहीं है। चतुर्भुज का पर्याय 'विष्णु' होता है। **विष्णु** के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – नारायण, हरि, चक्रपाणि, मुकुन्द, जनार्दन, गोविन्द, लक्ष्मीपति आदि। **ब्रह्मा** का पर्यायवाची शब्द है– कमलासन, विरंचि, पितामह, चतुरानन, चतुर्मुख, प्रजापति, स्वयंभू आदि।

62. कौन-सा शब्द 'भ्रमर' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) शलभ (b) चंचरीक
(c) शिलीमुख (d) मिलिन्द

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या – 'शलभ' भ्रमर का पर्यायवाची शब्द नहीं है। भ्रमर के पर्यायवाची हैं– चंचरीक, अलि, मिलिन्द, शिलीमुख, सारंग इत्यादि। 'शिलीमुख' बाण का भी पर्यायवाची शब्द है। बाण के अन्य पर्यायवाची हैं – विशिख, शर, नाराच इत्यादि। जबकि 'शलभ' का पर्याय 'पतिंगा' होता है।

63. कौन-सा शब्द 'इन्द्र' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) पुरंदर (b) शक्र (c) मघवा (d) गणाधिप

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – उक्त विकल्पों में 'इन्द्र' का पर्यायवाची 'गणाधिप' नहीं है, जबकि अन्य तीनों विकल्प पुरंदर, शक्र और मघवा 'इन्द्र' के पर्यायवाची हैं। गणाधिप 'गणेश' का पर्यायवाची है।

64. 'हिरण्यगर्भ' का पर्यायवाची शब्द है –

(a) विष्णु (b) ब्रह्मा (c) महेश (d) गणेश

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – हिरण्यगर्भ का पर्यायवाची शब्द 'ब्रह्मा' है। ब्रह्मा के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – पितामह, स्वयंभू, चतुरानन, स्रष्टा, प्रजापति, कमलासन, आत्मभू। **विष्णु** का पर्याय अच्युत, जनार्दन, चक्रपाणि, मुकुन्द, नारायण, गरुड़ध्वज आदि हैं। **महेश** का पर्याय शिव, उमापति, महादेव, त्रिपुरारि, देवाधिदेव, मदनारि, चन्द्रमौलि आदि हैं। **गणेश** का पर्याय हेरम्ब, विघ्नविनाशक, गणपति, लम्बोदर, एकदन्त, विनायक, गजानन आदि है। **नोट–** आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (a) और (b) अर्थात् ब्रह्मा एवं विष्णु दोनों माना है।

65. कौन-सा शब्द 'दास' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) अनुचर (b) परिकर (c) भृत्य (d) सेवक

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – उक्त विकल्पों में अनुचर, भृत्य और सेवक दास के पर्यायवाची शब्द हैं। जबकि परिकर, दास का पर्याय नहीं है। 'परिकर' शब्द का अर्थ घर के लोग, परिवार के लोग, परिजन व आस-पास साथ रहने वाले लोग/ समूह होता है।

⇒ **स्रोत–** राजपाल हिंदी शब्दकोश– डॉ. हरदेव बाहरी व वर्धा हिंदी शब्दकोश।

66. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'निशीथ' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) रात्रि (b) रजनी (c) तम (d) निशा

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (c)

व्याख्या – निर्दिष्ट विकल्पों में 'तम' अंधकार का पर्याय है, जबकि निशीथ के पर्याय रात्रि, रजनी और निशा हैं। अतः विकल्प (c) तम 'निशीथ' का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

67. 'सूर्य' का पर्यायवाची है –

(a) भास्वर (b) मार्तण्ड

(c) प्रकाश (d) तेज

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (b)

व्याख्या – सूर्य का पर्यायवाची 'मार्तण्ड' है न कि प्रकाश, तेज एवं भास्वर। सूर्य के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – तरणि, आदित्य, दिवाकर, प्रभाकर, दिनकर, भास्कर आदि।

68. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'अरविन्द' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) मिलिन्द (b) पंकज

(c) जलज (d) अम्बुज

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (a)

व्याख्या –दिये गये विकल्प में 'मिलिन्द' शब्द 'अरविन्द' का पर्यायवाची शब्द नहीं है। अरविन्द के पर्यायवाची शब्द हैं– कमल, पंकज, जलज, अम्बुज, सरसिज, राजीव, अम्भोज, सरोज, नलिन आदि। 'मिलिन्द' भौंरा का पर्यायवाची है।

69. 'पर्यायवाची' शब्द का अर्थ है –

(a) विलोमवाची (b) प्रतिविलोमवाची

(c) समानाभास (d) समानार्थी

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (d)

व्याख्या – पर्यायवाची शब्द का आशय 'समानार्थी' होता है। वे शब्द जिनके अर्थों में समानता हो, पर्यायवाची शब्द कहे जाते हैं। इन शब्दों को 'समानार्थी शब्द' भी कहा जाता है।

70. 'प्राची' का पर्यायवाची शब्द है –

(a) प्राचीन (b) प्रकृत

(c) पूर्व (d) प्रज्ञा

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (c)

व्याख्या–प्राची का पर्यायवाची शब्द 'पूर्व' है न कि प्राचीन, प्रकृत और प्रज्ञा।

71. 'तरंग' शब्द का पर्यायवाची है –

(a) पुष्कर (b) कूल (c) जलधि (d) ऊर्मि

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (d)

व्याख्या – तरंग शब्द का पर्यायवाची शब्द 'ऊर्मि' है न कि पुष्कर, कूल और जलज। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द - लहर, हिलोर, वीचि आदि हैं जबकि 'जलधि' सागर का, 'पुष्कर' तालाब का तथा 'कूल' किनारा का पर्याय है।

72. 'जंगल' शब्द का पर्यायवाची है –

(a) प्रमोद (b) विश्रान्ति (c) कान्तार (d) दिव

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (c)

व्याख्या – जंगल शब्द का पर्यायवाची शब्द 'कान्तार' है, न कि प्रमोद, विश्रान्ति और दिव। जंगल के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं - विपिन, कानन, वन, अटवी, अरण्य आदि।

73. 'क्रोध' शब्द का पर्यायवाची है –

(a) संताप (b) अमर्ष (c) वैमनस्य (d) भीति

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या – क्रोध शब्द का पर्यायवाची शब्द 'अमर्ष' है, न कि संताप, वैमनस्य और भीति। संताप का आशय 'दुःख', वैमनस्य का आशय 'ईर्ष्या' तथा भीति का आशय 'डर' होता है।

74. 'बिजली' शब्द का पर्यायवाची नहीं है –

(a) वितुंडा (b) दामिनी
(c) चंचला (d) तड़ित

उत्तर – (a) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या – बिजली शब्द का पर्यायवाची शब्द 'वितुंडा' नहीं है। दामिनी, चंचला और तड़ित बिजली शब्द के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द - चपला, क्षणप्रभा, सौदामिनी आदि हैं। जबकि 'वितुंडा' हाथी का पर्यायवाची शब्द है।

75. 'जीभ' का पर्याय है –

(a) वचन (b) रसना
(c) ध्वनि (d) जीव

उत्तर – (b) **UP RO/ARO (Pre) 2010**

व्याख्या – 'जीभ' का पर्यायवाची शब्द 'रसना' होता है जबकि वचन, ध्वनि और जीव का अशय जीभ नहीं है।

76. कौन–सा शब्द 'अहि' का पर्यायवाची नहीं है –

(a) उरग (b) सरीसृप
(c) पवनाश (d) सिंधुर

उत्तर – (d) **UP RO/ARO (Pre) 2010**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'अहि' का पर्यायवाची शब्द 'सिंधुर' नहीं है। सिंधुर का आशय हाथी से है, जबकि अहि, उरग, सरीसृप, पवनाश 'सर्प' के पर्यायवाची शब्द हैं।

77. 'नैसर्गिक' का पर्यायवाची है –

(a) सत्कृत (b) चमत्कृत
(c) प्राकृतिक (d) चतुर्दिक्

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (c)

व्याख्या – 'नैसर्गिक' का पर्यायवाची शब्द 'प्राकृतिक' होता है जबकि सत्कृत, चमत्कृत और चतुर्दिक 'नैसर्गिक' शब्द से असंगत हैं।

78. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'हाथ' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) कटि (b) हस्त (c) पाणि (d) कर

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (a)

व्याख्या – 'हाथ' का पर्यायवाची शब्द 'कटि' नहीं होता जबकि हस्त, पाणि और कर 'हाथ' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'कटि' शब्द 'कमर' के लिए प्रयुक्त होता है।

79. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'सूर्य' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) प्रभाकर (b) विभाकर
(c) दिनकर (d) दिनेश

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (b)

व्याख्या – 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द प्रभाकर, दिनकर और दिनेश होता है, जबकि 'विभाकर' 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

80. 'चाँदनी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –

(a) चन्द्रातप (b) कौमुदी
(c) ज्योत्स्ना (d) मयंक

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (d)

व्याख्या – 'मयंक' 'चाँदनी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है। मयंक का आशय 'चन्द्रमा' से है, जबकि चंद्रातप, कौमुदी और ज्योत्स्ना 'चाँदनी' के पर्यायवाची शब्द हैं।

81. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'सरस्वती' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) वीणापाणि (b) महाश्वेता
(c) पद्मा (d) भारती

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (c)

व्याख्या–दिये गये विकल्प में 'पद्मा' शब्द लक्ष्मी का पर्यायवाची है। वीणापाणि, महाश्वेता और भारती, 'सरस्वती' के पर्यायवाची शब्द हैं।

82. 'जनार्दन' किसका पर्यायवाची है?

(a) राम (b) कृष्ण (c) विष्णु (d) ब्रह्मा

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (c)

व्याख्या – 'जनार्दन' विष्णु का पर्यायवाची शब्द है। जनार्दन के अन्य पर्यायवाची हैं – हरि, लक्ष्मीकान्त अच्युत, मुकुन्द आदि।

83. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'समुद्र' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) पयोधि (b) जलद
(c) जलधि (d) वारिधि

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (b)

व्याख्या – दिये गये विकल्प में 'समुद्र' का पर्यायवाची पयोधि, जलधि, वारिधि है। जबकि 'जलद' शब्द का आशय 'बादल' से है। समुद्र के अन्य पर्यायवाची शब्द रत्नाकर, नीरनिधि, पयोनिधि, उदधि, वारीश आदि हैं।

84. निम्नलिखित में 'शिव' का पर्यायवाची शब्द है –

(a) शिवालय (b) रुद्र
(c) रुद्राक्ष (d) हरि

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (b)

व्याख्या – दिये गये विकल्प में 'शिव' का पर्यायवाची शब्द 'रुद्र' होता है न कि शिवालय, रुद्राक्ष और हरि। शिव के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं–शम्भु, त्रिपुरारि, महादेव, देवाधिदेव, कैलाशपति, शंकर आदि।

Nitin-Gupta.com

85. इनमें एक 'लहर' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –

(a) वीचि (b) दुकूल
(c) तरंग (d) हिलोर

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या –'लहर' का पर्यायवाची शब्द है – वीचि, तरंग, हिलोर जबकि 'दुकूल' का पर्यायवाची वस्त्र होता है।

86. इनमें से एक शब्द 'देवता' का पर्याय है –

(a) अलकेश (b) विबुध
(c) अनीक (d) ज्योतिष्क

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में देवता का पर्याय 'विबुध' है। देवता के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – सुर, अमर, देव, आदित्य, गीर्वाण आदि।

87. 'बगीचा' का पर्यायवाची शब्द है–

(a) निर्जन (b) व्यजन
(c) आराम (d) कल्पशाल

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – बगीचा का पर्यायवाची शब्द 'आराम' है। निर्जन, व्यजन या कल्पशाल का बगीचा से कोई आशय नहीं है।

88. इनमें से 'तुरंग' शब्द का पर्याय है –

(a) वाजि (b) अम्बुधर
(c) विजन (d) किंकर

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – तुरंग का पर्यायवाची शब्द है – वाजि। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं– घोटक, घोड़ा, सैन्धव, हय, रवि-पुत्र।

89. 'विडौजा' पर्यायवाची शब्द है–

(a) 'नक्षत्र' का (b) 'अप्सरा' का
(c) 'इन्द्र' का (d) 'पत्थर' का

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'विडौजा' पर्यायवाची शब्द 'इन्द्र' का है। इन्द्र के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – सुरपति, शचीपति, मघवा, शक्र, पुरन्दर, देवराज, अमरपति, वज्रधर आदि।

90. 'मार' शब्द पर्यायवाची है–

(a) 'जादू' का (b) 'स्वर्ण' का
(c) 'अधम' का (d) 'अनंग' का

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – 'मार' शब्द का पर्यायवाची शब्द 'अनंग' है। अनंग का आशय कामदेव से है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – मन्मथ, मदन, रतिपति, कुसुमेश, मनसिज, मकरध्वज, कन्दर्प, मीनकेतु आदि।

91. इनमें से एक 'रसा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –

(a) रत्नगर्भा (b) अचला
(c) धरित्री (d) तमिस्रा

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – रसा का पर्यायवाची शब्द 'तमिस्रा' नहीं है। अन्य विकल्प रत्नगर्भा, अचला और धरित्री, 'रसा' के पर्यायवाची शब्द हैं, जबकि 'तमिस्रा' रात्रि का पर्यायवाची शब्द है।

92. 'मृगेन्द्र' का पर्यायवाची शब्द है–

(a) कुरंग (b) केसरी
(c) भुजंग (d) तुरंग

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – मृगेन्द्र का पर्यायवाची शब्द 'केसरी' है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द व्याघ्र, मृगारि, मृगराज, केशी आदि हैं जबकि 'भुजंग' सर्प का पर्याय है, तथा 'तुरंग' घोड़ा का पर्याय है।

93. इनमें से एक शब्द 'मछली' का पर्यायवाची नहीं है –

(a) मत्स्य (b) मीन
(c) शफरी (d) जलोदरी

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – मछली का पर्यायवाची शब्द मीन, मत्स्य, शफरी है, जबकि 'जलोदरी' शब्द मछली से सम्बन्ध नहीं रखता है।

94. निम्नलिखित में से 'कामदेव' शब्द का पर्यायवाची शब्द कौन-सा नहीं है?

(a) रतिनाथ (b) कामपाल
(c) कामग (d) अनंग

उत्तर-(b) **उत्तराखण्ड पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2014-15**

व्याख्या – 'कामपाल' शब्द कामदेव का पर्यायवाची नहीं है। अन्य सभी दिये गये शब्द कामदेव के पर्यायवाची हैं।

95. 'राजा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(a) भूपाल (b) धरणीधर
(c) भूपति (d) भूस्वामी

उत्तर-(b)

उत्तराखण्ड पी.सी.एस. (प्री.) परीक्षा 2016

व्याख्या- 'राजा' का पर्यायवाची शब्द है- भूपाल, भूपति, भूस्वामी, नरेश, नृप आदि। 'धरणीधर' राजा का पर्यायवाची शब्द नहीं है बल्कि 'शेषनाग' का है।

96. 'मृषा' किस शब्द का पर्याय है?

(a) मिथ्या (b) मृत्यु
(c) मुक्ति (d) मित्र
(e) चूहा

उत्तर - (a)

छत्तीसगढ़ पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2012

व्याख्या – 'मृषा' शब्द 'मिथ्या' का पर्याय शब्द है। मिथ्या के अन्य पर्याय शब्द हैं– झूठ, असत्य, अनृत आदि।

Nitin-Gupta.com

97. 'परशुराम' का पर्यायवाची नहीं है–
(a) भार्गव (b) शिवप्रिय
(c) भृगुनंदन (d) रेणुकातनय
(e) इनमें से कोई नहीं
उत्तर– (b)
छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

व्याख्या– 'शिवप्रिय' परशुराम का पर्यायवाची नहीं है। 'परशुराम' के पर्यायवाची – भार्गव, भृगुनंदन, रेणुकातनय, जामदग्न्य हैं।

98. चंद्रमा का पर्यायवाची शब्द है –
(a) प्रभाकर (b) विश्वम्भर
(c) मधुकर (d) कलाधर
छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

Ans. (d) : 'कलाधर' शब्द चन्द्रमा का पर्यायवाची शब्द है। प्रभाकर 'सूर्य' का, विश्वम्भर 'विष्णु' का तथा मधुकर 'भौंरे' का पर्यायवाची है। चन्द्रमा के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं– हिमांशु, सुधांशु, सारंग, निशाकर, मृगांक, रजनीपति आदि।

99. 'कमल' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(a) अरविंद (b) राजीव
(c) गिरीश (d) नीरज
छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

Ans. (c) : प्रश्नगत विकल्पों में से 'गिरीश' कमल का पर्यायवाची नहीं; यह शिव का पर्याय हैं। शेष शब्द-अरविंद, राजीव, नीरज कमल के पर्याय शब्द हैं। कमल के अन्य पर्याय शब्द-सरोज, सरसिज, नलिन, तामरस, अब्ज, पंकज आदि हैं। शिव के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं– पशुपति, गौरीनाथ, त्रिलोचन, चंद्रशेखर आदि।

100. 'खर' शब्द का निम्नलिखित में से एक का अर्थ नहीं है
(a) गधा (b) बाण
(c) तिनका (d) एक राक्षस
उत्तर–(b)
उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2013

व्याख्या– 'खर' शब्द का अर्थ **बाण** नहीं है। अन्य विकल्प गधा, तिनका तथा एक राक्षस 'खर' शब्द के अर्थ हैं। बाण शब्द के पर्याय–तीर, तोमर, विशिख, शर, इषु, शायक इत्यादि हैं।

101. निम्नलिखित में से कौन 'निश्चल' का अर्थ नहीं है?
(a) जो अपने स्थान से हिल न सके। (b) स्थिर
(c) अचल (d) निश्चित
उत्तर-(d)
उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2015

व्याख्या : उक्त चारों विकल्पों में 'निश्चल' का अर्थ 'जो अपने स्थान से हिल न सके,' 'अचल' और 'स्थिर' है, जबकि विकल्प (d) **निश्चित** प्रश्नगत भाव से अलग है।

102. 'मृगेन्द्र' का पर्यायवाची शब्द है –
(a) शार्दूल (b) अहि
(c) हिरन (d) कुरंग
उत्तर-(a)
उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2015

व्याख्या : 'मृगेन्द्र' का पर्यायवाची शब्द '**शार्दूल**' है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – केशरी, व्याघ्र, सिंह, नाहर आदि। 'अहि' सर्प का एवं 'कुरंग' हिरन का पर्यायवाची है।

103. आग का पर्यायवाची शब्द नहीं है –
(a) अनल (b) पावक
(c) व्योम (d) कृशानु
उत्तर–(c)
उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2016

व्याख्या– '**व्योम**' आग का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि यह 'आकाश' का पर्यायवाची है। आकाश के अन्य पर्यायवाची हैं–नभ, अम्बर, शून्य, अभ्र, गगन आदि। आग के पर्यायवाची इस प्रकार हैं–अग्नि, पावक, अनल, हुताशन, वह्नि आदि।

104. इनमें कौन-सा शब्द कमल का पर्यायवाची नहीं है?
(a) पंकज (b) भानु
(c) नीरज (d) अम्बुज
UPPCS AE 2007

Ans. (b) 'भानु' शब्द कमल का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि यह सूर्य का पर्यायवाची है। पंकज, नीरज, अम्बुज, कमल के पर्याय हैं। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द-अरविंद, राजीव, जलज, सरोज, पुंडरीक, जलजात, नलिन आदि हैं।

105. निम्नलिखित में से 'बादल' का पर्यायवाची बताइये –
(a) जलधि (b) जलज
(c) जलोदर (d) जलद
UPPCS AE 2007

Ans. (d) 'जलद' बादल का पर्यायवाची है, जबकि जलधि-समुद्र का, 'जलज' कमल का पर्याय है। बादल के अन्य पर्यायवाची निम्नलिखित हैं- मेघ, घन, जलधर, वारिद आदि।

106. इनमें से एक शब्द गंगा का पर्यायवाची है –
(a) कालिन्दी (b) भागीरथी
(c) रेवा (d) अर्कजा
UPPCS AE 2007

Ans. (b) 'भागीरथी' गंगा का पर्यायवाची शब्द है। गंगा के अन्य पर्याय - जाह्नवी, देवनदी, सुरसरि, मन्दाकिनी, देवापगा, ध्रुवनन्दा जबकि कालिन्दी, अर्कजा, सूर्यसुता, कृष्णा, यमुना के पर्यायवाची शब्द हैं। 'रेवा' नर्मदा नदी का पर्याय है।

107. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) तोयज (b) वारिज
(c) जलद (d) अम्बुज
UPPCS AE 2007

Ans. (c) 'जलद' कमल का पर्यायवाची नहीं है बल्कि यह बादल का पर्याय वाची है जबकि तोयज, वारिज, अम्बुज कमल के पर्यायवाची हैं।

108. निम्नलिखित में कौन 'बादल' का पर्यायवाची है?
(a) जलधि (b) जलज
(c) जलद (d) सजल
UPPCS AE 2007

Nitin-Gupta.com

Ans. (c) दिये गये विकल्पों में जलद बादल का पर्यायवाची है। शेष विकल्प असंगत हैं।
समुद्र- पारावार, सिन्धु, नीरनिधि, पयोधि, अर्णव, रत्नाकर, अब्धि
कमल- सरोज, अरविन्द, कंज, शतदल, तामरस
बादल- पयोद, पयोधर, मेघ, वारिद, जलघर

109. 'समुद्र' का पर्यायवाची कौन है?
(a) दिवाकर (b) भास्कर
(c) अम्बर (d) रत्नाकर
UPPCS AE 2007

Ans. (d) 'रत्नाकर' समुद्र का पर्यायवाची है। अन्य पर्यायवाची शब्द-
समुद्र - सागर, जलधि, पारावार, सिन्धु, पयोधि, अर्णव, वारीश।
सूर्य- मार्तण्ड, दिनकर, दिवाकर, रवि, भास्कर, मरीची, अंशुमाली।
आकाश-द्यौ, व्योम, गगन, अभ्र, अम्बर, नभ, अन्तरिक्ष, आसमान, अनन्त।

110. चार शब्दों में से तीन पर्यायवाची है और एक भिन्न है। भिन्न शब्द का चयन कीजिये –
(a) रात्रि (b) रजनी
(c) निशा (d) तम
UPPCS AE 2007

Ans. (d) इसमें 'तम' भिन्न शब्द है, क्योंकि यह अँधेरा का पर्याय है। रात्रि, रजनी, निशा, रात के पर्यायवाची शब्द हैं।

111. 'चन्द्रमा' शब्द का पर्यायवाची है–
(a) दिवाकर (b) कुसुमाकर
(c) निशाकर (d) निशाचर
UPPCS AE 2007

Ans. (c) 'निशाकर' चन्द्रमा का पर्यायवाची है। इसके अन्य पर्याय- हिमकर, विभाकर, तारापति, तारकेश, विधु आदि हैं। जबकि 'दिवाकर' सूर्य का, 'निशाचर' राक्षस का, 'कुसुमाकर' वसंत का पर्याय है।

112. 'गिरि' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(a) पर्वत (b) पवन
(c) अचल (d) भूधर
UPPCS AE 2013

Ans. (b) 'पवन' गिरि शब्द का पर्यायवाची नहीं है जबकि शेष शब्द गिरि के पर्यायवाची हैं। गिरि शब्द के अन्य पर्यायवाची इस प्रकार हैं- गिरि, पर्वत, अचल, भूधर, महीधर, शैल, नग, तुंग, पहाड़ आदि। पवन के पर्यायवाची शब्द हैं- वायु, समीर, हवा, मारुत, प्रकम्पन, समीरण, अनिल आदि।

113. 'समुद्र' का पर्यायवाची नहीं है-
(a) जलधि (b) जलाशय
(c) पयोधि (d) उदधि
UPPCS AE 2013

Ans. (b) दिये गये शब्दों में **'जलाशय'** 'समुद्र' का पर्यायवाची नहीं है, शेष शब्द समुद्र के पर्यायवाची हैं। समुद्र के अन्य पर्यायवाची शब्द **जैसे-** समुद्र, सागर, पारावार, सिन्धु, नीरनिधि, नदीश, पयोधि, अर्णव, रत्नाकर, वारीश, जलधाम आदि। **जलाशय** तालाब का पर्यायवाची शब्द है। इसके अन्य पर्याय- सर, सरोवर, तड़ाग, ह्रद, पुष्कर, पद्माकर आदि।

114. 'कमल' का पर्यायवाची है-
(a) हिमांशु (b) सुधांशु
(c) इन्दीवर (d) हिमकर
UPPCS AE 2013

Ans. (c) 'कमल' का पर्यायवाची **'इन्दीवर'** है। कमल के अन्य पर्याय हैं- पद्म, कंज, पंकज, अब्ज, शतदल, अरविन्द आदि। जबकि- हिमांशु, सुधांशु, हिमकर, चन्द्रमा के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्याय हैं- निशापति, रजनीपति, मृगांक, कलानिधि, सारंग, राकेश, शशि आदि।

115. इनमें से एक शब्द 'दुख' का पर्यायवाची नहीं है, छाँटिए-
(a) क्लेश (b) संताप
(c) पीड़ा (d) पश्चाताप
UPPCS AE 2013

Ans. (d) **'पश्चाताप'** दुख का पर्यायवाची नहीं हैं। पश्चाताप का अर्थ 'पछतावा' होता है जबकि क्लेश, संताप, पीड़ा, 'दुख' के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्याय- व्यथा, कष्ट, उद्वेग, वेदना, खेद, विषाद, आदि।

116. ऋतुराज पर्याय है-
(a) वसंत का (b) शीत का
(c) शिशिर का (d) उपर्युक्त में से किसी का नहीं
UPPCS AE 2013

Ans. (a) 'ऋतुराज' **वसंत** का पर्याय हैं। वसंत के अन्य पर्यायवाची शब्द इस प्रकार हैं- कुसुमाकर, ऋतुपति, मधुमास इत्यादि।

117. 'पाटल' का अर्थ है-
(a) चमेली (b) गुलाब
(c) चंपा (d) सूर्यमुखी
UPPCS AE 2013

Ans. (b) पाटल का अर्थ **'गुलाब'** है। शेष विकल्प असंगत हैं।

118. निम्नलिखित में से 'गंगा' का पर्यायवाची कौन-सा शब्द नहीं है-
(a) भागीरथी (b) सारिका
(c) मंदाकिनी (d) देवनदी
UPPCS AE 2013

Ans. (b) **'सारिका'** गंगा का पर्यायवाची शब्द नहीं है बल्कि सारिका का अर्थ मैना (एक पक्षी) होता है जबकि भागीरथी, मंदाकिनी, देवनदी, गंगा का पर्यायवाची है। गंगा के अन्य पर्यायवाची निम्नलिखित है- जाह्नवी, विष्णुपदी, सुरसरि, त्रिपथगा, देवापगा आदि।

119. निम्नलिखित में से एक का अर्थ सोना (स्वर्ण) है–
(a) रजत (b) ताम्र
(c) हाटक (d) पीत
UPPCS AE 2013

Ans. (c) दिये गये शब्दों में **'हाटक'** का अर्थ सोना (स्वर्ण) है। अन्य शब्दों के अर्थ इस प्रकार हैं-

शब्द	**अर्थ**
रजत	चाँदी
ताम्र	ताँबा
पीत	पीला रंग

Nitin-Gupta.com

120. **निम्नलिखित में से एक शब्द 'गणेश' का पर्यावाची है-**
(a) गिरिजाबांधव (b) गिरिजापति
(c) गिरिजानन्दन (d) गिरीश
UPPCS AE 2013

Ans. (c) 'गणेश' का पर्यावाची **गिरिजानन्दन**, विनायक, गजानन, लम्बोदर आदि है जबकि गिरिजापति, नीलकंठ, गिरीश, उमापति, महेश आदि शिव के पर्यायवाची शब्द हैं।

121. **पर्यायवाची की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-**
(a) गंगा - जाह्नवी (b) घर - सदन
(c) पानी - पाणि (d) यमुना - कालिंदी
UPPCS AE 2013

Ans. (c) पर्यायवाची की दृष्टि से अशुद्ध युग्म **'पानी-पाणि'** है। इसका शुद्ध रूप इस प्रकार है-
गंगा- जाह्नवी, भागीरथी, विपथगा, विष्णुपदी आदि।
घर- सदन, गृह, निकेतन, धाम आदि।
पानी- जल, नीर, सलिल, अम्बु, पय आदि।
पाणि- हाथ, कर, हस्त आदि।
यमुना- जमुना, कालिन्दी, अर्कजा, रवितनया आदि।

122. **निम्नलिखित में से एक शब्द 'पहाड़' का पर्यायवाची है-**
(a) आँचल (b) अचला
(c) अंचल (d) अचल
UPPCS AE 2013

Ans. (d) पहाड़ का पर्यायवाची **अचल**, पर्वत, भूमिधर, धराधर, नग आदि है। 'आँचल' का पल्लू, तथा 'अचला' धरती का पर्याय होता है।

123. **निम्नलिखित में से एक शब्द 'यमुना' का पर्यायवाची नहीं है-**
(a) कालिन्दी (b) तनुजा
(c) कृष्णा (d) रविसुता
UPPCS AE 2013

Ans. (b) **'तनुजा'** यमुना का पर्यायवाची नहीं है। तनुजा के पर्याय हैं- बेटी, पुत्री, लड़की, आत्मजा आदि।

124. **निम्नलिखित में से एक का अर्थ 'खैरियत' है –**
(a) कुश (b) कुशा
(c) कुशल (d) कुशाग्र
UPPCS AE 2013

Ans. (c) **'कुशल'** का अर्थ खैरियत होता है, जबकि 'कुश' का अर्थ विशेषण के रूप में कुत्सित, 'कुशा' एक प्रकार की घास होती है एवं इसका एक अर्थ रस्सी भी होता है। 'कुशाग्र' का अर्थ तीक्ष्ण या नुकीला होता है।

125. **निम्नलिखित में से एक शब्द 'कपड़ा' का पर्यायवाची है-**
(a) पट (b) पाट
(c) कपाट (d) पटसन
UPPCS AE 2013

Ans. (a) कपड़ा का पर्यायवाची है- **पट**, वस्त्र, वसन, चीर, पहनावा। जबकि पाट, पटसन असंगत विकल्प हैं। कपाट का पर्यायवाची दरवाजा, किवाड़, पल्ला होता है।

126. **निम्नलिखित में कौन एकार्थक शब्द है?**
(a) अक्षर (b) आयु
(c) पतंग (d) पद
UPPCS AE 2013

Ans. (b) **'आयु'** शब्द एकार्थक शब्द है। इसका प्रयोग 'उम्र' के ही अर्थ में होता हैं जबकि अन्य शब्द कई अर्थों में प्रयुक्त होते हैं, जिनके अर्थ इस प्रकार हैं-
अक्षर- वर्ण, ब्रह्मा, आत्मा, नित्य, सत्य, आकाश।
पतंग- पतिंगा, सूर्य, पक्षी, नाव, कनकौआ।
पद- कदम, स्थान, छंद, ओहदा, शब्द।

127. **निम्नलिखित में से एक शब्द का अर्थ 'वस्त्र' भी है-**
(a) आकाश (b) व्योम
(c) गगन (d) अम्बर
UPPCS AE 2013

Ans. (d) **'अम्बर'** का एक अर्थ वस्त्र भी होता है। वस्त्र के अन्य पर्याय हैं- कपड़ा, चीर, परिधान, वसन, पट आदि। आकाश, व्योम, गगन, अम्बर, 'आसमान' के पर्याय हैं।

128. **एक का अर्थ सत्य है–**
(a) नियत (b) निर्यात
(c) नीयन (d) नियंना
UPPCS AE 2011

Ans. (a) : दिये गये शब्दों में **नियत** का अर्थ सत्य है। 'निर्यात' का अर्थ 'माल बाहर भेजना' होता है।

129. **समान अर्थ वाला युग्म शब्द है–**
(a) कथा- कत्था (b) कड़ाही- कढ़ाई
(c) बेला- वेला (d) नीरज- अम्बुज
UPPCS AE 2004

Ans. (d) : नीरज और **अम्बुज** 'कमल' के पर्यायवाची शब्द हैं। इसलिए 'नीरज- अम्बुज' समान अर्थ वाला युग्म शब्द है।

130. **'आम' शब्द में निहित अर्थ का सम्बंध एक से नहीं है–**
(a) मामूली (b) सर्वसाधारण
(c) फल विशेष (d) जनता
UPPCS AE 2011

Ans. (d) : 'आम' शब्द में निहित अर्थ का सम्बंध 'जनता' से नहीं है। आम शब्द का प्रयोग 'मामूली', 'सर्वसाधारण', 'फल विशेष' के लिए किया जा सकता है, **जैसे:-**
1. आम (मामूली) बातों पर झगड़ा करना उचित नहीं है।
2. आम (सर्वसाधारण) को सूचित किया जाता है कि यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें।
3. आम फल विशेष के लिए।

131. **'पद' शब्द की एक के साथ संगति नहीं है–**
(a) पेड़ (b) शब्द
(c) पैर (d) दर्जा
UPPCS AE 2011

Ans. (a) : 'पद' शब्द की 'पेड़' के साथ संगति नहीं है। 'पद' के समानार्थी हैं– शब्द, पैर, दर्जा।

Nitin-Gupta.com

132. एक का अर्थ थकावट है–

(a) क्रांति (b) कर्यान्त
(c) कान्त (d) क्लांति

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : क्लांति का अर्थ 'थकावट' है। क्रांति का अर्थ- 'बदलाव या परिवर्तन' होता है।

133. पत्थर का पर्याय नहीं है–

(a) प्रस्तर (b) उपल
(c) चट्टान (d) पाषाण

UPPCS AE 2011

Ans. (c) : चट्टान 'पत्थर' का पर्याय नहीं है। 'पत्थर' के पर्यायवाची शब्द हैं- पाहन, प्रस्तर, उपल, पाषाण, अश्म।

134. पर्यायवाची की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है–

(a) बल - सेना (b) आपत्ति - ऐतराज
(c) जल - जीवन (d) कमल - अंबुद

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : 'कमल - अंबुद' युग्म अशुद्ध है। 'अंबुद' बादल का पर्यायवाची है। शेष सभी शब्द पर्याय की दृष्टि से शुद्ध हैं, जो इस प्रकार हैं–

शब्द	**पर्यायवाची**
बल :	सेना, शक्ति, सहारा
आपत्ति :	विपत्ति, ऐतराज, आपदा, संकट, मुसीबत।
जल :	जीवन, पानी, नीर, पयस, वारि, सलिल, सारंग, पानीय।
कमल :	पंकज, जलज, अम्बुज, वारिज, राजीव, अरविन्द

135. इनमें से एक 'वस्त्र' का पर्याय नहीं है–

(a) वासन (b) पट
(c) कपड़ा (d) अम्बर

UPPCS AE 2011

Ans. (a) : शब्द **वासन** 'वस्त्र' का पर्याय नहीं है। 'वस्त्र' के पर्यायवाची निम्नलिखित हैं- वस्त्र, कपड़ा, चीर, वसन, पट, अम्बर।

136. इनमें एक देवता का पर्याय नहीं है–

(a) अमर (b) दैव
(c) निर्जर (d) आदित्य

UPPCS AE 2011

Ans. (b) : दैव 'देवता' का पर्याय नहीं है। 'देवता' के पर्यायवाची निम्नलिखित है- देव, अमर, सुर, निर्जर, विवुध, आदित्य। 'दैव' का अर्थ 'भाग्य' होता है।

137. पर्यायवाची की दृष्टि से एक युग्म सही नहीं है–

(a) आकाश - अनन्त (b) अनन्त - विष्णु
(c) कृष्ण - वेदव्यास (d) महादेव - गिरिजानन्दन

UPPCS AE 2011

Ans. (c&d) : पर्यायवाची की दृष्टि से कृष्ण – वेदव्यास, महादेव–गिरिजानन्दन युग्म सही नहीं है बल्कि 'वेदव्यास' 'महाभारत' के रचयिता हैं तथा गिरिजानन्दन का अर्थ 'गणेश' है।

138. एक का अर्थ 'पुराना' है–

(a) चर (b) प्राचीर
(c) चीर (d) चिर

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : चिर शब्द का अर्थ 'पुराना' है। अन्य शब्द के अर्थ इस प्रकार हैं–

शब्द	**अर्थ**
चर	विचरण करने वाला, दूत
प्राचीर	चहारदीवारी, प्राकार
चीर	कपड़ा

139. निम्नलिखित में से एक अर्थ की दृष्टि से भिन्न है–

(a) कल (b) चैन
(c) यंत्र (d) मृत्यु

UPPCS AE 2011

Ans. (d) : कल, चैन, यंत्र और मृत्यु में से 'मृत्यु' भिन्न है।

140. एक का अर्थ 'नाव' है–

(a) जहाज (b) पोत
(c) तरणी (d) बेड़ा

UPPCS AE 2011

Ans. (c) : 'तरणी' का अर्थ 'नाव' है, जबकि 'पोत' का अर्थ 'जहाज' होता है।

141. किस समूह में सभी शब्द 'पुष्प' के पर्यायावाची हैं?

(a) प्रसून, कुसुम, मयंक (b) सुमन, कुसुम, प्रसून
(c) पुष्प, पल्लव, सुमन (d) प्रसून, मुकुल, कुसुम

UPPCS AE 2008

Ans. (b) : सुमन, प्रसून, कुसुम शब्द 'पुष्प' के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्याय- फूल, सुमन, गुल, कुसुम, मंजरी, पुहुप आदि हैं।

142. कर्म ऐसा है कि कुछ भी करो, बात नहीं बनती। उक्त वाक्य में 'कर्म' शब्द का पर्यायवाची है–

(a) कार्य (b) कर्तव्य
(c) भाग्य (d) मृतक संस्कार

UPPCS AE 2008

Ans. (c) : कर्म ऐसा है कि कुछ भी करो, बात नही बनती। उक्त वाक्य में कर्म शब्द का पर्यायवाची '**भाग्य**' है।

143. 'जब वे उठे तो उन्होंने अपने को हल्का अनुभव किया।' में रेखांकित का अर्थवाची शब्द निर्दिष्ट कीजिए–

(a) कम (b) घटिया
(c) स्वस्थ (d) खाली

UPPCS AE 2008

Ans. (c) : 'जब वे उठे तो उन्होंने अपने को **हल्का** अनुभव किया। में रेखांकित का अर्थवाची शब्द **स्वस्थ** है।

144. 'नियत बेला आने पर वे आक्रमण की तैयारी करने लगे' में रेखांकित शब्द का समानार्थी शब्द निर्दिष्ट कीजिए–

(a) कटोरा (b) फूल
(c) समुद्रतट (d) समय

UPPCS AE 2008

Ans. (d) : 'नियत **बेला** आने पर वे आक्रमण की तैयारी करने लगे' वाक्य में 'बेला' शब्द का समानार्थी शब्द '**समय**' है।

Nitin-Gupta.com

145. 'शिखा' का कौन सा अर्थ गलत है?

(a) दीपक की लौ (b) कलगी
(c) शिखर (d) शिक्षा

UPPCS AE 2008

Ans. (d) : 'शिखा' का अर्थ **शिक्षा** गलत है, बल्कि शिक्षा का अर्थ- ज्ञान, नसीहत, सीख है। दीपक की लौ, कलगी, शिखर, 'शिखा' के अर्थ हैं।

146. 'पुष्प' का पर्यायवाची शब्द है–

(a) प्रसून (b) उपवन
(c) कानन (d) मधुवन

UPPCS AE 2008

Ans. (a) : प्रसून 'पुष्प' का पर्यायवाची शब्द है। पुष्प के पर्यायवाची शब्द है- फूल, सुमन, पुष्प, गुल, कुसुम, मंजरी, पुहुप, लतान्त आदि। **उपवन** - 'बगीचा' का पर्यायवाची शब्द है इसके अन्य पर्याय है- बाग, वाटिका, निकुंज, कुंज, उद्यान आदि। **कानन-** जंगल का पर्यायवाची है, इसके अन्य पर्याय हैं - विपिन, अरण्य, कान्तार, अटवी, वन आदि।

147. 'उत्तर' शब्द से किसका सम्बन्ध नहीं है?

(a) जवाब (b) दिशा
(c) बाद का (d) वस्त्र

UPPCS AE 2008

Ans. (d) : वस्त्र का सम्बन्ध 'उत्तर' शब्द से नहीं है। 'जवाब' 'दिशा' और 'बाद का' शब्द 'उत्तर' के समानार्थी है **जैसे-**
1. आपने मेरे प्रश्न का उत्तर (जवाब) नहीं दिया।
2. भारत के उत्तर (एक दिशा) में हिमालय पर्वत स्थित है।
3. जिस समास में उत्तर (बाद का) पद प्रधान होता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

148. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'गणेश' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) लंबोदर (b) गजानन
(c) गणपति (d) गोपाल

UKPCS AE 2007

Ans. (d) : गोपाल 'गणेश' का पर्यायवाची नहीं है बल्कि गोपाल कृष्ण का पर्यायवाची है। इनके अन्य पर्याय– श्याम, मोहन, वंशीधर, मुरलीधर, नंदलाल, गोविंद आदि हैं। **गणेश** का पर्यायवाची– लंबोदर, गजानन, गणपति, विनायक, गणनायक, गजवदन, गौरीनंदन, एकदंत, उमासुत आदि हैं।

149. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'वायु' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) अनिल (b) अनल
(c) पवन (d) समीर

UKPCS AE 2007

Ans. (b) : अनल 'वायु' का पर्यायवाची नहीं है बल्कि अनल, अग्नि का पर्यायवाची है। इनके अन्य पर्याय– आग, पावक, हुताशन आदि जबकि **वायु** के पर्यायवाची पवन, मारुत, समीर, हवा आदि।

150. निम्नलिखित में से 'शाखामृग' का पर्यायवाची कौन सा है?

(a) बन्दर (b) हिरण
(c) भ्रमर (d) तोता

UPPCS AE 2004
UKPCS AE 2007
UPPCS AE (I) 2007

Ans. (a) : बन्दर, 'शाखामृग' का पर्यायवाची है। इसके अन्य पर्याय हैं– मर्कट, वानर, कीश, शाखामृग, कपि, हरि, कपीश आदि जबकि **हिरण** का पर्याय–मृग, सारंग, हरिण, कुरंग, सुरभी आदि है। **भ्रमर** का पर्याय– मधुप, अलि, भृंग, भौंरा, षट्पद आदि। **तोता** का पर्याय– शुक, कीर, सुआ, सुग्गा, दाड़िमप्रिय आदि।

151. निम्नलिखित में से 'चाँद' का पर्यायवाची कौन सा है?

(a) दिनेश (b) नरेश
(c) राकेश (d) महेश

UKPCS AE 2007

Ans. (c) : राकेश 'चाँद' का पर्यायवाची है। इसके अन्य पर्यायवाची हैं- मयंक, विधु, सुधाकर, कलानिधि, निशापति, शशांक, चंद्रमा, चन्द्र, शशि, हिमकर, राकेश, रजनीश, हिमांशु, सुधांशु आदि।

152. निम्नलिखित में से 'अर्जुन' का पर्यायवाची कौन सा शब्द नहीं है?

(a) कौन्तेय (b) पार्थ
(c) नारायण (d) धनंजय

UKPCS AE 2007

Ans. (c) : नारायण 'अर्जुन' का पर्यायवाची नही हैं बल्कि विष्णु का पर्याय है। **विष्णु** के अन्य पर्याय– गरुड़ध्वज, अच्युत, जनार्दन, विभु, विश्वरूप, हृषिकेश आदि, जबकि **अर्जुन** के पर्याय– धनंजय, पार्थ, गांडीवधर, कौन्तेय, गुडाकेश आदि हैं।

153. निम्नलिखित में से 'जल' का पर्यायवाची कौन सा शब्द नहीं है?

(a) अनिल (b) नीर
(c) पानी (d) सलिल

UKPCS AE 2007

Ans. (a) : अनिल 'जल' का पर्यायवाची नहीं है बल्कि वायु का पर्याय है। **वायु** के अन्य पर्याय– हवा, समीर, पवन, बयार, प्रकंपन, समीरण आदि, जबकि **जल** के पर्याय– अंबु, पानी, नीर, सलिल, वारि, उदक, क्षीर, तोय, पय, सारंग, जीवन, अमृत, मेघपुष्प आदि हैं।

154. निम्नलिखित में से 'विलोम' शब्द का अर्थ कौन सा है?

(a) सीधा (b) सामने
(c) आड़ा (d) उलटा

UKPCS AE 2007

Ans. (d) : 'विलोम' शब्द का अर्थ **उलटा** होता है।

155. 'भूधर' शब्द का समानार्थी बताइए–

(a) भूपति (b) श्रीकृष्ण
(c) पर्वत (d) अवनि

UPPCS AE 2008

Nitin-Gupta.com

Ans. (c) : पर्वत 'भूधर' शब्द का समानार्थी शब्द है। इसके अन्य समानार्थी शब्द हैं- पहाड़, अचल, अद्रि, कूट, गिरि, धराधर, भूधर, महीधर, नग, तुंग, भूमिधर, मेरु आदि। **भूपति** राजा का पर्यायवाची है। इसके अन्य पर्याय- नृप, महीप, नरेश, राव, महीपति, सम्राट आदि हैं। **श्रीकृष्ण** का पर्याय- गिरिधर, कन्हैया, बनवारी, श्याम, मोहन, मुरलीधर, वासुदेव आदि। **अवनि** पृथ्वी का पर्याय है। इसके अन्य पर्याय हैं- मेदिनी, धरा, वसुंधरा, धरती, धरित्रि, उर्वी, भू, इला आदि।

156. निम्नलिखित में से एक शब्द सूर्य का पर्यायवाची नहीं है–

(a) पतंग (b) अम्बर
(c) आदित्य (d) दिनकर

UPPCS AE 2008

Ans. (b) : अम्बर सूर्य का पयार्यवाची नहीं है बल्कि 'अम्बर' शब्द 'आकाश' का पयार्यवाची है, इसके अन्य पर्यायवाची हैं- व्योम, अनन्त, आसमान, नभ, गगन आदि। 'आदित्य' **सूर्य** का पर्यायवाची शब्द है। इसके अन्य पर्याय हैं– पतंग, आदित्य, दिनकर, रवि, भानु, भास्कर, दिवाकर, अर्क, तरणि, सविता, हंस, अंशुमाली, मार्तण्ड आदि।

157. 'चंचरीक' शब्द कर अर्थ है–

(a) भौंरा (b) तितली
(c) कोयल (d) एक फूल विशेष

UPPCS AE 2008

Ans. (a) : दिए गए शब्दों में 'चंचरीक' शब्द का अर्थ **भौंरा** होता है।

158. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द गणेश का पर्यायवाची नहीं है?

(a) एकदन्त (b) विनायक
(c) हयवदन (d) हेरम्ब

UPPCS AE 2008

Ans. (c) : हयवदन गणेश का पर्यायवाची नहीं है। गणेश के पर्याय हैं- एकदन्त, विनायक, गजानन, हेरम्ब, विघ्ननाशक, गणपति, लम्बोदर आदि।

159. 'समीर' का पर्यायवाची है–

(a) जल (b) हवा
(c) तूफान (d) आँधी

UPPCS AE 2008

Ans. (b) : हवा 'समीर' का पर्यायवाची है। इनके अन्य पर्याय हैं- वायु, पवन, हवा, वात, मारुत, अनिल इत्यादि।

160. कमल का पर्याय नहीं है–

(a) पंकज (b) राजीव
(c) पद्म (d) जलद

UPPCS AE 2008

Ans. (d) : जलद, कमल का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि बादल का पर्यायवाची है। बादल के अन्य पर्यायवाची शब्द- मेघ, अभ्र, जीमूत, सारंग, जलधर, पयोदि, परजन्य, नीरद आदि। **कमल** के पर्यायवाची हैं- पंकज, राजीव, पद्म, नीरज, अम्बुज, वारिज, जलज, कंज, इन्दीवर, अरविन्द, उत्पल, सरोज आदि।

161. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द समान अर्थवर्ग का नहीं है?

(a) भय (b) कष्ट
(c) दुःख (d) पीड़ा

UPPCS AE 2008

Ans. (a) : भय शब्द समान अर्थवर्ग का नहीं है। भय का अर्थ- डर तथा खौफ होता है, जबकि कष्ट, दुःख, पीड़ा समानार्थी शब्द है।

162. निम्नलिखित में से एक शब्द यमुना का पर्यायवाची है–

(a) भागीरथी (b) क्षिप्रा
(c) कालिन्दी (d) यामिनी

UPPCS AE 2008
UP RO/ARO (Pre) 2013

Ans. (c) : कालिन्दी शब्द यमुना का पर्यायवाची है। इनके अन्य पर्याय- भानुजा, अर्कजा, कालिन्दी, सूर्यसुता, रवितनया, कृष्णा आदि। **भागीरथी** 'गंगा' का पर्याय है। इनके अन्य पर्याय- अलकनन्दा, देवापगा, विष्णुपदी, त्रिपथगा, सुरसरि, जाह्नवी आदि।

163. भोजन का पर्याय है–

(a) आसन (b) असन
(c) आसन्न (d) असनि

UPPCS AE 2008

Ans. (b) : असन 'भोजन' का पर्याय है। भोजन के अन्य पर्याय हैं- आहार, क्षदन, असन, भोग, जेमन, पारणा, खाद्य वस्तु, भोज्य सामग्री, प्राशन, अनुप्राशन, भक्ष्य आदि।

164. एक समूह में सभी शब्द 'कमल' के पर्यायवाची नहीं हैं–

(a) सरोज, जलज, पंकज
(b) अरविन्द, नीरद, अभ्र
(c) राजीव, इंदीवर, कंज
(d) शतदल, उत्पल, सरसिज

UPPCS AE 2011

Ans. (b) : अरविन्द, नीरद, अभ्र समूह शब्द 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है। कमल के पर्यायवाची शब्द हैं– कंज, पंकज, जलज, सरोज, नीरज, अम्बुज, वारिज, इन्दीवर, राजीव, उत्पल, अरविन्द, शतदल, सरसिज। नीरद और अभ्र, बादल के पर्यायवाची हैं।

165. 'क्षिति' का पर्यायवाची है–

(a) कमल (b) बादल
(c) सरोवर (d) पृथ्वी

UKPCS AE 2012

Ans. (d) 'क्षिति' का पर्यायवाची 'पृथ्वी' है। क्षिति के अन्य पर्याय हैं- धरा, वसुन्धरा, अचला, मही, मेदिनी, उर्वी, अवनि, इला, क्षोणी आदि। अन्य विकल्प के पर्यायवाची इस प्रकार हैं-

कमल - जलज, पंकज, अंबुज, नीरज, सरोज, राजीव, इन्दीवर आदि।

बादल - घन, मेघ, नीरद, जीमूत, वारिधर, पयोदि, जलद, सारंग, अभ्र आदि।

सरोवर- पोखर, ताल, तालाब, तड़ाग, कासार, सरसी, पुष्कर, दह, ह्रद, जलाशय आदि।

166. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'आकाश' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) गगन (b) नभ
(c) अवनि (d) अम्बर

UKPCS AE 2012

Ans. (c) 'अवनि' शब्द 'पृथ्वी' का पर्यायवाची है, जबकि गगन, नभ, अम्बर, 'आकाश' के पर्यायवाची शब्द हैं।

Nitin-Gupta.com

167. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द ''सूर्य'' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) दिनकर (b) रवि
(c) भानु (d) गिरीश

UKPCS AE 2012

Ans. (d) 'गिरीश' शब्द सूर्य का पर्यायवाची नहीं है, जबकि दिनकर, रवि, भानु 'सूर्य' के पर्याय हैं। गिरीश शब्द के अन्य पर्याय हैं- शंकर, नीलकंठ, महादेव, महेश, महेश्वर, आशुतोष इत्यादि। उल्लेख्य है कि गिरीश, 'हिमालय' का और 'गोवर्धन पर्वत' का भी पर्यायवाची होता है।

168. एक का अर्थ 'घोड़ा' है–

(a) तुरंग (b) तुरन्त
(c) तुरई (d) तरंग

UPPCS AE 2011

Ans. (a) : तुरंग का अर्थ 'घोड़ा' है। अन्य शब्दों के अर्थ निम्नलिखित है।

शब्द	**अर्थ**
तुरन्त	ठीक इसी समय/जल्दी से जल्दी
तुरई	तोरी नामक बेल जिसके लम्बे फलों की सब्जी बनाई जाती है। (तोरी या तररोई)
तरंग	हिलोर/लहर

निर्देश: प्रश्न संख्या 169 से 172 तक के प्रश्नों के ऊपर दिए शब्दों के शुद्ध पर्यायवाची शब्द चुनिए।

169. इन्द्र–

(a) मघवा (b) शची
(c) शूलपाणि (d) उपेन्द्र

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (a) : इन्द्र का शुद्ध पर्यायवाची शब्द **मघवा** है।
इन्द्र के अन्य पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित हैं–
देवराज, सुरपति, महेन्द्र, देवेन्द्र, पुरंदर, अमरेश, सुरराज, सुरेन्द्र, वासव, पुरहुत, शचीपति आदि।
शची 'इन्द्राणी' का, शूलपाणि 'शंकर' का, उपेन्द्र 'विष्णु' का पर्यायवाची शब्द है।

170. कमल–

(a) वारिद (b) पयोद
(c) पुण्डरीक (d) ताम्ररस

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : कमल का पर्यायवाची शब्द **पुण्डरीक** है।
कमल के अन्य पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित हैं–
पंकज, तामरस, नीरज, सरोज, जलज, कंज, राजीव, अरविन्द, शतदल, सरसिज, नलिन आदि।
'वारिद' और 'पयोद' बादल के पर्यायवाची शब्द हैं।

171. कोकिल–

(a) कीर (b) पिक
(c) केकी (d) शिखी

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : कोकिल का पर्यायवाची शब्द **पिक** है।
कोकिल शब्द के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं– श्यामा, काकपाली, कोयल, पिक, बसन्तदूत आदि।
कीर का तोता, केकी और शिखी 'मोर' के पर्यायवाची शब्द हैं।

172. वन–

(a) अर्णव (b) अरण्य
(c) विपन (d) कटक

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : वन का पर्यायवाची शब्द **अरण्य** है। वन के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं–अरण्य, कान्तार, जंगल, विपिन, कानन आदि। 'अर्णव' समुद्र का तथा कटक 'सेना' का पर्यायवाची शब्द है।

173. इनमें एक शब्द का अर्थ है- 'गंध'–

(a) वास (b) बास
(c) बाँस (d) वासक

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : 'बास' का अर्थ 'गंध' होता है जबकि 'वास' का अर्थ निवास से है, बाँस का अर्थ घास की प्रजाति का एक लम्बा सीधा पौधा या बम्बू से है तथा वासक विशेषण शब्द है जिसका अर्थ 'सुवासित करने वाला' होता है।

174. इनमें एक शब्द का अर्थ है- 'फाइल'–

(a) मिसिल (b) मसला
(c) मसाला (d) मशाल

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (a) : 'मिसिल' शब्द 'फाइल' का समानार्थी शब्द है। जबकि 'मसला' का अर्थ समस्या से है, मसाला का अर्थ गुण, स्वाद आदि बढ़ाने की सामग्री धनिया, लौंग इत्यादि का मिश्रण से है, मशाल का अर्थ ऐसी लकड़ी या लोहे की छड़ जिसके एक सिरे पर रोशनी हेतु कपड़ा लपेटा जाता है।

175. इनमें एक शब्द का अर्थ है- 'ताकतवर'–

(a) दारा (b) करम
(c) रुस्तम (d) कुरंग

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : रुस्तम शब्द का अर्थ ताकतवर होता है। यह फारसी पुल्लिंग शब्द है।

शब्द	**अर्थ**
दारा	पत्नी या स्त्री
करम	कर्म, भाग्य
कुरंग	हिरन

176. इनमें एक शब्द 'पाप' का पर्याय है–

(a) पतित (b) पूत
(c) पातक (d) पत्रक

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : 'पातक' शब्द पाप का पर्यायवाची शब्द है। अन्य शब्दों के पर्यायवाची निम्नलिखित हैं-

शब्द	**पर्यायवाची**
पाप	अध, पातक, गुनाह, कलुष
पतित	अधम, निकृष्ट, निम्न, नीच, भ्रष्ट
पूत	तनय, आत्मज, सुत, औरस
पत्रक	दल, पर्ण, पल्लव, पात

Nitin-Gupta.com

177. 'प्रत्युत्पन्नमति' का अर्थ है–

(a) उल्टी खोपड़ी (b) सहनशील
(c) तत्परबुद्धि (d) मंदबुद्धि

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : प्रत्युत्पन्नमति का अर्थ है- जो शीघ्र किसी बात को सोच ले अर्थात तत्परबुद्धि। अन्य शब्दों के अर्थ इस प्रकार होंगे-

शब्द	अर्थ
मंदबुद्धि	कम अक्ल वाला
सहनशील	सहन करने वाला
उल्टी खोपड़ी	ऐसा जो उचित ढंग के विपरीत आचरण करता हो

178. इनमें एक 'धनुष' विशेष है–

(a) जावक (b) पावक
(c) शावक (d) नावक

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (d) : नावक शब्द 'धनुष' विशेष है। अन्य शब्द एवं उनके अर्थ निम्न हैं–

शब्द	अर्थ
जावक	मेंहदी
पावक	अग्नि
शावक	शेर का बच्चा/हिरण का बच्चा
नावक	धनुष के तीर की भाँति।

निर्देश: प्रश्न संख्या 179 से 185 तक ऊपर लिखे शब्दों के सही वैकल्पिक शब्द चुनिए।

179. कुशाग्र बुद्धि

(a) जल्दबाज
(b) मंद बुद्धि
(c) त्वरित बुद्धि
(d) घातक बुद्धि

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : कुशाग्र बुद्धि के लिए प्रयुक्त सही शब्द 'त्वरित बुद्धि' होगा, जबकि 'कमजोर बुद्धि' को 'मंदबुद्धि' भी कहा जाता है।

180. परिव्राजक–

(a) पर्यटक (b) आप्रवासी
(c) संन्यासी (d) वर्जना करने वाला

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (c) : परिव्राजक का सही अर्थ 'संन्यासी' होगा जबकि अन्य शब्दों के अर्थ निम्न हैं-

शब्द	अर्थ
आप्रवासी	किसी देश में आकर बस जाने वाले।
पर्यटक	दर्शनीय स्थलों पर घूमने वाले।

181. क्षपाकर–

(a) निशाकर (b) रजनीचर
(c) दिवाकर (d) प्रभाकर

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (a) : क्षपाकर 'निशाकर' का समानार्थी शब्द है क्योंकि दोनों का अर्थ 'चन्द्रमा' है। रजनीचर 'राक्षस' का पर्याय तथा 'दिवाकर' और 'प्रभाकर', सूर्य के पर्यायवाची शब्द हैं।

182. 'जलद' का समानार्थी है–

(a) मेघ (b) कमल
(c) पर्वत (d) सरोवर

UPPCS AE 2004

Ans. (a) : 'जलद' का समानार्थी शब्द **मेघ** है। 'बादल' के समानार्थी शब्द निम्नलिखित हैं- मेघ, घन, जलद, वारिद, नीरद, पयोद, पयोधर, अम्बुद, धराधर, वारिवाह, वारिधर।

183. 'त्रिपुरारि' शब्द का अर्थ है–

(a) राक्षस (b) शिव
(c) विष्णु (d) ब्रह्मा

UPPCS AE 2004

Ans. (b) : 'त्रिपुरारि' शब्द का अर्थ **शिव** है। शिव शब्द के पर्यायवाची हैं- जटाधारी, तीर्थदेव, चंडीपति, निरंजन, नीलकंठ, पिनाकपाणि, भूतेश, महाभैरव, त्रिपुरारि, त्रिमूर्ति।

184. 'षट्पद' का पर्यायवाची है–

(a) तितली (b) मकड़ी
(c) भ्रमर (d) शलभ

UPPCS AE 2004
UP RO/ARO Special (Pre) 2010

Ans. (c) : षट्पद का पर्यायवाची शब्द **भ्रमर** है। भ्रमर के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं—भौंरा, अलि, मधुकर, भ्रमर, मिलिंद, द्विरेफ, मधुप। मकड़ी का पर्यायवाची हैं-मकरी, लूता, लूतिका, लूत।

185. 'मछली' का पर्याय नहीं है–

(a) मीन (b) मत्स्य
(c) झख (d) शबरी

UPPCS AE 2004

Ans. (d) : मछली का पर्याय **शबरी** नहीं है। मछली शब्द के पर्यायवाची हैं- झख, झष, मछली, जलजीवन, शफरी, मकर।

186. कौन सा शब्द सूर्य का पर्यायवाची है?

(a) ईश (b) अक्षि
(c) आदित्य (d) मयंक

UPPCS AE 2004

Ans. (c) : सूर्य का पर्यायवाची **आदित्य** है। सूर्य के पर्यायवाची है- रवि, भानु, भास्कर, दिनकर, दिवाकर, अर्क, तरणि, पतंग, आदित्य, सविता, हंस, अंशुमाली, मार्तण्ड। 'ईश' ईश्वर का, 'अक्षि' आँख का तथा 'मयंक' चन्द्रमा का पर्यायवाची है।

187. निम्नलिखित शब्द समूहों में भिन्न अर्थ देने वाला शब्द है–

(a) पवन (b) मारुत
(c) अनल (d) समीर

UPPCS AE 2004

Ans. (c) : शब्द समूहों में भिन्न अर्थ देने वाला शब्द **अनल** है। अनल का अर्थ 'अग्नि' होता है, जबकि पवन, मारुत, समीर समानार्थी शब्द हैं।

188. निम्नलिखित शब्दों में एक पर्यायवाची नहीं है–

(a) तनुजा (b) अनुजा
(c) सुता (d) दुहिता

UPPCS AE 2004

Nitin-Gupta.com

Ans. (b) : दिये गये शब्दों में **अनुजा** पर्यायवाची नहीं है। अनुजा का अर्थ छोटी बहन होता है। तनुजा, सुता, दुहिता 'पुत्री' के पर्यायवाची शब्द हैं।

189. निम्नलिखित में से कौन सा 'किरण' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

(a) मरीचि (b) रश्मि
(c) पुष्कर (d) दीप्ति

उत्तर–(c)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2014

व्याख्या – 'पुष्कर' शब्द 'किरण' का नहीं बल्कि 'तालाब' का पर्यायवाची शब्द है। 'किरण' के पर्यायवाची शब्दों में मरीचि, रश्मि, दीप्ति, अंशु, कर तथा मयूख आदि शामिल हैं।

190. निम्नलिखित में से कौन–सा 'रात्रि' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) रजनी (b) विभावरी
(c) समीर (d) निशि

उत्तर-(c)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2015

व्याख्या : दिये गये विकल्पों में रात्रि का पर्यायवाची 'समीर' नहीं है। समीर का आशय वायु से होता है। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द अनिल, पवन, वायु और बयार हैं। अन्य तीनों विकल्प – रजनी, निशि और विभावरी रात्रि के पर्यायवाची हैं। रात्रि के अन्य पर्यायवाची हैं - रैन, निशा, निशीथ, क्षपा, यामिनी, तमी, विभावरी, शर्वरी, तमिस्रा, विभा आदि।

191. दैवज्ञ का अर्थ है –

(a) देवता (b) ज्योतिषी
(c) किन्नर (d) गंधर्व

उत्तर–(b)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2016

व्याख्या–'दैवज्ञ' का अर्थ– **'ज्योतिषी'** है। इसका अन्य अर्थ है– गणक, भविष्यवक्ता, नजूमी आदि। इसी तरह देवता के अन्य पर्याय –देव, सुर, विवुध, अमर्त्य, अमर, अजर, आदित्य, निर्जर, त्रिदश आदि हैं।

192. 'एषणा' का अर्थ है –

(a) घृणा
(b) अनिच्छा
(c) अभिलाषा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(c)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2016

व्याख्या– 'एषणा' का अर्थ है-- 'अभिलाषा'। इसके अन्य अर्थ हैं–इच्छा, कामना, चाह, आकांक्षा, ईप्सा आदि।

193. 'व्योम' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(a) अन्तरिक्ष (b) अम्बर
(c) पीयूष (d) नभ

उत्तर-(c)

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

व्याख्या- व्योम का पर्यायवाची शब्द **पीयूष** नहीं है। अन्य विकल्प अन्तरिक्ष, अम्बर, नभ, व्योम के पर्याय शब्द हैं, जबकि 'पीयूष' शब्द 'अमृत' का पर्यायवाची है।

194. अधोलिखित में एक पर्यायवाची युग्म सही नहीं है?

(a) पुरन्दर – अमरपति
(b) सरोवर – पुष्कर
(c) जलधि – अम्बुद
(d) फणी – उरग

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट द्वितीय प्रश्नपत्र, 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– दिए गये विकल्पों में 'पुरन्दर-अमरपति' इन्द्र का पर्याय है। 'सरोवर-पुष्कर' तालाब का पर्याय है और 'फणी-उरग' सर्प का पर्याय है जबकि विकल्प (c) में **'जलधि–अम्बुद'** परस्पर पर्यायवाची शब्द नहीं है। 'जलधि' का पर्याय 'समुद्र' होता है और 'अम्बुद' का पर्याय 'बादल' होता है।

195. निम्नलिखित शब्दों में कौन 'सरिता' का पर्याय नहीं है?

(a) तटिनी (b) त्रिपथगा
(c) निम्ना (d) तरंगिणी

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या– 'त्रिपथगा' सरिता का पर्याय नहीं वरन् यह गंगा का पर्याय है। **सरिता का पर्याय–** तटिनी, निम्नगा, तरंगिणी, निर्झरिणी, पयस्विनी, तरनी, स्रोतस्विनी, लहरी, आपगा, सरि, तरंगवती, नदिया इत्यादि है। **गंगा का पर्यायवाची –** सुरसरि, नदीश्वरी, जाह्नवी, देवापगा, त्रिपथगा, सुरसरिता, मंदाकिनी, भागीरथी, देवनदी, विष्णुपदी आदि।

196. निम्नलिखित में से कौन कमल का पर्यायवाची नहीं है–

(a) राजीव (b) कुवलय
(c) जलद (d) अम्बुज

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2012

उत्तर–(c)

व्याख्या– जलद का आशय 'बादल' से है जबकि राजीव, कुवलय एवं अम्बुज कमल के पर्यायवाची शब्द हैं। कमल के अन्य पर्यायवाची शब्द – कंज, पंकज, जलज, सरोज, नीरज, इंदीवर, उत्पल आदि। **बादल के पर्यायवाची–** घन, जलधर, नीरद, पयोद, मेघ, वारिद, वारिधर आदि।

Nitin-Gupta.com

तत्सम एवं तद्भव

ध्वनियों के मेल से जिन सार्थक वर्ण समुदायों का प्रस्फुटन (बनते हैं) होता है, शब्द कहलाते हैं। ये (शब्द) स्वयं अथवा कभी दूसरे शब्दों के साथ मिलकर अपना आशय अभिव्यक्त करते हैं।

इनके दो रूप हमें प्राप्त होते हैं। पहला - इनका अपना स्वतंत्र रूप जिन्हें प्रकृति कहते हैं और दूसरा- ऐसे शब्द जो कारक, वचन, लिंग, पुरुष और काल बताने वाले अंश को आगे-पीछे लगाकर नये शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें पद के नाम से जानते हैं।

ध्यातव्य है कि शब्दों की रचना ध्वनि एवं अर्थ के मेल से होती है। कहने का आशय यह है कि एक या अनेक वर्णों से बनी स्वतंत्र एवं सार्थक ध्वनि को 'शब्द' कहते हैं।

सामान्यतः शब्द दो प्रकार के होते हैं –

1. सार्थक शब्द।

2. निरर्थक शब्द।

सार्थक शब्द वे शब्द होते हैं जिनका अपना भाव होता है। वहीं **निरर्थक** शब्द बिना किसी आशय के होते हैं; **जैसे-** पानी-वानी, पानी एक सार्थक शब्द है और वानी निरर्थक। इसी प्रकार गिलास-उलास, छाता-ओता शब्द द्रष्टव्य हैं जिसमें एक सार्थक शब्द है और एक निरर्थक।

व्युत्पत्ति की दृष्टि से शब्दों के चार रूप मिलते हैं –

1. तत्सम
2. तद्भव
3. देशज
4. विदेशी

तत्सम एवं तद्भव

हिन्दी में प्रयुक्त अधिकांश शब्दों की जननी संस्कृत भाषा ही है। इनमें कुछ शब्द तदनुरूप अपनी गरिमा हिन्दी भाषा में अद्यतन बनाये हुए हैं, जो तत्सम के नाम से जाने जाते हैं किन्तु कतिपय शब्द काल के जाल में बुनकर अपनी मौलिकता खो चुके हैं फिर भी उनके रूप को देखकर यह सहज ही आभास हो जाता है कि वे संस्कृत के किस शब्द से प्रस्फुटित हुए हैं; यही तद्भव शब्द हैं।

तद्भव– ऐसे शब्द, जो संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर हिंदी में आये हैं, 'तद्भव' कहलाते हैं। तत् + भव का अर्थ है– उससे (संस्कृत से) उत्पन्न। ये शब्द संस्कृत से सीधे न आकर पालि, प्राकृत और अपभ्रंश से होते हुए हिंदी में आए हैं; **जैसे–** आग, मैं, चौदह, फूल आदि।

तत्सम– संस्कृत के वे शब्द जो ज्यों के त्यों हिंदी में ले लिये गये हैं तत्सम शब्द कहलाते हैं; **जैसे–** अग्नि, चतुर्दश, पुष्प आदि।

⇒ तत्सम शब्दों में 'र' की मात्रा का प्रयोग होता है; **जैसे–** भ्रातृत्व–भतीजा, भ्रू–भौंह, भ्रातृभार्या–भाभी।

⇒ तत्सम शब्दों में 'क्ष', 'श्र', 'श', 'ष', 'व' और 'र' का प्रयोग होता है, जबकि तद्भव शब्दों में इनके स्थान पर 'ख', 'छ', 'स', 'ब' का प्रयोग अधिक होता है।

⇒ 'ऋ' का प्रयोग जिन शब्दों में पाया जाता है वो सदैव तत्सम शब्द होते हैं।

⇒ चन्द्रबिंदु (ँ) अर्थात् अनुनासिक मुख्य रूप से तद्भव शब्दों में पाया जाता है।

परीक्षाओं की दृष्टि से तद्भव–तत्सम शब्दों की सूची इस प्रकार है–

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अ/आ			
अमचुर	आम्रचूर्ण	अनाज	अन्न
अगम	अगम्य	अदरक	आर्द्रक
अनत	अन्यत्र	आस	आशा
अकाज	अकार्य	अँगरखा	अंगरक्षक
अँगूठा	अंगुष्ठ	अचरज	आश्चर्य
अँधेरा	अन्धकार	अकेला	एकल
अकथ	अकथ्य	आखत	अक्षत
अँगीठी	अग्निष्ठिका	अजान	अज्ञान
अस्तुति	स्तुति	अंगुरी	अंगुलि
अमिय	अमृत	अच्छर	अक्षर
अखाड़ा	अक्षवाट	अहिर	आभीर
अरपन	अर्पण	अहेर	आखेट
अठारह	अष्टादश	अधरम	अधर्म
अनेह	अस्नेह	आढ़त	आढ़यत्व
अपना	आत्मन्	अलग	अलग्न
अँगूठी	अंगुष्ठिका	अटारी	अट्टालिका
अगहन	अग्रहायण	अछोह	अक्षोभ
अखरोट	अक्षोट	अंजुली	अंजलि
अगाड़ी	अग्रणी	अँगोछा	अंगप्रौछा
अँखुआ	अंकुर	अमावस	अमावस्या
असीस	आशीष	अंधा	अंध
अपाहिज	अपादहस्त	असाढ़	आषाढ़
अचवन	आचमन	अनूठा	अनुत्थ
अलोना	अलवण	आँत	आंत्र
आँच	अर्चि	आभूसन	आभूषण
आयसु	आदेश	आँचर	आंचल
आज	अद्य/आद्य	आलस	आलस्य
आँसू	अश्रु	आम	आम्र
आधा	अर्द्ध/अर्ध	आसरा	आश्रय
आरसी	आदर्शिका	आग	अग्नि
आँख	अक्षि	आँगन	अंगण
आँकर	आकार	आवाँ	आपाक
आँवला	आमलक	आठ	अष्ट
इ/ई			
इलायची	एला	इतवार	आदित्यवार
इकसठ	एकषष्ठि	इक्यासी	एकाशीति
इक्यावन	एकपंचाशत्		
इतना	इयत	इमली	अम्लिका
इकट्ठा	एकत्र	इक्तीस	एकत्रिंशत्
इक्कीस	एकविंशति	इकट्ठा	एकत्र
ईषा	ईर्ष्या	ईंट	इष्टिका
ईख	इक्षु		

Nitin-Gupta.com

उ/ऊ

उबटन	उद्वर्तन	उठ	उत्तिष्ठ
उबालना	उद्वालन	उपास	उपवास
उगलना	उद्गलन	उगना	उद्गत
उठान	उत्थान	उलाहना	उपालम्भ
उसास	उच्छ्वास	उघाड़ना	उद्घाटन
ऊँचा	उच्च	उछाह	उत्साह
उल्लू	उलूक	ऊन	ऊर्ण
ऊँट	उष्ट्र	उपजना	उत्पद्यते
उन्नीस	ऊनविंशति	उन्नीस	ऊनत्रिंशति
उन्चास	ऊनपंचाशत	उजला (उजाला)	उज्ज्वल

ए/ऐ

एका	ऐक्य	ऐसा	ईदृश
एकलौता	एकल पुत्रः		

ओ/औ

ओठ	ओष्ठ	ओझा	उपाध्याय
ओला	उपल	ओसार	उपशाल
औतार	अवतार	और	अपरं
औगुन	अवगुण	औंधा	अवमूर्ध
ओखल	उद्खल		

क

कन्धा	स्कन्ध	कबूतर	कपोत
कसेरा	कांस्यकार	काठ	काष्ठ
कूर	क्रूर	कोयल	कोकिल
कहार	स्कन्धधार	कंघी	कंकती
कपड़ा	कर्पट	कान्ह	कृष्ण
केवट	कैवर्त्त	कैथा	कपित्थ
काना	काणः	काजल	कज्जल
कातिक	कार्तिक	केला	कदली
कुआँ	कूप	किल्लोल	कल्लोल
किशन	कृष्ण	कंगन	कंकण
कड़ुआ	कटु	कपूर	कर्पूर
केकड़ा	कर्कट	कुम्हड़ा	कूष्माण्ड
कोढ़	कुष्ठ	करम	कर्म
कुम्हार	कुम्भकार	कन	कण
कचहरी	कृत्यगृह	कोठी	कोष्ठिका
कुम्हार	कुम्भकार	कोख	कुक्षि
कोस	क्रोश	करतब	कर्त्तव्य
किसान	कृषक	किवाड़	कपाट
कपूत	कुपुत्र	कारज	कार्य
कोढ़ी	कुष्ठी	कौवा	काक
केहरि	केशरी	कलेश	क्लेश
कच्चा	कुपच	कूची	कूर्चिका
कान	कर्ण	क्रोधी	क्रुद्ध
कटघरा	काष्ठगृह	काटना	कर्तन
कछुआ	कच्छप	कंधा	स्कंध
काँटा	कंटक	कंचन	कांचन
कुत्ता	कुक्कुर	कौर	कवल

ख

खम्भा	स्तम्भ	खुर	क्षुर
खंडहर	खण्डगृह	खुजली	खर्जू
खेती	क्षेत्रित	खीर	क्षीर
खार	क्षार	खेत	क्षेत्र
खाट	खट्वा	खान	खनि
खत्री	क्षत्रिय	खाँसी	कास
खप्पर	खर्पर	खजूर	खर्जूर
खाई	खात	खैर	खदिर
खेल	केलि/खेला	खाना	खादन

ग

गीद्ध	गृध्र	गहरा	गम्भीर
गागर	गर्गर	गुफा	गुहा
गलना	गलन	गर्मी	ग्रीष्म
गौना	गमन	गोबर	गोमय/गोविष्ट
गनेश	गणेश	गाँव	ग्राम
गुन	गुण	गोरा	गौर
गेंद	कंदुक	गिनना	गणना
गोद	क्रोड	गाय	गो/गौ
गवैया	गायक	गदहा (गधा)	गर्दभ
गँवार	ग्रामीण		

घ

घड़ा	घट	घोड़ा	घोटक
घर	गृह	घी	घृत
घाव	घात	घिन	घृणा
घूँघट	गुंठन		

च

चौपाया	चतुष्पद	चाँदनी	चन्द्रिका
चूरन	चूर्ण	चाक	चक्र
चरन	चरण	चितेरा	चित्रकार
चन्दा/चाँद	चन्द्र	चकवा	चक्रवाक
चबूतरा	चत्वाल, चत्वर	चूल्हा	चुल्लिः/चुल्लीक
चना	चणक	चोर	चौर
चीता	चित्रक	चार	चत्वारि
चैत	चैत्र	चौथा	चतुर्थ
चौदह	चतुर्दश	चालीस	चत्वारिंशत्
चौखट	चतुष्काठ		

छ

छेद	छिद्र	छाँह	छाया
छोभ	क्षोभ	छाता	छत्रक
छत	छत्र	छति	क्षति
छिन	क्षण	छब्बीस	षट्विंशति
छिलका	शलक		

Nitin-Gupta.com

ज

जमाई	जामातृ	जोगी	योगी
जंतर	यंत्र	जाँघ	जंघा
जलना	ज्वलन	जग	जगत्
जुआ	द्यूत	जनेऊ	यज्ञोपवीत
जवान	युवान	जेठ	ज्येष्ठ
जोबन	यौवन	जौ	यव
जीभ	जिह्वा	जुगति	युक्ति
जमुना	यमुना	जहाँ	यत्र
जम्हाई	जृम्भिका	जामुन	जंबु

झ

झरना	निर्झर	झीना	जीर्ण
झरोखा	जालक	झंड़ा	ध्वज
झूठा	जुष्ट		

ट

टकसाल	टंकशाला	टाट	तंतु
टिटिहरी	टिट्टिभी	टूटना	त्रुट्यते

ठ

ठंडा	स्तब्ध	ठाँव	स्थान

ड

डंडा	दण्ड	डेढ़	अध्यर्द्ध
डंक	दंश	डसना	दंशन
डाँड़	दण्ड	डर	दर
डाह	दाह	डाइन	डाकिनी

ढ

ढहना	ध्वंसन	ढाई	अर्धतृतीय
ढीठ	धृष्ट	ढीला	शिथिल

त

तीखा	तीक्ष्ण	तमोली	ताम्बूलिक
ताँबा	ताम्र	तुरत	त्वरित
तपसी	तपस्वी	तालाब	तड़ाग
तिनका	तृण	तेल	तैल
तिगुना	त्रिगुण	तिरक्षा	तिरश्च
तीता	तिक्त	त्यौहार	तिथिवार
तामचूर	ताम्रचूर्ण		

थ

थामना	स्तम्भन	थल	स्थल
थान	स्थान	थोड़ा	स्तोक
थन	स्तन	थाली	स्थाली
थंभ	स्तम्भ		

द

दही	दधि	दाहिना	दक्षिण
दच्छ	दक्ष	दिवाली	दीपावली
दूध	दुग्ध	दूबे	द्विवेदी
दुपट्टा	द्विपट	देखना	दृश
दबना	दमन	दीठ	दृष्टि
दामाद	जामाता	दाद	दद्रु
दूल्हा	दुर्लभ	दुरद	द्विरद
दाँत	दंत	दीय	दीपक
दूज	द्वितीया	दाई	धात्री
दरसन	दर्शन	दूना	द्विगुण
दोना	द्रोण	दई	दैव
दुबला	दुर्बल	दूब	दूर्वा
दसवाँ	दशम	दाढ़ी	दंष्ट्रिका
दाख	द्राक्षा	दुधारू	दुग्धधारिणी
दुरजोधन	दुर्योधन	दुतिमान	द्युतिमान्
दूजा	द्वितीय	देवर	द्विवर
दो	द्वि,द्वौ		

ध

धोना	धावन	धरती	धरित्री
धूल	धूलि	धीरज	धैर्य
धनिया	धनिका	धरम	धर्म
धुआँ	धूम्र	धान	धान्य

न

नोन	लवण	निहाई	निधाति
निगलना	निर्गलन	नब्बे	नवति
नाखून	नख	नीम	निम्ब
नाच	नृत्य	नाती	नप्तृ
नींद	निद्रा	नेम	नियम
नस	नस्या/नस्य	नया	नव
नाई	नापित	नेह	स्नेह
नेवला	नकुल	नैन	नयन
निठुर	निष्ठुर	नारियल	नारिकेल
नखत	नक्षत्र	नाक	नक्र/नासिका
नींबू	निम्बुक	नेवता	निमंत्रण
निडर	निर्दर		

प

पोथी	पुस्तक	पूँजी	पुञ्ज
पुआ	पूप	पीला	पीत
पहर	प्रहर	पिता	पितृ
पराठा	पर्पट	परनाली	प्रणाली
पीढ़ी	पीठिका	पाना	प्रापण
पतला	प्रतनु	पत्ता	पत्र,पर्ण
परिच्छा	परीक्षा	पतोहू	पुत्रवधू
परछाईं	प्रतिच्छाया	पूरा	पूर्ण
पाख	पक्ष	पकवान	पक्वान्न
पाती	पत्रिका	पाहन	पाषाण
पक्का	पक्व	पूँछ	पुच्छ
पूरब	पूर्व	परस	स्पर्श
प्यास	पिपासा	पसारना	प्रसारण
पाँव	पाद	पलड़ा	पटल
पपड़ी	पर्पटी	पास	पार्श्व

Nitin-Gupta.com

पीपल	पिप्पल	पंदरह	पंचदश
पच्छी	पक्षी	परपोता	प्रपौत्र
पहचान	प्रत्यभिज्ञान	पखवारा	पक्षवार
पलँग	पर्यंक	पानि	पाणि
पूस	पौष	पूत	पुत्र
परमारथ	परमार्थ	पत्थर	प्रस्तर
पसीना	प्रस्वेद	पड़ोस	प्रतिवेश
पिय	प्रिय	बरसना	वर्षण
पुरषारथ	पुरुषार्थ	पुतली	पुत्तलिका
परीवा	प्रतिपदा	पन्ना	पर्ण
पुजारी	पूजाकारी	पुरान	पुराण
पहला	प्रथम	पीछे	पश्चात्
पीठी	पिष्टिका	पाँच	पंच
पापड़	पर्पट	परसों	परश्वः
पछतावा	पश्चात्ताप	पिटारा	पिटक
परकोटा	परिकूट	पान	पर्ण

फ

फुरती	स्फूर्ति	फिटकरी	स्फटिक
फागुन	फाल्गुन	फरसा	परशु
फोड़ा	स्फोट	फाँसी	पाशिका
फूटना	स्फुटन	फूल	फुल्ल

ब

बुरा	विरूप	बाँझ	बन्ध्या
बाँस	वंश	बहू	वधू
बहनोई	भगिनीपति	बगुला	वक
बरस	वर्ष	बजरंग	वज्रांग
बौना	वामन	बाड़ी	वाटिका
बाघ	व्याघ्र	बाँह	बाहु
बत्ती	वर्तिका	बीता	व्यतीत
बिन्दी	बिन्दु	बरगद	वट
बन्दर	वानर	बाँधना	बंधन
बादल	वारिद	बिकना	विक्रयण
बसेरा	वासगृह	बूँटी	वृत्तिक
बत्ती	वर्तिका	बनिया	वणिक
बाँध	बंध	बिच्छू	वृश्चिक
बुड्ढा	वृद्ध	बात	वार्ता
बीस	विंशति	बिजली	विद्युत
बारह	द्वादश	बहिन	भगिनी
बैल	वृषभ	बायाँ	वाम
बच्चा	वत्स	बाग	वाटिका
बैसाखी	द्विशाखिका	बेधना	वेधन
बेंत	वेत्र,वेतस	बुआ	पितृश्वसा
बीघा	विग्रह	बालू	बालुका
बाट (रास्ता)	वर्त्म	बरात	वरयात्रा
बाहर	वाह्य	बाँसुरी	वंशी
बकरा	वर्कर	ब्याह	विवाह

भ

भला	भद्र	भरोसा	परवश्यता
भैंसा	महिष	भौं	भृकुटी
भुवालु	भूपाल	भादों	भाद्रपद
भिखारी	भिक्षाकारी	भावज	भातृजाया
भीख	भिक्षा	भाप	वाष्प
भिच्छुक	भिक्षुक	भीसम	भीष्म
भालू	भल्लुक	भीत	भित्ति
भतीजा	भ्रातृव्य	भूख	बुभुक्षा
भाड़ा	भाटक	भांजा	भागिनेय
भौंरा	भ्रमर	भगत	भक्त
भौंह	भ्रू	भाई	भ्रातृ
भभूत	विभूति	भूसन	भूषण
भाभी	भ्रातृभार्या	भीतर	अभ्यन्तर
भतीजी	भ्रातृजा	मसान	श्मशान

म

मढ़ना	मंडन	मक्खी	मक्षिका
मेह	मेघ	मूँछ	श्मश्रु
मेढक	मण्डूक	महुआ	मधूक
मिट्टी	मृत्तिका	मीत	मित्र
मोती	मौक्तिक	मौसी	मातृश्वसा
माथा	मस्तक	मीठा	मिष्ट
मुखिया	मुख्य	मरना	मरण
मच्छर	मत्सर	मूँग	मुद्ग
माँ	मातृ	महावत	महापात्र
मछली	मत्स्य	मानुस	मनुष्य
मदारी	मंत्रकारी	मूँड़	मुण्ड
मिठाई	मिष्टान्न	मोर	मयूर
मैल	मल		

य

युगल	युग्म	यहाँ	अत्र
यों	एवम्	यह	एष

र

रात	रात्रि	रानी	राज्ञी
रास	राशि	राजपूत	राजपुत्र
रीठा	अरिष्ट	रीता	रिक्त

Nitin-Gupta.com

रैन	रजनी	रस्सी	रज्जु
राखी	रक्षिका	रूठा	रुष्ट
रोआँ	रोम	राख	क्षार
रहट	अरघट्ट	रेनु	रेणु
रत्ती	रत्तिका	रोना	रुदन
रीछ	ऋक्ष		

ल

लोढ़ा	लोष्ट	लाज	लज्जा
लेई	लेपिका	लँगड़ा	लंग
लगना	लग्न	लँगोट	लिंगपट्ट
लोयन	लोचन	लिलार	ललाट
लौंग	लवंग	लोहा	लौह
लोहार	लौहकार	लीख	लिक्षा
लहसुन	लशुन	लोन	लवण
लाख (पदार्थ)	लाक्षा	लच्छन	लक्षण
लाठी	लगुड	लड़ना	रणन
लोमड़ी	लोमशा		

व

वहाँ	तत्र	विछोह	विक्षोभ
विनती	विनति		

श

शिस्य	शिष्य	शसि	शशि
शक्कर	शर्करा	शीशम	शिंशपा

स

सगुन	शकुन	सोहन	शोभन
सुमिरन	स्मरण	सेम	शिम्बा
सोता	स्रोत	सात	सप्त
साँड़	शण्ड	सगा	स्वकीय
सरबस	सर्वस्व	सेठ	श्रेष्ठी
सगुन	शकुन	सुवरन	स्वर्ण
सतसई	सप्तशती	ससुराल	श्वसुरालय
सलाई	शलाका	सुई	सूचिका
संयासी	संन्यासी	सांकल	शृंखला
साखी	साक्षी	सपूत	सुपुत्र
सावन	श्रावण	सूरज	सूर्य
साढ़े	सार्द्ध	सूखा	शुष्क
सुनार	स्वर्णकार	सुअर	शूकर
सौ	शत	सबद	शब्द
सातवाँ	सप्तम	सुघड़	सुघट्ट
सीस	शीर्ष	सेज	शय्या
सपना	स्वप्न	ससुर	श्वसुर
सास	श्वश्रू/श्वशृ	सुहाग	सौभाग्य
साँप	सर्प	सिंगार	शृंगार
सच	सत्य	सौत	सपत्नी
साँवला	श्यामल	सुआ	शुक
सीढ़ी	श्रेणी	सयाना	सज्ञान
सोलह	षोडस	साईं	स्वामी
सलोना	सलावण्य	सोता	स्रोत
सिंघाड़ा	शृंगाटक	सुथरा	सुस्थिर

ह

हिरन	हरिण	हरड़	हरीतकी
हाट	हट्ट	हिय	हृदय
हरा	हरित	हड्डी	अस्थि
हाथी	हस्ति	हँसी	हास्य
हाथ	हस्त	हुलास	उल्लास
हीरा	हीरक	हथिनी	हस्तिनी
होली	होलिका	हलका	लघुक
हींग	हिंगु	हल्दी	हरिद्रा
होंठ	ओष्ठ		

देशज शब्द

इस प्रकार के शब्द अपने ही देश में सामान्य बोलचाल की भाषा से बने हैं। इनकी व्युत्पत्ति के मूल स्रोत का कुछ भी ज्ञान नहीं। ऐसे शब्द किसी भी व्याकरणिक नियम पर आधारित नहीं होते हैं। लोक भाषाओं पर आधारित कतिपय शब्द इस प्रकार हैं, जैसे – लोटा, फुनगी, तेंदुआ, ठेस, डिब्बा, खिचड़ी, कलाई, जूता, खिड़की, ठुमरी, कटोरा इत्यादि।

विदेशी शब्द

ऐसे शब्द जो विदेशी भाषा से हिन्दी में समाहित हुए है, विदेशी शब्द कहलाते हैं। इनमें फारसी, तुर्की, अरबी, पुर्तगाली, फ्रांसीसी इत्यादि मुख्य हैं। अरबी, फारसी एवं तुर्की के कतिपय शब्दों को कुछ फेर-बदल कर हिन्दी में ढाल लिया गया है।

तुर्की शब्द– आका, तोप, बेगम, चेचक, चमचा, तमगा, लाश, मुगल, उर्दू, बहादुर इत्यादि।

फारसी शब्द– गुलाब, कबूतर, चश्मा, दुकान, सरदार, जंग, गिरफ्तार, आईना, दीवार, मरहम, तीर इत्यादि।

अरबी शब्द– अदालत, अल्ला, आदमी, जहाज, तारीख, मुहावरा, मुसाफिर, शराब, खबर इत्यादि।

पुर्तगाली शब्द– गमला, बाल्टी, काजू, आलपीन, फीता, पिस्तौल, कमीज, गोदाम इत्यादि।

अंग्रेजी शब्द– आर्डर, जेलर, रेल, स्कूल, फीस, होल्डर, ड्राइवर, रसीद, जेल, गिलास इत्यादि।

Nitin-Gupta.com

विगत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न : संकलन

शब्द सौष्ठव

1. तत्सम-तद्भव शब्दों का कौन-सा युग्म असंगत है?

(a) छत्र-छत (b) चैत्र - चैत
(c) चक्र - चक्का (d) पत्र - पर्ण

UPPCS CSAT 2022

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में से 'पत्र-पर्ण' तत्सम- तद्भव युग्म असंगत है, क्योंकि दोनों शब्द तत्सम हैं। 'पत्ता' का तत्सम शब्द 'पत्र/पर्ण' होगा अन्य युग्म सुसंगत हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'आवाँ' का तत्सम रूप है?

(a) आपाक (b) आग
(c) आव (d) अग्नि

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (a) : दिये गये शब्दों में 'आवाँ' का तत्सम रूप 'आपाक' होगा, जबकि 'अग्नि', 'आग' का तत्सम रूप है। शेष विकल्प तर्कसंगत नहीं हैं।

3. निम्नलिखित में तत्सम शब्द है-

(a) आम (b) काष्ठ
(c) हाथ (d) दूध

UPPCS CSAT 2022

Ans. (b) : 'काष्ठ' तत्सम शब्द है। अन्य विवरण निम्नलिखित हैं-

तद्भव		तत्सम
आम	-	आम्र
काठ	-	काष्ठ
हाथ	-	हस्त
दूध	-	दुग्ध

4. आदर्शिका का तद्भव शब्द है-

(a) आँच (b) आरसी
(c) आदर्श (d) अदरक

UPPCS CSAT 2022

Ans. (b) : विवरण निम्नलिखित हैं-

तद्भव		तत्सम
आँच	-	अर्चि
आरसी	-	आदर्शिका
अदरक	-	आर्द्रक

5. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'तद्भव' है?

(a) उपालम्भ (b) आभीर
(c) अहेर (d) एकत्र

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (c) : दिये गये शब्दों में 'अहेर' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम 'आखेट' होता है। अन्य शब्द तत्सम हैं; जिनके तद्भव निम्नलिखित हैं–

तत्सम		तद्भव
उपालम्भ	-	उलाहना
आभीर	-	अहीर
एकत्र	-	इकट्ठा

6. निम्नलिखित में से 'चन्द्रिका' का तद्भव शब्द है-

(a) चन्द्र (b) चाँदनी
(c) चाँद (d) चिकना

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (b) : दिये गये शब्दों में 'चन्द्रिका' का तद्भव 'चाँदनी' होगा, जबकि 'चाँद' का तत्सम 'चन्द्र' तथा 'चिकना' का तत्सम 'चिक्कण' होता है।

7. तत्सम और उसके तद्भव रूप की दृष्टि से नीचे लिखे विकल्पों में कौन-सा विकल्प गलत है?

(a) आर्द्रक - गीला (b) आदित्यवार - इतवार
(c) उद्गलन - उगलना (d) उद्घाटन - उघाड़ना

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (a) : दिये गये तत्सम और तद्भव युग्मों में 'आर्द्रक - गीला' युग्म गलत है। 'आर्द्रक' का तद्भव 'अदरक' होगा जबकि 'गीला', 'आर्द्र' का तद्भव है।

8. इनमें से तत्सम - तद्भव का एक शब्द युग्म अशुद्ध है, वह है–

(a) इच्छिका - छाछ (b) ईख - इक्खु
(c) उद्वर्तन - उबटन (d) गोमय - गोबर

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (a&b) : 'छाछ' का तत्सम 'छच्छिका' होता है न कि 'इच्छिका' तथा 'ईख' का तत्सम 'इक्षु' होता है न कि इक्खु। अतः दोनों ही विकल्प अशुद्ध हैं।

9. निम्नलिखित में तत्सम - तद्भव का गलत युग्म है–

(a) सुघट्ट - सुघड़ (b) ज्ञातिगृह - नैहर
(c) पण्यशालिक - पनसारी (d) प्रतिवेशी - मवेशी

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (d) : 'प्रतिवेशी - मवेशी' तत्सम - तद्भव की दृष्टि से गलत युग्म है। 'प्रतिवेशी' का तद्भव 'पड़ोसी' होगा। जबकि अन्य युग्म सही हैं।

10. इनमें से तत्सम - तद्भव का शुद्ध युग्म है–

(a) श्रेष्ठ - सेठ (b) अरहट्ट - रहट
(c) कंकती - कंघी (d) मिष्ठ - मीठा

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (c) : 'कंकती - कंघी', तत्सम - तद्भव का युग्म शुद्ध है। जबकि अन्य तत्सम - तद्भव के शुद्ध युग्म निम्न हैं–

तत्सम	तद्भव
श्रेष्ठी	सेठ
अरघट्ट	रहट
मिष्ट	मीठा

Nitin-Gupta.com

11. **निम्नलिखित में तत्सम-तद्भव का शुद्ध युग्म है**
(a) नछत्र - नखत (b) पकवान्न - पकवान
(c) गृद्ध - गीध (d) अवश्याय - ओस
UPPCS (Pre) CSAT 2021

Ans. (d) : 'अवश्याय-ओस' तत्सम-तद्भव की दृष्टि से सही युग्म है। अन्य तद्भव-तत्सम शब्द हैं–

तत्सम	तद्भव
नक्षत्र	नखत
पक्वान्न	पकवान
गृध्र	गीध

12. **निम्नलिखित तत्सम–तद्भव शब्दों का संगत युग्म है–**
(a) खर्पट – खोपड़ी (b) सक्तु – सत्य
(c) पर्यंक – पलंग (d) घोटक – घड़ा
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'पर्यंक–पलंग' तत्सम–तद्भव शब्द युग्म सही है। अन्य युग्मों का शुद्ध रूप है–

तत्सम	तद्भव
सक्तु	सत्तू
सत्य	सच
घोटक	घोड़ा
घट	घड़ा

13. **इसमें से तत्सम-तद्भव का एक युग्म अशुद्ध है, वह है**
(a) उपाध्याय-ओझा (b) श्रेष्ठ - सेठ
(c) अग्निष्ठ - अँगीठा (d) आर्द्रक - अदरक
UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (b) : विवरण निम्नलिखित है-

तद्भव		तत्सम
ओझा	-	उपाध्याय
सेठ	-	श्रेष्ठी
अंगीठी	-	अग्निष्ठिका
अदरक	-	आर्द्रक
अंगीठा	-	अग्निष्ठ

14. **इनमें से तद्भव-तत्सम का एक शब्द युग्म है-**
(a) कौड़ी - कपार्दिकी (b) अपाहिज - आपादहस्त
(c) ओस - अवश्याय (d) गेहूँ - गोहूम
UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (c) : विवरण निम्नलिखित है-

तद्भव	-	तत्सम
कौड़ी	-	कपर्दिका
अपाहिज	-	अपादहस्त
ओस	-	अवश्याय
गेहूँ	-	गोधूम

15. **इनमें से तद्भव-तत्सम का एक युग्म अशुद्ध है**
(a) ओस-अवश्याय (b) काढ़ा-क्वाथ
(c) उबटन-उद्वर्तन (d) रहट-अरहट्ट
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (d) : 'रहट-अरहट्ट' युग्म तद्भव-तत्सम की दृष्टि से अशुद्ध है। इसका शुद्ध युग्म 'रहट-अरघट्ट' होता है। अन्य युग्म सही हैं।

16. **तत्सम शब्दों की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है, वह है**
(a) अंगरक्षक-अक्षोट
(b) अमिय-आर्द्रक
(c) ग्रन्थि-गर्गर
(d) एकादश-गोपाल
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (b) : 'अमिय-आर्द्रक' युग्म तत्सम शब्द नहीं है। इसमें आर्द्रक तत्सम शब्द है, किन्तु अमिय नहीं। अमिय का तत्सम 'अमृत' होता है। अन्य विकल्प सही हैं।

17. **'तत्सम' शब्द किस समूह का शब्द है?**
(a) हिन्दी शब्द-समूह (b) संस्कृत शब्द-समूह
(c) देशज शब्द-समूह (d) विदेशी शब्द-समूह
UPPCS AE 2004
UPPCS AE 2008

Ans. (b) : तत्सम शब्द 'संस्कृत शब्द का समूह' है। 'तत्सम' (तत् + सम) शब्द का अर्थ है- 'उसके समान' अर्थात् संस्कृत के समान। हिन्दी में अनेक शब्द संस्कृत से सीधे आये हैं और आज भी उसी रूप में प्रयोग किये जा रहे हैं। अत: संस्कृत के ऐसे शब्द जिसे हम ज्यों का त्यों प्रयोग करते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं; **जैसे-** अग्नि, उच्च, कृषक, आम्र आदि।

18. **एक शब्द वर्णसंकर कोटि का नहीं है-**
(a) स्कूलमास्टर (b) रेलयात्रा
(c) पानदान (d) राजमहल
UPPCS AE 2013

Ans. (a) स्कूलमास्टर में 'स्कूल' एवं 'मास्टर' दोनों शब्द अंग्रेजी भाषा के हैं जबकि रेलयात्रा में 'रेल' अंग्रेजी का और 'यात्रा' हिंदी का शब्द है, पानदान में 'पान' हिंदी का शब्द है जबकि 'दान' (पात्र) उर्दू का प्रत्यय है। अत: यह वर्ण संकर की कोटि में आता है और राजमहल में 'राज' हिन्दी भाषा का एवं 'महल' शब्द 'अरबी' भाषा का शब्द है।

19. **रेलमंत्री किस कोटि का शब्द है?**
(a) संकर (b) तद्भव
(c) तत्सम (d) विदेशी
UPPCS AE 2013

Ans. (a) 'रेलमंत्री' **संकर** शब्द का उदाहरण है। यहाँ रेल अंग्रेजी भाषा का शब्द और 'मन्त्री' हिन्दी भाषा का शब्द है। जो शब्द दो भिन्न-भिन्न भाषाओं के मेल से बने होते हैं; उन्हें संकर शब्द कहते हैं। **जैसे-** रेल- अंग्रेजी भाषा।
मन्त्री - हिन्दी भाषा।

20. **'पंकज' शब्द किस शब्द भेद का उदाहरण है?**
(a) तत्सम (b) तद्भव
(c) योगरूढ़ (d) देशी
UPPCS AE 2013

Nitin-Gupta.com

Ans. (c) 'पंकज' शब्द योगरूढ़ शब्द का उदाहरण है- पंक+ज का अर्थ है 'कीचड़ से उत्पन्न पर इससे केवल 'कमल' अर्थ लिया जायेगा, अत: पंकज योगरूढ़ है। ऐसे शब्द जो यौगिक तो होते हैं पर अर्थ के विचार से अपने सामान्य अर्थ को छोड़ किसी परंपरा से विशेष अर्थ के परिचायक हैं, **योगरूढ़** कहलाते हैं। **जैसे-** जलज, लंबोदर, चक्रपाणि, दशानन आदि।

21. निम्नलिखित में कौन 'तत्सम' शब्दों की जोड़ी नहीं है?

(a) कर्म – विद्या (b) दधि – भात

(c) मत्स्य – मृग (d) ज्ञान – क्षेत्र

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, द्वितीय प्रश्नपत्र, 2015

उत्तर-(b)

व्याख्या : दिये गये विकल्पों में 'दधि - भात' तत्सम जोड़ी नहीं है, क्योंकि 'भात' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम रूप ओदन' है। अन्य विकल्प कर्म - विद्या, ज्ञान – क्षेत्र और मत्स्य – मृग तत्सम युग्म हैं।

22. 'अवगुंठन' का अर्थ है–

(a) घूँघट (b) अँगूठा

(c) गाँठ बाँधना (d) गूँथना

उत्तर–(a)

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री०) परीक्षा-2017

व्याख्या– अवगुंठन का आशय घूँघट होता है। 'अवगुंठन' तत्सम शब्द है जिसका तद्भव शब्द 'घूँघट' होता है।

23. ऐसे शब्द जो संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर हिन्दी में आये हैं उन्हें कहते हैं–

(a) तत्सम (b) देशज

(c) विदेशी (d) तद्भव

उत्तर (d)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2016-17

व्याख्या- ऐसे शब्द जो संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर हिन्दी में आये हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं एवं उनके वास्तविक मूल रूप को तत्सम कहते हैं, **जैसे–**

तद्भव	**–**	**तत्सम्**
पारा	–	पारद
करेला	–	कारवेल्ल
कपूर	–	कर्पूर
पत्थर	–	प्रस्तर
पंख	–	पक्ष
उबटन	–	उद्वर्तन

24. निम्नलिखित तत्सम-तद्भव शब्दों के युग्म में से कौन युग्म त्रुटिपूर्ण है?

(a) घृत - घी (b) उट्र - ऊँट

(c) त्वरित - तुरत (d) तिक्त - तीता

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- निर्दिष्ट शब्द युग्मों में सही जोड़े हैं – घृत-घी, त्वरित-तुरत, तिक्त-तीता। उट्र - ऊँट अशुद्ध शब्द युग्म है। इसका शुद्ध रूप होगा – उष्ट्र - ऊँट।

25. निम्नलिखित तत्सम-तद्भव शब्दों के युग्म में से त्रुटिपूर्ण है–

(a) गोमय - गोबर (b) क्षीर - खीर

(c) पर्यंक - पटरी (d) सपत्नी - सौत

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या- गोमय का गोबर, क्षीर का खीर और सपत्नी का सौत सही शब्द युग्म है। 'पर्यंक-पटरी' युग्म गलत है। इसका सही युग्म होगा – पर्यंक-पलंग।

26. नीचे दिये तत्सम-तद्भव शब्द युग्म में से कौन-सा युग्म त्रुटिपूर्ण है?

(a) वचन – बैन (b) कपाट – कपड़ा

(c) पुराण – पुराना (d) गम्भीर – गहरा

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- दिये गये तत्सम-तद्भव शब्द युग्म में वचन का बैन, पुराण का पुराना, गम्भीर का गहरा सही युग्म है। जबकि कपाट का कपड़ा गलत है। इसका सही तत्सम-तद्भव युग्म होगा – 'कपाट-किवाड़' होगा। कपड़ा का तत्सम कर्पट होता है।

27. नीचे दिये 'तत्सम-तद्भव' शब्दों के युग्म में से कौन-सा युग्म त्रुटिपूर्ण है?

(a) क्षीर – खीर (b) दहि – दही

(c) दुग्ध – दूध (d) घृत – घी

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में क्षीर का खीर, दुग्ध का दूध और घृत का घी तत्सम होता है, जबकि दही का दधि तत्सम रूप होता है न कि दहि। अतः विकल्प (b) त्रुटिपूर्ण है।

28. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव का सही युग्म है-

(a) महूक - महुआ (b) अक्षवाट - अखाड़ा

(c) आद्रक - अदरक (d) इक्ष - ईख

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या–तत्सम शब्द 'अक्षवाट' का तद्भव शब्द 'अखाड़ा' होता है, इस प्रकार प्रश्नगत विकल्प (b) सही युग्म है जबकि शेष अशुद्ध है। महुआ का तत्सम 'मधूक', अदरक का 'आर्द्रक' एवं ईख का 'इक्षु' तत्सम होता है।

29. निम्नलिखित में से तत्सम की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

(a) दीक्षा - परीक्षा (b) शूकर - बलीवर्द

(c) कपूत - सपूत (d) वरिष्ठ - कनिष्ठ

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्प में उल्लिखित 'कपूत-सपूत' तत्सम की दृष्टि से अशुद्ध युग्म है, जिसका शुद्ध युग्म 'कुपुत्र-सुपुत्र' होगा जबकि शेष तत्सम की दृष्टि से शुद्ध युग्म हैं।

30. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव का सही युग्म है-

(a) लोहकार-लोहार (b) लच्छ-लाख
(c) अरघट्ट-रहट (d) मिश्ट-मीठा

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में तत्सम-तद्भव का सही युग्म 'अरघट्ट-रहट' है। अन्य विकल्पों के शुद्ध युग्म रूप हैं– 'लौहकार-लोहार', 'लक्ष-लाख', 'मिष्ट-मीठा'।

तत्सम शब्द

31. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है ?

(a) क्षेत्र (b) खार
(c) वानर (d) क्षुर

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (b) : उपर्युक्त विकल्पों में 'खार' तत्सम शब्द नहीं है, बल्कि तद्भव है। इसका तत्सम 'क्षार' होता है। अन्य तत्सम शब्दों के तद्भव निम्न हैं-

तत्सम	तद्भव
क्षेत्र	खेत
वानर	बंदर
क्षुर	खुर

32. 'आवाँ' का तत्सम रूप होगा–

(a) आग (b) अग्नि
(c) आव (d) आपाक

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (d) : 'आवाँ' का तत्सम रूप 'आपाक' होगा। दिये गये शब्दों में 'अग्नि' आग का तत्सम रूप है।

33. निम्नलिखित में 'हस्ती' किस शब्द का तत्सम रूप है?

(a) हाथ (b) हार
(c) हाथी (d) हँसी

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'हस्ती' हाथी शब्द का तत्सम रूप है। अन्य तत्सम-तद्भव शब्द निम्न हैं-

तत्सम		तद्भव
हस्त	-	हाथ
हारि	-	हार
हास्य	-	हँसी

34. 'चौथा' का तत्सम शब्द है -

(a) चतुष्पद (b) चतुष्क
(c) चतुष्काठ (d) चतुर्थ

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'चौथा' का तत्सम शब्द 'चतुर्थ' है। अन्य तद्भव-तत्सम शब्द निम्न हैं-

तद्भव	तत्सम
चौपाया	चतुष्पद
चौक	चतुष्क
चौखट	चतुष्काठ

35. 'घोड़ा' का उपयुक्त तत्सम शब्द है -

(a) अश्व (b) घोटक
(c) तुरंग (d) बाजी

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'घोड़ा' का उपयुक्त तत्सम शब्द 'घोटक' है। जबकि अश्व, बाजि तथा तुरंग, घोड़ा के पर्यायवाची शब्द हैं।

36. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द है -

(a) जोगी (b) जोवन
(c) जमाई (d) यौवन

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : दिये गये शब्दों में 'यौवन' तत्सम शब्द है। जबकि जोगी, जोबन तथा जमाई तद्भव शब्द हैं जिनके तत्सम शब्द क्रमशः योगी, यौवन व जमातृ होगें।

37. निम्नलिखित में 'तत्सम' शब्द है -

(a) पंक्ति (b) पंख
(c) पंदरह (d) पंगत

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : दिये गये शब्दों में 'पंक्ति' तत्सम शब्द है जिसका तद्भव 'पंगत' होगा। 'पंख', 'पन्द्रह' तथा 'पंगत' तद्भव शब्द हैं।

38. इनमें से 'अटारी' का तत्सम रूप है-

(a) अरावली (b) अट्टालिका
(c) अष्टराग (d) अष्टरस

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (b) : 'अटारी' एक तद्भव शब्द है, इसका 'तत्सम' 'अट्टालिका' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

39. इनमें से तत्सम और तद्भव का एक युग्म गलत है

(a) प्रिय - प्रिया (b) चुल्लिः - चूल्हा
(c) शक्तु - सत्तू (d) खर्पर - खपरा

UPPSC AE 2021

Ans. (a) : 'प्रिय – प्रिया' का तत्सम – तद्भव युग्म गलत है। प्रिय का तद्भव 'पिय' या 'पिया' होता है न कि 'प्रिया'।
नोट – उल्लेखनीय है कि विकल्प (c) में 'शक्तु – सत्तू' का युग्म भी गलत है क्योंकि 'शक्तु' की शुद्ध वर्तनी 'सक्तु' होती है।

40. निम्नलिखित में से 'तत्सम' शब्द है–

(a) दही (b) जीर्ण
(c) गयंद (d) गाहक

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : निम्नलिखित शब्दों में 'जीर्ण' तत्सम शब्द है। जीर्ण का तद्भव झीना (पुराना) होता है। दही, गाहक और गयंद तद्भव शब्द हैं, इनका तत्सम क्रमशः है– दधि, ग्राहक और गजेन्द्र।

41. 'अगहन' का तत्सम रूप कौन–सा है?

(a)अग्रहायण (b) अगहण
(c)आग्रहण (d) अग्रासन

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'अगहन' का तत्सम रूप 'अग्रहायण' है। अगहन हिन्दू पंचांग का एक महीना है। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना परिवर्तन के हिन्दी में ले लिया गया है, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

42. निम्नलिखित में से 'तत्सम' शब्द है–

(a) उछाह (b) उजला
(c) उल्लू (d) ओष्ठ

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Nitin-Gupta.com

Ans. (d) : 'ओष्ठ' तत्सम शब्द है। अन्य शब्दों का तद्भव–तत्सम रूप हैं-

तद्भव	**तत्सम**
होंठ	ओष्ठ
उछाह	उत्साह
उजला	उज्ज्वल
उल्लू	उलूक

43. 'परिवा' का तत्सम रूप है–

(a) परवा (b) परेवा
(c) प्रतिपदा (d) पड़ीवा

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'परिवा' का तत्सम 'प्रतिप्रदा' है। हिन्दी माह के प्रत्येक पक्ष के प्रथम तिथि को प्रतिपदा कहते हैं।

44. 'बाँका' का तत्सम शब्द है

(a) तिर्यक (b) वक्र
(c) चाकू (d) वर्त्य

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (b) : 'बाँका' का तत्सम 'वक्र' है।

45. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?

(a) पतन (b) पनसारी
(c) पिटक (d) प्रहार

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (b) : दिये गये विकल्पों में से 'पनसारी' शब्द तत्सम नहीं है। अन्य विवरण निम्नलिखित हैं-

तद्भव		**तत्सम**
पड़ना	-	पतन
पनसारी	-	पण्यशालिक
पिटारा	-	पिटक
पहर	-	प्रहर

46. 'उलाहना' शब्द का तत्सम रूप होगा-

(a) ओरहन (b) उपालंभ
(c) निन्दा (d) झगड़ा करना

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(b)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'उलाहना' शब्द का तत्सम रूप 'उपालंभ' होगा।

47. 'पत्थर' का तत्सम शब्द है–

(a) प्रस्तर (b) पाहन
(c) चट्टान (d) कंक्रीट

UPPCS AE 2004

Ans. (a) : 'पत्थर' का तत्सम शब्द **प्रस्तर** है। अन्य शब्द चट्टान, कंक्रीट 'पत्थर' के तत्सम नहीं है। जबकि 'पाहन' का तत्सम 'पाषाण' होता है।

48. 'आखर' शब्द का तत्सम रूप है-

(a) आगर (b) आखिर
(c) आँचर (d) अक्षर

UPPCS AE 2004

Ans. (d) : 'आखर' शब्द का तत्सम रूप **अक्षर** है।

49. निम्न में 'तत्सम शब्द' का चयन करें-

(a) पोथी (b) पानी
(c) घर (d) अन्न

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (d) : अन्न तत्सम शब्द है। अन्य तद्भव- तत्सम शब्द इस प्रकार हैं-

तद्भव	**तत्सम**
पोथी	पुस्तक
पानी	पानीय
घर	गृह
अनाज	अन्न

50. निम्न में तत्सम शब्द का चयन करें-

(a) देवर (b) ससुर
(c) पोंगा (d) खल

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (d) : निम्नलिखित में से **खल** तत्सम शब्द है। जबकि 'देवर' का तत्सम 'द्विवर' और 'ससुर' का तत्सम 'श्वसुर' होता है।

51. निम्न में तत्सम शब्द का चयन करें-

(a) आधा (b) दिन
(c) कुआँ (d) आखर

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : निम्नलिखित में से **दिन** तत्सम शब्द है अन्य शब्दों के तत्सम रूप इस प्रकार हैं-

तद्भव	**तत्सम**
आखर	अक्षर
आधा	अर्ध/अर्द्ध
कुआँ	कूप

52. निम्न में तत्सम शब्द का चयन करें-

(a) गेहूँ (b) फल
(c) पत्थर (d) गोबर

UPPCS AE (I) 2007

Ans. (b) : 'फल' तत्सम शब्द है। अन्य शब्दों का तत्सम रूप इस प्रकार हैं-

तद्भव	**तत्सम**
गेहूँ	गोधूम
पत्थर	प्रस्तर
गोबर	गोमय

53. 'बहन' का तत्सम शब्द होगा–

(a) वहिनी (b) बहेन
(c) भगिनी (d) भ्रातृनी

UPPCS AE 2008

Ans. (c) : बहन का तत्सम शब्द **भगिनी** होगा।

54. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द बताइए–

(a) कान (b) ढीठ
(c) काठ (d) कमल

UKPCS AE 2012

Ans. (d) 'कमल' शब्द तत्सम है। अन्य शब्दों का तत्सम रूप इस प्रकार हैं-

तद्भव	**तत्सम**
कान	कर्ण
ढीठ	धृष्ट
काठ	काष्ठ

Nitin-Gupta.com

55. **सूर्य, गौ तथा जल आदि शब्द है-**

(a) तद्‌भव (b) तत्सम
(c) विदेशी (d) देशज

UKPCS AE 2012

Ans. (b) सूर्य, गौ तथा जल आदि शब्द तत्सम हैं।
तद्‌भव- ऐसे शब्द, जो संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर हिंदी में आए हैं, तद्‌भव कहलाते हैं।
विदेशी- विदेशी भाषाओं से हिंदी भाषा में आये शब्दों को विदेशी शब्द कहते हैं।
देशज- देशज वे शब्द हैं, जो स्थानीय आवश्यकता के अनुसार गढ़ लिए जाते हैं। अर्थात् जिनकी उत्पत्ति अपने ही देश में हुई है, देशज शब्द कहलाते हैं।

56. **'आम' का तत्सम शब्द है–**

(a) अंबु (b) आंबु
(c) आम्र (d) आंब्र

UPPCS AE 2011

Ans. (c) : 'आम' का तत्सम शब्द '**आम्र**' होता है। 'तत्सम' (तत् + सम) शब्द का अर्थ है- 'उसके समान' अर्थात् संस्कृत के समान। अत: संस्कृत के वे शब्द जो ज्यों के त्यों हिन्दी में प्रयुक्त किये जाते है; तत्सम शब्द कहलाते हैं।
तद्‌भव-'तद्‌भव' (तत् + भव) शब्द का अर्थ है- उससे होना अर्थात् संस्कृत से उत्पन्न। अत: संस्कृत के परिवर्तित शब्द जो हिन्दी में प्रयुक्त किये जाते हैं, तद्‌भव शब्द कहलाते हैं।

57. **'पुराना' का तत्सम शब्द है–**

(a) पुराण (b) पुरातन
(c) प्राचीन (d) पौराणिक

UPPCS AE 2011

Ans. (a&b) : पुराना का तत्सम 'पुराण' एवं 'पुरातन' दोनों होता है। अतः विकल्प (a&b) दोनों सही हैं।

58. **'खप्पर' का तत्सम रूप है-**

(a) क्षप्पर (b) क्षपर
(c) कपर (d) कर्पर

UPPCS AE 2013

Ans. (*) दिए गये चारों विकल्प असंगत हैं। खप्पर का तत्सम '**खर्पर**' होता है, जो कि विकल्प में नहीं दिया गया है।

59. **'गागर' का तत्सम रूप है-**

(a) गर्गर (b) गार्गर
(c) गर्गार (d) गरगर

UPPCS AE 2013

Ans. (a) गागर का तत्सम '**गर्गर**' है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

60. **'छुरी' का तत्सम रूप है–**

(a) क्षुरी (b) क्षुरि
(c) क्षुरिका (d) क्षुरिक

UPPCS AE 2013

Ans. (c) छुरी का तत्सम रूप '**क्षुरिका**' है। अन्य विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

61. **निम्नांकित में तत्सम शब्द है?**

(a) अचरज (b) कुमार
(c) ईख (d) निठुर

UPPCS AE 2013

Ans. (b) 'कुमार' तत्सम शब्द है। अन्य तत्सम व तद्‌भव इस प्रकार हैं-

तद्‌भव	तत्सम
अचरज	आश्चर्य
कुँवार	कुमार
ईख	इक्षु
निठुर	निष्ठुर

62. **'आग' का तत्सम रूप इंगित करें–**

(a) आगि (b) अगिनि
(c) अग्नि (d) आगी

UPPCS AE 2007

Ans. (c) 'आग' का तत्सम शब्द 'अग्नि' होता है। कुछ महत्त्वपूर्ण शब्द इस प्रकार हैं–

तद्‌भव	तत्सम
कपूर	कर्पूर
पत्थर	प्रस्तर
पारा	पारद
करेला	कारवेल

63. **निम्नलिखित में से कौन-सा तत्सम रूप नहीं है?**

(a) इन्दु (b) रात
(c) दिनेश (d) मनोज

UPPCS AE 2007

Ans. (b) 'रात' तत्सम शब्द नहीं है। इसका तत्सम 'रात्रि' होता है। अन्य विकल्प तत्सम रूप में हैं।

64. **इन शब्दों में जो तत्सम शब्द है, उसका चयन कीजिए–**

(a) अंधकार (b) आम
(c) आज (d) आँख

UPPCS AE 2007

Ans. (a) 'अंधकार' तत्सम शब्द है। जबकि आम, आज, आँख तद्‌भव शब्द हैं। इनके तत्सम निम्न हैं-

तद्‌भव	तत्सम
अँधेरा	अंधकार
आम	आम्र
आज	अद्य
आँख	अक्षि

65. **अधोलिखित में कौन सा शब्द तत्सम नहीं है?**

(a) तस्कर (b) ध्यान
(c) बोध (d) हाथ

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या–'हाथ' तत्सम शब्द नहीं है। इसका तत्सम रूप 'हस्त' होता है। शेष सभी तत्सम शब्द हैं।

66. **निम्नलिखित में से 'तत्सम' शब्द है –**

(a) घोटक (b) कपूत
(c) कोयल (d) धरम

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

Nitin-Gupta.com

Ans. (a) : दिये गये विकल्पों में से 'घोटक' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव रूप 'घोड़ा' है। शेष शब्द कपूत, कोयल तथा धरम तद्भव शब्द हैं, जिनका तत्सम रूप क्रमशः कुपुत्र, कोकिल तथा धर्म है।

67. 'भभूत' का तत्सम शब्द है–

(a) विभूति (b) भभूति
(c) बभूति (d) भवभूति

उत्तर–(a)

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री.) परीक्षा-2017

व्याख्या– भभूत का तत्सम शब्द **विभूति** है।

68. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द कौन सा है?

(a) शक्कर (b) सप्तशती
(c) होली (d) मोती

उत्तर-(b)

उत्तराखण्ड पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2014-15

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'सप्तशती' तत्सम शब्द है। इसका तद्भव 'सतसई' होता है। अन्य विवरण इस प्रकार हैं-

तद्भव	तत्सम
शक्कर	शर्करा
होली	होलिका
मोती	मौक्तिक

69. 'टकसाल' का तत्सम रूप है–

(a) टंकशाला (b) टंकशाल
(c) टकशाल (d) टकशाला

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'टकसाल' का तत्सम रूप है – टंकशाला। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

70. इनमें से तत्सम शब्द है –

(a) भैंस (b) बारह
(c) सच (d) पद

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में तत्सम शब्द 'पद' है। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

71. 'गोबर' का तत्सम रूप है –

(a) गुर्बर (b) गोमय
(c) गह्वर (d) गुब्बर

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'गोबर' का तत्सम रूप है – गोमय/गोविष्ट/गोविट। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

72. 'माँ' का तत्सम रूप है –

(a) मातृ (b) मातृका
(c) माताश्री (d) मातुश्री

UP RO/ARO Special (Pre) 2010
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'माँ' का तत्सम रूप 'मातृ' होता है। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

73. 'अखरोट' शब्द का तत्सम रूप है–

(a) अक्षवाट (b) अक्षोट
(c) अक्षरोट (d) अषरोट

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या– 'अखरोट' शब्द का तत्सम रूप है – अक्षोट। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

74. 'देवर' का तत्सम रूप है–

(a) द्विवर (b) द्वितीयवर (c) दूभर (d) दुर्बह

UP RO/ARO Special (Pre) 2010
UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – देवर का तत्सम शब्द 'द्विवर' है। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

75. इनमें से कौन सा शब्द तत्सम नहीं है?

(a) अग्नि (b) घोटक
(c) घट (d) मोती

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये चारों विकल्पों में 'मोती' शब्द तत्सम नहीं है। इसका तत्सम रूप 'मौक्तिक' होता है। अन्य शब्द अग्नि, घोटक और घट तत्सम शब्द हैं। इनका तद्भव शब्द क्रमशः होगा – आग, घोड़ा और घड़ा।

76. 'पलँग' शब्द का तत्सम रूप है–

(a) पलँगा (b) प्लवंग
(c) पर्यंक (d) पटल

UP RO/ARO Special (Pre) 2010
UK PCS AE 2012

उत्तर–(c)

व्याख्या – पलँग शब्द का तत्सम रूप है – 'पर्यंक'। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

77. 'गेहूँ' शब्द का तत्सम है –

(a) गोधूम (b) गोहूँ
(c) गोहुम (d) गोधुम

UPP 2004
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या–'गेहूँ' शब्द का तत्सम शब्द 'गोधूम' होता है। अन्य तीनों विकल्प असत्य हैं।

78. 'खंडहर' का तत्सम शब्द है –

(a) खण्डहर (b) खंडघर
(c) खण्डगृह (d) खड़हर

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'खंडहर' शब्द का तत्सम शब्द 'खण्डगृह' होता है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

79. 'मक्खन' का तत्सम शब्द है–

(a) माखन (b) माक्षण (c) मषक्ष (d) म्रक्षण

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या- मक्खन का तत्सम शब्द 'म्रक्षण' है, जबकि अन्य तीनों विकल्प गलत हैं।

80. निम्नलिखित में तत्सम शब्द है –

(a) करोड़ (b) तेल (c) पीपल (d) दिन

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- निम्नलिखित में 'दिन' तत्सम शब्द है। जबकि करोंड़, तेल, पीपल आदि तद्भव शब्द हैं। करोड़ का तत्सम 'कोटि', तेल का 'तैल' तथा पीपल का 'पिप्पल' होता है।

81. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'तत्सम' नहीं है?

(a) आँख (b) नयन
(c) नेत्र (d) दृग

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'नेत्र', 'नयन' और 'दृग' तत्सम शब्द हैं, जबकि 'आँख' तद्भव शब्द है। आँख का तत्सम शब्द 'अक्षि' होता है।

82. निम्नलिखित में 'तत्सम' शब्द है –

(a) कान (b) जीभ
(c) मुख (d) दाँत

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – दिये गये विकल्प में 'मुख' तत्सम शब्द है जबकि इसका तद्भव शब्द 'मुँह' होता है। अन्य विकल्प कान, जीभ और दाँत ये तद्भव शब्द हैं जिनका तत्सम रूप क्रमशः होगा- 'कर्ण', 'जिह्वा' और 'दंत'।

83. 'मुदरी' का तत्सम रूप है–

(a) मुद्री (b) मुन्दरी
(c) मुदरिका (d) मुद्रिका

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'मुदरी' शब्द का तत्सम रूप **'मुद्रिका'** होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

84. 'दीठि' का तत्सम रूप है–

(a) द्रष्टि (b) दिष्टि
(c) दीष्टि (d) दृष्टि

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या – दीठि शब्द का तत्सम रूप **'दृष्टि'** होता है। अन्य तीनों विकल्प के शब्द तत्सम रूप की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

85. कौन सा शब्द तत्सम है?

(a) शुश्रूषा (b) सुन्नर
(c) अपजस (d) अच्छर

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या– दिये गये चारों विकल्पों में तत्सम शब्द 'शुश्रूषा' है, जबकि अन्य विकल्प सुन्नर, अच्छर और अपजस तीनों शब्द तद्भव हैं। अच्छर का तत्सम 'अक्षर' होता है।

86. 'सिंगार' शब्द का तत्सम है–

(a) शृंगार (b) श्रंगार (c) श्रृंगार (d) शिंगार

UP RO/ARO (Pre.) 2010
UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या– 'सिंगार' शब्द का तत्सम रूप '**शृंगार**' होता है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

87. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द है –

(a) गरम (b) नरक
(c) नरम (d) तीर्थ

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – हिन्दी में प्रयुक्त अधिकांश शब्दों की जननी संस्कृत भाषा ही है। इनमें कतिपय शब्द तद्नुरूप अपनी गरिमा हिन्दी भाषा में अद्यतन बनाये हुए हैं, जो तत्सम के नाम से जाने जाते हैं। उक्त दिये गये विकल्पों में तीनों को छोड़कर विकल्प (d) 'तीर्थ' संस्कृत का शुद्ध शब्द है जो तत्सम शब्द है।

88. 'अँगीठी' का तत्सम शब्द है –

(a) अग्निका (b) अंग्निष्ठका
(c) अग्निष्ठिका (d) अग्निष्ठिकी

UP RO/ARO (Pre) 2010
UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या– 'अँगीठी' का तत्सम शब्द 'अग्निष्ठिका' है। जबकि विकल्प में दिये गये अन्य तीनों शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

89. 'तत्सम' शब्द है –

(a) क्लिष्ठ (b) कठोर (c) कठिन (d) मजबूत

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(b) & (c)

व्याख्या – लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) माना था, जबकि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा विकल्प (b) और (c) को इसका सही उत्तर माना गया है। ज्ञात हो कि 'क्लिष्ठ' शब्द की वर्तनी अशुद्ध है, इसका शुद्ध रूप 'क्लिष्ट' होता है। उपर्युक्त विकल्पों में 'कठोर' और 'कठिन' तत्सम शब्द हैं।

90. 'चूरन' का तत्सम शब्द है –

(a) चौर (b) चूर्ण (c) चर्म (d) चक्षु

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या – चूरन शब्द का तत्सम शब्द 'चूर्ण' होता है। अन्य विवरण निम्न है–

तद्भव	तत्सम
चख(नेत्र)	चक्षु
चोर	चौर
चमड़ा	चर्म

91. 'तत्सम' शब्द का चयन कीजिए –

(a) शेर (b) बबर शेर
(c) व्याघ्र (d) बाघ

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'व्याघ्र' शब्द तत्सम है, जबकि शेर, बबर शेर और बाघ तद्भव शब्द हैं।

Nitin-Gupta.com

92. 'ससुर' का तत्सम शब्द है –

(a) सस्वर (b) स्वसुर
(c) श्वसुर (d) श्वश्रु

UP PCS AE 2008
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर –(c)

व्याख्या–ससुर का तत्सम 'श्वसुर' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

93. कौन सा तत्सम शब्द नहीं है?

(a) इन्दु (b) दिनेश (c) मनोज (d) रात

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर –(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'इन्दु', 'दिनेश' और 'मनोज' तत्सम शब्द हैं जबकि रात तद्भव शब्द है। इसका तत्सम रूप 'रात्रि' होता है।

94. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?

(a) दुआर (b) सायं (c) गिरिस्ती (d) पाँव

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में **सायं** तद्भव नहीं है, बल्कि तत्सम शब्द है। दुआर, गिरिस्ती एवं पाँव तद्भव शब्द हैं जिसका तत्सम क्रमशः 'द्वार', 'गृहस्थी' एवं 'पाद' है।

95. 'एकल' शब्द का तद्भव रूप है –

(a) अकल (b) अकिल
(c) अकेला (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'एकल' शब्द का तद्भव रूप है – अकेला।

96. 'कैवर्त्त' शब्द का तद्भव रूप है –

(a) मल्लाह (b) केवट
(c) नाविक (d) केवल

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – 'कैवर्त्त' शब्द का तद्भव रूप है - केवट।

97. 'गृध्र' शब्द का तद्भव रूप है –

(a) गीधना (b) गृध
(c) गीधी (d) गीध

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'गृध्र' शब्द का तद्भव रूप 'गीध' होता है।

98. 'ढीठ' का तत्सम रूप है–

(a) धूर्त (b) धृष्ट
(c) उद्दंड (d) धृषित

UPPCS AE (I) 2007
UP RO/ARO (Pre) 2013
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(b)

व्याख्या –'ढीठ' का तत्सम रूप 'धृष्ट' होता है।

99. निम्न शब्दों में कौन सा शब्द तत्सम नहीं है?

(a) मृत्तिका (b) विकार
(c) कपाट (d) कपूर

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(d)

व्याख्या –'कपूर' तत्सम शब्द नहीं है बल्कि यह तद्भव शब्द है। 'कपूर' का तत्सम शब्द 'कर्पूर' होता है। 'मृत्तिका' का तद्भव 'मिट्टी' एवं 'कपाट' का तद्भव 'किवाड़' होता है।

100. 'मक्खी' शब्द का तत्सम रूप है –

(a) मच्छिका (b) माछी
(c) मच्छी (d) मक्षिका

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'मक्खी' शब्द का तत्सम रूप है – 'मक्षिका'।

101. 'हल्दी' शब्द का तत्सम रूप है –

(a) हरद्रिका (b) हरीद्रा
(c) हरिद्रा (d) हलिद्रा

UP RO/ARO (Pre) 2010, 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'हल्दी' शब्द का तत्सम रूप है – 'हरिद्रा'। शेष विकल्प तर्कसंगत नहीं है।

102. 'हुलास' शब्द का तत्सम रूप है –

(a) हिलास (b) विलास
(c) हास्य (d) उल्लास

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – 'हुलास' शब्द का तत्सम रूप है – उल्लास। हँसी का तत्सम 'हास्य' होता है।

103. 'नारियल' शब्द का तत्सम रूप है –

(a) नारिकेल (b) नारिकेलि
(c) नारीकेल (d) नारिकेला

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या – 'नारियल' शब्द का तत्सम रूप 'नारिकेल' होता है।
नोट– आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (a) और (c) अर्थात् नारिकेल एवं नारीकेल दोनों माना है।

104. 'सींग' शब्द का तत्सम रूप है –

(a) श्रृंग (b) शिंग (c) शृंग (d) सिंग

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या–'सींग' शब्द का तत्सम रूप है – 'शृंग'। शेष विकल्प असंगत है।

105. 'बेंत' का तत्सम रूप है–

(a) वेन्त (b) वेत्र (c) वेन्त्र (d) वेंतृ

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'बेंत' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'वेत्र' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

Nitin-Gupta.com

106. 'चना' का तत्सम रूप है–

(a) चणक (b) चणा
(c) चाणक (d) चणाक

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- चना एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'चणक' होता है शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

107. 'ऊन' का तत्सम रूप है–

(a) ऊन्य (b) ऊर्ण्य
(c) ऊरण (d) ऊर्ण

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'ऊन' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'ऊर्ण' होता है। शेष विकल्प अशुद्ध हैं।

108. 'थाली' का तत्सम रूप है–

(a) स्थाली (b) थालिका
(c) थ्याली (d) थालि

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'थाली' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'स्थाली' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

109. 'जामुन' का तत्सम रूप है–

(a) यामुन (b) यामुण
(c) जंबु (d) जांबूण

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जामुन' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'जंबु' होता है। अतः प्रश्नगत विकल्प (c) सत्य है।

110. एक तत्सम शब्द है–

(a) अनहित (b) बिनती
(c) डाकिनी (d) अटारी

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'अनहित', 'बिनती' और 'अटारी' तद्भव शब्द हैं जबकि 'डाकिनी' एक तत्सम शब्द है जिसका तद्भव 'डाइन' होता है।

111. तद्भव 'चबूतरा' का तत्सम रूप है–

(a) चर्वतर (b) चर्वुतरा
(c) चार्वूतरा (d) चत्वाल

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'चबूतरा' एक तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम शब्द 'चत्वाल' अथवा 'चत्वर' होता है।

112. 'अखरोट' का तत्सम रूप है-

(a) अक्षवट (b) अक्षवाट (c) अक्षोट (d) अक्षयवट

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्पों में शब्द 'अखरोट' का तत्सम शब्द 'अक्षोट' होता है जबकि 'अखाड़ा' का तत्सम 'अक्षवाट' होता है।

113. निम्नलिखित में से एक शब्द तत्सम है-

(a) सपूत (b) सरीसृप
(c) सांकल (d) सांझ

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या– दिये गये विकल्पों में 'सरीसृप' तत्सम शब्द है, जबकि सपूत, सांकल और सांझ तद्भव शब्द हैं जिनके तत्सम क्रमशः 'सुपुत्र' 'शृंखला' और 'संध्या' होते है।

114. 'सिंघाड़ा' का तत्सम रूप है-

(a) शृंगाटक (b) सुघट्ट
(c) शिंघाड़ा (d) शृंग

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(a)

व्याख्या– दिये गये विकल्पों में से 'सिंघाड़ा' का तत्सम रूप 'शृंगाटक' है। अन्य विकल्प असंगत हैं। 'सुघट्ट' का तद्भव 'सुघड़' एवं 'शृंग' का तद्भव सींग होता है।

115. निम्नलिखित में से तत्सम की दृष्टि से शुद्ध है-

(a) शाटी (b) रस्सी
(c) रैन (d) सरसों

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या– विवरण निम्नलिखित हैं-

तद्भव	तत्सम
साड़ी	शाटी/शाटिका
रस्सी	रज्जु
रैन	रजनी
सरसों	सर्षप

116. 'बरात' का तत्सम रूप है-

(a) वर्रात (b) बरात (c) ब्रात (d) वरयात्रा

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या– तद्भव शब्द 'बरात' का तत्सम 'वरयात्रा' होता है।

117. 'मोती' का तत्सम रूप है-

(a) मौती (b) मौक्तिक
(c) मुक्तक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या– दिये गये विकल्पों में 'मोती' का तत्सम 'मौक्तिक' होता है।

118. 'मिट्टी' का तत्सम शब्द है-

(a) मृतिका (b) मट्टिका (c) म्रिट्टिका (d) मृट्टी

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या– 'मिट्टी' का तत्सम 'मृत्तिका' होता है।

तद्भव शब्द

119. इनमें से कौन-सा तद्भव शब्द है?

(a) आषाढ़ (b) अंधकार
(c) अश्रु (d) आक

UPPSC-CSAT-2022

Ans. (d) : उपर्युक्त विकल्पों में 'आक' शब्द तद्भव है। इसका तत्सम 'अर्क' होता है। अन्य शब्द तत्सम हैं।

Nitin-Gupta.com

120. निम्नलिखित में तद्भव शब्द हैं–

(a) भांडार (b) कुक्कुर

(c) कटुक (d) मयंद

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (d) : 'मयंद' शब्द तद्भव है, जिसका तत्सम 'मृगेन्द्र' होगा। अन्य शब्द तत्सम है, जिनका तद्भव रूप निम्न है–

तत्सम	तद्भव
कुक्कुर	कुत्ता
कटुक	कड़ुआ

121. 'कर्पट' का तद्भव रूप है -

(a) कपट (b) कारपेट

(c) कपूर (d) कपड़ा

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'कर्पट' का तद्भव रूप 'कपड़ा' है।, अन्य विकल्प असंगत हैं।

122. 'गोधूम' का तद्भव शब्द है-

(a) गोत (b) गोद

(c) गेहूँ (d) गोह

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'गोधूम' का तद्भव शब्द 'गेहूँ' होगा।

तद्भव शब्द		तत्सम शब्द
गोत	-	गोत्र
गोद	-	क्रोड
गोह	-	गोधा

123. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है -

(a) अंगना (b) गयंद

(c) अंगी (d) वानर

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : दिये गये विकल्पों में तद्भव शब्द 'गयंद' होगा।गयंद शब्द का अर्थ 'हाथी' तथा तत्सम 'गजेन्द्र' होता है। अन्य शब्द तत्सम हैं।

124. निम्नांकित में से तद्भव शब्द चुनिए -

(a) बलवान (b) बाँझ

(c) चमचा (d) आसमान

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : निम्नांकित विकल्पों में 'बाँझ' शब्द तद्भव हैं। इसका तत्सम शब्द 'बंध्या' होता है।

125. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है -

(a) नग्न (b) दक्षिण

(c) द्राक्षा (d) दाढ़ी

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : दिये गये शब्दों में 'दाढ़ी' तद्भव शब्द है जिसका तत्सम 'दंष्ट्रिका' होगा। नग्न, दक्षिण तथा द्राक्षा तत्सम शब्द हैं।

126. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है

(a) मयंक (b) संतान

(c) वानर (d) धूलि

UPPSC AE 2021

Ans. (a) : 'मयंक' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम रूप है– 'मृगांक'। अन्य शब्द संतान, वानर व धूलि तत्सम शब्द हैं।

127. निम्नलिखित में से 'तद्भव' शब्द है–

(a) चतुर्दश (b) चतुर्थ

(c) चौदह (d) चत्वारि

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : दिये गये शब्दों में 'चौदह' तद्भव शब्द है। जबकि 'चतुर्दश', 'चतुर्थ' और 'चत्वारि' तत्सम शब्द हैं। जो संस्कृत शब्द विभिन्न विकार एवं ध्वनि परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

128. 'आभ्यंतर' का तद्भव शब्द है–

(a) अन्दर (b) भीतर

(c) बाहर (d) गहरा

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : 'आभ्यंतर' का तद्भव शब्द 'भीतर' है। 'गहरा' का तत्सम 'गम्भीर' और बाहर का तत्सम 'बाह्य' होता है।

129. 'कर्पट' का तद्भव रूप है–

(a) कपट (b) कारपेट

(c) कपूर (d) कपड़ा

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : कर्पट का तद्भव 'कपड़ा' होता है। 'कपूर', 'कर्पूर' का तद्भव है।

130. निम्नलिखित में से 'तद्भव' शब्द है–

(a) आँसू (b) एकत्र

(c) वानर (d) उच्च

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) 'आँसू' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम अश्रु होगा।'एकत्र', 'वानर' और 'उच्च' तत्सम शब्द हैं। इनका तद्भव क्रमशः है– इकट्ठा, बन्दर, ऊँचा।

131. 'कपित्थ' का तद्भव शब्द है–

(a) कपूर (b) कैथा

(c) केला (d) खजूद

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : 'कपित्थ' का तद्भव 'कैथा' है। अन्य शब्दों का तत्सम-तद्भव हैं–

तद्भव	तत्सम
कपूर	कर्पूर
केला	कदली
खजूर	खूर्जर

132. 'भक्त' का तद्भव क्या है?

(a) भगत (b) श्रद्धा

(c) प्रेम (d) भाप

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : 'भक्त' का तद्भव 'भगत' है। 'भाप' का तत्सम 'वाष्प' तथा 'सरधा' का तत्सम 'श्रद्धा' है।

133. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव है?

(a) पसीना (b) पक्वान

(c) पश्चाताप (d) पुत्रवधू

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Nitin-Gupta.com

Ans. (a) : 'प्रस्वेद' का तद्भव 'पसीना' होता है। 'पक्वान', 'पश्चाताप' व 'पुत्रवधू' तत्सम शब्द हैं, जिसका तद्भव क्रमशः 'पकवान', 'पछतावा' व 'पतोहू' है।

134. 'कटाह' शब्द का तद्भव रूप है-

(a) कटहल (b) कठौता
(c) कड़ाह (d) कठफोड़वा

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) : 'कटाह' शब्द का तद्भव 'कड़ाह' होता है। कटहल का तत्सम 'कंटफल' होता है।

135. निम्नलिखित में से कौन सा एक शब्द तद्भव नहीं है?

(a) तस्कर (b) पत्ता
(c) हाथ (d) अंधेरा

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2014

उत्तर–(a)

व्याख्या – प्रश्नगत विकल्पों में केवल 'तस्कर' तत्सम शब्द है जबकि 'पत्ता', 'हाथ' और 'अंधेरा' शब्द तद्भव हैं, जिनका तत्सम रूप क्रमशः- 'पत्र', 'हस्त' एवं 'अंधकार' है।

136. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

(a) उलूक (b) कूप
(c) ओझा (d) पुस्तक

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या–प्रश्नगत विकल्पों में 'ओझा' तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'उपाध्याय' होता है। अन्य तत्सम-तद्भव युग्म निम्न हैं–

तत्सम	तद्भव
उलूक	उल्लू
कूप	कुआँ
पुस्तक	पोथी

137. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द तद्भव है?

(a) आधा (b) कूप
(c) विद्या (d) व्योम

UPPCS AE 2004, 2008

Ans. (a) : 'आधा' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'अर्ध' है। 'कूप' तत्सम शब्द है जिसका तद्भव रूप 'कुँआ' होगा।

138. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द तद्भव नहीं है?

(a) आग (b) आँख
(c) गजानन (d) पीठ

UPPCS AE 2008

Ans. (c) : गजानन शब्द तद्भव नहीं है बल्कि तत्सम शब्द है। 'आग', 'आँख' तथा 'पीठ' तद्भव शब्द हैं।

139. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'तद्भव' है?

(a) नेत्र (b) कटि
(c) चरण (d) हाथ

UPPCS AE 2008

Ans. (d) : हाथ एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द हस्त है। अन्य तद्भव-तत्सम इस प्रकार हैं-

तत्सम	तद्भव
नेत्र	नैन/नयन
कटि	कमर
चरण	चरन

140. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द तत्सम है?

(a) व्याघ्र (b) साँप
(c) पत्थर (d) नींद

UKPCS AE 2012

Ans. (a) 'व्याघ्र' शब्द तत्सम है। जिसका तद्भव 'बाघ' होता है। अन्य विकल्प साँप, पत्थर, नींद तद्भव शब्द हैं जिनका तत्सम शब्द क्रमशः 'सर्प', 'प्रस्तर', 'निद्रा' होगा।

141. संस्कृत शब्दों के हिंदी में परिवर्तित रूप को क्या कहते हैं?

(a) तद्भव शब्द (b) तत्सम शब्द
(c) देशज शब्द (d) संकर शब्द

UKPCS AE 2007

Ans. (a): संस्कृत शब्दों के हिंदी में परिवर्तित रूप को **तद्भव शब्द** कहते हैं; **जैसे–** आग, आम, ईख, कान आदि। **तत्सम शब्द-** जो शब्द संस्कृत भाषा से हिन्दी में आये हैं और बिना किसी परिवर्तन के ज्यों का त्यों प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं; **जैसे-** अग्नि, कृष्ण, कृपा आदि।

142. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'तद्भव' है?

(a) प्रांगण (b) बच्चा
(c) उत्पादन (d) कष्ट

UKPCS AE 2007

Ans. (b) : बच्चा तद्भव शब्द है इसका तत्सम शब्द 'वत्स' होता है जबकि प्रांगण, उत्पादन, कष्ट तत्सम शब्द हैं।

143. 'चुल्लीक' का तद्भव शब्द है–

(a) चुन्नू (b) चूल्हा
(c) चूहा (d) चालक

UPPCS AE 2011

Ans. (b) : 'चुल्लीक' का तद्भव **चूल्हा** होता है।

144. निम्नलिखित शब्दों में से एक तद्भव शब्द है–

(a) परख (b) कच्छप
(c) सन्धि (d) पिंजर

UPPCS AE 2013

Ans. (a) 'परख' तद्भव शब्द है। अन्य तद्भव - तत्सम रूप इस प्रकार हैं-

तद्भव	तत्सम
परख	परीक्षा
कछुआ	कच्छप
पिंजरा	पिंजर

145. 'स्कन्ध' का तद्भव शब्द है–

(a) स्कन्द (b) कन्द
(c) संधि (d) कंधा

UPPCS AE 2013

Ans. (d) दिये गये विकल्पों में 'स्कन्ध' का तद्भव शब्द 'कन्धा' है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

146. 'रजनी' का तद्भव रूप है–

(a) रात (b) रात्रि
(c) रैन (d) रयनी

UPPCS AE 2013

Ans. (c) 'रजनी' का तद्भव **'रैन'** है जबकि 'रात्रि' एवं 'रात' तत्सम-तद्भव युग्म है।

Nitin-Gupta.com

147. निम्नांकित में से तद्भव शब्द है –

(a) सूर्य (b) चन्द्र
(c) ग्रह (d) नखत

UPPCS AE 2013

Ans. (d) 'नखत' तद्भव शब्द है। दिये गये शब्दों के तद्भव व तत्सम इस प्रकार है-

तद्भव	तत्सम
नखत	नक्षत्र
सूरज	सूर्य
चाँद	चन्द्र
घर	गृह

148. 'वर्तिका' शब्द का तद्भव रूप होगा-

(a) मातृका (b) कृतिका
(c) लतिका (d) बत्ती

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'वर्तिका' का तद्भव रूप 'बत्ती' है।

149. निम्नलिखित में तद्भव शब्द है–

(a) अग्नि (b) पुष्प
(c) शलाका (d) चौदह

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

उत्तर-(d)

व्याख्या- 'चौदह' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम शब्द **चतुर्दश** होगा। अन्य विकल्प तत्सम शब्द है–

तद्भव शब्द		तत्सम शब्द
आग	–	अग्नि
फूल	–	फुल्ल
सलाई	–	शलाका

150. अधोलिखित में से तद्भव शब्द है–

(a) प्रत्यभिज्ञान (b) परिधान
(c) पिटक (d) पिटारा

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट द्वितीय प्रश्नपत्र, 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या– उक्त दिये गये विकल्पों में 'पिटारा' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम रूप 'पिटक' है। जबकि 'प्रत्यभिज्ञान', 'परिधान' तत्सम शब्द हैं।

151. निम्नांकित में 'मयूर' का तद्भव रूप है–

(a) मऊर (b) मोर
(c) मौर (d) मुरा

उत्तर (b)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2016-17

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'मयूर' का तद्भव रूप 'मोर' होगा।

152. 'पर्ण' का तद्भव शब्द है–

(a) पत्र (b) पण (c) पन्ना (d) पत्रा

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(c)

नोटः दिए गये विकल्पों में 'पर्ण' का तद्भव शब्द 'पन्ना' होगा। 'पर्ण' शब्द 'पान' का भी तत्सम रूप हैं। शेष विकल्प असंगत हैं।

153. निम्नलिखित में से कौन तद्भव शब्द है?

(a) दिनकर (b) दिवाकर
(c) प्रभाकर (d) सूरज

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- उक्त दिये गये विकल्पों में तत्सम शब्द 'दिनकर', 'दिवाकर' और 'प्रभाकर' है, जबकि 'सूरज' शब्द तद्भव है। 'सूरज' का तत्सम शब्द 'सूर्य' होगा।

154. इनमें से तद्भव है –

(a) वानर (b) बन्दर
(c) पवन (d) पर्यंक

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- निर्दिष्ट विकल्पों में 'वानर', 'पवन' और 'पर्यंक' तत्सम शब्द है। 'बन्दर' शब्द तद्भव है।

155. 'अकार्य' शब्द का तद्भव रूप है–

(a) अकाम (b) अकाज
(c) अकारथ (d) इनमें से कोई नहीं

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'अकार्य' शब्द का तद्भव रूप है – अकाज। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

156. इनमें से एक शब्द तद्भव है –

(a) दिन (b) अंधकार
(c) स्कन्ध (d) कपास

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'कपास' शब्द तद्भव है। इसका तत्सम रूप 'कर्पास' होगा। अन्य तद्भव-तत्सम शब्द इस प्रकार हैं-

तद्भव	तत्सम
कन्धा	स्कन्ध
अँधेरा	अन्धकार

उल्लेखनीय है कि 'दिन' व 'दिवस'दोनों तत्सम शब्द हैं।

157. निम्नलिखित शब्दों में से एक तद्भव शब्द नहीं है–

(a) तुरंत (b) आज
(c) धीरज (d) खर्पर

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या-'आज', 'तुरंत' और 'धीरज' तद्भव शब्द है जबकि 'खर्पर' तत्सम शब्द है। 'खर्पर' का तद्भव 'खप्पर' होता है।

158. निम्नलिखित में से कौन शब्द तद्भव है –

(a) मधुप (b) मधुकर
(c) भ्रमर (d) भँवरा

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या–निर्दिष्ट विकल्पों में 'मधुप', 'मधुकर' और 'भ्रमर' तत्सम शब्द हैं, जबकि 'भँवरा' तद्भव शब्द है। 'भँवरा' का तत्सम रूप 'भ्रमर' होता है।

Nitin-Gupta.com

159. **निम्नलिखित में से कौन तद्भव शब्द है?**
(a) दिनकर (b) दिवाकर
(c) प्रभाकर (d) सूरज
UP RO/ARO (Pre) 2010
उत्तर–(d)

व्याख्या – ऐसे शब्द जो संस्कृत से उत्पन्न एवं विकसित हुए हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। तत् + भव, जिसका आशय है 'उससे उत्पन्न'। ऐसे शब्दों को देखकर सहज ही अनुमान हो जाता है कि ये संस्कृत के किस शब्द से प्रस्फुटित हुए हैं। **जैसे**– दिये गये विकल्प में 'सूरज' शब्द को देखकर स्पष्ट भान हो जाता है कि यह 'सूर्य' शब्द से बना हुआ है। अतः 'सूरज' तद्भव शब्द है।

160. **उच्छ्वास शब्द का तद्भव रूप होगा-**
(a) श्वास (b) प्रश्वास
(c) उसास (d) निःश्वास
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'उच्छ्वास' का तद्भव रूप 'उसास' होगा।

161. **तद्भव शब्द है** –
(a) मानव (b) मनई
(c) मनुष्य (d) मानो
UP RO/ARO (Pre) 2013
उत्तर–(b)

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में 'मनई' शब्द तद्भव शब्द है।

162. **'तद्भव' शब्द निर्दिष्ट कीजिए** –
(a) आधा (b) कूप
(c) विद्या (d) व्योम
UP RO/ARO (Pre) 2013
उत्तर–(a)

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में 'कूप', 'विद्या' और 'व्योम' तीनों तत्सम् शब्द हैं जबकि विकल्प (a) में प्रयुक्त शब्द 'आधा' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम रूप अर्द्ध (अर्ध) होगा।

163. **'तिक्त' शब्द का तद्भव है** –
(a) तीता (b) तीखा
(c) तिक्ता (d) तिखन
UP RO/ARO (Pre) 2013
उत्तर–(a)

व्याख्या–तिक्त शब्द का तद्भव 'तीता' होता है। 'तीखा' शब्द का तत्सम 'तीक्ष्ण' होता है।

164. **निम्न में से कौन सा शब्द तद्भव है?**
(a) कोयल (b) आश्चर्य
(c) उज्ज्वल (d) कंटक
UP RO/ARO (Mains) 2014
उत्तर–(a)

व्याख्या –'कोयल' शब्द तद्भव है जिसका तत्सम 'कोकिल' होता है। जबकि 'आश्चर्य' का तद्भव 'अचरज', 'उज्ज्वल' का तद्भव 'उजाला' तथा 'कंटक' का तद्भव 'काँटा' होता है।

165. **'अट्टालिका' का तद्भव रूप है**–
(a) अटाला (b) अटल
(c) अटारा (d) अटारी
UP RO/ARO (Mains) 2014
उत्तर–(d)

व्याख्या–अट्टालिका' का तद्भव रूप 'अटारी' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

166. **निम्न में कौन-सा शब्द तद्भव है?**
(a) जल (b) नग्न
(c) तीन (d) भ्रमर
UP RO/ARO (Mains) 2014
उत्तर–(c)

व्याख्या –'तीन' शब्द तद्भव है। इसका तत्सम रूप 'त्रीणि' होता है। शेष तत्सम शब्द है। 'जल', 'नग्न' एवं 'भ्रमर' का तद्भव क्रमशः 'पानी', 'नंगा' तथा 'भौंरा' होता है।

167. **एक तद्भव शब्द है–**
(a) पंजर (b) पंचाली
(c) पंडित (d) पंजीरी
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर–(d)

व्याख्या- 'पंजर', 'पांचाली' और 'पंडित' तत्सम शब्द है जबकि 'पंजीरी' तद्भव शब्द है।

168. **एक तद्भव शब्द है–**
(a) अटल (b) आतुर
(c) अतिथि (d) अजिर
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर–(a)

व्याख्या- 'आतुर', 'अतिथि' और 'अजिर' तत्सम शब्द हैं जबकि 'अटल' एक तद्भव शब्द है। अतः प्रश्नगत विकल्प (a) सत्य है।

169. **निम्नलिखित में से एक तद्भव शब्द है–**
(a) पूँजी (b) नयन
(c) मूर्ख (d) शकुन
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर–(a)

व्याख्या- 'पूँजी' एक तद्भव शब्द है जिसका तत्सम शब्द 'पुञ्ज' होता है।

170. **निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-**
(a) ज्योत्स्ना (b) श्रेष्ठी
(c) परीक्षा (d) घर
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर–(d)

व्याख्या– प्रश्न में उल्लिखित 'घर' तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम रूप 'गृह' होता है, जबकि शेष तत्सम शब्द हैं।

171. **'गोत्र' शब्द का तद्भव रूप होगा-**
(a) गोत (b) वंश
(c) खानदान (d) गोद
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(a)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'गोत्र' शब्द का तद्भव रूप 'गोत' होगा। 'वंश' का तद्भव 'बाँस' तथा 'क्रोड' का तद्भव 'गोद' होता है।

Nitin-Gupta.com

अनेक शब्दों के एक शब्द

भावों की गम्भीरता, सशक्त शैली एवं भाषा की सुदृढ़ता हेतु यह आवश्यक है कि हम अपने भावों एवं विचारों को कम से कम शब्दों में व्यक्त करें। इससे व्यक्ति की बौद्धिकता का निदर्शन होता है। ज्ञानी एवं गम्भीर पुरुष कम बोलकर बहुत कुछ कह डालते हैं। उनकी वाणी का यही अर्थ गाम्भीर्य है और उनके पांडित्य का द्योतक। निश्चय ही अर्थगर्भित भाषा का, श्रोता के साथ-साथ पाठक पर भी विशेष प्रभाव पड़ता है। वाक्य रचना के बीच एवं विधि प्रस्फुटन हेतु हमें समास, कृदन्त एवं तद्धित प्रत्ययों तथा उपसर्गों का सहारा लेना पड़ता है। कदाचित् अनेक शब्दों के वाक्य के अर्थ में एक परिभाषित शब्द भी मिलता है।

कई शब्दों के मेल से बने वाक्य को एक शब्द में परिवर्तित करते समय निम्न तीन बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है–

- पहला यह कि प्रयुक्त शब्दों के रूप में ही समास एवं प्रत्यय आदि की सहायता से एक शब्द बनाना चाहिए।
- दूसरा यह कि अनेक शब्दों के लिए जो एक शब्द प्रस्तुत किया जा रहा है, उसकी शब्दावली तथा भाषा चुस्त-दुरुस्त हो।
- तीसरा यह कि, बनाये गये शब्द का उस वाक्य में प्रयुक्त शब्दों की सहायता से ही समास या प्रत्यय का विग्रह करना चाहिए।

अ/आ

● जो पहले कभी न हुआ हो **अभूतपूर्व**
● जो शोक करने योग्य न हो **अशोच्य**
● जिसको गोद में स्थान मिला हो **अंकस्थ**
● जो कानून (विधि) के प्रतिकूल हो **अवैध**
● गोद में सोने वाली स्त्री **अंकशायिनी**
● पृथ्वी और आकाश के मध्य का स्थान **अंतरिक्ष**
● सबके अन्तःकरण की बात जानने वाला **अंतर्यामी**
● जिसका जन्म पीछे हुआ हो **अनुज**
● जिसका जन्म पहले हुआ हो **अग्रज**
● पर्वत के ऊपर की समतल भूमि **अधित्यका**
● वह (रोग) जिसका ठीक होना कठिन हो **असाध्य**
● किसी कहे हुए पद्य के अन्तिम अक्षर से प्रारम्भ होने वाला **अंत्याक्षरी**
● जो बीत चुका है **अतीत**
● जिसकी सीमा न हो **असीम**
● जिसके समान दूसरा न हो **अद्वितीय**
● जिसकी गहराई का पता न चले **अथाह**
● गुरु के समीप रहने वाला विद्यार्थी **अंतेवासी**
● जिसकी तुलना न की जा सके **अतुलनीय**
● जो कहा न जा सके **अकथनीय**
● जो कहा न गया हो **अकथित**
● जो दिखाई न देता हो **अदृश्य**
● जिसे पढ़ा न जा सके **अपठनीय**
● जो पढ़ा न गया हो **अपठित**
● जो अनुकरण करने योग्य हो **अनुकरणीय**
● वह कार्य जो बिना वेतन के किया जाए **अवैतनिक**
● वह बात जो न सुनी गयी हो **अनसुनी**
● वह वस्तु जिसके आर-पार न देखा जा सके **अपारदर्शी**
● जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो **अतिथि**
● जो छः माह में एक बार हो **अर्द्धवार्षिक**
● जिसे जीता न जा सके **अजेय**
● दोपहर के बाद का समय **अपराह्न**
● जिसका कभी जन्म न हुआ हो **अजन्मा**
● जिस बच्चे का बाप न हो **अनाथ**
● जो गिना न जा सके **अगणित**
● किसी कथा, बात या प्रसंग के अन्तर्गत आने वाली कोई दूसरी कथा या प्रसंग **अन्तर्कथा**
● जिसका त्याग/परिहार न हो सके **अपरिहार्य**
● जिसमें विवेक का अभाव हो **अविवेकी**
● हिसाब-किताब की जाँच करने वाला **अंकेक्षक**
● जो रोका न गया हो **अनिरुद्ध**
● जिस पर अनुग्रह किया गया हो **अनुगृहीत**
● जो किसी चीज पर आसक्त न हो **अनासक्त**
● जो नया न हो **अनूतन**
● किसी पुरुष से प्रेम करने वाली अविवाहित स्त्री **अनूढ़ा**
● जिस पर कोई नियंत्रण न हो **अनियन्त्रित**
● प्रत्येक पदार्थ को क्षणिक और नश्वर मानने वाला **अनित्यवादी**
● जिसका वर्णन न हो सके **अवर्णनीय**
● जिसके बिना काम न चल सके **अनिवार्य**
● जो घटित न हुआ हो **अघटित**
● जो न जाना गया हो **अनवगत**
● जिस पर आक्रमण न किया गया हो **अनाक्रान्त**
● जो नियमानुकूल न हो **अनियमित**
● जो सबके आगे रहता हो **अग्रणी**
● जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो **अगोचर**
● वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले **अध्यूढ़ा**
● जो बकवादी न हो **अप्रगल्भ**
● विशेष आदेश जो किसी निश्चित अवधि तक लागू हो **अध्यादेश**
● जिसका कोई शत्रु न उत्पन्न हुआ हो **अजातशत्रु**
● अधिकार में आया हुआ **अधिकृत**
● जो (जानवर) किसी की देख-रेख में न हो **अनेर**

Nitin-Gupta.com

- दूसरी माता से पैदा हुआ भाई **अन्योदर**
- जिसका खण्डन न किया जा सके **अखण्डनीय**
- जो खाने योग्य न हो **अखाद्य**
- वह पुरुष जो अभिनय करता हो **अभिनेता**
- जिसे भुलाया न जा सके **अविस्मरणीय**
- जिसे बुलाया न गया हो **अनाहूत**
- जिसका कोई दूसरा उपाय न हो **अनन्योपाय**
- जिसे अन्य का बल या सहारा हो **अपरबल**
- जिसका अपकार किया गया हो **अपकृत**
- आवश्यकता से अधिक धन का संचय न करना **अपरिग्रह**
- जो अभी तक न आया हो **अनागत**
- जिस पर अभियोग लगाया गया हो **अभियुक्त**
- किसी कथन को बढ़ा-चढ़ाकर कहना **अतिशयोक्ति**
- साधारण या व्यापक नियम के विरुद्ध चीजें **अपवाद**
- व्यर्थ ही अधिक खर्च करने वाला **अपव्ययी**
- जो सदा से चला आ रहा है **शाश्वत**
- जिसके पास कुछ न हो **अकिंचन**
- जो पीछे चलता हो **अनुगामी**
- जिसकी उपमा न हो **अनुपम**
- रूप में समान हो **अनुरूप**
- जो पहले कभी घटित न हुआ हो **अघटित**
- जिसकी परिभाषा देना सम्भव न हो **अपरिभाष्य**
- विकृत शब्द **अपभ्रंश**
- किसी का निरादर करना **अपमान**
- जो बदला न जा सके **अपरिवर्त्य**
- जो विश्वास करने लायक न हो **अविश्वसनीय**
- जिसको क्षमा न किया जा सके **अक्षम्य**
- जिसके सब अंग दुरुस्त न हो **अपंग**
- जो पहले न रहा हो **अपूर्व**
- परम्परा से सुनी हुई बात या उक्ति **अनुश्रुति**
- जिसकी उपमा न दी जा सके **अनुपमेय**
- जिसका विवाह न हुआ हो **अविवाहित**
- जिसकी नाप तौल न हो सके **अपरिमेय**
- जिसकी आशा न रही हो **अप्रत्याशित**
- जो व्यवहार में न लाया गया हो **अव्यवहृत**
- जो प्रशंसा के योग्य न हो **अप्रशस्त**
- जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके **अप्रमेय**
- जो पान करने योग्य न हो **अपेय**
- जो सर्व साधारण के सामने न रखा गया हो **अप्रकाशित**
- जो प्रतीत न हो सके **अप्रतीयमान**
- जो प्रमाण देने के योग्य न हो **अप्रमाण्य**
- जिसे मारना उचित न हो **अवध्य**
- जो समझने में अयोग्य हो **अबोध**
- जो बाँटा न गया हो **अविभक्त**
- जिस पर मत दे दिया गया हो **अभिमत**
- जो चिन्तन करने योग्य न हो **अचिन्त्य**
- जो जाना न जा सके **अज्ञेय**
- अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला **अनन्य**
- सम्पूर्ण लक्ष्य पर लक्षण का न घटित होना **अव्याप्ति**
- सबसे पहले गिना जाने वाला **अग्रगण्य**
- जो भेदा या छेदा न जा सके, जो टूट न सके **अभेद्य**
- जो बराबर न हो **असम**
- जो नीचे लिखा गया है **अधोलिखित**
- जो कम जानता हो **अल्पज्ञ**
- जो कुछ नहीं जानता **अज्ञ**
- जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो **अतीन्द्रिय**
- जो किसी अन्य के भरोसे अथवा संरक्षण में हो **अन्याश्रित**
- बिना पलक गिराये **अनिमेष**
- जो न मरे **अमर्त्य, अमर**
- अवश्य होने वाला **अवश्यम्भावी**
- जो स्वयं का मत मानने वाला हो **आत्माभिमत**
- जिसकी बाँह घुटने तक हो **आजानुबाहु**
- जो भविष्य के प्रति आशान्वित हो **आशावादी**
- जो अपने पैरों पर खड़ा हो **आत्मनिर्भर**
- जो धर्म और ईश्वर में विश्वास रखता हो **आस्तिक**
- आलोचना के योग्य **आलोचनीय/अलोच्य**
- एक देश द्वारा दूसरे देशों से वस्तुओं का मँगाया जाना **आयात**
- जो इधर-उधर से धूमता-फिरता आ जाए **आगन्तुक**
- जिस पर आक्रमण हो **आक्रान्त**
- जिसका अहंकार चूर हो गया हो **आंतगर्व**
- अर्थ से सम्बन्ध रखने वाला **आर्थिक**
- आशा से अधिक **आशातीत**
- जो आदर करने योग्य हो **आदरणीय**
- प्रारम्भ से लेकर अन्त तक **आद्योपान्त**
- देवता अथवा भूतादि द्वारा होने वाला दुःख **आधिदैविक**
- जीवों पर शरीरधारियों के द्वारा प्राप्त दुःख **आधिभौतिक**
- जो कार्य किसी दूसरे प्रधान कार्य के करते समय थोड़े प्रयास से ही हो जाए **आनुषंगिक**
- वह नायिका जिसका पति परदेस से लौटा हो **आगतपतिका**
- जिसकी समस्त कामनायें पूरी हो गयी हों **आप्तकाम**
- तुरन्त कविता करने वाला कवि **आशुकवि**
- दूसरों के सुख के लिए स्वयं का त्याग **आत्मोत्सर्ग**
- परम्परा से सुना हुआ **आनुश्रविक/अनुश्रुति**

Nitin-Gupta.com

- जो किसी वंश में बराबर होता आया है **आनुवंशिक**
- पैर से सिर तक **आपादमस्तक**
- किसी के गुण-दोष की विवेचना करने वाला **आलोचक**
- भगवान के सहारे अनिश्चित आय की प्राप्ति **आकाशवृत्ति**
- किसी मत का सर्वप्रथम प्रवर्तन करने वाला **आदिप्रवर्तक**
- अतिथि की सेवा करने वाला **आतिथेय**
- अतिथि की सेवा करना **आतिथ्य**

इ/ई

- इतिहास को जानने वाला **इतिहासविद्/इतिहासज्ञ**
- इन्द्रियों को वश में करने वाला **इन्द्रियजित**
- जो इन्द्रियों की पहुँच से बाहर हो /इन्द्रियों से परे **इन्द्रियातीत**
- इतना कि जो पर्याप्त हो **इत्यलम्**
- इन्द्र को जीतने वाला **इन्द्रजीत**
- इन्द्रियों को वश में रखना **इन्द्रिय-निग्रह**
- इस लोक से सम्बन्ध रखने वाला **इहलौकिक**
- जो दूसरों की उन्नति देख कर जलता हो **ईर्ष्यालु**
- जिस (वस्तु) की आकांक्षा हो **ईप्सित**
- दूसरों की उन्नति को न देख सकने का भाव **ईर्ष्या**
- पूरब और उत्तर के बीच की दिशा **ईशानकोण**

उ/ऊ

- जो किसी नियम का पालन न करे **उच्छृंखल**
- जिसका ऊपर उल्लेख किया जा चुका है **उपर्युल्लिखित**
- ऊपर कहा हुआ **उपर्युक्त**
- उपकार करने वाला **उपकारी**
- सूर्य जिस स्थान से निकलता है **उदयाचल**
- जिसका उपकार किया गया हो **उपकृत**
- सूर्योदय से पहले का समय **उषाकाल**
- पर्वत के पास की भूमि **उपत्यका**
- किसी के बाद उसकी सम्पत्ति पाने वाला **उत्तराधिकारी**
- जिसने ऋण चुका दिया हो **उऋण**
- जल-थल दोनों जगह रहने वाला जीव **उभयचर**
- जो धरती फोड़कर जन्मता हो **उद्भिज**
- जो उल्लेख करने योग्य हो **उल्लेखनीय**
- जिसके दाँत न जमें हों **उदन्त**
- जो भूमि उपजाऊ हो **उर्वरा**
- ऊपर की ओर जाने वाला **ऊर्ध्वगामी**
- ऊँचे स्वर से उच्चारण किया हुआ **ऊर्ध्वोच्चारित**
- जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न हो **ऊसर**
- जो अपने वीर्य को न गिरने दे **ऊर्ध्वरेता**

ए/ऐ

- जिसके एक ही आँख हो **एकाक्ष**
- जिसका चित्त स्थिर हो **एकाग्रचित**
- जो दिन में एक बार भोजन करता हो **एकभुक्त**
- जिसका सम्बन्ध किसी एक स्थान (देश) से हो **एकदेशीय**
- जहाँ कोई दूसरा न हो **एकान्त**
- किसी वस्तु के क्रय-विक्रय का एकछत्र अधिकार **एकाधिकार**
- इतिहास से सम्बन्धित **ऐतिहासिक**
- इन्द्रियों से सम्बन्धित **ऐन्द्रिक**
- इन्द्र का सफेद हाथी **ऐरावत**
- जो अपनी इच्छा पर निर्भर हो **ऐच्छिक**
- इस लोक से सम्बन्ध रखने वाला **ऐहलौकिक**

ओ/औ

- उपनिवेश सम्बन्धी **औपनिवेशिक**
- उपनिषद् सम्बन्धी **औपनिषदिक**
- उपन्यास सम्बन्धी **औपन्यासिक**
- जो केवल कहने-सुनने के लिए हो **औपचारिक**
- विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र **औरस**

क

- जो फूल अभी नहीं खिला है **कली**
- जो कल्पना से परे हो **कल्पनातीत**
- जिसने अभी विवाह न किया हो **कुँआरा**
- जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो **कुलीन**
- वह कथा जो जन-साधारण में प्रचलित हो **किंवदन्ती**
- किये हुए उपकार को न मानने वाला **कृतघ्न**
- जिसकी उत्पत्ति स्वभावगत न हो **कृत्रिम**
- किये हुए उपकार को मानने वाला **कृतज्ञ**
- जो कर्तव्य से च्युत हो गया हो **कर्तव्यच्युत**
- राजनीतिज्ञों एवं राजपूतों की कला **कूटनीति**
- जो काम से जी चुराता हो **कामचोर**
- जिसके पास करोड़ों रुपये हों **करोड़पति**
- केन्द्र से दूर जाने की प्रवृत्ति रखने वाला **केन्द्रापसारी**
- केन्द्र की ओर अभिमुख होने वाला **केन्द्राभिमुख**
- जो पाप-पुण्य से रहित हो **केवलात्मा**
- सुन्दर बड़े बालों वाली स्त्री **केशिनी**
- जिस लड़की का विवाह न हुआ हो **कुमारी**
- जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान न हो **किंकर्त्तव्यविमूढ़**
- बारह से सोलह वर्ष आयु की नायिका **किशोरी**
- जहाँ अपराधी रखे जाते हैं **कारावास**
- दूसरों की बात व्यर्थ ही काटने वाला **किन्तुवादी**
- छोटों की सहायता करना **कृपा**
- किसी विशेष वस्तु की सामान्य इच्छा **कामना**
- कुश की नोक सी तीखी जिसकी बुद्धि हो **कुशाग्रबुद्धि**
- कमल के समान आँखों वाली **कमलनयनी**
- कर्म करने वाला **कर्मठ**
- किसी की कृपा से अति सन्तुष्ट **कृतार्थ**
- जो कहा गया है **कथित**

Nitin-Gupta.com

ख

- वह नायिका जिसका पति रात को किसी अन्य स्त्री के पास रहकर सबेरे आये **खण्डिता**
- ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य या चन्द्र का पूरा बिम्ब ढक जाय **खग्रास**
- जो आकाश में चलता हो **खेचर**
- जो खाने योग्य हो **खाद्य**
- छोटा कथात्मक प्रबन्ध काव्य जिसमें महाकाव्य के समस्त लक्षण न हों **खण्डकाव्य**
- महल जो गिर गया हो **खण्डहर**

ग

- आकाश चूमने वाला **गगनचुम्बी**
- गाँव में रहने वाला **ग्रामीण**
- वह विषय जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा हो सके **गोचर**
- जिसमें गीत अधिक हों, वह नाटक **गीतरूपक**
- जो छिपाने के योग्य हो **गोपनीय**
- शाम का वह समय जब पशु चरकर लौटते हैं **गोधूलि**
- बिना सोच विचार के अन्धवत् अनुकरण करने वाला **गतानुगतिक**
- जो शीघ्र न पचे **गरिष्ठ**
- गणित को जानने वाला **गणितज्ञ**
- गायों के रहने का स्थान **गोशाला, गोष्ठ**
- जो पहाड़ को धारण करता हो **गिरिधर**
- जिसके सिर पर बाल न हो **गंजा**

घ

- जिसे देख या सुनकर घृणा उत्पन्न हो **घृणित**
- जिसकी घोषणा की गयी हो **घोषित**
- घृणा किये जाने योग्य **घृण्य, घृणास्पद**
- अपने मन के भावों को गुप्त रखने वाला **घुन्ना**
- किसी के इर्द-गिर्द घेरा डालने की क्रिया **घेराबन्दी**

च

- वह मास जो चन्द्रमा की गति के अनुसार गिना जाता है **चन्द्रमास**
- किसी वस्तु का चौथा भाग **चतुर्थांश**
- बरसात के चार महीने **चौमासा**
- चन्द्र है चूड़ा पर जिसके **चन्द्रचूड़**
- जिसके चार पैर हों **चतुष्पद**
- बहुत समय तक जीने वाला **चिरंजीवी**
- बहुत दिनों तक रहने वाला **चिरस्थायी**
- अपने स्थान से हटा हुआ **च्युत**
- जिसके चार भुजाएँ हों **चतुर्भुज**
- जिसके हाथ में चक्र हो **चक्रपाणि**
- जहाँ से मार्ग चारों ओर जाते हों **चौराहा**
- गद्य और पद्य युक्त काव्य **चम्पू**
- जिस पर चिह्न लगाया गया हो **चिह्नित**
- चलने वाली वस्तु **चलायमान**
- जो चक्र धारण करता है **चक्रधर**
- जिसके सिर पर चन्द्रमा है **चन्द्रशेखर**
- ब्रह्मरूप में समाहित होने की रमणीक स्थिति **चिद्विलास**
- किसी काम को करने की इच्छा **चिकीर्षा**

छ

- दूसरों का दोष खोजने वाला **छिद्रान्वेषी**
- सेना के ठहरने का स्थान **छावनी**
- रात्रि में बेखबर लोगों पर आक्रमण **छापा**
- कर्मचारी आदि को हटाने की क्रिया **छँटनी**
- बनावटी वेश धारण करने वाला **छद्मवेशी**
- अकस्मात् बिना सूचना के छापा मारने वाला **छापामार**

ज

- जल में पैदा होने वाला **जलज**
- जल में विचरण करने वाला जीव **जलचर**
- जन्म से सौ वर्ष का समय **जन्मशती**
- जो जन्म से ही अंधा है **जन्मांध**
- पेट की अग्नि **जठराग्नि**
- बेटी का पति **जामाता**
- जिसकी इन्द्रियाँ वश में हों **जितेन्द्रिय**
- जीने की इच्छा **जिजीविषा**
- जानने या ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा **जिज्ञासा**
- जीतने की इच्छा वाला **जिगीषु**
- जानने या ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा वाला **जिज्ञासु**

झ

- जिसके लम्बे-लम्बे बिखरे हुए बाल हों **झबरा**
- झूठ बोलने वाला **झूठा**
- पालकी उठाने वाला मजदूर **झप्पानी**

ट

- किसी बात पर कुछ कहना **टिप्पणी**
- टाइप करने की कला **टंकण**
- सिक्के ढालने का कारखाना **टंकशाला/टकशाल**
- चारों ओर से जल से घिरा हुआ भू-भाग **टापू**
- किसी ग्रन्थ या रचना की टीका करने वाला **टीकाकार**
- धनुष की प्रत्यंचा से उत्पन्न ध्वनि **टंकार**

त

- त्याग करने योग्य **त्याज्य**
- चोरी छिपे माल को एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाने वाला **तस्कर**
- वह वस्तु जिसमें बाण रखा जाता है **तूणीर**
- जो तर्क योग्य हो **तार्किक**
- जो तर्क द्वारा मान्य हो **तर्कसम्मत**

Nitin-Gupta.com

- तर्क के आधार पर जो ठीक हो **तर्कसंगत**
- एक व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली शासन प्रणाली **तानाशाही**
- तैरने या तैरकर पार होने की इच्छा **तितीर्षा**
- तैरने या तैरकर पार होने की इच्छा रखने वाला **तितीर्षु**
- तत्त्व को जानने वाला **तत्त्वज्ञ**

थ

- पुलिस की बड़ी चौकी **थाना**
- जमी हुयी गाढ़ी वस्तु की मोटी तह **थक्का**
- तबले पर हथेली द्वारा किया गया आघात **थाप**
- वृक्ष की जड़ के चारों ओर बनाया गया घेरा **थाला**
- लम्बाई में बँधा कपड़े का बड़ा टुकड़ा **थान**
- सिंह, बाघ आदि की गुफा (माँद) **थरी**

द

- जंगल की आग **दावानल**
- जिसका दमन करना बहुत कठिन हो **दुर्दम्य**
- वह व्यक्ति जो दूर की बातों को सोच लेता है **दूरदर्शी**
- वह व्यक्ति जो अपने ऋणों को चुकता करने में असमर्थ हो **दिवालिया**
- गोद लिया गया पुत्र **दत्तक**
- स्त्री और पुरुष का जोड़ा **दम्पति**
- जो कठिनाई से समझ में आये **दुर्बोध**
- बुरे लत/आदत वाला **दुर्व्यसनी**
- जो काफी दिक्कत से काबू में आ सके **दुरभिग्रह**
- जिसे प्रसन्न करना कठिन हो **दुराराध्य**
- जिसे दबाया या सताया गया हो **दलित**
- जिसका ठीक तौर से आकलन सम्भव न हो **दुष्परिमेय**
- जिसको सिद्ध करना कठिन हो **दुःसाध्य**
- जिसका जीतना कठिन हो **दुर्जेय**
- जो कठिनता से जाना जाए **दुर्ज्ञेय**
- जिसका होना या करना कठिन हो **दुष्कर**
- जिसका रोकना या निवारण करना कठिन हो **दुर्निवार्य**
- दो बार जन्म लेने वाला **द्विज**
- किसी काम में पूर्ण रूप से मन लगाने वाला **दत्तचित्त**
- जिसको अपने देश से प्रेम हो **देशभक्त**
- जहाँ जाना कठिन हो **दुर्गम**
- जो बहुत कठिनाई से प्राप्त हो **दुर्लभ**
- अनुचित बात के लिए आग्रह **दुराग्रह**
- दिन में कम दिखायी देता हो **दिनौंधी**
- तीव्र गति से जाने वाला **द्रुतगामी**
- अपने देश के साथ विश्वासघात करने वाला **देशद्रोही**
- जिसे कठिनाई से प्राप्त किया जा सके **दुष्प्राप्य**

ध

- जिसकी धर्म में निष्ठा हो **धर्मनिष्ठ**
- धनुष धारण करने वाला **धनुर्धर**
- मछली पकड़ने वाली जाति **धीवर**
- जो स्पष्ट न दिखायी दे **धूमिल**
- धर्म में आस्था रखने वाला **धार्मिक**
- धारण करने वाला **धारक**
- धारण करने वाली **धारयित्री**
- ध्यान या विचार करने वाला **ध्याता**
- जो वस्तु दूसरे के यहाँ सुरक्षित रखी हो **धरोहर**
- धन देने वाला **धनद**
- वह जो पृथ्वी को धारण करता हो **धरणीधर/धरनीधर**
- धारण करने वाला **धारयिता**
- धारण करने में समर्थ **धारयिष्णु**

न

- जहाँ आबादी न हो **निर्जन**
- रात्रि का दूसरा प्रहर **निशीथ**
- वह कार्य जिसके बदले में कुछ देना न पड़े **निःशुल्क**
- जिसकी जड़ अथवा उत्पत्ति का ज्ञान न हो **निर्मूल**
- हाल की व्याही नायिका **नवोढ़ा**
- नया उत्पन्न हुआ **नवजात**
- जिसमें आशा का रन्चमात्र भी पुट न हो **निराशावादी**
- जो ईश्वर में विश्वास न करता हो **नास्तिक**
- जिसका कोई अर्थ न हो **निरर्थक**
- जो शंका करने योग्य न हो **निःशंक**
- जिसमें उत्साह न हो **निरुत्साह**
- निम्न कोटि का किया गया कार्य **निकृष्ट**
- जिसका कोई आकार न हो **निराकार**
- एक देश से दूसरे देशों को वस्तुओं का भेजा जाना **निर्यात**
- जिसके विषय में विवाद न हो **निर्विवाद**
- नगर में रहने वाला **नागरिक**
- रात को चलने फिरने वाला **निशाचर**
- जो नष्ट होने वाला हो **नश्वर**
- आकाश में विचरण करने वाला **नभचर**
- जो निन्दा के योग्य हो **निन्दनीय/निंद्य**
- बिना पलक गिराये **निर्निमेष**
- निर्णय करने वाला **निर्णायक**
- जिसके हृदय में ममता न हो **निर्मम**
- जिसके कोई सन्तान न हो **निःसंतान**
- जो नया आया हो **नवागन्तुक**
- जिसको लिखने पढ़ने का ज्ञान न हो **निरक्षर**
- जिस पर कोई कलंक न हो **निष्कलंक**
- जिसमें दया का अभाव हो **निर्दय**
- जो मांस न खाता हो **निरामिष**

Nitin-Gupta.com

- नीति का ज्ञान रखने वाला **नीतिज्ञ**
- जहाँ किसी बात का डर न हो **निरापद**
- जिसके मन में पाप न हो **निष्पाप**
- जो नीचे लिखा गया हो **निम्नलिखित**
- जिसका आश्रय न हो **निराश्रय**
- उम्मीद पूरी न होने से होने वाला दुःख **निराशा**
- जो भयभीत न हो **निर्भय**
- जो इन्द्रिय रहित हो **निरीन्द्रिय**

प

- ग्रन्थ के वे बचे हुए अंश जो प्रायः अन्त में जोड़े जाते हैं **परिशिष्ट**
- जो दूसरों की भलाई करता हो **परोपकारी**
- किसी व्यक्ति को उसके श्रम के लिए दी जाने वाली रकम **पारिश्रमिक**
- वह वस्तु जिसके आर-पार देखा जा सके **पारदर्शी**
- पूर्ण रूप से पका या पचा हुआ **परिपक्व**
- जो भली भाँति पाला या पोषा गया हो **परिपुष्ट**
- जो दूसरों के अधीन हो **पराधीन**
- दोपहर के पहले का समय **पूर्वाह्न**
- जिससे बहुतों का भला हो **परमार्थी**
- जो दूसरों का भला चाहता हो **परार्थी**
- पुस्तक की हाथ से लिखी हुई प्रति **पांडुलिपि**
- जो तौला या मापा जा सके **परिमेय**
- कठिनाइयों से भागने की प्रवृत्ति **पलायनवृत्ति**
- पत्ते की बनी हुई कुटी **पर्णकुटी**
- पखवारे में एक बार होने वाला **पाक्षिक**
- परपुरुष से प्रेम करने वाली नायिका **परकीया**
- जो पृथ्वी से सम्बन्धित हो **पार्थिव**
- रास्ता दिखाने वाला **पथप्रदर्शक**
- पहनने के योग्य **परिधेय**
- जिस स्त्री को उसके पति ने छोड़ दिया हो **परित्यक्ता**
- एक बार कहे शब्द या वाक्य को फिर कहना **पिष्टपेषण**
- जो आँखों से परे हो **परोक्ष**
- दूसरों को शिक्षा देने वाला **परोपदेशक**
- पशु के ढंग का **पाशविक**
- राह या मार्ग का भोजन **पाथेय**
- जो पढ़ने योग्य हो **पठनीय**
- पाँच वस्तुओं से निर्मित भगवान के स्नान हेतु बनाया गया **पंचामृत**
- पीने की इच्छा वाला **पिपासु**
- किसी विषय या क्षेत्र का पूरा ज्ञान रखने वाला **पारंगत**
- पीने योग्य **पेय**
- परलोक सम्बन्धी **पारलौकिक**
- पिता से प्राप्त की हुई सम्पत्ति **पैतृक**
- जो प्रमाण से सिद्ध हो सके **प्रमेय**
- रात्रि का प्रथम प्रहर **प्रदोष**
- लौटकर आया हुआ **प्रत्यागत/प्रत्यावर्ती**
- जिस पर मुकदमा चल रहा हो **प्रतिवादी**
- शीघ्र आग पकड़ने वाला **प्रज्ज्वलनशील**
- प्रतिकार करने या बदला चुकाने की इच्छा **प्रतिचिकीर्षा**
- बच्चा जनने वाली स्त्री **प्रसूता**
- जो देखने में प्रिय लगे **प्रियदर्शी**
- इतिहास के पूर्व काल से सम्बन्धित **प्रागैतिहासिक**
- सूक्ष्मता से देखने वाला **प्रेक्षक**
- पहरा देने वाला **प्रहरी**
- वह स्थान जहाँ लोगों को देखने हेतु अनेक प्रकार की वस्तुएँ रखी जायें **प्रदर्शनी**
- दोष या पाप मिटाने के लिए शास्त्रानुकूल कर्म या कृत्य **प्रायश्चित**
- हास्यरस प्रधान कहानी या लेख **प्रहसन**
- पूछे जाने योग्य **प्रष्टव्य**
- जो प्रतिकूल पक्ष का हो **प्रतिपक्षी**
- दूसरे देश में रहने वाला **प्रवासी**
- श्वास-प्रश्वास की गति का नियमन **प्राणायाम**
- प्राण रक्षा करने वाला **प्राणद**
- उत्तर पाने पर दिया हुआ उत्तर **प्रत्युत्तर**
- प्रार्थना करने वाला **प्रार्थी**
- प्रकृति सम्बन्धी **प्राकृतिक**

फ

- फल देने वाला **फलदायी**
- शोभा हेतु फूल रखे जाने वाला पात्र **फूलदान**
- फल की आकांक्षा से युक्त **फलासक्त**
- केवल फल खाकर रहने वाला **फलाहारी**

ब

- बाहर गया या निकला हुआ **बहिर्गत**
- जिसने बहुत कुछ देखा हो **बहुदर्शी**
- जिसने सुनकर बहुत ज्ञान पाया हो **बहुश्रुत**
- बहुत से लोगों की मिलकर एक राय **बहुमत**
- बड़े दाम वाला **बहुमूल्य**
- समुद्र की आग **बड़वानल**
- रात्रि के चार बजे का समय **ब्रह्ममुहूर्त**
- जिसे समाज, अथवा देश जाति से निकाल दिया गया हो **बहिष्कृत**
- बहुत से देवताओं की उपासना किये जाने का सिद्धान्त **बहुदेववाद**
- बहुत सी भाषाएँ जानने वाला **बहुभाषाविद्**
- जो बुद्धि द्वारा जाना जा सके **बोधगम्य**
- बुद्धि द्वारा ग्रहण किये जाने योग्य **बुद्धिग्राह्य**
- खाने की इच्छा **बुभुक्षा**

Nitin-Gupta.com

भ	
● वह जो भूतकाल की तिथि से लागू हुआ हो	**भूतलक्षी**
● भय से घबराया हुआ	**भयाकुल**
● टूटे-फूटे भवन/पदार्थ के बचे अंश	**भग्नावशेष**
● भूगोल सम्बन्धी	**भौगोलिक**
● आगे होने वाला	**भावी**
● भारत और यूरोप से सम्बन्धित	**भारोपीय**
● जो आगे की बात सोचता है	**भविष्यचेता**
● जो भारत में रहता हो	**भारतवासी**
● दीवाल पर बने चित्र	**भित्तिचित्र**
● गर्भस्थ शिशु की हत्या	**भ्रूणहत्या**
● जिसका भोग होता है	**भोग्य**
● जो भूमि को धारण करता है	**भूधर**
● जो भविष्य में होने वाला है	**भवितव्य**
● जो व्यक्ति भाग्य पर विश्वास करे	**भाग्यवादी**
● जो भारत में रहता हो	**भारतवासी**
● जो जमीन के भीतर की वस्तुओं का अध्ययन करता हो	**भूगर्भवेत्ता**
● किसी गूढ़ विषय की बृहत् टीका	**भाष्य**
● भाषा विज्ञान का विद्वान्	**भाषाविद्**

म	
● किसी विषय की मीमांसा करने वाला	**मीमांसक**
● मछली के समान जिसकी आँखें हों	**मीनाक्षी**
● मृग की आँख के समान आँखों वाली	**मृगनयनी**
● मांस भक्षण करने वाला	**मांसाहारी**
● कम बोलने वाला	**मितभाषी**
● जो मृत्यु के समीप हो	**मरणासन्न**
● सूक्ष्म भोजन करने वाला	**मिताहारी**
● मद्यपान करने का आदी	**मद्यप**
● जो फूल आधा खिला हो	**मुकुल**
● वह स्थिति जब मुद्रा का चलन अधिक हो	**मुद्रास्फीति**
● कम या मर्यादित खर्च करने वाला	**मितव्ययी**
● मोक्ष की इच्छा रखने वाला	**मुमुक्षु**
● मन, वचन, कर्म से	**मनसा-वाचा-कर्मणा**
● जो मूल से सम्बन्धित हो	**मौलिक**
● दोपहर का समय	**मध्याह्न**
● झूठ (मिथ्या) बोलने वाला	**मिथ्यावादी**
● मरने की इच्छा या कामना	**मुमूर्षा**
● मृत्यु का इच्छुक	**मुमूर्षु**
● जिसने मृत्यु को जीत लिया हो	**मृत्युंजय**

य	
● हमेशा घूमते रहने वाला	**यायावर**
● युग का निर्माण करने वाला	**युगनिर्माता**
● जहाँ तक सध सके	**यथासाध्य**
● जैसा पहले था वैसा ही	**यथापूर्व**
● शक्ति के अनुसार	**यथाशक्ति**
● क्रम के अनुसार	**यथाक्रम**
● जैसा उचित हो	**यथोचित**
● यज्ञ करने या कराने वाला	**याज्ञिक**
● अनुग्रह पूर्वक कुछ माँगना	**याचना**
● जो कोई वस्तु माँगता है	**याचक**
● यन्त्र सम्बन्धी	**यांत्रिक**
● यज्ञ का इच्छुक	**यियक्षु**
● जिसने यश प्राप्त किया हो	**यशस्वी**
● जो युद्ध में स्थिर रहता है	**युधिष्ठिर**
● युद्ध करने या लड़ने की इच्छा रखने वाला	**युयुत्सु**
● युद्ध करने या लड़ने की इच्छा	**युयुत्सा**
● जहाँ तक सम्भव हो	**यथासम्भव**
● युवा होने की अवस्था	**यौवन**

र	
● रोष से भरा हुआ	**रुष्ट**
● वह धन जो आधिकारिक रूप से राज्य का मिलता हो	**राजस्व**
● दूसरे देश में अपने राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाला	**राजदूत**
● आधिकारिक रूप से सरकार द्वारा प्रकाशित होने वाला पत्र	**राजपत्र**
● रानी के रहने वाला स्थान	**रनिवास**
● वह काव्य जिसका अभिनय हो सके	**रूपक**
● खून से लथ-पथ	**रक्तरंजित**
● रात को दिखायी न देने वाला रोग	**रतौंधी**
● राज्य के प्रति किया गया विद्रोह	**राजद्रोह**
● लालिमा से युक्त	**रक्तिम**
● राधा का पुत्र	**राधेय**
● रोंगटों के उभार से युक्त	**रोमान्चित**
● राष्ट्र का प्रधान	**राष्ट्रपति**
● पुलिस या सेना का नया सिपाही	**रंगरूट**
● उत्तराधिकार में प्राप्त जायदाद	**रिक्थ**
● जहाँ नाटक खेला जाता है	**रंगमंच**
● राजा द्वारा संचालित शासन	**राजतंत्र**

ल	
● लाभ पाने की इच्छा	**लिप्सा**
● लम्बे या बड़े उदर वाला	**लम्बोदर**
● इस लोक से सम्बन्धित	**लौकिक**
● लुभाया या ललचाया हुआ	**लुब्ध**
● जो लोक या संसार में न हो	**लोकोत्तर**
● बच्चों को सुलाने की गीत और थपकी	**लोरी**
● जो लेखा-जोखा रखता हो	**लेखाकार**
● जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त की हो	**लब्धप्रतिष्ठ**
● लालसा रखने वाला	**लालायित**
● जो भूमि का लेखा-जोखा रखता हो	**लेखपाल**
● चाटने योग्य वस्तु	**लेह्य**
● लोभ करने वाला	**लोलुप/लोभी**
● जन साधारण के गीत	**लोकगीत**

Nitin-Gupta.com

व

- जिस पुरुष की स्त्री मर गयी हो **विधुर**
- वे वस्तुयें जो विरोधी प्रकृति की हों **विजातीय**
- जो पास-पास न हो **विरल**
- जो जीत लिया गया हो **विजित**
- जिससे विकार उत्पन्न हो **विकारी**
- भले-बुरे की पहचान का ज्ञान **विवेक**
- जो दूसरों में लीन या मिल गया हो **विलीन**
- किसी वस्तु के बदले कोई वस्तु बेचने की क्रिया **वस्तुविनिमय**
- जो वर्ष में एक बार हो **वार्षिक**
- जिस स्त्री का पति मर गया हो **विधवा**
- जो दूसरे को वाणी से देने को कह चुके हों **वाग्दत्त**
- जो किसी विषय की विशेष जानकारी रखता हो **विशेषज्ञ**
- एक से अधिक बातों में से किसी को स्वीकार करना **विकल्प**
- विश्वास के योग्य **विश्वसनीय**
- सौतेली माता **विमाता**
- जिसे अपने स्थान से हटा दिया गया है **विस्थापित**
- विज्ञान का ज्ञाता **वैज्ञानिक**
- बचपन और जवानी के बीच का समय **वय:सन्धि**
- जो आवश्यकता से अधिक बोलता हो **वाचाल**
- जो कानून के अनुसार हो **वैध**
- व्याकरण का ज्ञाता **वैयाकरण**
- जिसका वर्णन न हो सके **वर्णनातीत**
- जिसकी पत्नी साथ में न हो **विपत्नीक**
- जो सबमें व्याप्त है **विभु**
- पर स्त्री से यौन सम्बन्ध रखने वाला **व्यभिचारी**
- जिसके हाथ में वज्र हो **वज्रपाणि**
- बहुत पढ़ी-लिखी महिला **विदुषी**
- जिसका कोई अंग टूट या बिगड़ गया हो **विकलांग**
- सर्वसाधारण को सूचित करने या जताने की क्रिया **विज्ञप्ति**
- बिजली का चमकना **विद्युतद्युति**
- जो वाद (मुकदमा) चलाये **वादी**
- जो किसी विकार से ग्रस्त हो **विकृत**
- विदेश से सम्बन्धित **वैदेशिक**
- तारों से भरी रात **विभावरी**
- लेने देने की विधि **विनिमय**
- जिसका विश्वास किया जाए **विश्वस्त**

श

- जिस पर शासन किया जाए **शासित**
- शिव की उपासना करने वाला **शैव**
- सदैव रहने वाला **शाश्वत**
- सौ वस्तुओं का संग्रह **शतक**
- सौ में सौ **शत-प्रतिशत**
- चाँदनी रात **शर्वरी**
- जिसके हाथ में शूल हो **शूलपाणि**
- शरण में जो आया हो **शरणागत**
- ध्वनि सुनकर चलाया जाने वाला बाण **शब्दवेधी**
- जो शरण का इच्छुक हो **शरणार्थी**
- शत्रु को मार डालने वाला **शत्रुघ्न**
- तरकारी और फलों का भोजन करने वाला **शाकाहारी**
- हरा-भरा मैदान **शाद्वल**
- शक्ति की आराधना करने वाला **शाक्त**

स

- जिस स्त्री का पति जीवित हो **सधवा**
- जो सदा से चला आ रहा हो **सनातन**
- जो असत्य न बोले **सत्यवादी**
- जो सबको समान समझता अथवा देखता हो **समदर्शी**
- जो अपना ही हित चाहता हो **स्वार्थी**
- जो स्वयं उत्पन्न हुआ हो **स्वयंभू**
- अपनी इच्छानुसार आचरण करने वाला **स्वेच्छाचारी**
- जो सब कुछ जानता हो **सर्वज्ञ**
- अच्छे आचरण वाला **सदाचारी**
- जो झूठ न बोलता हो **सत्यवादी**
- जहाँ सेना निवास करती हो **छावनी, शिविर**
- जो बाँये हाथ से काम करता हो **सव्यसाची**
- एक समय में रहने वाला अथवा होने वाला **समकालीन**
- दो वस्तुएँ जो एक प्रकृति की हों **सजातीय**
- छूत या संसर्ग से फैलने वाला रोग **संक्रामक**
- दो धाराओं या नदियों के बीच का स्थान **संगम**
- जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो **सुग्रीव**
- जो स्मरण रखने योग्य हो **स्मरणीय**
- जिसका कोई आकार हो **साकार**
- सात दिनों की अवधि **सप्ताह**
- जिसका प्रयोजन सिद्ध हो चुका हो **सिद्धकाम**
- अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला **स्वयंसेवक**
- जिसने अभी हाल ही में बच्चे को जन्म दिया हो **सद्य:प्रसूता**
- जो लिखना-पढ़ना जानता हो **साक्षर**
- जो स्त्री के वशीभूत या उसके स्वभाव का है **स्त्रैण**
- जो संसार का संहार करता हो **संहारक**
- एक ही माँ से पैदा भाई **सहोदर**
- जिसका सम्बन्ध साहित्य से हो **साहित्यिक**
- सम्पूर्ण पृथ्वी से सम्बन्धित **सार्वभौम**
- सर्वसाधारण से सम्बन्ध रखने वाला **सार्वजनिक**
- अपने ही पति की अनुरागिनी स्त्री **स्वकीया**
- सेवा और आराधना करने योग्य **सेव्य**
- पसीने से उत्पन्न होने वाला **स्वेदज**
- गरीबों को नित्य भोजन देने की व्यवस्था **सदावर्त**
- जिसकी पत्नी साथ में हो **सपत्नीक**

Nitin-Gupta.com

● वह बात जिसकी सिद्धि के हेतु प्रमाण अनावश्यक हो	**स्वतःसिद्ध**
● स्वेच्छा से पारिश्रमिक के बिना ही किसी कार्य में योग देने वाला	**स्वयंसेवक**
● कई वस्तुओं का एक में मिला होना	**संश्लेषण**
● किसी के स्थान पर आया हुआ	**स्थानापन्न**
● इच्छानुसार अपना पति चुनने वाली कन्या	**स्वयंवरा**
● गहरी नींद में सोया हुआ	**सुषुप्त**
● जो सर्वत्र व्याप्त हो	**सर्वव्यापी**
● जिसकी सीमा न हो	**सीमातीत**
● जो हमेशा रहने वाला हो	**स्थायी, शाश्वत**

ह

● मिठाई बनाकर बेचने वाला	**हलवाई**
● कोई वस्तु जो किसी दूसरे को सौप दी गई हो	**हस्तान्तरित**
● भला चाहने वाला	**हितैषी**
● शपथपूर्वक दिया हुआ लिखित बयान	**हलफ़नामा**
● हाथ की कुशलता/दक्षता	**हस्तलाघव**
● हाथ का लिखा हुआ	**हस्तलिखित**
● हाथ की कारीगरी	**हस्तकौशल**
● जिसका उत्साह समाप्त हो चुका हो	**हतोत्साहित**
● हँसी के योग्य	**हास्यास्पद**
● हवन की वस्तु	**हवि**
● हाथ में आया हुआ	**हस्तगत**
● सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है	**हरावल**

क्ष

● भूख से आकुल	**क्षुधातुर**
● क्षमा करने वाला	**क्षमाशील**
● क्षण भर में नष्ट होने वाला	**क्षणभंगुर/क्षणिक**
● क्षमा करने योग्य	**क्षम्य**
● जहाँ पृथ्वी और आकाश मिले दिखें	**क्षितिज**
● हाथ से शीघ्र काम करने वाला	**क्षिप्रहस्त**

त्र

● जो तीन माह में एक बार हो	**त्रैमासिक**
● तीनों लोको का संगम	**त्रिलोक**
● जो जानता हो	**ज्ञाता**
● रात्रि का तीसरा पहर	**त्रियामा**
● तीनों कालों को देखने वाला	**त्रिकालदर्शी**
● दानों भौहों का मध्यवर्ती स्थान	**त्रिकुटी**
● छुटकारा दिलाने वाला	**त्राता**

ज्ञ

● जो जाना जा सके	**ज्ञेय**
● जो जानने योग्य हो	**ज्ञातव्य**
● ज्ञान प्राप्ति में बाधक पापकर्म	**ज्ञानावरण**
● एक ही गोत्र में उत्पन्न मनुष्य	**ज्ञाति**
● ज्ञान देने वाला	**ज्ञानद**

विगत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न : संकलन

1. 'जो मापा न जा सकें' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) अपरिग्रह (b) अगण्य
(c) अपरिहार्य (d) अपरिमेय

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (d) : 'जो मापा न जा सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अपरिमेय' होता है। अन्य शब्दों के लिए वाक्यांश निम्नलिखित हैं-
अपरिग्रह- आवश्यकता से अधिक धन ग्रहण न करना।
अगण्य- जिसे गिना न जा सके।
अपरिहार्य- जिसका परिहार न हो सके।

2. किये गये उपकार को न मानने वाला - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द हैं?

(a) कृतज्ञ (b) कृत्रिम
(c) कृतघ्न (d) कृतार्थ

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (c) : 'किये गये उपकार को न मानने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'कृतघ्न' होता है। अन्य शब्दों के वाक्यांश निम्नलिखित हैं-
कृतज्ञ- किये गये उपकार को मानने वाला।
कृत्रिम- जिसकी उत्पत्ति स्वभावगत न हो।
कृतार्थ- जो अपना उद्देश्य सिद्ध होने पर संतुष्ट हो।

3. 'जिसका पति विदेश गया हो' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) वासकसज्जा (b) प्रोषितपतिका
(c) विप्रलब्धा (d) अभिसारिका

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (b) : 'जिसका पति विदेश गया हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'प्रोषितपतिका' होता है, जबकि 'वह नायिका जो छिपकर संकेत स्थल पर प्रेमी से मिलने जाये' उसे 'अभिसारिका' कहते हैं। शेष विकल्प तर्कसंगत नहीं हैं।

4. 'जिसका उत्तर देकर खण्डन किया गया हो।' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) प्रत्युत्तर (b) प्रत्युच्चार
(c) विवृत्ति (d) प्रत्युक्त

UPPCS CSAT 2022

Nitin-Gupta.com

Ans. (d) : वाक्य खण्ड	**एक शब्द**
जिसका उत्तर देकर खण्डन किया गया हो	प्रत्युक्त
उत्तर मिलने पर दिया गया उत्तर	प्रत्युत्तर
लौटकर आया हुआ	प्रत्यागत

5. 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' के नीचे लिखे विकल्पों में कौन-सा विकल्प गलत है?

(a) जंगल की आग - दावानल
(b) समुद्र की आग - बड़वानल
(c) पेट की आग - जठराग्नि
(d) आदि से अन्त तक - अनंत

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (d) : वाक्यांश 'आदि से अन्त तक' के लिए एक शब्द 'आद्योपान्त' होगा। 'अनंत' शब्द 'जिसका अन्त न हो' के स्थान पर प्रयुक्त होता है।

6. 'अपनी विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र' - इन अनेक शब्दों के लिए एक शब्द है–

(a) जरायुज (b) जारज
(c) दत्तक (d) औरस

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (d) : वाक्यांश 'अपनी विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र' के लिए एक शब्द 'औरस' होगा।
जरायुज - शिशु/जीव जो खेड़ी में लिपटा हुआ पैदा हो।
जारज - उपपति/गैर पुरुष से उत्पन्न पुत्र।
दत्तक - उत्तराधिकार के लिए गोद लिया गया पुत्र।

7. 'जो ज्ञात इतिहास से पहले का हो' के लिए एक शब्द है–

(a) अनैतिहासिक (b) ऐतिहासिक
(c) प्रागैतिहासिक (d) इनमें से कोई नहीं

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (c) : वाक्यांश 'जो ज्ञात इतिहास से पहले का हो' के लिए एक शब्द 'प्रागैतिहासिक' होगा।
अनैतिहासिक - जो इतिहास से संबंधित न हो।
ऐतिहासिक - जो इतिहास से संबंधित हो।

8. 'जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो' - इन अनेक शब्दों के लिए एक शुद्ध शब्द है–

(a) अन्तर्ध्यान (b) अन्तरध्यान
(c) अन्तर्धान (d) अन्तरधान

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (c) : वाक्यांश 'जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो' के लिए शुद्ध शब्द 'अन्तर्धान' होगा।

9. 'जो बायें हाथ से सधा हुआ है' के लिए एक शब्द है–

(a) सव्यसाची (b) वामपंथी
(c) वज्रपाणि (d) वीणापाणि

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (a) : वाक्यांश 'जो बायें हाथ से सधा हुआ है' के लिए एक शब्द 'सव्यसाची' होगा।
वामपंथी - साम्यवादी विचारधारा का व्यक्ति।
वज्रपाणि - जिसके हाथ में वज्र रहता है।
वीणापाणि - जिसके हाथ में वीणा रहती हो।

10. 'मोक्ष पाने की इच्छा करने वाला' इन अनेक शब्दों के लिए शुद्ध शब्द इनमें से है–

(a) तितिक्षा (b) तितीर्षु
(c) तितिक्षु (d) मरजीवा

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (b) : वाक्यांश 'मोक्ष पाने की इच्छा करने वाला' के लिए शुद्ध शब्द 'तितीर्षु' होगा। 'तितीर्षु' शब्द 'तैरकर पार करने की इच्छा रखने वाला' के लिए भी प्रयुक्त होता है।
तितिक्षा - सर्दी-गर्मी, दुःख आदि सहन करने की शक्ति।
तितिक्षु - जिसमें सहनशीलता हो।
मरजीवा - मर कर जीने वाला।

11. 'वह कवि जो तत्काल कविता करे, के लिए एक शब्द है-

(a) सुकवि (b) रससिद्ध कवि
(c) महाकवि (d) आशुकवि

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'वह कवि जो तत्काल कविता करे, के लिए एक शब्द 'आशुकवि' होगा। अन्य वाक्यांश इस प्रकार हैं–

जो पुस्तकों की समीक्षा करता है	- समीक्षक
जिसकी बुद्धि कुश के अग्र की तरह पैनी हो	- कुशाग्रबुद्धि
जो किसी की ओर से है	- प्रतिनिधि

12. 'सब कुछ जानने वाले' के लिए एक शब्द है-

(a) ज्ञानी (b) महाज्ञानी
(c) सर्वज्ञ (d) जानकार

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : सब कुछ जानने वाले के लिए एक शब्द 'सर्वज्ञ' होगा।

13. 'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' – इन अनेक शब्दों के लिए एक शब्द है -

(a) धरोहर (b) उत्तराधिकृत
(c) रिक्थ (d) परिसम्पत्ति

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : वाक्यांश 'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' के लिए एक शब्द 'रिक्थ' होगा।
वह मूल्यवान वस्तु जिस पर किसी का अधिकार हो - परिसम्पत्ति
किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु या द्रव्य - धरोहर

14. 'बिना पलक झपकाए' के लिए एक शब्द होगा-

(a) चकित (b) देखते रहना
(c) विपलक (d) निर्निमेष

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'बिना पलक झपकाए' के लिए एक शब्द 'निर्निमेष' होगा। अन्य विकल्प असंगत हैं।

15. 'जो ईश्वर' में विश्वास रखता हो' के लिए एक शब्द है-

(a) आस्थावान (b) आस्तिक
(c) विश्वासी (d) मानस

UP RO/ARO (Pre) 2021

Nitin-Gupta.com

Ans. (b) : 'जो ईश्वर में विश्वास रखता हो' इसके लिए एक शब्द 'आस्तिक' होगा।
आस्थावान – आस्था रखने वाला।
विश्वासी – विश्वास किये जाने योग्य।
सत्याग्रह – सत्य के प्रति आग्रह।

16. 'जो युद्ध में स्थिर रहता है' इस अनेक शब्दों के लिए एक शब्द है-
(a) युद्ध स्थित (b) युद्ध स्थिरी
(c) युधिष्ठिर (d) युद्ध प्रेमी
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'जो युद्ध में स्थिर रहता है' उसके लिए एक शब्द 'युधिष्ठिर' होगा।

17. 'जो किसी विषय का ज्ञाता हो' के लिए एक शब्द है -
(a) अभिज्ञ (b) चैतन्य
(c) विशिष्ट (d) विशेषज्ञ
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'जो किसी विषय का ज्ञाता हो' के लिए एक शब्द 'विशेषज्ञ' है।

18. 'जो तोला जा सके' के लिए एक शब्द होगा-
(a) अपरिमेय (b) अनुमेय
(c) परिमेय (d) विनिमय
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'जो तोला जा सके' के लिए एक शब्द 'परिमेय' होगा।
अपरिमेय - जो तोला न जा सके।
अनुमेय - अनुमान करने योग्य।
विनिमय - किसी वस्तु के बदले किसी दूसरी वस्तु का आदान-प्रदान करना।

19. 'कम बोलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है -
(a) मितभाषी (b) मृदुभाषी
(c) बहुभाषी (d) अभाषी
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : 'कम बोलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'मितभाषी' होगा। अन्य वाक्यांश इस प्रकार हैं–
बहुभाषी - अधिक बोलने वाला।
मृदुभाषी - मधुर बोलने वाला।

20. 'जिसकी आशा न की गयी हो' के लिए उपयुक्त एक शब्द है -
(a) आशातीत (b) अप्रत्याशित
(c) आशान्वित (d) प्रत्याशा
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'जिसकी आशा न की गयी हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अप्रत्याशित' होगा।
आशातीत – जो आशा से अधिक हो।
आशान्वित - उम्मीद से भरा हुआ।

21. 'जो बायें हाथ से भी काम कर लेता हो'- इस वाक्यांश के लिए इनमें से एक शब्द है-
(a) वाममार्गी (b) वामकर्मक
(c) सव्यसाची (d) वामहस्ती
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) : वाक्यांश 'जो बायें हाथ से भी काम कर लेता हो', के लिए एक शब्द 'सव्यसाची' होता है। अन्य विकल्प के शब्द असंगत हैं।

22. 'किसी ग्रन्थ में अन्य व्यक्ति द्वारा मूल लेखक की भाँति जोड़ा गया अंश- इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है-
(a) अभिवर्धक (b) क्षेपक
(c) संलग्नक (d) योजक
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (b) : वाक्यांश 'किसी ग्रंथ में अन्य व्यक्ति द्वारा मूल लेखक की भाँति जोड़ा गया अंश' के लिए एक शब्द 'क्षेपक' होता है। अन्य विकल्प के शब्द संगत नहीं हैं।

23. 'किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु'- इस वाक्यांश के लिए इनमे से एक सही शब्द नहीं है
(a) रिक्थ (b) थाती
(c) अमानत (d) धरोहर
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (a) : वाक्यांश 'किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु' के लिए सही शब्द अमानत, धरोहर व थाती होता है। 'रिक्थ' शब्द उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति के लिए प्रयुक्त होता है।

24. 'युद्ध करने की इच्छा रखने वाला'- इस वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त शब्द है
(a) मुमुक्षु (b) विजिगीषु
(c) युयुत्सु (d) उत्साही
UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) : 'युद्ध करने की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द 'युयुत्सु' होता है।
मुमुक्षु- जिसे मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा हो।

25. 'पर्वत के ऊपर की समतल भूमि' के लिए एक शब्द है
(a) उपत्यका (b) पहाड़
(c) अधित्यका (d) पठार
UPPSC AE 2021

Ans. (c) : 'पर्वत के ऊपर की समतल भूमि' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द 'अधित्यका' है। पर्वत के नीचे की समतल भूमि को 'उपत्यका' कहा जाता है।

26. 'वह (व्यक्ति) जिसने संन्यास ग्रहण किया हो' – इस वाक्यांश के लिए शब्द है
(a) प्रव्राज (b) प्रवजित
(c) प्रव्रजित (d) प्रशमित
UPPSC AE 2021

Ans. (c) : 'वह (व्यक्ति) जिसने संन्यास ग्रहण किया हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है – प्रव्रजित।
प्रशमित - शांति संधि किया हुआ।

Nitin-Gupta.com

27. **'जिजीविषा' का अर्थ है**

(a) जीने की इच्छा (b) जीतने की इच्छा
(c) परोपकार की इच्छा (d) प्रबल इच्छा

UPPCS (Pre) CSAT 2021

Ans. (a) : 'जिजीविषा' का अर्थ है– जीने की इच्छा।
जीतने की इच्छा – जिगीषा
परोपकार की इच्छा रखने वाला – परोपकारी

28. **'अज' का अर्थ नहीं है**

(a) जिसका जन्म न हो (b) दशरथ के पिता
(c) मोती (d) ब्रह्मा, विष्णु, शिव

UPPCS (Pre) CSAT 2021

Ans. (c) : उपर्युक्त विकल्प में 'अज' का अर्थ 'मोती' नहीं है।
अज के अर्थ हैं– ब्रह्मा, दशरथ के पिता, बकरा, जिसका जन्म न हो (ईश्वर), मेष, राशि, शिव इत्यादि।

29. **'जो जोता-बोया न गया हो'- इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है**

(a) अकर्षित (b) अकृषित
(c) ऊसर (d) अकोर

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (b) : वाक्यांश के लिए एक शब्द-
जो जोता- बोया न गया हो - अकृषित
जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न होता हो - ऊसर

30. **'सब कुछ खाने वाला' के लिए एक शब्द है**

(a) सर्वभक्षी (b) सर्वहारी
(c) सर्वग्राही (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : वाक्यांश के लिए एक शब्द है-
सब कुछ खाने वाला - सर्वभक्षी।

31. **'जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके' के लिए एक शब्द है**

(a) सदाव्रत (b) स्थावर
(c) स्थानीय (d) सार्थक

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (b) : वाक्यांश के लिए एक शब्द-
- जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर न ले जाया जा सके- स्थावर
- जहाँ भोजन मुफ्त में मिलता है/नित्य दीन-दुखियों को भोजन देने की व्यवस्था - सदाव्रत/सदावर्त

32. **'जिसके हृदय में ममता न हो' उसे कहेंगे**

(a) निर्दय (b) निर्भीक
(c) नृशंस (d) निर्मम

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (d) : विवरण निम्नवत है-

वाक्यांश	एक शब्द
• जिसके हृदय में ममता न हो	निर्मम
• जिसके हृदय में दया न हो	निर्दय
• जो भय रहित हो	निर्भीक

33. **'जो तुरन्त कोई युक्ति सोच ले', उसे कहते हैं**

(a) सर्वज्ञ (b) दूरदर्शी
(c) प्रत्युत्पन्नमति (d) दार्शनिक

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (c) :
जो तुरन्त कोई युक्ति सोच ले - प्रत्युत्पन्नमति
जिसे सारी बातों का ज्ञान हो - सर्वज्ञ
वह व्यक्ति जो दूर तक की बात पहले ही सोच ले - दूरदर्शी
जो दर्शन का ज्ञाता हो - दार्शनिक।

34. **'वह समारोह, जिसमें गुरुकुल के स्नातकों को विद्याध्ययन कर लेने के उपरांत विदाई दी जाती थी'- इस वाक्यांश के लिए एक शब्द**

(a) समावर्जन (b) समावास
(c) समावरण (d) समावर्तन

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (d) : 'वह समारोह जिसमें गुरुकुल के स्नातकों को विद्याध्ययन कर लेने के उपरान्त विदाई दी जाती थी' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द 'समावर्तन' है।

35. **'जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा है' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–**

(a) अजेय (b) शत्रुजयी
(c) अजातशत्रु (d) शत्रुविहीन

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)
UPPSC-2007

Ans. (c) : वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

शब्द	वाक्यांश
अजातशत्रु	जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा है।
अजेय	जिसे जीता न जा सके।
शत्रुजयी	जिसने शत्रु को जीत लिया हो।
शत्रुविहीन	जिसका कोई शत्रु न हो।

36. **'खोज करने वाला' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है–**

(a) अन्वेषक (b) अनुपम
(c) अन्विति (d) निवेशक

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'खोज करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अन्वेषक' है।
अनुपम– जिसकी उपमा न हो
निवेशक– निवेश करने वाला/पूँजी लगाने वाला
अन्विति– परस्पर सम्बद्धता या एकता

37. **'जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–**

(a) पार्थिव (b) सुग्रीव
(c) सुधीर (d) सुनील

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Nitin-Gupta.com

Ans. (b) : 'जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो' के लिए एक शब्द 'सुग्रीव' है। 'पृथ्वी से संबंध रखने वाला' के लिए एक शब्द 'पार्थिव' होगा। सुधीर का अर्थ 'धैर्यवान' होता है।

38. 'जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो सके' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

(a) जीतेन्द्र (b) अतीन्द्रिय
(c) एन्द्रिक (d) इनमें से कोई नहीं

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : 'जिसका अनुभव 'इन्द्रियों द्वारा न हो सके' के लिए एक शब्द 'अतीन्द्रिय' है। 'इन्द्रियों को जीतने वाले' को जितेंद्रिय और 'इन्द्रियों से सम्बन्धित' को 'ऐन्द्रिक' कहा जाता है।

39. वाक्यांशों और उनके लिए प्रयुक्त शब्दों के निम्नलिखित युग्मों में सही युग्म का चयन कीजिए।

(a) जो स्त्री अभिनय करे – अभिनेता
(b) जो व्याकरण जानता हो – व्याकरणिक
(c) आँखों से परे – प्रत्यक्ष
(d) लौटकर आया हुआ – प्रत्यागत

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : शब्द और वाक्यांश का सही रूप है–

वाक्यांश	**शब्द**
लौटकर आया हुआ	प्रत्यागत
जो स्त्री अभिनय करे	अभिनेत्री
जो व्याकरण जानता हो	वैयाकरण
आँखों से परे	परोक्ष/अप्रत्यक्ष
आँखों के सामने	प्रत्यक्ष

40. 'परंपरा से चली आ रही बात' के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है–

(a) प्रतिश्रुति (b) व्याजस्तुति
(c) अनुलोम (d) अनुश्रुति

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : ''परम्परा से चली आ रही बात के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द 'अनुश्रुति' है। प्रतिश्रुति किसी बात के लिए दिया जाने वाला वचन को कहते हैं। व्याजस्तुति, निंदा के बहाने स्तुति को कहते हैं और अनुलोम यथाक्रम या ऊपर से नीचे की ओर आने वाले के लिए प्रयुक्त होता है।

41. 'जिसके पास कुछ न हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

(a) अक्षम (b) अकिंचन
(c) अज्ञ (d) असमर्थ

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

शब्द	**वाक्यांश**
अकिंचन	जिसके पास कुछ न हो।
अक्षम	जो कुछ करने में सक्षम नहीं/क्षमता रहित।
अज्ञ/अज्ञानी	जो कुछ न जानता हो।
असमर्थ	जिसमें सामर्थ्य न हो।

42. 'स्वेद से उत्पन्न होने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

(a) स्वेदज (b) अण्डज
(c) पिण्डज (d) उभयज

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : वाक्यांश और एक शब्द से सम्बन्धित हैं–

शब्द	**वाक्यांश**
स्वेदज	स्वेद (पसीना) से उत्पन्न होने वाला
अण्डज	अण्डे से उत्पन्न
पिण्डज	जिसका जन्म शरीर से हो।

43. 'अपरिणीत' शब्द निम्नलिखित में से किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होता है?

(a) जिसका परिणाम न निकलता हो।
(b) जिसका विवाह न हुआ हो।
(c) जिसका विवाह हो चुका हो।
(d) जो देखने में प्रीतिकर न हो।

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : 'जिसका विवाह न हुआ हो' के लिए एक शब्द 'अपरिणीत' है। जिसका विवाह हो चुका हो के लिए एक शब्द 'परिणीत' होगा।

44. निम्नलिखित में से किस वाक्यांश के लिए एक शब्द 'दुर्निवार' प्रयुक्त होता है?

(a) जिसे दूर करना कठिन हो।
(b) जिस पर वार करना कठिन हो।
(c) जिसे देख पाना कठिन हो।
(d) जिसे जीत पाना कठिन हो।

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'जिसे दूर करना कठिन हो' के लिए एक शब्द 'दुर्निवार' होता है। जिसे जीत पाना कठिन हो के लिए एक शब्द 'दुर्जेय' होगा।

45. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के निम्नलिखित विकल्पों में से कौन गलत है-

(a) जंगल की आग - दावानल
(b) आगे की सोचने वाला - अग्रगामी
(c) समुद्र की आग - बड़वानल
(d) पेट की आग - जठराग्नि

उत्तर-(b) **UP RO/ARO (Mains) 2017**

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'आगे की सोचने वाला–अग्रगामी' गलत है, क्योंकि 'आगे की सोचने वाला' के लिए सटीक एक शब्द 'अग्रसोची' है।

46. 'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) अभेद्य (b) दुर्भेद्य
(c) संवेद्य (d) नैवेद्य

उत्तर-(a) **UP RO/ARO (Mains) 2017**

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में वाक्यांश 'जो भेदा या तोड़ा न जा सके' के लिए एक शब्द 'अभेद्य' उपयुक्त है।

Nitin-Gupta.com

47. **'कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग' के लिए एक शब्द है-**
(a) कर्णफूल (b) कर्णाभरण
(c) कर्णपाली (d) कर्ण
UP RO/ARO (Mains) 2017
उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में वाक्यांश 'कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त एक शब्द 'कर्णपाली' है।

48. **'जिसका निवारण अत्यन्त कष्ट से किया जा सके' के लिए एक शब्द है-**
(a) अनिवार (b) निर्निवार
(c) दुर्निवार (d) कुनिवार
उत्तर-(c) **UP RO/ARO (Mains) 2017**

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में वाक्यांश 'जिसका निवारण अत्यन्त कष्ट से किया जा सके' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त एक शब्द 'दुर्निवार' है।

49. **'जो पान करने योग्य नहीं है' के लिए एक शब्द है-**
(a) अपथ्य (b) अभक्ष्य
(c) आगम्य (d) अपेय
उत्तर-(d) **UP RO/ARO (Mains) 2017**

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में वाक्यांश 'जो पान करने योग्य नहीं है' के लिए उपयुक्त एक शब्द 'अपेय' है।

50. **'अपने सहारे पर रहने वाले' के लिए एक शब्द है-**
(a) स्वावलंबी (b) आत्मनिर्भरी
(c) बलिष्ठ (d) आत्मविश्वासी
उत्तर–(a) **UP RO/ARO (Pre) 2017**

व्याख्या– वाक्यांश 'अपने सहारे पर रहने वाले' के लिए एक शब्द 'स्वावलंबी' प्रयुक्त किया जाता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

51. **'अप्रमेय' किस वाक्यांश के लिए एक शब्द है ?**
(a) जो तौला या नापा न जा सके।
(b) जो अवश्य होने वाला हो।
(c) जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके।
(d) जो समय पर संभव न हो।
UP RO/ARO (Pre) 2017
UPPSC AE - 2008
UP RO/ARO Pre. (Special) 2010
उत्तर–(c)

व्याख्या– वाक्यांश 'जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके' के लिए एक शब्द 'अप्रमेय' प्रयुक्त किया जाता है।
नोट- आयोग के आधिकारिक उत्तर पत्रक में यह प्रश्न मूल्यांकन से बाहर कर दिया गया है।

52. **'किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला' - वाक्यांश के लिए एक शब्द है-**
(a) विजित (b) विजेता
(c) जिगीषु (d) जिज्ञासु
उत्तर–(c) **UP RO/ARO (Pre) 2017**

व्याख्या– वाक्यांश 'किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला' के लिए एक शब्द 'जिगीषु' प्रयुक्त किया जाता है।

53. **'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-**
(a) शास्त्रज्ञा (b) असूर्यम्पश्या
(c) स्त्रैण (d) दुर्निवार
UP RO/ARO (Pre) 2017
UP RO/ARO (Mains) 2010
उत्तर–(b)

व्याख्या– वाक्यांश 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' के लिए एक शब्द 'असूर्यम्पश्या' प्रयुक्त किया जाता है।

54. **'कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता' के लिए एक शब्द है-**
(a) कर्मठता (b) बेलदारी
(c) ठेकेदारी (d) संविदा
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर–(d)

व्याख्या– वाक्यांश 'कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता' के लिए एक शब्द 'संविदा' प्रयुक्त किया जाता है।

55. **'राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश' – वाक्यांश के लिए शब्द है-**
(a) अधिनियम (b) अध्यादेश
(c) अधियाचना (d) अधिसूचना
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर–(b)

व्याख्या– दिये गये वाक्यांश 'राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश' के लिए एक शब्द 'अध्यादेश' होगा। शेष विकल्प असंगत हैं।

56. **'वह स्त्री जिसका पति परदेश (विदेश) गया हो' – वाक्य के लिए एक शब्द है-**
(a) नवोढ़ा (b) प्रवत्स्यतपतिका
(c) प्रोषितपतिका (d) आगतपतिका
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर–(c)

व्याख्या– 'वह स्त्री जिसका पति परदेश (विदेश) गया हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'प्रोषितपतिका' प्रयुक्त किया जाता है, जबकि 'आगतपतिका' का अर्थ होता है 'जिसका पति परदेश से आया हो'।

57. **'पैर से सिर तक' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-**
(a) शिख-नख (b) शिरोपर
(c) पादमस्तक (d) आपादमस्तक
UP RO/ARO (Pre) 2017
उत्तर–(d)

व्याख्या– 'पैर से सिर तक' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'आपादमस्तक' प्रयुक्त किया जाता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

Nitin-Gupta.com

58. 'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला' – वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) दुराग्रह (b) अनाग्रही
(c) दुराग्रही (d) कुआग्रही

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– वाक्यांश 'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला' के लिए एक शब्द 'दुराग्रही' प्रयुक्त किया जाता है जबकि 'अनुचित बात के लिए आग्रह' के लिए 'दुराग्रह' शब्द प्रयुक्त किया जाता है।

59. 'मदिरा पीने का प्याला' के लिए एक शब्द है–

(a) चश्म (b) चशक
(c) चश्क (d) चषक

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'मदिरा पीने का प्याला' के लिए एक शब्द 'चषक' प्रयुक्त होता है।

60. जो स्त्री के वशीभूत है, के लिए एक शब्द है–

(a) स्त्री प्रेमी (b) स्त्रैण
(c) स्त्रियोचित (d) त्रियावशी

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'जो स्त्री के वशीभूत है' के लिए एक शब्द 'स्त्रैण' प्रयुक्त होता है। स्त्रियोचित का तात्पर्य स्त्रियों के समान गुण वाले से है, जबकि जो स्त्री से प्रेम करता है, उसे 'स्त्री प्रेमी' कहा जाता है।

61. 'सवाल-जवाब', 'बहस-हुज्जत' या 'दिए गए उत्तर पर उत्तर' के लिए एक शब्द है–

(a) उत्तरापेक्षी (b) उत्तरण
(c) प्रत्युत्तर (d) उत्तरोत्तर

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'सवाल-जवाब', 'बहस-हुज्जत' या 'दिए गये उत्तर पर उत्तर' के लिए एक शब्द 'प्रत्युत्तर' प्रयुक्त किया जाता है। 'उत्तरण' का तात्पर्य तैरकर या नाव आदि के द्वारा जलाशय/नदी पार करना होता है जबकि 'उत्तरोत्तर' का तात्पर्य है क्रमागत रूप से आगे बढ़ते जाना।

62. 'वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है' के लिए एक शब्द है–

(a) वाग्दत्ता (b) वाग्दान
(c) वाग्बद्ध (d) वाग्विद्ग्ध

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है' के लिए एक शब्द 'वाग्दत्ता' प्रयुक्त किया जाता है। 'वाग्दान' का अर्थ है कन्या के विवाह की बात किसी से पक्की करना और उसे कन्यादान का वचन देना, जबकि 'वाग्बद्ध' का तात्पर्य 'मौन' अथवा 'वचनबद्ध' होने से है।

63. 'ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो' के लिए एक शब्द है–

(a) आकाश कुसुम (b) आकाशवृत्ति
(c) आकाश सलिल (d) आकाशफल

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो' के लिए एक शब्द 'आकाशवृत्ति' प्रयुक्त होता है। 'आकाशफल' शब्द 'संतान' अथवा 'संतति' के लिए प्रयुक्त होता है, जबकि 'अनहोनी' या असंभव बात के लिए 'आकाश कुसुम' शब्द प्रयुक्त होता है।

64. मरणासन्न अवस्था वाला के लिए एक शब्द है–

(a) मैमर्त्य (b) मुमूर्षु
(c) मृतगामी (d) निर्विकारी

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'मरणासन्न अवस्था वाला' के लिए एक शब्द 'मुमूर्षु' होता है। इसके अतिरिक्त 'जिसे मर जाने की कामना हो' के लिए भी 'मुमूर्षु शब्द प्रयुक्त होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

65. जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो, के लिए एक शब्द है–

(a) विस्थापित (b) अवस्थापित
(c) संस्थापित (d) संस्थाजित

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो' के लिए एक शब्द 'विस्थापित' प्रयुक्त होता है, जबकि 'संस्थापित' का आशय 'संचित' या 'इकट्ठा करना' अथवा 'चलाया या प्रचलित' किया हुआ से है।

66. 'बुरे उद्देश्य से की गयी गुप्त मंत्रणा' के लिए एक शब्द है–

(a) दुरतिक्रम (b) दुरधिगम
(c) दुरभिसंधि (d) दुरभियोजन

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'बुरे उद्देश्य के साथ की गयी गुप्त मंत्रणा' के लिए एक शब्द 'दुरभिसंधि' प्रयुक्त किया जाता है। किसी को संकट में डालने के लिए बनाई जाने वाली योजना को 'दुरभियोजन' कहा जाता है तथा जिसका अतिक्रमण या उल्लंघन सहज में न हो सके के लिए एक शब्द 'दुरतिक्रम' प्रयुक्त किया जाता है।

67. 'युद्ध की इच्छा रखने वाला' के लिए एक शब्द है–

(a) योद्धा (b) युद्धरत
(c) युद्धवीर (d) युयुत्सु

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(d)

व्याख्या- ''युद्ध की इच्छा रखने वाले' के लिए एक शब्द 'युयुत्सु' प्रयुक्त किया जाता है, जबकि 'जो युद्ध में लगा हुआ हो' के लिए एक शब्द 'युद्धरत' प्रयुक्त किया जाता है।

Nitin-Gupta.com

68. **'तैरने या पार होने का इच्छुक' के लिए एक शब्द है–**
(a) तैराक (b) तितीर्षु
(c) तारक (d) तारणक
UP RO/ARO (Pre) 2016
उत्तर–(b)

व्याख्या- 'तैरने या पार करने का इच्छुक' के लिए एक शब्द 'तितीर्षु' प्रयुक्त होता है, जबकि 'तैराक' उसके लिए प्रयुक्त होता है जो खूब अच्छी तरह तैरना जानता हो और 'तारक' का तात्पर्य 'आँख की पुतली' अथवा 'तारों से भरा हुआ' है।

69. **'कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की अँगुली' को कहते हैं–**
(a) अनामी (b) अनिमिका
(c) अनामीका (d) अनामिका
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(d)

व्याख्या – 'कनिष्ठिका' और 'मध्यमा' के बीच की अँगुली को 'अनामिका' कहते हैं।

70. **'जिसके पेट में माँ ने रस्सी (दाम) बाँध दी हो', उसे कहते हैं–**
(a) दामाद (b) दामाद इतर
(c) दाम (d) दामोदर
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(d)

व्याख्या – 'जिसके पेट में माँ ने रस्सी (दाम) बाँध दी हो' उसे कहते हैं – **दामोदर।**

71. **'पीछे-पीछे चलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–**
(a) अनुचर (b) अनुगामी
(c) अनुवर्ती (d) अनुगमनीय
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(b)

व्याख्या – 'पीछे-पीछे चलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है – **अनुगामी। नोट –** आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (a) और (b) अर्थात् 'अनुगामी' और 'अनुचर' दोनों माना है।

72. **'जिसकी कोई कीमत न हो सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है –**
(a) कीमती (b) अमूल्य
(c) बहुमूल्य (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(b)

व्याख्या – 'जिसकी कोई कीमत न हो सके' के लिए एक शब्द है-**अमूल्य**। जो बहुत कीमती हो, उसे 'बहुमूल्य' कहा जाता है।

73. **'थोड़ा नपा-तुला भोजन करने वाला' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है –**
(a) मितव्ययी (b) मितव्यय
(c) मिताहारी (d) मितहारीन
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(c)

व्याख्या – 'थोड़ा नपा-तुला भोजन करने वाला' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है – **मिताहारी,** जबकि 'कम खर्च करने वाला' के लिए एक शब्द – 'मितव्ययी' होता है।

74. **'गुरु के समीप रहकर अध्ययन करने वाला' के लिए एक शब्द है–**
(a) शिष्य (b) आश्रमवासी
(c) विद्यार्थी (d) अन्तेवासी
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(d)

व्याख्या – 'गुरु के समीप रहकर अध्ययन करने वाला' के लिए एक शब्द है – **अन्तेवासी**। इसी प्रकार 'जो विद्या को चाहने वाला हो'– **विद्यार्थी** है।

75. **'जिसके हृदय पर आघात हुआ हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द होगा –**
(a) मर्माहित (b) मर्माहत
(c) मर्माहुत (d) मर्माहूत
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(b)

व्याख्या – 'जिसके हृदय पर आघात हुआ हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द होगा – **मर्माहत।**

76. **'जो अपने पद से हटाया गया हो' के लिए एक उपयुक्त शब्द होगा –**
(a) पदभ्रष्ट (b) पदानवत
(c) पदानुगत (d) पदच्युत
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(d)

व्याख्या – 'जो अपने पद से हटाया गया हो' के लिए उपयुक्त शब्द होगा – **पदच्युत।** जो अपने पद का दुरुपयोग करता है उसे **'पदभ्रष्ट'** कहा जाता है।

77. **'जिसे किसी वस्तु की स्पृहा न हो' के लिए उपयुक्त शब्द होगा –**
(a) निःस्पृहा (b) निःस्पृह
(c) निस्पृह (d) निस्पृहीन
UP RO/ARO (Pre) 2014
उत्तर-(b)

व्याख्या – 'जिसे किसी वस्तु की स्पृहा न हो' के लिए उपयुक्त शब्द होगा – **निःस्पृह।**
नोट – आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (b) और (c) अर्थात् 'निःस्पृह' एवं 'निस्पृह' दोनों को माना है।

78. **'जिसकी पूर्व से कोई आशा न हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द होगा –**
(a) प्रत्याशित (b) अप्रत्यासित
(c) अप्रत्याषित (d) अप्रत्याशित
UP RO/ARO (Pre) 2014, 2017
उत्तर-(d)

व्याख्या–'जिसकी पूर्व से कोई आशा न हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द होगा – अप्रत्याशित।

Nitin-Gupta.com

79. **'जो कठिनाई से समझने योग्य है'– के लिए एक शब्द है–**
(a) अगम (b) क्लिष्ट
(c) दुर्बोध (d) दुर्गम
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(c)

व्याख्या –'जो कठिनाई से समझने योग्य है' के लिए एक शब्द '**दुर्बोध**' है। वाक्यांशों के लिए कुछ शब्द इस प्रकार हैं–

जो गम्य न हो	- अगम
जहाँ या जिसके अंदर न जाया जा सके	- अगम्य
जो समझने में कठिन हो (भाषा के सम्बन्ध में)	- क्लिष्ट
जहाँ जाना कठिन हो	- दुर्गम

80. **'जो पृथ्वी से सम्बद्ध है'– वाक्यांश के लिए एक शब्द है–**
(a) पृथा (b) लौकिक
(c) भूगोलीय (d) पार्थिव
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(d)

व्याख्या –'जो पृथ्वी से सम्बद्ध है'-वाक्यांश के लिए एक शब्द '**पार्थिव**' है। इस लोक से संबंध रखने वाला 'लौकिक' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

81. **'जो पहले था, पर अब नहीं है' के लिए एक शब्द है–**
(a) पूर्वज (b) अंत्यज
(c) भूतपूर्व (d) अनागत
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(c)

व्याख्या –'जो पहले था, पर अब नहीं है' के लिए एक शब्द- '**भूतपूर्व** होता है। शेष इस प्रकार हैं–

जो पहले जन्मा हो	-पूर्वज
जो निम्न जाति में पैदा हुआ हो	-अंत्यज
जो न आया हो	-अनागत

82. **'जो कठिनाई से मिलता है'– के लिए एक शब्द है–**
(a) दुर्लभ (b) अलभ्य
(c) अप्राप्त (d) अनुपलब्ध
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'जो कठिनाई से मिलता है' के लिए एक शब्द '**दुर्लभ**' होता है। शेष निम्न हैं–

जिसे प्राप्त न किया जा सके	-	अलभ्य
जो प्राप्त न हुआ हो	-	अप्राप्त
जो प्राप्त करने योग्य न हो	–	अप्राप्य
जो उपलब्ध न हो	-	अनुपलब्ध

83. **'बहुत सी भाषाओं को जानने वाला'– के लिए एक शब्द है–**
(a) बहुभाषाविद् (b) बहुभाषाभाषी
(c) दुभाषिया (d) बहुभाषिया
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(a)

व्याख्या –'बहुत सी भाषाओं को जानने वाला' के लिए एक शब्द '**बहुभाषाविद्**' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

84. **'जिसका इलाज न हो सके' – उसके लिए उपयुक्त शब्द है–**
(a) असाध्य (b) दुःसाध्य
(c) साधनहीन (d) श्रमसाध्य
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'जिसका इलाज न हो सके' के लिए उपयुक्त शब्द है- '**असाध्य**'। जिसका समाधान करना कठिन हो उसे 'दुःसाध्य' कहते हैं।

85. **'जिसे जीता न जा सके' – उसके लिए उपयुक्त शब्द है –**
(a) अजेय (b) अज्ञेय
(c) अपराजेय (d) दुर्जेय
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या – 'जिसे जीता न जा सके' के लिए उपयुक्त शब्द है – '**अजेय**'। 'जिसे जाना न जा सके' के लिए एक शब्द 'अज्ञेय' होगा।

86. **'जिस स्त्री का पति जीवित है' – उसके लिए उपयुक्त शब्द है–**
(a) पतिव्रता (b) सधवा
(c) विवाहिता (d) अनुरक्ता
UP RO/ARO (Pre/Mains) 2013
UPPSC AE-2008

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'जिस स्त्री का पति जीवित है' के लिए उपयुक्त शब्द '**सधवा**' है।

87. **'जो क्षीण न हो सके' – उसके लिए उपयुक्त शब्द है –**
(a) अमिट (b) अपार
(c) अक्षय (d) अनंत
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या–'जो क्षीण न हो सके' के लिए उचित शब्द '**अक्षय**' है।

88. **'जिसके सिर पर चंद्र हो' – के लिए उपयुक्त शब्द है –**
(a) चन्द्रशिखर (b) चन्द्रशेखर
(c) चक्रधर (d) चन्द्रग्रहण
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या–'जिसके सिर पर चंद्र हो' के लिए उपयुक्त शब्द '**चन्द्रशेखर**' है।

89. **'जिसके हृदय में ममता नहीं है' – के लिए उपयुक्त शब्द है–**
(a) मर्माहत (b) क्रूर
(c) निर्मम (d) निर्दय
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(c)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या – 'जिसके हृदय में ममता नहीं है' के लिए उपयुक्त शब्द **'निर्मम'** होता है, जबकि जिसके हृदय में दया न हो, उसके लिए 'निर्दय' शब्द का प्रयोग होता है।

90. तिलक लगाने में किस अन्न का प्रयोग उपयुक्त होता है?
(a) गेहूँ (b) अक्षत
(c) जौ (d) उड़द
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या–तिलक लगाने में 'अक्षत' का प्रयोग किया जाता है। **अक्षत** के लिए चावल के दाने का प्रयोग होता है।

91. 'जिसका जन्म छोटी जाति (निचले वर्ण) में हुआ हो' – के लिए उपयुक्त शब्द है –
(a) अण्डज (b) शूद्र
(c) अन्त्यज (d) अछूत
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या–जिसका जन्म छोटी जाति में हुआ हो, के लिए उपयुक्त शब्द **'अन्त्यज'** होता है। 'जिसका जन्म अण्डे से हुआ हो' के लिए एक शब्द 'अण्डज' होता है।

92. 'जो सब कुछ जानता है' – के लिए उपयुक्त शब्द है –
(a) त्रिकालज्ञ (b) बहुज्ञ
(c) ज्ञानी (d) सर्वज्ञ
UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या – जो सब कुछ जानता हो उसे **'सर्वज्ञ'** कहा जाता है। जबकि जिसे तीनों कालों का ज्ञान हो – 'त्रिकालज्ञ' तथा 'जो बहुत कुछ जानता हो' के लिए उपयुक्त शब्द 'बहुज्ञ' होगा।

93. 'झगड़ा लगाने वाला मनुष्य' एक शब्द में कहा जाता है?
(a) जयचन्द (b) शकुनी
(c) विभीषण (d) नारद
UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या – 'झगड़ा लगाने वाले मनुष्य' के लिए एक शब्द **'नारद'** प्रयोग किया जाता है।

94. 'महल के भीतरी भाग' को किस शब्द से जानते हैं?
(a) गर्भगृह (b) भीतरी तल
(c) अन्तःपुर (d) रनिवास
UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या–महल के भीतरी भाग को **'अन्तःपुर'** के नाम से जाना जाता है। अन्य विकल्प त्रुटिपूर्ण है। जहाँ रानियाँ निवास करती हैं, उसे 'रनिवास' कहते हैं।

95. खाद्य सामग्री जो यात्रा के समय रास्ते में उपभोग के लिए दी जाती है –
(a) स्वल्पाहार (b) पथ्य
(c) पाथेय (d) उपाहार
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – खाद्य सामग्री जो यात्रा के समय रास्ते में उपभोग के लिए प्रदान की जाती है, उसे **'पाथेय'** कहा जाता है।

96. आधी रात का समय –
(a) शर्वरी (b) विभावरी
(c) निशा (d) निशीथ
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – आधी रात का समय के लिए प्रयुक्त शब्द **'निशीथ'** होता है न कि शर्वरी, विभावरी और निशा।
तारों भरी रात को 'विभावरी' तथा चाँदनी रात को 'शर्वरी' कहते हैं।

97. जिसके पास कुछ न हो, उसके लिए उपयुक्त शब्द है –
(a) अभावग्रस्त (b) अकिंचन
(c) दीनहीन (d) महादीन
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'जिसके पास कुछ न हो' उसके लिए उपयुक्त शब्द है- **'अकिंचन'**।

98. 'जिसे बुलाया न गया हो' वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है –
(a) अतिथि (b) अभ्यागत
(c) अनाहूत (d) रिश्तेदार
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – 'जिसे बुलाया न गया हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है - **अनाहूत।** जबकि 'अतिथि', जिसके आने की कोई तिथि ज्ञात न हो। इसी प्रकार 'अतिथि के रूप में पधारा हुआ' के लिए एक शब्द 'अभ्यागत' होता है।

99. 'मोक्ष की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है –
(a) योगी (b) मुक्तिकामी
(c) मुमुक्षु (d) तपस्वी
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर –(c)

व्याख्या – मोक्ष की इच्छा रखने वाला **'मुमुक्षु'** कहा जाता है न कि योगी, मुक्तिकामी एवं तपस्वी।

100. रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान कहा जाता है –
(a) पृष्ठभूमि (b) नेपथ्य
(c) मंचपृष्ठ (d) गुह्यमंच
UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर –(b)

व्याख्या – रंगमंच के परदे के पीछे का स्थान कहा जाता है - **'नेपथ्य'**।

Nitin-Gupta.com

101. 'हवन में जलाने वाली लकड़ी' के लिए शुद्ध शब्द है –

(a) हवनसामग्री (b) वनकाष्ठ
(c) शुष्ककाष्ठ (d) समिधा

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर –(d)

व्याख्या – हवन में जलाने वाली लकड़ी के लिए शुद्ध शब्द है - **'समिधा'**।

102. 'दिशाएँ ही जिनका वस्त्र है' उन्हें कहा जाता है –

(a) विश्वम्भर (b) दिक्पाल
(c) दिगम्बर (d) पैगम्बर

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर –(c)

व्याख्या – 'दिशाएँ ही जिनका वस्त्र हैं' उन्हें **दिगम्बर** कहा जाता है।

103. जिसका जन्म कन्या के गर्भ से हुआ हो –

(a) कन्यापुत्र (b) कानीन
(c) अवैध पुत्र (d) कुमारीसुत

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर –(b)

व्याख्या – 'जिसका जन्म कन्या के गर्भ से हुआ हो' उसे **'कानीन'** कहते हैं।

104. 'जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

(a) अपत्नीक (b) वियोगी
(c) विधुर (d) विपत्नीक

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – ''जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है'' उसके लिए उपयुक्त शब्द होगा – **विपत्नीक।** 'जिसकी पत्नी मर चुकी हो' उसे 'विधुर' कहा जाता है। जिसका किसी से वियोग हो गया हो उसे 'वियोगी' कहा जाता है।

105. 'जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हों' के लिए एक शब्द है-

(a) प्रपर्ण (b) अपर्णा
(c) पत्रहीन (d) अपत

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हों', के लिए एक शब्द **'अपत'** है। शेष विकल्प असंगत हैं।

106. 'तैरने की इच्छा' को कहते हैं–

(a) तरणेच्छा (b) तितीर्षा
(c) संतरणेच्छा (d) जलावतरणेच्छा

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- ''तैरने की इच्छा'' के लिए उचित शब्द है – **'तितीर्षा'।** शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

107. 'जो युद्ध में स्थिर रहता है' उसे कहते हैं–

(a) युद्ध-स्थविर (b) युद्ध-थिरक
(c) युधिष्ठिर (d) युद्धस्थायी

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जो युद्ध में स्थिर रहता है' उसे **युधिष्ठिर** कहते हैं। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

108. 'जो हमेशा रहने वाला है' उसको कहते हैं–

(a) शाश्वत (b) अनवरत
(c) अप्रतिहत (d) आजीवक

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'जो हमेशा रहने वाला है' उसको 'शाश्वत' कहते हैं।

109. 'हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले आसन' के लिए शुद्ध शब्द है

(a) जीन (b) हौदा
(c) काठी (d) बख्तर

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले आसन को 'हौदा' कहा जाता है, जबकि 'काठी' का उपयोग ऊँट के लिए होता है। गाड़ियों पर सुरक्षा के लिए 'बख्तर' का प्रयोग किया जाता है।

110. 'उपनिवेश से सम्बन्ध हो जिसका' उसके लिए एक शब्द है

(a) उपनिवेशिक (b) औपनिवेशिक
(c) औपन्यासिक (d) उपनिवेशवाद

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'उपनिवेश से सम्बन्ध हो जिसका' उसके लिए एक शब्द **'औपनिवेशिक'** है।

111. इनमें से एक के लिए प्रयोज्य शब्द है – 'असूर्यम्पश्या'-

(a) वह स्थान जहां सूर्य दिखायी न दे।
(b) वह स्थान जहां सूर्य का प्रखर प्रकाश बड़ा कष्टकारी होता है।
(c) वे प्राणी जो सूर्य का दर्शन न कर पायें।
(d) रनिवास में कड़े पर्दे में रहने वाली स्त्री।

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – 'असूर्यम्पश्या' का आशय है–'रनिवास में कड़े पर्दे में रहने वाली स्त्री।'

112. 'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' के लिए एक शब्द है-

(a) रिक्थ (b) धरोहर
(c) वसीयत (d) संदाय

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(a)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या–'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' के लिए एक शब्द है **'रिक्थ'**। जो वस्तु दूसरे के यहाँ सुरक्षित रखी हो 'उसे धरोहर कहते हैं।'

113. 'गिरा हुआ' के लिए एक शब्द है-
(a) पतित (b) लुंठित
(c) धराशायी (d) पातकी
UP RO/ARO Special (Pre) 2010
उत्तर–(a)

व्याख्या – 'गिरा हुआ' के लिए एक शब्द है **पतित।**

114. निम्नलिखित वाक्य खण्डों में से एक के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है 'स्वयंसेवक' -
(a) सबकी सेवा करने वाला।
(b) स्वयं की सेवा करने वाला।
(c) अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला।
(d) बिना वेतन के काम करने वाला सेवक।
UP RO/ARO Special (Pre) 2010
उत्तर–(c)

व्याख्या – `अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला' के लिए उपयुक्त शब्द 'स्वयंसेवक' है, जबकि 'बिना वेतन के काम करने वाले को' अवैतनिक कहा जाता है।

115. 'गुरु के समीप रह कर शिक्षा ग्रहण करने वाला' के लिए एक शब्द है-
(a) गुरुकुलवासी (b) छात्रावासी
(c) अन्तेवासी (d) आश्रमवासी
UP RO/ARO Special (Pre) 2010
उत्तर–(c)

व्याख्या – 'गुरु के समीप रह कर शिक्षा ग्रहण करने वाला' के लिए एक शब्द है **'अन्तेवासी'**।

116. 'अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट' ऐसे व्यक्ति के लिए एक शब्द है-
(a) चिरप्रसन्न (b) कृतज्ञ
(c) आभारी (d) कृतार्थ
UP RO/ARO Special (Pre) 2010
उत्तर–(d)

व्याख्या – अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट व्यक्ति को **कृतार्थ** कहा जाता है। जो हमेशा प्रसन्न रहने वाला है, उसके लिए 'चिर प्रसन्न' शब्द उपयुक्त होगा और जो किये हुए उपकार को मानता है उसे 'कृतज्ञ' कहते हैं।

117. 'नियमविरुद्ध, असामाजिक कार्य करने वालों की सूची' के लिए एक शब्द है-
(a) अपराधसूची (b) कालीसूची
(c) अवैधसूची (d) श्वेतसूची
UP RO/ARO Special (Pre) 2010
उत्तर–(b)

व्याख्या – 'नियमविरुद्ध, असामाजिक कार्य करने वालों की सूची' के लिये एक शब्द **'कालीसूची'** है।

118. 'जो किये गये उपकारों को मानता है' के लिए एक शब्द लिखिए।
(a) कृतघ्न (b) कृतज्ञ
(c) कृतकार्य (d) अज्ञ
UP RO/ARO Special (Mains) 2010
उत्तर–(b) UK PCS AE 2012

व्याख्या- ''जो किये गये उपकारों को मानता है।'' उसके लिए 'कृतज्ञ' शब्द का उपयोग करते हैं। जो किये हुए उपकारों को नहीं मानता उसके लिए 'कृतघ्न' शब्द है। 'कृत कार्य' का आशय 'किया हुआ कार्य' और 'अज्ञ' का आशय 'जो नहीं जानता है' होता है।

119. 'पेट की अग्नि' को कहते हैं-
(a) दावाग्नि (b) वडवाग्नि
(c) जठराग्नि (d) मन्दाग्नि
UP RO/ARO Special (Mains) 2010
उत्तर–(c) UP RO/ARO (Pre) 2010

व्याख्या- पेट की अग्नि के लिए सार्थक शब्द **जठराग्नि** होता है। जबकि जंगल की आग को 'दावाग्नि' तथा समुद्र की आग को 'बड़वाग्नि' कहते हैं।

120. 'बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत' है-
(a) प्रभाती (b) विहाग
(c) लोरी (d) सोहर
उत्तर–(c) UP RO/ARO Special (Mains) 2010

व्याख्या- बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत **लोरी** है; जबकि 'सोहर' बच्चे के जन्म के समय गाया जाता है।

121. 'जो नभ में चलता है' के लिए शब्द है-
(a) खेचर (b) खच्चर
(c) नभोत्पन्न (d) नभचाली
उत्तर–(a) UP RO/ARO Special (Mains) 2010

व्याख्या- 'जो नभ में चलता है' के लिए एक शब्द है-'खेचर'। 'खे' का आशय 'आकाश' होता है तथा 'चर' का आशय 'चलना'।

122. 'बढ़ा चढ़ा कर कहना' के लिए एक शब्द है-
(a) अतिवादी (b) अतिशय
(c) अत्यन्त (d) अतिशयोक्ति
उत्तर–(d) UP RO/ARO Special (Mains) 2010

व्याख्या- 'बढ़ा-चढ़ाकर कहना' के लिए एक शब्द है– **अतिशयोक्ति।** शेष विकल्प असंगत हैं।

123. 'आत्मश्लाघा' शब्द का क्या अर्थ है?
(a) अपनी निंदा करना
(b) अपनी प्रशंसा करना
(c) अपने को गौरवशाली समझना
(d) अपने पर हँसना
(e) आत्मज्ञान प्राप्त करना
उत्तर-(b)
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2013

व्याख्या–'आत्मश्लाघा' शब्द का आशय 'अपनी प्रशंसा करना' होता है।

Nitin-Gupta.com

124. 'जिसका पति जीवित हो' इस वाक्य खंड के लिए सार्थक शब्द है–

(a) विधवा (b) विधुर
(c) पतित (d) स्त्रैण
(e) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (e)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2016-17

व्याख्या- 'जिसका पति जीवित हो' इस वाक्य के लिए एक सार्थक शब्द **सधवा** होगा। यहाँ पर दिये गये चारों विकल्पों में कोई नहीं है। अतः इसका उत्तर (e) इनमें से कोई नहीं होगा।
जो गिरा हुआ हो–पतित
जिस स्त्री का पति जीवित न हो– विधवा
जिस पुरुष की पत्नी जीवित न हो – विधुर
स्त्री के वश में रहने वाला– स्त्रैण

125. जो इंद्रियों की पहुँच से बाहर हो–

(a) इंद्रियनिग्रह (b) इंद्रियजीत
(c) इच्छाधारी (d) इंद्रियातीत
(e) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(d)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

व्याख्या–
- जो इंद्रियों की पहुँच से बाहर हो – **इंद्रियातीत**
- इंद्रियों पर किया जाने वाला वश – **इंद्रियनिग्रह**
- इंद्रियों को वश में रखने वाला – **इंद्रियजित**
- अपने इच्छा के अनुसार सब काम करने वाला – **इच्छाचारी**

126. 'जो कम खर्च करता हो' वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द का विकल्प चुनें-

(a) अतिव्ययी (b) अपव्ययी
(c) अतीव्ययी (d) मितव्ययी
(e) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(d)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

व्याख्या– वाक्यांश		**एक शब्द**
1. जो कम खर्च करता हो	–	मितव्ययी
2. जो अपेक्षाकृत कम बोलता हो	–	मितभाषी
3. थोड़ा और नपा-तुला भोजन करने वाला	–	मिताहारी
4. आवश्यकता या उचित मात्रा से अधिक खर्च करने वाला	–	अपव्ययी

127. 'अज्ञ' का अर्थ क्या है?

(a) जो कुछ भी नहीं जानता हो
(b) जो सब कुछ जानता हो
(c) जो बहुत थोड़ा जानता हो
(d) जो जानता भी हो और नहीं भी जानता हो

उत्तर-(a) उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

व्याख्या- जो कुछ भी नहीं जानता हो–'**अज्ञ**' कहलाता है।
जो सब कुछ जानता हो – **सर्वज्ञ**
जो बहुत थोड़ा (अल्प) जानता हो – **अल्पज्ञ**

128. 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' के लिए एक शब्द है-

(a) विदुषी (b) अलक्ष्या
(c) असूर्यम्पश्या (d) शास्त्रज्ञा

उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी (मुख्य परीक्षा) 2010
उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

उत्तर-(c)

व्याख्या- जो स्त्री सूर्य भी न देख सके–**असूर्यम्पश्या** कहलाती है।
वह स्त्री जो बहुत विद्वान हो – **विदुषी**
शास्त्र को जानने वाली स्त्री – **शास्त्रज्ञा**
जिसका लक्ष्य न किया जा सके – **अलक्ष्य**

129. ''जानने की इच्छा रखने वाला'' के लिए एक शब्द है–

(a) जिजीविषा (b) जिज्ञासु
(c) जिज्ञासा (d) ज्ञातज्ञ

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2012
UK PCS AE 2012
UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(b)

व्याख्या–'जानने की इच्छा रखने वाले' को 'जिज्ञासु' कहा जाता है जबकि 'जिजीविषा' का आशय जीने की इच्छा तथा 'जिज्ञासा' का आशय जानने की इच्छा से है।

निर्देश (प्रश्न सं. 130 से 133) : निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए एक संदर्भ दिया गया है। दिये गये विकल्पों में से वह शब्द अथवा वाक्यांश चुनिए जो तत्सम्बन्धित संदर्भ में शब्द के अर्थ में सर्वाधिक निकट है।

130. सहायक : मंत्री की ओर से उनके सहायक ने प्रश्नों का उत्तर दिया–

(a) अनुगामी (b) सहयोगी
(c) विरोधी (d) मित्र

उत्तर–(b) मध्य प्रदेश पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2017

व्याख्या– प्रश्नगत संदर्भ के अनुसार सहायक का सर्वाधिक निकट शब्द अर्थानुसार **सहयोगी** होगा।

131. याचना : कातिल ने पीड़ित परिवार से दया याचना की।

(a) माँगना (b) दोष देना
(c) खंडन करना (d) अस्वीकार करना

उत्तर–(a) मध्य प्रदेश पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2017

व्याख्या–प्रश्नगत संदर्भ के अनुसार याचना का सर्वाधिक निकट अर्थ **माँगना** होगा।

132. हतोत्साह : प्रबंधक, प्रोग्रामर के प्रदर्शन से हतोत्साहित हो गया–

(a) अप्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं हुआ
(b) प्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम हुआ

Nitin-Gupta.com

(c) प्रदर्शन से प्रभावित

(d) भयभीत

उत्तर–(a) मध्य प्रदेश पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2017

व्याख्या–प्रश्नगत संदर्भ के अनुसार 'हतोत्साह' का सर्वाधिक निकट शब्द अर्थ 'अप्रसन्न' होगा, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं हुआ होगा।

133. भंग : टेनिस खिलाड़ी ने पिछले विश्व रिकॉर्ड को भंग कर दिया।

(a) तोड़ना

(b) मिलने से चूकना

(c) खेलने से इन्कार कर दिया

(d) धोखा दिया

मध्य प्रदेश पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या–प्रश्नगत संदर्भ के अनुसार 'भंग' का सर्वाधिक निकट अर्थ **तोड़ना** होगा।

134. जो कठिनाई से समझ में आये, उसे कहते हैं-

(a) अबोध (b) दुर्भेद्य

(c) दुर्बोध (d) अग्राह्य

UPPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या- जो कठिनाई से समझ में आये, उसे 'दुर्बोध' कहते हैं, जबकि जो कठिनाई से भेदा या तोड़ा जा सके उसे 'दुर्भेद्य' कहते हैं। छोटे बालक की अवस्था को 'अबोध' और जो ग्रहण न किया जा सके 'अग्राह्य' कहा जाता है।

135. वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री को कहते हैं-

(a) वीरांगना (b) वीर महिषी

(c) वीरात्मा (d) वीरप्रसू

UPPCS AE 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या- वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री को **'वीरप्रसू'** कहते हैं। वह स्त्री जो वीरतापूर्वक कार्य करे 'वीरांगना' कही जाती है। यह 'वीर' का स्त्रीवाची भी है।

136. निम्नलिखित में से किस शब्द-समूह के लिये 'सधवा' शब्द का प्रयोग उचित है?

(a) जो विदुषी हो।

(b) जो पतियुक्ता हो।

(c) जो धनसम्पन्न हो।

(d) जो साधु-स्वभाव की हो।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या- ^जो पतियुक्ता हो' या 'जिसका पति जीवित हो' उसके लिए 'सधवा' शब्द होगा। इसके अतिरिक्त विकल्प निम्न हैं– जो महिला विद्वान् हो- 'विदुषी', 'जो धन सम्पन्न हो-धनवान', जो साधु स्वभाव की हो 'साध्वी' शब्द प्रयुक्त किये जाते हैं।

137. प्रज्ञाचक्षु कहते हैं-

(a) बुद्धिमान व्यक्ति को

(b) तर्कशील व्यक्ति को

(c) अन्धे ज्ञानी आदमी को

(d) मूर्ख आदमी को

उत्तर–(c) UPPCS AE 2007

व्याख्या- 'अन्धे ज्ञानी आदमी को' **'प्रज्ञाचक्षु'** कहते हैं, जबकि बुद्धिमान व्यक्ति को 'बुद्धिजीवी', तर्क करने वाले व्यक्ति को 'तर्कशील', मूर्ख व्यक्ति को 'अज्ञानी' कहते हैं।

138. 'मुखपृष्ठ' शब्द का प्रयोग किया जाता है–

(a) मुँह और पीठ के लिए।

(b) सौन्दर्य प्रसाधन के लिए।

(c) पुस्तक के पृष्ठों के लिए।

(d) समाचार पत्र के मुख्य पृष्ठ के लिए।

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'मुखपृष्ठ' शब्द का प्रयोग 'समाचार पत्र के मुख्य पृष्ठ के लिए' किया जाता है।

139. 'जो अवगत न हो' उसके लिये सर्वाधिक सही अर्थ वाले शब्द का चयन कीजिये-

(a) अजनबी (b) जानकार

(c) अनभिज्ञ (d) मूर्ख

UPPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जो अवगत न हो' उसके लिए उपयुक्त शब्द 'अनभिज्ञ' होगा, जबकि एक दूसरे से परिचित न होना- 'अजनबी', जो जानकारी रखता हो - 'जानकार', नासमझ या जड़बुद्धि होने का भाव के लिए 'मूर्ख' शब्द होगा।

140. 'सर्वज्ञ' शब्द के लिये चार वाक्यों में से एक उपयुक्त वाक्य का चयन कीजिये-

(a) बहुत सी भाषाओं को जानने वाला।

(b) सब जगह जाने वाला।

(c) जिसे सबके विषय में जानकारी हो।

(d) जो सब जगह व्याप्त हो।

उत्तर–(c)

UPPCS AE 2007

व्याख्या-विवरण इस प्रकार है-

सर्वज्ञ- जिसे सबके विषय में जानकारी हो।

बहुभाषाविद् - बहुत सी भाषाओं को जानने वाला।

बहुज्ञ- जो बहुत से विषयों का जानकार हो।

सर्वव्यापी- जो सब जगह व्याप्त हो।

141. 'जिसके बिना कार्य न चल सके' शब्द समूह के लिए एक शब्द है-

(a) अत्यावश्यक (b) अपरिहार्य

(c) आवश्यक (d) अपेक्षित

UPPCS AE 2013

उत्तर–(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या- 'जिसके बिना कार्य न चल सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द **'अपरिहार्य'** हैं। जबकि 'अपेक्षित' का वाक्यांश 'जिसकी अपेक्षा (आशा) की गयी हो'।

142. 'जो स्थिर न रह सके' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है-

(a) अस्थिर (b) अडिग
(c) चंचल (d) चलायमान

UPPCS AE 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'जो स्थिर न रह सके' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द **अस्थिर** है।

143. जो हर समय दूसरों की बुराइयाँ खोजता हो–

(a) सर्वनिन्दक (b) परनिन्दक
(c) आलोचक (d) छिद्रान्वेषी

UPPCS AE 2004, 2008

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'जो हर समय दूसरो की बुराइयाँ खोजता हो' उसे **छिद्रान्वेषी** कहते हैं।
सर्वनिन्दक-सभी की निन्दा (बुराई) करने वाला।
परनिन्दक-दूसरों की निन्दा करने वाला।
आलोचक-गुण दोष निरूपण या विवेचन करने वाला।

144. इनमें से 'आशातीत' शब्द का सही अर्थ है-

(a) अतीत की आशा (b) अनुचित आशा
(c) आशा से परे (d) आशा से परिपूर्ण

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या- दिये गये शब्द में 'आशातीत' का सही अर्थ **'आशा से परे'** होगा। 'अनुचित आशा' को 'दुराशा' तथा 'आशा से परिपूर्ण' को 'आशापूर्ण' कहते हैं।

145. 'स्थानान्तरित' का सही अर्थ है-

(a) स्थानों का अन्तर
(b) एक स्थान को दूसरी जगह ले जाना
(c) एक स्थान से दूसरे स्थान में गया हुआ
(d) दो स्थानों के बीच की दूरी

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या- स्थानान्तरित का सही अर्थ है एक स्थान से दूसरे स्थान में गया हुआ।

146. 'जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त की हो' के लिए एक शब्द है-

(a) प्रतिष्ठ (b) प्रतिष्ठित
(c) प्रतिस्थापित (d) लब्धप्रतिष्ठ

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त की हो' के लिए एक शब्द- **'लब्धप्रतिष्ठ'** है।

147. निम्नलिखित में से एक का अर्थ 'तिरछी नजर' है-

(a) कटाक्ष (b) व्यंग्य
(c) ताना (d) आक्षेप

UPPCS AE 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या- **'कटाक्ष'** का अर्थ 'तिरछी नजर' है। अन्य शब्दों के अर्थ इस प्रकार हैं-

शब्द	**अर्थ**
व्यंग्य	व्यंजना शक्ति द्वारा निकाला गया अर्थ।
ताना	व्यंग्यपूर्ण चुभने वाली बात।
आक्षेप	व्यंग्यपूर्ण दोषारोपण करना।

148. 'जिस पर आक्रमण किया गया हो' के लिए एक उपयुक्त शब्द है-

(a) आक्रान्त (b) आक्रामक
(c) पीड़ित (d) आक्रान्ती

UPPCS AE 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या- जिस पर आक्रमण किया गया हो के लिए उपयुक्त शब्द **'आक्रान्त'** है।
आक्रामक - हमला/प्रहार करने वाला।
अक्रांति - आक्रांत करने की अवस्था।
पीड़ित- जो सताया गया हो।

149. 'जो पृथ्वी से सम्बंधित है' के लिए एक शब्द है-

(a) पारमार्थिक (b) सांसारिक
(c) जागतिक (d) पार्थिव

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या- **'पार्थिव'** शब्द जो पृथ्वी से संबन्धित या मिट्टी का बना हुआ होता है, जबकि 'सांसारिक' संसार से संबंधित को कहा जाता है, पारमार्थिक का अर्थ परमार्थ से है और जागतिक का अर्थ जगत से संबंधित होता है। इन सभी शब्दों में 'इक' प्रत्यय प्रयुक्त है।

150. 'अवश्य होने वाला' के लिए एक शब्द है-

(a) अनिवार्य (b) आवश्यक
(c) अवश्यम्भावी (d) अवश्यमेव

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या- अवश्य होने वाला के लिए एक शब्द है **'अवश्यम्भावी'** जबकि अनिवार्य का होगा- जिसका निवारण न हो सकता हो।

151. 'जो कठिनाई से समझ में आये'- के लिए एक शब्द है-

(a) असाध्य (b) अगम
(c) दुर्गम (d) दुर्बोध

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या- 'जो कठिनाई से समझ में आये' के लिए एक शब्द **'दुर्बोध'** है। अन्य शब्द व वाक्यांश इस प्रकार हैं-

शब्द	वाक्यांश
असाध्य	- जिस (रोग) का ठीक होना कठिन हो।
दुर्गम	- जहाँ पहुँचना कठिन हो।

152. 'सहन करना जिसका स्वभाव है' के लिए एक शब्द है-

(a) विनम्र (b) सह्यार्द्र
(c) सहनीय (d) सहनशील

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'सहन करना जिसका स्वभाव है' के लिए एक शब्द **'सहनशील'** है जबकि अन्य विकल्प तर्कसंगत नहीं हैं।

153. 'मार्ग के भोजन' के लिए सही शब्द है-

(a) पाथेय (b) पंथक
(c) पथ्य (d) पादाति

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'मार्ग के भोजन' के लिए सही शब्द 'पाथेय' है, जबकि 'पंथक' का अर्थ मार्ग में उत्पन्न होने वाला, पथ्य का अर्थ जो स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो अथवा पथ संबंधी तथा पादाति का अर्थ पैदल सिपाही या प्यादा होता है।

154. जो ईश्वर को नहीं मानता–

(a) आस्तिक (b) अधर्मी
(c) नास्तिक (d) संन्यासी

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या- दिये गये वाक्य 'जो ईश्वर को नहीं मानता' उसके लिए प्रयुक्त शब्द 'नास्तिक' होगा। अन्य वाक्यांशो के लिए एक शब्द होगा–

जो ईश्वर को मानता हो- आस्तिक।
जो अधर्म करता हो- अधर्मी।
त्यागी और विरक्त व्यक्ति- संन्यासी।

155. दीर्घसूत्री-

(a) टिकाऊ
(b) दीर्घकालिक
(c) काम जल्दी निपटाने वाला
(d) देर लगाकर काम करने वाला

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या- दीर्घसूत्री का अर्थ 'देर लगाकर काम करने वाला' होता है।

156. जीने की इच्छा के लिए प्रयुक्त शब्द–

(a) जीजीविषा (b) जिजीविषा
(c) जीजिविषा (d) जिजिविशा

UPPCS AE 2004

उत्तर–(b)

व्याख्या- जीने की इच्छा के लिए प्रयुक्त शब्द 'जिजीविषा' है।

157. शोषक-

(a) गुस्सा करने वाला (b) लड़ाई करने वाला
(c) क्रोध करने वाला (d) शोषण करने वाला

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'शोषण करने वाला', 'शोषक' कहलाता है।

शब्द	अर्थ
गुस्सैल	गुस्सा करने वाला
क्रोधी	क्रोध करने वाला
लड़ाकू	लड़ाई करने वाला

158. तुषाग्नि-

(a) जंगल की आग (b) भूसी की आग
(c) समुद्र की आग (d) पेट की आग

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'भूसी की आग' को **तुषाग्नि** कहते हैं।

शब्द	अर्थ
दावानल	जंगल की आग
बड़वाग्नि	समुद्र की आग
जठराग्नि	पेट की आग

159. निम्नलिखित में से 'कंकाल' शब्द का अर्थ कौन सा है?

(a) एक शहर का नाम (b) हड्डियों का ढाँचा
(c) अकिंचन (d) कंगाल

UKPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या- दिये गये शब्दों में 'कंकाल' शब्द का अर्थ– 'हड्डियों का ढाँचा है।' अन्य शब्द अर्थ की दृष्टि से तर्कसंगत नहीं हैं।

160. निम्नलिखित में 'जहाँ पहुँचना कठिन हो' के लिए एक शब्द कौन सा है?

(a) दुर्लभ (b) दुर्ज्ञेय
(c) दुर्गम (d) दुर्भद्य

UKPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जहाँ पहुँचना कठिन हो' के लिए एक शब्द- **दुर्गम** है अन्य वाक्यांश एवं शब्द इस प्रकार है अन्य इस प्रकार हैं-

- जो बहुत कठिनाई से मिलता हो- दुर्लभ
- जो कठिनता से जाना जा सके- दुर्ज्ञेय
- ऐसा अकाल कि भिक्षा देना/लेना भी कठिन हो- दुर्भिक्ष

161. 'आद्यन्त' शब्द का अर्थ है-

(a) जिसका अन्त न हो
(b) अन्त से पूर्व
(c) आदि से अन्त तक
(d) जिसका अन्त निश्चित हो

UKPCS AE 2012

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'आद्यन्त' शब्द का अर्थ 'आदि से अन्त तक' है। 'जिसका अन्त न हो' के लिए एक शब्द 'अनन्त' होगा।

Nitin-Gupta.com

162. **'आस्तिक' शब्द का अर्थ प्रकट करता है–**
(a) जो ईश्वर को न मानता हो
(b) जो जानने की इच्छा रखता हो
(c) जिस पर विश्वास किया जा सके
(d) ईश्वर में विश्वास करने वाला

UKPCS AE 2012
UPPSC AE - 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या- शब्द एवं उनके अर्थ इस प्रकार हैं–

शब्द	**अर्थ**
आस्तिक	ईश्वर में विश्वास करने वाला।
जिज्ञासु	जो जानने की इच्छा रखता हो।
विश्वसनीय	जिस पर विश्वास किया जा सके।
नास्तिक	जो ईश्वर को न मानता हो।

163. **'जिसे जीता न जा सके' के लिए एक शब्द है-**
(a) दुर्लभ (b) दुर्गम
(c) अजेय (d) अमर

UKPCS AE 2012

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जिसे जीता न जा सके' के लिए एक शब्द **अजेय** है। अन्य शब्द व वाक्यांश इस प्रकार हैं-

जो बहुत कठिनाई से मिलता है	- दुर्लभ
जहाँ जाना कठिन हो	- दुर्गम

164. **'जंगल में लगने वाली आग' को क्या कहते हैं?**
(a) दावानल (b) बड़वानल
(c) काष्ठाग्नि (d) जठरानल

UKPCS AE 2012

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'जंगल में लगने वाली आग' को '**दावानल**' कहते हैं जबकि बड़वानल- समुद्र में लगने वाली आग, जठरानल- पेट में लगने वाली आग को कहते हैं।

165. **''कम बोलने वाला'' के लिए एक शब्द है–**
(a) वाचाल (b) कृपण
(c) मूक (d) मितभाषी

UKPCS AE 2012

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'कम बोलने वाला' के लिए एक शब्द 'मितभाषी' होता है। अन्य शब्द इस प्रकार हैं–

शब्द	**वाक्यांश**
वाचाल	अधिक बोलने वाला
कृपण	धन का लोभी जो खर्च न करे
मूक	न बोलने वाला

166. **'दोपहर बारह बजे के बाद' का विकल्प है-**
(a) पूर्वाह्न (b) अपराह्न
(c) मध्याह्न (d) सन्ध्या

UP PCS AE 2007, 2008
UKPCS AE 2012

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'दोपहर बारह बजे के बाद' के समय को 'अपराह्न' कहते हैं। अन्य विकल्प इस प्रकार हैं-

दोपहर बारह बजे के पहले का समय	- पूर्वाह्न
दोपहर बारह बजे का समय	- मध्याह्न
अपराह्न के बाद का समय	- संध्या

167. **'जिसने राष्ट्र के हित में अपने प्राणों का बलिदान कर दिया हो' उसे क्या कहते हैं?**
(a) देशभक्त (b) शहीद
(c) राष्ट्रभक्त (d) सेनानी

UKPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'जिसने राष्ट्र के हित में अपने प्राणों का बलिदान कर दिया हो' उसे **शहीद** कहते हैं।

168. **'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाले' के लिए एक शब्द कौन सा है?**
(a) धृष्ट (b) हठी
(c) हठयोगी (d) दुराग्रही

UKPCS AE 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाले' वाक्यांश के लिए एक शब्द - **दुराग्रही** होगा।

169. **जो तुरन्त किसी बात या युक्ति को सोच ले-**
(a) तीव्रमति (b) प्रत्युत्पन्नमति
(c) ज्ञानी (d) प्रखर

UPPCS AE 2008

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'जो तुरन्त किसी बात या युक्ति को सोच ले' उसे '**प्रत्युत्पन्नमति**' कहते हैं। जो सर्वज्ञ, पुराण, उपनिषद्, शास्त्र का ज्ञान रखता हो के लिए 'ज्ञानी' शब्द प्रयुक्त होता है।

170. **जिसका कोई अंग बेकार हो, उसे-**
(a) अंगहीन कहते हैं।
(b) लँगड़ा कहते हैं।
(c) अशक्त कहते हैं।
(d) विकलांग कहते हैं।

UPPCS AE 2008

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'जिसका कोई अंग बेकार हो' उसे **विकलांग** कहते हैं।

171. **'जो आरपार दिखाई दे' उसे कहते हैं-**
(a) छिलमिला
(b) पतला
(c) पारदर्शी
(d) स्पष्टदर्शी

UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'जो आर-पार दिखाई दे' उसे **पारदर्शी** कहते हैं।

Nitin-Gupta.com

172. 'प्रतिपदा' के सही अर्थ का चयन कीजिए।

(a) पूर्णिमा

(b) एकादशी

(c) विरोधिनी

(d) पक्ष या पखवारे की पहली तिथि

UPPCS AE 2008
UP PCS (Pre.) 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'प्रतिपदा' का अर्थ है 'पक्ष या पखवारे की पहली तिथि'। अन्य शब्द के अर्थ इस प्रकार हैं-

शब्द	**अर्थ**
पूर्णिमा	शुक्ल पक्ष की 15वीं तिथि।
एकादशी	मास के किसी पक्ष की 11वीं तिथि।
विरोधी	विरोध करने वाला।

173. कविता करने वाली स्त्री को कहा जाता है-

(a) कवित्री (b) कवियत्री

(c) कवियित्री (d) कवयित्री

UPPCS AE 2008

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'कविता करने वाली स्त्री' को **कवयित्री** कहा जाता है।

174. 'किसी बात को जानने की इच्छा' के लिए उपयुक्त शब्द है–

(a) जानकारी (b) जिज्ञासा

(c) जिजीविषा (d) समझ

UPPCS AE 2008

उत्तर–(b)

व्याख्या- किसी बात को जानने की इच्छा के लिए उपयुक्त शब्द है- **जिज्ञासा**। जिजीविषा का अर्थ है- जीने की इच्छा।

175. 'परिव्राजक' का शब्दार्थ निर्देशित कीजिए।

(a) पर्यटक

(b) भ्रमणशील संन्यासी

(c) आप्रवासी

(d) वर्जना करने वाला

UPPCS AE 2008

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'परिव्राजक' का अर्थ है- **भ्रमणशील संन्यासी**, जबकि 'पर्यटक' का अर्थ- घूमने फिरने वाला तथा 'आप्रवासी' का अर्थ किसी देश में आकर बस जाने वाला व्यक्ति।

176. निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द मृत्यु के लिए प्रयुक्त नहीं होता है?

(a) अनागत (b) चल बसा

(c) महानिद्रा (d) इन्तकाल

UPPCS AE 2008

उत्तर–(a)

व्याख्या- अनागत शब्द मृत्यु के लिए प्रयुक्त नहीं होता है बल्कि अनागत का अर्थ 'न आया हुआ।' है, 'मृत्यु' के लिए प्रयुक्त शब्द चल बसा, महानिद्रा, इन्तकाल आदि हैं।

177. जिस व्यक्ति पर अभियोग लगाया गया हो–

(a) अभियोक्ता

(b) अपराधी

(c) अभियुक्त

(d) वदी

UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या- जिस व्यक्ति पर अभियोग लगाया गया हो- **अभियुक्त** जबकि 'अपराधी' का अर्थ है-'अपराध करने वाला' तथा 'वादी' का अर्थ वह जो किसी के विरुद्ध वाद (मुकदमा) पेश करें।

178. वह स्त्री जो छिपकर अपने प्रिय से मिलने जाती है-

(a) प्रेमिका (b) नायिका

(c) अभिसारिका (d) मनिनी

UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या- वह स्त्री जो छिपकर अपने प्रिय से मिलने जाती है- **अभिसारिका**। प्रेम करने वाली स्त्री को **प्रेमिका** कहते हैं।

179. 'कृतघ्न' शब्द उनके लिए प्रयुक्त होता है, जो-

(a) उपकार मानते हैं।

(b) उपकार नहीं मानते हैं।

(c) हमेशा झूठ बोलते हैं।

(d) निन्दा करते हैं।

UPPCS AE 2008

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'जो उपकार नहीं मानते हैं' 'कृतघ्न' शब्द उनके लिए प्रयुक्त है। 'जो उपकार को मानते हैं' उनके लिए एक शब्द 'कृतज्ञ' होगा।

180. जिस स्त्री से विवाह किया जाये, उसे कहते हैं–

(a) प्रेमिका (b) प्रणीता

(c) परिणीता (d) प्रेयसी

UPPCS AE 2004
UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या- जिस स्त्री से विवाह किया जाये, उसे **परिणीता** कहते हैं।

181. वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री–

(a) वीरांगना

(b) वीरमहिषी

(c) वीरप्रसूता

(d) वीरात्मा

UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री' **वीरप्रसूता** कहलाती है।

Nitin-Gupta.com

182. 'सदैव रहने वाला' अर्थ को प्रकट करता है–

(a) सामयिक (b) सम-सामयिक
(c) शाश्वत (d) पुरातन

UPPCS AE 2004

उत्तर–(c)

व्याख्या- सदैव रहने वाला- 'शाश्वत'। अन्य वाक्यांश व अर्थ इस प्रकार हैं—

वाक्यांश	**अर्थ**
वर्तमान समय या ठीक समय पर होने वाला	सामयिक
एक ही समय में होने वाला	सम-सामयिक

183. जो कानून के विरुद्ध हो, उसे कहते हैं–

(a) विधिविहीन (b) कानूनद्रोही
(c) अवैध (d) कानूनप्रेमी

UPPCS AE 2004

उत्तर–(c)

व्याख्या-जो कानून के विरुद्ध हो उसे 'अवैध' कहते हैं।

184. 'अज्ञ' का अर्थ क्या है?

(a) जो कुछ भी नहीं जानता हो
(b) जो सब कुछ जानता हो
(c) जो बहुत थोड़ा जानता हो
(d) जो जानता भी हो और नहीं भी जानता हो

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

उत्तर-(a)

व्याख्या- जो कुछ भी नहीं जानता हो–'अज्ञ' कहलाता है।

जो सब कुछ जानता हो	–	**सर्वज्ञ**
जो बहुत थोड़ा (अल्प) जानता हो	–	**अल्पज्ञ**

185. 'जो नहीं हो सकता' के लिए एक शब्द है–

(a) असंभव
(b) व्याकरण पंडित
(c) व्याकरणज्ञाता
(d) व्याकरणाचार्य

UPPCS AE 2011

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'जो नहीं हो सकता' के लिए प्रयुक्त एक शब्द **असंभव** है।

186. 'जो व्याकरण जानता है' के लिए एक शब्द है–

(a) वैयाकरण (b) व्याकरण पंडित
(c) व्याकरणाज्ञाता (d) व्याकरणाचार्य

UP RO/ARO Special (Mains) 2010
UPPCS AE 2011

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'जो व्याकरण जानता है' के लिए प्रयुक्त एक शब्द **वैयाकरण** है।

187. 'शत्रुघ्न' कहते हैं–

(a) शत्रु से लड़ने वाले को।
(b) शत्रु पर घन बरसाने वाले को।
(c) शत्रु को पराजित करने वाले को।
(d) शत्रु की हत्या करने वाले को।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या- शत्रु की हत्या करने वाले को **शत्रुघ्न** कहते हैं।

188. 'अलौकिक' का अर्थ है–

(a) बहुत सुन्दर
(b) अद्भुत
(c) अनोखा
(d) जो लोक में संभव न हो

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'अलौकिक' का अर्थ 'जो लोक में संभव न हो।' यह विशेषण शब्द है, इसमें 'अ' उपसर्ग 'लोक' मूल शब्द एवं 'इक' प्रत्यय है।

189. 'धर्मनिरपेक्षता' के लिए उपयुक्त अर्थवाला शब्द है–

(a) धर्म विमुखता (b) सर्वधर्म-समभाव
(c) धर्मान्तरण (d) धर्मयुद्ध

UPPCS AE 2004

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'धर्म निरेपक्षता' के लिए, उपयुक्त अर्थ वाला शब्द 'सर्वधर्म-समभाव' है। अन्य शब्दों के अर्थ इस प्रकार हैं—
धर्मयुद्ध-धर्म की रक्षा हेतु किया जाने वाला युद्ध।
धर्म विमुखता-धर्म से दूर रहना।
धर्मान्तरण-दूसरे धर्म को ग्रहण करना।

190. जिसकी पत्नी मर गयी है, उसके लिए उपयुक्त शब्द होगा–

(a) पत्नीहीन (b) पत्नीहन्ता
(c) विरही (d) विधुर

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'जिसकी पत्नी मर गयी हो' उसके लिए उपयुक्त शब्द 'विधुर' होगा।

191. बहुत अधिक बोलने वाला व्यक्ति–

(a) प्रवक्ता (b) वक्ता
(c) वाचाल (d) अधिवक्ता

UPPCS AE 2004
UP RO/ARO (Pre) 2013
UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या- बहुत अधिक बोलने वाला व्यक्ति- 'वाचाल' कहलाता है। अन्य विकल्पों के अर्थ इस प्रकार हैं—
वक्ता-किसी विषय पर अच्छी तरह से बोलने वाला।
अधिवक्ता-किसी दूसरे के स्थान पर दलील प्रस्तुत करने वाला।
प्रवक्ता-संस्था व सरकार की तरफ से आधिकारिक रूप से बोलने वाला।

Nitin-Gupta.com

वाक्य एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ

वाक्य

मनुष्य के विचारों को पूर्णता से प्रकट करने वाले पद समूह को वाक्य कहते हैं। वाक्य सार्थक शब्दों का व्यवस्थित रूप है। वाक्य वह सार्थक शब्द समूह है जिसके द्वारा लेखक तथा वक्ता लिखकर एवं बोलकर अपने भाव या विचार पाठक या श्रोता पर प्रकट करता है।

वाक्य के दो अंग होते हैं–

वाक्य के अंग

↓ उद्देश्य ↓ विधेय

उद्देश्य- वाक्य में जिसके विषय में कुछ बताया जाता है, उसे उद्‌देश्य कहते हैं। प्रायः वाक्य का 'कर्ता' ही वाक्य का उद्देश्य होता है। **जैसे-** राघव पढ़ता है। यहाँ राघव शब्द उद्देश्य है।

उद्‌देश्य का विस्तार-

उद्देश्य की विशेषता बताने वाले शब्द या शब्द समूह को उद्देश्य का विस्तार कहते हैं। **जैसे-** लंबे लंबे बालों वाली एक लड़की अभी-अभी एक बच्चे के साथ दौड़ते हुए उधर गयी।

उपर्युक्त वाक्य में 'लंबे लंबे बालों वाली एक लड़की' उद्देश्य का विस्तार है। इस वाक्य में 'लंबे लंबे बालों वाली एक' लड़की का विशेषण है।

विधेय- वाक्य में उद्देश्य (कर्ता) के विषय में जो कुछ कहा जाता है वह विधेय कहलाता है; **जैसे-** 'राघव पढ़ता है' वाक्य में 'पढ़ता है' विधेय है।

विधेय का विस्तार- मूल विधेय को पूर्ण करने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विधेय का विस्तार कहते हैं। इसके अंतर्गत क्रिया तथा कर्म का विस्तार निहित होता है।

जैसे– वह <u>अपने पेन</u> से <u>लिखता</u> है।

↓ कर्म का विस्तार ↓ क्रिया का विस्तार

वाक्य के भेद- वाक्य को मुख्यतः दो आधारों पर बाँटा गया है।

वाक्य के भेद

↓ रचना के आधार पर ↓ अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य के भेद-वाक्य के तीन भेद होते हैं-

रचना के आधार पर वाक्य के भेद

↓ सरल वाक्य ↓ मिश्र/मिश्रित वाक्य ↓ संयुक्त वाक्य

1. **सरल वाक्य-** जिस वाक्य में एक मुख्य क्रिया होती है और एक कर्ता होता है, उसे सरल या साधारण वाक्य कहते हैं। इसमें एक उद्देश्य और एक विधेय होता है। सरल वाक्य में सदैव एक ही मुख्य क्रिया होती है न कि एक से अधिक। **जैसे-** राघव गाता है।
   इस वाक्य में एक उद्देश्य (राघव) और क्रिया, विधेय (गाता है) है। अतः यह सरल वाक्य है।
2. **मिश्र/मिश्रित वाक्य-** जिस वाक्य में एक साधारण वाक्य (प्रधान उपवाक्य) के अतिरिक्त उसके अधीन कोई अंग वाक्य (उपवाक्य) हो तो वह मिश्रित वाक्य कहलाता है; **जैसे-** मैं जानता हूँ कि तुम्हारे नम्बर अच्छे आयेंगे।
   इस वाक्य में 'मैं जानता हूँ' प्रधान वाक्य है और 'तुम्हारे नम्बर अच्छे आयेंगे,' आश्रित उपवाक्य है।
   नोट–मिश्र वाक्य में उपवाक्य कि, जिससे, जो, ज्यों-त्यों, क्योंकि, चूँकि, यदि, यद्यपि, जहाँ, जब, ताकि आदि जैसे अव्ययों से जुड़ते हैं।

उपवाक्य- ऐसा पद समूह जिसका अपना अर्थ हो, जो एक वाक्य का भाग हो तथा जिसमें उद्देश्य और विधेय हों, उपवाक्य कहलाता है।

जैसे- <u>राघव ने कहा</u> <u>कि वह गायेगा</u>।
प्रधान वाक्य उपवाक्य

उपवाक्य के भेद- उपवाक्य के तीन भेद हैं-

उपवाक्य

↓ संज्ञा उपवाक्य ↓ विशेषण उपवाक्य ↓ क्रिया विशेषण उपवाक्य

1. **संज्ञा उपवाक्य-** जो आश्रित उपवाक्य संज्ञा की तरह व्यवहृत हों, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं। 'संज्ञा उपवाक्य' की पहचान यह है कि इस उपवाक्य के पूर्व 'कि' होता है, **जैसे-**
   1. मोहन ने कहा कि मैं जाऊँगा।
   2. मैं नहीं जानता कि सीता कहाँ है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'मैं जाऊँगा' और 'सीता कहाँ है।' संज्ञा उपवाक्य है।

2. **विशेषण उपवाक्य-** जो आश्रित उपवाक्य विशेषण की तरह व्यवहृत हो, उसे 'विशेषण उपवाक्य' कहते हैं। 'विशेषण उपवाक्य' के पूर्व 'जो', 'जैसा', 'जितना' इत्यादि शब्दों का प्रयोग होता है।
   जैसे- वह आदमी जो कल आया था, आज भी आया है।
   यहाँ 'जो कल आया था' विशेषण उपवाक्य है।
3. **क्रिया–विशेषण उपवाक्य-**
   जो उपवाक्य क्रिया–विशेषण की तरह व्यवहृत हो, उसे क्रिया–विशेषण उपवाक्य कहते हैं; **जैसे -**
   1. जब पानी बरसता है, तब मेंढक बोलते हैं।
   2. ज्यों ही मैं गया, त्यों ही ट्रेन चली गयी।

Nitin-Gupta.com

उपर्युक्त वाक्य में 'जब पानी बरसता है', 'ज्यों ही मैं गया' क्रिया विशेषण उपवाक्य हैं। क्रिया विशेषण उपवाक्य के पूर्व जब, जहाँ, जिधर, ज्यों, यद्यपि इत्यादि शब्दों का प्रयोग होता है। इसके द्वारा समय, स्थान, कारण, फल, उद्देश्य, अवस्था, समानता, मात्रा इत्यादि का बोध होता है।

3-संयुक्त वाक्य- जिस वाक्य में साधारण अथवा मिश्र वाक्यों का मेल संयोजक अव्यव द्वारा होता है, उसे 'संयुक्त वाक्य' कहते हैं। अथवा 'संयुक्त वाक्य' उस वाक्य समूह को कहते हैं जिसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य अथवा मिश्र वाक्य अव्यय द्वारा संयुक्त हो **जैसे-** मैं बाजार गया और मोहन आया। इस वाक्य में दो सरल वाक्य को जोड़ने वाला संयोजक 'और' है।

नोट- संयुक्त वाक्यों में प्रत्येक वाक्य अपनी स्वतंत्र सत्ता बनाये रखते हैं, वह एक-दूसरे पर आश्रित नहीं होते केवल संयोजक अव्यय उन स्वतंत्र वाक्यों को जोड़ते हैं।

संयुक्त वाक्य के प्रकार- संयुक्त वाक्य चार प्रकार के होते हैं

संयुक्त वाक्य —
- संयोजक
- विभाजक या विरोधसूचक
- विकल्प सूचक
- परिणामबोधक

संयोजक- जब एक साधारण वाक्य दूसरे साधारण या मिश्रित वाक्य से संयोजक अव्यय (और, तथा, व, एवं, भी) के द्वारा जुड़ा हो। **जैसे-** मोहन पढ़ा **और** सीता लिखी।

विभाजक- जब दो या दो से अधिक सरल या मिश्र वाक्य, जिनमें परस्पर विरोधी भाव प्रकट हो, किसी संयोजक अव्यय के द्वारा संयुक्त होते हैं तो, इससे निर्मित संयुक्त वाक्य को विभाजक या विरोधसूचक संयुक्त वाक्य कहते हैं। इसमें लेकिन, किन्तु, परन्तु, मगर, पर आदि समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-

(i) श्याम ने उसे रोका था **पर** वह नहीं रुका।

(ii) राम तो आया **परन्तु** श्याम नहीं आया।

विकल्पसूचक- जब दो बातों में से किसी एक बात को स्वीकार करना होता है। इसमें या, अथवा, न कि, आदि समुच्चय बोधक अव्यय का प्रयोग किया जाता है; **जैसे-**

(i) तुम काम कर सकते हो **या** पढ़ाई।

(ii) मैं जाऊँगा **अथवा** कैलास जाएगा।

(iii) सफल होना चाहते हो तो मेहनत करो **न** कि आलस्य।

परिणामबोधक- जब एक साधारण वाक्य दूसरे साधारण या मिश्र वाक्य का परिणाम बताता हो, तो उसे परिणामबोधक वाक्य कहते हैं। इसमें इसलिए, सो, इस कारण, अतएव, फलस्वरूप, आदि समुच्चय बोधक अव्यय का प्रयोग किया जाता है; **जैसे-**

(i) रास्ते में बहुत तेज धूप है इसलिए मैं नहीं आ सकता।

(ii) वृक्षारोपण नहीं हो रहा है इसलिए पर्यावरण दूषित हो रहा है।

(iii) आज अत्यधिक उमस है, अतः बारिश हो सकती है।

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद– अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं–

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद —
- विधिवाचक वाक्य
- निषेधवाचक वाक्य
- आज्ञावाचक वाक्य
- प्रश्नवाचक वाक्य
- विस्मयवाचक वाक्य
- सन्देहवाचक वाक्य
- इच्छावाचक वाक्य
- संकेतवाचक वाक्य

1. **विधिवाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिससे किसी काम के होने या किसी के अस्तित्व का या किसी नियम का बोध हो, वह वाक्य विधिवाचक वाक्य कहलाता है; **जैसे-**

(i) भारत मेरा देश है।

(ii) रमेश गाना गाता है।

(iii) राधा स्कूल जाती है।

(iv) सूर्य पूरब से निकलता है।

(v) गौरव रामायण पढ़ता है।

⇒ विधिवाचक वाक्य को विधानवाचक वाक्य भी कहते हैं।

2. **निषेधवाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिसमें किसी कार्य के निषेध का बोध होता है, निषेधवाचक वाक्य कहलाते हैं; **जैसे-**

(i) मैं बाजार नहीं जाऊँगा।

(ii) राघव सही काम नहीं करता है।

(iii) कंस सच्चाई के रास्ते पर नहीं चलता था।

(iv) फूल न तोड़ें।

(v) सुमित्रा स्कूल नहीं आयेगी।

3. **आज्ञावाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिससे किसी आज्ञा का बोध हो, आज्ञावाचक वाक्य कहलाते हैं; **जैसे-**

(i) वहाँ जाकर बैठो।

(ii) तुम बाजार जाओ।

(iii) कृपया शान्ति बनाये रखें।

(iv) तुम मेरे साथ चलो।

(v) तुम गाओ।

4. **प्रश्नवाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिससे किसी प्रकार के प्रश्न पूछे जाने का बोध हो, प्रश्नवाचक वाक्य कहलाते हैं। प्रश्नवाचक वाक्यों का समापन सदैव प्रश्नवाचक चिह्न (?) से होता है। **जैसे-**

(i) तुम कहाँ जा रहे हो?

(ii) क्या तुम पढ़ोगे?

Nitin-Gupta.com

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(iii) तुम किस कक्षा में पढ़ती हो?

(iv) तुम क्या खाओगे?

(v) सलीम कब आयेगा?

5. **विस्मयवाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिससे किसी आश्चर्य दुःख या सुख का बोध हो, विस्मयवाचक वाक्य कहलाते हैं; **जैसे-**

(i) अरे! तुम आ गये।

(ii) शाबाश! तुम जीत गये।

(iii) ओह! मैं फेल हो गया।

(iv) बल्ले! हम पास हो गये।

(v) अरे! मोहन गिर गया।

6. **सन्देहवाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिससे किसी बात का सन्देह प्रकट हो, सन्देहवाचक वाक्य कहलाते हैं; **जैसे-**

(i) वह चला गया होगा।

(ii) तुमने सुना होगा।

(iii) शायद वह आ जाये।

(iv) संभवतः वह सुधर गया।

(v) शायद आज धूप निकले।

7. **इच्छावाचक वाक्य-** ऐसे वाक्य जिनसे किसी प्रकार की इच्छा या शुभकामना का बोध हो, इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं; **जैसे-**

(i) तुम सफल हो।

(ii) भगवान तुम्हें लंबी उम्र दें।

(iii) सदा सत्य बोलना चाहिए।

(iv) सदा सुहागन रहो।

(v) तुम अपने कार्य में सफल रहो।

8. **संकेतवाचक वाक्य-** जहाँ एक वाक्य दूसरे की सम्भावना पर निर्भर हो, संकेतवाचक वाक्य कहलाता है; **जैसे-**

(i) यदि तुम परिश्रम करोगे तो सफल हो जाओगे।

(ii) अगर तुम ध्यान देते तो ऐसा न होता।

(iii) अगर तुम जल्दी उठोगे तो स्वस्थ रहोगे।

(iv) पानी न बरसता तो धान सूख जाता।

(v) यदि तुम आओगे तो मैं भी आऊँगा।

वाक्य शुद्धि के सामान्य नियम :-वाक्य को सुव्यवस्थित और संयत रूप देने को व्याकरण में 'पदक्रम' कहते हैं। शुद्ध एवं व्याकरणनिष्ठ वाक्य की रचना के लिए क्रम, अन्वय एवं प्रयोग से संबद्ध कुछ सामान्य नियमों का ज्ञान आवश्यक है। क्रम के संदर्भ में सर्वप्रथम कर्ता, मध्य में कर्म एवं अन्त में क्रिया होनी चाहिए। जैसे- सीता ने पानी पिया।

कर्ता और क्रिया का मेल

1. यदि वाक्य में एक ही लिंग, वचन और पुरुष के अनेक विभक्ति रहित कर्ता हों और अन्तिम कर्ता के पहले 'और' संयोजक आया हो, तो इन कर्ताओं की क्रिया उसी लिंग के बहुवचन में होगी; **जैसे-**

(i) सीता और मीना जाती हैं।

(ii) रमेश, राघव और आनंद पढ़ते हैं।

2. यदि वाक्य में कर्ता विभक्ति रहित है तो उसकी क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होगें; **जैसे-**

(i) सीता पुस्तक पढ़ती है।

(ii) रमेश गीत गाता है।

3. यदि वाक्य में दो भिन्न लिंगों के कर्ता हों और दोनों द्वन्द्व समास के अनुसार प्रयुक्त हों, तो उनकी क्रिया पुलिंग बहुवचन में होगी; **जैसे-**

(i) माता-पिता सो गये।

(ii) नर-नारी गये।

(iii) राजा-रानी आ गये।

(iv) स्त्री-पुरुष बैठे हैं।

4. यदि वाक्य में दो भिन्न-भिन्न विभक्ति रहित एकवचन कर्ता हों और दोनों के बीच 'और' संयोजक आये तो उनकी क्रिया पुल्लिंग और बहुवचन में होगी; **जैसे-**

(i) राधा और कृष्ण रास रचाते हैं।

(ii) बाघ और बकरी एक घाट का पानी पीते हैं।

(iii) मोहन और राधिका बाजार जाते हैं।

5. यदि वाक्य में दोनों लिंगों और वचनों के अनेक कर्ता हों, तो क्रिया बहुवचन में होगी और उनका लिंग अन्तिम कर्ता के अनुसार होगा; **जैसे-**

(i) एक लड़का, दो महिला और चार पुरुष आते हैं।

(ii) एक गाय, दो बैल और बहुत सी बकरियाँ चरती हैं।

(iii) एक शेर, दो भैंस और तीन हिरण जाते है।

6. यदि वाक्य में अनेक कर्ताओं के बीच विभाजक समुच्चय बोधक अव्यय 'या', 'अथवा', 'वा' रहे तो क्रिया अन्तिम कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार होगी; **जैसे-**

(i) मनीष के तीन बैल अथवा राघव की तीन गाय बिकेंगी।

(ii) हरि की एक चटाई या पाँच दरियाँ बिकेंगी।

7. यदि उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष और अन्य पुरुष एक वाक्य में कर्ता बनकर आयें तो क्रिया उत्तमपुरुष के अनुसार होगी; **जैसे-**

(i) तुम और मैं जाऊँगा।

(ii) तुम हम और वह जायेंगे।

(iii) मोहन, तुम और हम साथ-साथ स्कूल चलेंगे।

नोट- **कामता प्रसाद गुरु** का मत है कि वाक्य में पहले मध्यमपुरुष उसके बाद अन्य पुरुष और अन्त में उत्तम पुरुष का प्रयोग होता है। जैसे- तुम, वह और मैं खेलूँगा।

Nitin-Gupta.com

कर्म और क्रिया का मेल

1. यदि वाक्य में कर्ता 'ने' विभक्ति से युक्त हो और कर्म की 'को' विभक्ति न हो, तो उसकी क्रिया कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होगी; **जैसे-**
   (i) मोहन ने पुस्तक पढ़ी।
   (ii) उसने लड़ाई जीती।
   (iii) मोहन ने बात की।
   (iv) तुमने क्षमा माँगी।
2. यदि कर्ता और कर्म दोनों विभक्ति चिह्नों से युक्त हों तो क्रिया सदा एकवचन पुलिंग और अन्यपुरुष में होगी; **जैसे-**
   (i) मैंने कृष्ण को पुकारा।
   (ii) लड़कों ने खेल को ध्यान से देखा।
   (iii) तुमने पुस्तक को पढ़ा।
   (iv) सीता ने राम को देखा।
3. यदि कर्ता 'को' प्रत्यय से उक्त हो और कर्म के स्थान पर कोई क्रियार्थक संज्ञा आये तो क्रिया सदा पुलिंग, एकवचन और अन्य पुरुष में होगी। जैसे- तुमकों पुस्तक पढ़ना नहीं आता। अंजली को रसोई बनाना नहीं आता।
4. यदि एक ही लिंग, वचन के अनेक प्राणिवाचक विभक्ति रहित कर्म एक साथ आएँ, तो क्रिया उसी लिंग में बहुवचन में होगी; **जैसे-**
   (i) राघव ने घोड़ा और ऊँट खरीदीं।
   (ii) उसने भैंस और गाय खरीदे।
5. यदि एक ही लिंग-वचन के अनेक प्राणिवाचक-अप्राणिवाचक विभक्ति रहित कर्म एक साथ एकवचन में आयें तो क्रिया भी एकवचन में होगी; **जैसे-**
   (i) मैंने एक भैंस और एक गाय खरीदी।
   (ii) राघव ने एक पेन और एक पुस्तक खरीदी।
   (iii) रमेश ने एक गाड़ी और एक साइकिल खरीदी।
6. यदि वाक्य में भिन्न-भिन्न लिंग के अनेक कर्म आयें और वे 'और' से जुड़े हों, तो क्रिया अन्तिम कर्म के लिंग और वचन में होगी; **जैसे-**
   (i) मैंने लीची और सेब खाया।
   (ii) तुमने दूध और रोटी खायी।

संज्ञा और सर्वनाम का मेल

1. वाक्य में लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार सर्वनाम उस संज्ञा का अनुसरण करता है, जिसके बदले उसका प्रयोग होता है; **जैसे-**
   (i) **लड़कियाँ** भी **ये** ही हैं।
   (ii) **लड़के** वे ही हैं।
2. यदि वाक्य में अनेक संज्ञाओं के स्थान पर एक ही सर्वनाम आये, तो वह पुलिंग बहुवचन में होगा; **जैसे-**
   1. **रमेश** और **सुधाकर** दिल्ली गये हैं, तीन दिन बाद वे लौटेंगे।

वाक्य सम्बन्धी प्रमुख अशुद्धियाँ

(1) वर्ण सम्बन्धी अशुद्धियाँ

वर्तनी/वर्ण सम्बन्धी अनेक अशुद्धियाँ होती हैं। जैसे- न, ण, ष, छ, क्ष, ब, व, ऋ, ए, ये, अनुस्वार और चन्द्र-बिन्दु आदि। इनको सही उच्चारित करने के लिए अभ्यास और व्याकरण का ज्ञान आवश्यक है।

उदाहरण-

(i) **अशुद्ध वाक्य –** कान्ग्रेस देश की सबसे बड़ी पार्टी है।
शुद्ध वाक्य – काँग्रेस देश की सबसे बड़ी पार्टी है।

(ii) **अशुद्ध वाक्य –** राम ने रावण को बान से मारा।
शुद्ध वाक्य – राम ने रावण को बाण से मारा।

(iii) **अशुद्ध वाक्य –** भारत में अनेक भाषाऐं बोली जाती हैं।
शुद्ध वाक्य – भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं।

(iv) **अशुद्ध वाक्य –** वे पूजा अर्चणा से पहले नहाते हैं।
शुद्ध वाक्य – वे पूजा अर्चना से पहले नहाते हैं।

(v) **अशुद्ध वाक्य –** लोग मजदूरों का सोशण करते हैं।
शुद्ध वाक्य – लोग मजदूरों का शोषण करते हैं।

(2) संज्ञा सम्बन्धी अशुद्धियाँ-

संज्ञा की अनेक समानार्थक संज्ञाएँ होती हैं। अर्थ की दृष्टि से उनमें समानता होने पर भी भाव की दृष्टि से भिन्नता आ जाती है। अतः प्रसंग के अनुसार संज्ञा का प्रयोग करना चाहिए।

उदाहरण-

(i) **अशुद्ध वाक्य –** विवेकानन्द के सन्देशों से देश सर्वाधिक प्रभावित हुआ।
शुद्ध वाक्य – विवेकानन्द के सन्देश से देश सर्वाधिक प्रभावित हुआ।

(ii) **अशुद्ध वाक्य –** ओजस्वी व्यक्ति के मन की थाह नहीं चलती।
शुद्ध वाक्य – ओजस्वी व्यक्ति के मन की थाह नहीं मिलती।

(3) सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धियाँ-

जो शब्द प्रसंग के अनुसार किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किये जाएँ, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम का प्रयोग ऐसी संज्ञा के स्थान पर शुद्ध माना जाता है, जिसका प्रयोग, वाक्य में पहले किया गया हो। इसलिए संज्ञा के अनुसार उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुष प्रयोग करना उचित होता है तथा वाक्य में दो संज्ञाओं के प्रयोग होने पर प्रथम संज्ञा के अनुसार सर्वनाम का प्रयोग किया जाना चाहिए।

उदाहरण-

(i) **अशुद्ध वाक्य –** राम और राम की बहन कल विद्यालय गयी थी।
शुद्ध वाक्य – राम और उसकी बहन कल विद्यालय गये थे।

(ii) **अशुद्ध वाक्य –** उसने कहा कि मैं चार भाई हूँ।
शुद्ध वाक्य – उसने कहा कि हम चार भाई हैं।

Nitin-Gupta.com

(4) विशेषण सम्बन्धी अशुद्धियाँ-

जिस शब्द से किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट होती है उसे विशेषण कहते हैं। जब विशेषण उचित अर्थ प्रकट न कर भ्रामक अर्थ प्रकट करे तो वहाँ विशेषण सम्बन्धी दोष होता है। अतः ध्यान रखना चाहिए कि विशेषण सदा ही विशेष्य या संज्ञा के पूर्व प्रयुक्त किए जाएँ।

उदाहरण-

(i) अशुद्ध वाक्य-गर्मी प्रचण्ड पड़ रही है।

शुद्ध वाक्य-प्रचण्ड गर्मी पड़ रही है।

(ii) अशुद्ध वाक्य – मेरा और आपका घोर सम्बन्ध है।

शुद्ध वाक्य – मेरा और आपका घनिष्ठ सम्बन्ध है।

(5) क्रिया विषयक अशुद्धियाँ–

जिस शब्द से किसी कार्य का होना समझा जाय, वह क्रिया कहलाती है। **जैसे-** पढ़ना, लिखना, जाना आदि। क्रिया वाक्य का महत्त्वपूर्ण अंग होती है। इसके गलत प्रयोग से सम्पूर्ण वाक्य अशुद्ध हो जाता है। अतः संज्ञा के साथ ऐसी क्रिया का प्रयोग करना चाहिए जो सर्वथा अपेक्षित हो। जैसे-

अशुद्ध	शुद्ध
आप हस्ताक्षर बना दें।	आप हस्ताक्षर कर दें।
तुम अपने मत का स्पष्टीकरण करों।	तुम अपना मत स्पष्ट करो।

क्रिया के वचन सम्बन्धी अशुद्धियाँ -

(i) वाक्य में जब कर्ता के साथ 'ने' का प्रयोग नहीं होता तब क्रिया का वचन कर्ता के अनुसार होता है; **जैसे-** महेश रामायण पढ़ता है।

(ii) जब कर्ता के साथ 'ने' का प्रयोग होता है, परन्तु कर्म के साथ 'को' का प्रयोग नहीं होता, तब क्रिया का लिंग-वचन कर्म के अनुसार होता है; **जैसे-** सुरेश ने पुस्तक पढ़ी।

(iii) जब कर्ता के साथ 'ने' और कर्म के साथ 'को' का प्रयोग होता है तब क्रिया पुल्लिंग एकवचन में होती है; **जैसे-** राम ने फल को खाया।

(6) क्रिया के लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ- जब कर्ता के साथ 'ने' चिह्न का प्रयोग नहीं होता तब क्रिया का लिंग-वचन कर्ता के अनुसार होता है। जैसे- रमा संगीत सुनती है। नितिन संगीत सुनता है। जब कर्ता के साथ 'ने' का प्रयोग होता है और कर्म के साथ 'को' का प्रयोग नहीं होता तब क्रिया का लिंग-वचन कर्म के अनुसार होता है। जैसे-गरिमा ने प्रकृति की शोभा देखी। जब कर्ता के साथ 'ने' का प्रयोग होता है और कर्म के साथ 'को' का, तब क्रिया पुंलिंग एवं एकवचन में होती है। जैसे-रहीम ने शरद को समझाया।

(7) लिंग-वचन सम्बन्धी अशुद्धियाँ-

लिंग-वचन का प्रयोग हमेशा कर्ता के अनुसार होता है। प्रायः कारक के चिह्न के बाद समस्त (सामासिक) पद आने पर लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ होती हैं। **नियम-**

(i) यदि वाक्य में एक ही लिंग, वचन और पुरुष के अनेक विभक्ति रहित कर्ता हों और अंतिम कर्ता के पहले 'और' संयोजक आया हो, तो इन कर्ताओं की क्रिया उसी लिंग के बहुवचन में होगी; **जैसे–**

- उमेश और दिनेश बातें कर रहे हैं।
- आशा, रमा और पूर्णिमा स्कूल जाती हैं।

(ii) यदि वाक्य में दोनों लिंगों और वचनों के अनेक कर्ता हों, तो क्रिया बहुवचन में होगी और उनका लिंग अंतिम कर्ता के अनुसार होगा; **जैसे–** एक लड़का, दो बूढ़े और अनेक लड़कियाँ आती हैं, एक बकरी, दो गायें और बहुत–से बैल मैदान में चरते हैं।

(iii) यदि वाक्य में अनेक कर्ताओं के बीच विभाजक समुच्चय बोधक अव्यय 'या' अथवा 'वा' रहे, तो क्रिया अंतिम कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार होगी; **जैसे–** घनश्याम की पाँच दरियाँ व एक कंबल बिकेगा, हरि का एक कंबल या पाँच दरियाँ बिकेंगी, मोहन का बैल या सोहन की गायें बिकेंगी।

(8) कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ –

संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य पदों (विशेषतः क्रिया) से जो सम्बन्ध होता है, उसे कारक कहते हैं; **जैसे-** राम ने रावण को बाण से मारा।

इस वाक्य में राम क्रिया 'मारा' का कर्ता है, रावण इस 'मारा' क्रिया का कर्म है, 'बाण' से यह क्रिया सम्पन्न की गई है। अतः 'बाण' क्रिया सम्पन्न करने का साधन होने से करण कारक है।

उदाहरण –

(i) अशुद्ध वाक्य – डाल में चिड़ियाँ बैठी हैं।

शुद्ध वाक्य – डाल पर चिड़ियाँ बैठी हैं।

(ii) अशुद्ध वाक्य – पेड़ पत्ता गिरता है।

शुद्ध वाक्य – पेड़ से पत्ता गिरता है।

(9) प्रत्यय सम्बन्धी अशुद्धियाँ- भाव वाचक संज्ञा बनाने वाले 'त्व' 'ता' आदि प्रत्ययों के बाद इसी प्रकार के प्रत्ययों का लगाना अशुद्ध है। जैसे-सौन्दर्य एवं सुन्दरता तो शुद्ध है परन्तु सौन्दर्यता अशुद्ध है। पूज्य, पूजनीय शुद्ध है परन्तु पूज्यनीय अशुद्ध है।

(10) अव्यय सम्बन्धी अशुद्धियाँ -

हिन्दी के वाक्यों में अव्यय का प्रयोग अत्यधिक महत्त्वपूर्ण होता है। इनका प्रयोग करते समय निम्नलिखित तथ्यों का विशेष ध्यान रखना अपेक्षित होता है-

(i) वाक्य में 'केवल' तथा 'मात्र' का प्रयोग एक साथ नहीं करना चाहिए।

(ii) इसी प्रकार 'परस्पर' और 'आपस' दोनों में से किसी एक का ही प्रयोग करना चाहिए। 'परस्पर' का शाब्दिक अर्थ है– एक–दूसरे।

उदाहरण-

(i) **अशुद्ध वाक्य –** वे परस्पर आपस में घनिष्ठ मित्र हैं।

शुद्ध वाक्य – वे आपस में घनिष्ठ मित्र हैं।

(ii) **अशुद्ध वाक्य –** राम ने केवल मात्र मुझे आमंत्रित किया था।

शुद्ध वाक्य – राम ने केवल मुझे आमंत्रित किया था।

(11) पुनरुक्ति सम्बन्धी अशुद्धियाँ– अनेक शब्द विशेषण एवं विशेष्य दोनों का अर्थ स्पष्ट करते हैं परन्तु कुछ लोग अज्ञानतावश उस विशेषण में एक और विशेषण जोड़ने का प्रयास कर उसे अशुद्ध कर देते हैं। जैसे– अश्रु-जल, यह अशुद्ध है।

Nitin-Gupta.com

क्योंकि अश्रु का तात्पर्य 'आँख से निकलने वाला पानी' होता है। अतः 'जल' शब्द जोड़ना गलत है।

अन्य शब्द-

अशुद्ध	**शुद्ध**
सज्जन पुरुष	सज्जन
यौवनावस्था	यौवन/युवावस्था
समतुल्य	सम या तुल्य
स्वत्वाधिकार	स्वत्व/अधिकार

वाक्य सम्बन्धी उदाहरण–

अशुद्ध– वे सब काल-चक्र के पहिये के नीचे पिस गये।

शुद्ध– वे सब काल-चक्र के नीचे पिस गये।

(12) विराम चिह्न सम्बन्धी अशुद्धियाँ– विराम चिह्न के उचित प्रयोग न होने से वाक्य का अर्थ बदल जाता है। या गलत हो जाता है।

जैसे– रोको मत जाने दो। (अशुद्ध वाक्य)

रोको, मत जाने दो। (शुद्ध वाक्य)

रोको मत, जाने दो। (शुद्ध वाक्य)

द्वितीय एवं तृतीय वाक्य का अर्थ अलग-अलग है।

उसने कहा तुम मूर्ख हो (अशुद्ध वाक्य)

उसने कहा, ''तुम मूख हो''(शुद्ध वाक्य)

(13) मुहावरे के प्रयोग सम्बन्धी अशुद्धि– मुहावरे का उचित प्रयोग न करने से अर्थ का अनर्थ हो जाता है। जिस मुहावरे में जो शब्द प्रचलित है उन्हें ही वाक्य में प्रयोग करना चाहिए। उनके पर्यायवाची शब्द का प्रयोग करने से अर्थ गलत हो जाता है।

जैसे–

चोर दुम दबा कर चला गया। (अशुद्ध वाक्य)

चोर दुम दबाकर भाग गया। (शुद्ध)

मैंने जान हाथ पर रख कर उसकी सहायता की। (अशुद्ध)

मैंने जान हथेली पर रखकर उसकी सहायता की। (शुद्ध)

अन्य महत्त्वपूर्ण अशुद्धियाँ एवं नियम

- **वचन सम्बन्धी तथ्य-** प्रायः लोग भ्रमवश प्रत्येक, किसी, कोई का प्रयोग बहुवचन में कर देते हैं जबकि इनका प्रयोग सदा एकवचन में होता है **जैसे**-प्रायः कोई नहीं चाहते कि हम प्रगति न करें। इसका शुद्ध रूप होगा—प्रायः कोई नहीं चाहता है कि हम प्रगति न करें।

  कोई और किसी के साथ 'भी' का प्रयोग अशुद्ध है। **जैसे-** कोई भी आयेगा, काम चल जायेगा। यहाँ 'भी' अनावश्यक है। क्योंकि 'कोई' शब्द 'कोऽपि' का तद्भव है। कोई और किसी में 'भी' का भाव विद्यमान है।
- **लिंग सम्बन्धी तथ्य-** यदि व्यक्तिवाचक संज्ञा कर्ता हो तो ध्यान रखना चाहिए कि उसके लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में लिंग और वचन होंगे। **जैसे**- यह कहना गलत है कि कलकत्ता कभी भारत की राजधानी नहीं थी। यहाँ ध्यातव्य है कि कर्ता पुल्लिंग है 'अस्तु राजधानी' थी 'न होकर राजधानी' था, शुद्ध होगा।
- **पर, ऊपर सम्बन्धी तथ्य-** प्रायः लोग 'पर' और 'ऊपर' के प्रयोग पर भी भ्रमित हो जाते हैं, **जैसे**- मन्दिर पर्वत के ऊपर है। यह वाक्य सही है। 'पर' शब्द सामान्य ऊँचाई का द्योतक होता है। **जैसे**- 'पहाड़ पर मन्दिर है' यदि कह दिया जाए तो इससे यह भाव स्पष्ट होता है कि धरातल को छोड़कर पर्वत के किसी भी भाग पर मन्दिर हो सकता है, किन्तु भाव यहाँ है कि मन्दिर पर्वत के सर्वोच्च शिखर पर है, अतः शुद्ध हुआ कि मन्दिर पर्वत के ऊपर है।
- **समय अन्तर सम्बन्धी तथ्य-** राम के पीछे श्याम का नम्बर आता है। पटना गया के बाद पड़ता है। **दोनों का शुद्ध रूप-** राम के बाद श्याम का नम्बर आता है। पटना गया के आगे पड़ता है। उक्त दोनों वाक्यों के सन्दर्भ में नियम यह है कि समय का अन्तर बतलाने के लिए 'बाद या पहले' शब्द का प्रयोग होता है और स्थान के अन्तर को व्यक्त करने के लिए 'आगे या पीछे' शब्द को प्रयुक्त करते हैं।
- **अव्यय सम्बन्धी तथ्य-**'चाहिए' और 'इसलिए' दोनों शब्द अव्यय है। अव्यय विकृत नहीं होता अर्थात् वह प्रत्येक दशा में परिवर्तन रहित होता है। अतः 'चाहिए' और 'इसलिए' का प्रयोग शुद्ध है, 'चाहिये' और 'इसलिये' का नहीं।

यहीं पर विशेष सावधानी बरतने के लिए 'लिये'—'लिए' शब्दों को उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है। वस्तुतः ये दोनों शब्द सही है किन्तु इनका प्रयोग जहाँ अव्यय के रूप में होगा वहाँ—'लिए' और जहाँ क्रिया के रूप में होगा वहाँ पर 'लिये' शब्द का प्रयोग होगा क्योंकि लिये शब्द लिया का बहुवचन है। **जैसे**—उसने राम के लिए मोहन से पचास रुपये उधार लिये।

- **पदत्वदोष-** 'मैं इसका अर्थ वह नहीं लगाता जो कि आप लगाते हैं।' यहाँ पर **अधिक पदत्वदोष** है क्योंकि वाक्यों में 'प्रयुक्त' अक्षर—'कि' अवांछनीय है। अतः इस वाक्य का **शुद्ध रूप होगा**—'मैं इसका अर्थ वह नहीं लगाता, जो आप लगाते हैं।' कथित पदत्व-दोष से इस प्रकार भी सावधानी अपेक्षित होती है **जैसे**-इधर कुछ वर्षों के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच काफी कटुता उत्पन्न हो गयी है। यहाँ पर 'बीच' शब्द का दो बार प्रयोग करके कथित पदत्व-दोष ला दिया है। अतः इस दोष से बचने के लिए वाक्य में आये दो बार 'बीच' शब्द को परिवर्तित करना होगा। अतः इसका शुद्ध रूप होगा—इधर कुछ वर्षों के बीच भारत और पाकिस्तान में काफी कटुता उत्पन्न हो गयी है। दोष को और अच्छे ढंग से समझने के लिए एक और उदाहरण देखना समीचीन होगा। **जैसे**—हिमालय की तराई में प्रातःकाल के समय दृश्य बड़ा मनोरम लगता है। इसका **शुद्ध रूप होगा**—हिमालय की तराई में प्रातःकाल का दृश्य बड़ा मनोरम लगता है। यहाँ काल और समय दोनों शब्द एक ही भाव व्यक्त करते हैं। अतः यहाँ कथित पदत्व दोष था।
- **अक्रमत्वदोष-** रमेश जिसे वर्ष भर की सजा हुई थी, की अपील उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर कर ली गयी। इस वाक्य में 'की' विभक्ति अपने उचित स्थान पर प्रयुक्त नहीं है। अतः यहाँ 'अक्रमत्व दोष' है। इस वाक्य का शुद्ध रूप इस प्रकार होगा– वर्षभर की सजा पाने वाले रमेश की अपील उच्च न्यायालय में मंजूर हो गयी।

Nitin-Gupta.com

■ **विरोधाभाषी शब्द-** कल रमेश शायद यहाँ जरूर आ जाए। इस वाक्य में 'शायद' शब्द सन्देह युक्त आशा को व्यक्त कर रहा है जबकि 'जरूर' शब्द एक निश्चयात्मक विश्वास को प्रदर्शित करता है, अर्थात् 'शायद' और 'जरूर' विरोधाभासी शब्द हैं। दोनों का प्रयोग एक ही भाव व्यक्त करने के लिए नहीं किया जा सकता। अतः इस वाक्य का शुद्ध रूप होगा—कल शायद रमेश यहाँ आ जाए।

■ **भाव सम्बन्धी तथ्य-**शिकारियों का दल शिकार की चाह में चारों ओर घूम रहा था। इस वाक्य में 'चाह' इच्छा का द्योतक है जबकि घूमना-फिरना इच्छा के कारण नहीं खोज या तलाश में होता है अर्थात् **शुद्ध वाक्य होगा**—शिकारियों का दल शिकार की तलाश में चारों ओर घूम रहा था।

■ **सहवर्ती बहुवचन शब्द-** 'सब' और 'लोग' सामान्यतः बहुवचन हैं, किन्तु कभी-कभी 'सब' का समुच्चय-रूप में एकवचन में भी प्रयोग होता है। हिन्दी में 'सब' समुच्चय और संख्या दोनों का बोध कराता है। 'लोग' सदा बहुवचन में प्रयुक्त होता है।

(1) प्रत्येक, किसी और कोई का प्रयोग

'प्रत्येक', 'किसी' और 'कोई' का प्रयोग सदा एकवचन में होता है, बहुवचन में प्रयोग अशुद्ध होता है; **जैसे-**

'प्रत्येक' का प्रयोग – प्रत्येक व्यक्ति से मेरा निवेदन है।

'कोई' का प्रयोग – तुमसे कोई काम नहीं हो सकता।

'किसी' का प्रयोग – किसी आदमी को भेज दो।

(2) (क) नए, नये, नई, नयी का शुद्ध प्रयोग – जिस शब्द का अन्तिम वर्ण 'या' है उसका बहुवचन 'ये' होगा। मूल शब्द 'नया' है, इसका बहुवचन 'नये' और स्त्रीलिंग 'नयी' होगा।

(ख) हुए, हुये, हुयी, हुई का शुद्ध प्रयोग - 'हुआ' मूल शब्द है (एकवचन)। इसका बहुवचन 'हुए' है न कि 'हुये'। 'हुए' का स्त्रीलिंग 'हुई' होगा; न कि 'हुयी'।

(ग) गए, गई, गये, गयी का शुद्ध प्रयोग - 'गया' मूल शब्द है (एकवचन)। पूर्वलिखित नियम के अनुसार 'गया' का बहुवचन 'गये' और स्त्रीलिंग 'गयी' होगा।

(घ) 'लिए' और 'लिये' का शुद्ध प्रयोग – यद्यपि दोनों शुद्ध रूप हैं तथापि जहाँ अव्यय व्यवहृत होगा वहाँ 'लिए' का प्रयोग होगा। क्रिया के अर्थ में 'लिये' का प्रयोग होगा; क्योंकि इसका मूल शब्द 'लिया' है।

(ङ) 'किए', 'किये' का शुद्ध प्रयोग – इसका मूल शब्द 'किया' है और बहुवचन 'किये' होगा।

(3) द्वारा' और 'से' का प्रयोग – जब किसी व्यक्ति के माध्यम से कोई कार्य होता है तब संज्ञा के बाद 'द्वारा' का प्रयोग होता है। वस्तु (संज्ञा) के बाद 'से' लगता है; **जैसे-**

(i) रमेश द्वारा यह कार्य सम्पन्न हुआ।

(ii) युद्ध से देश पर संकट आता है।

महत्त्वपूर्ण उदाहरण

■ **अशुद्ध** - आपका भविष्य उज्जवल है।
शुद्ध - आपका भविष्य उज्ज्वल है।

■ **अशुद्ध** - मैं घर ही हूँ।
शुद्ध - मैं घर में हूँ।

■ **अशुद्ध** - ठण्डा घड़े का पानी पिलाइए।
शुद्ध - घड़े का ठण्डा पानी पिलाइए।

■ **अशुद्ध** - आपका दर्शन करने आया हूँ।
शुद्ध - आपके दर्शन करने आया हूँ।

■ **अशुद्ध** - पति-पत्नी आई है।
शुद्ध - पति-पत्नी आये हैं।

■ **अशुद्ध** - 'गोदान' प्रेमचन्द की एक श्रेष्ठ उपन्यास है।
शुद्ध - 'गोदान' प्रेमचन्द का एक श्रेष्ठ उपन्यास है।

■ **अशुद्ध** - हम हमारे देश के महापुरुषों का अनुसरण करें।
शुद्ध - हम अपने देश के महापुरुषों का अनुसरण करें।

■ **अशुद्ध** - उसके बाद फिर राम का राज्याभिषेक हुआ।
शुद्ध - उसके बाद राम का राज्याभिषेक हुआ।

■ **अशुद्ध** - एक फूलों की माला चाहिए।
शुद्ध - फूलों की एक माला चाहिए।

■ **अशुद्ध** - पुस्तक को जहाँ से उठाओ, वहीं रख दो।
शुद्ध - पुस्तक जहाँ से उठाओ, वहीं रख दो।

■ **अशुद्ध** - हम अपने पिता के सबसे बड़े लड़के हैं।
शुद्ध - मैं अपने पिता का सबसे बड़ा लड़का हूँ।

■ **अशुद्ध** - मैं मेरी कलम से लिखता हूँ।
शुद्ध - मैं अपनी कलम से लिखता हूँ।

■ **अशुद्ध** - यह भाग्यवान स्त्री है।
शुद्ध - यह भाग्यवती स्त्री है।

■ **अशुद्ध** - अत्यधिक व्यस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद है।
शुद्ध - अत्यधिक व्यस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

■ **अशुद्ध** - केवल मात्र आपके दर्शन पर्याप्त होंगे।
शुद्ध - केवल आपके दर्शन पर्याप्त होंगे।

■ **अशुद्ध** - मेरे मन के अंदर कोई बुरी बात नहीं है।
शुद्ध - मेरे मन में कोई बुरी बात नहीं है।

■ **अशुद्ध** - यद्यपि मैं आपका बहुत कृतज्ञ हूँ पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता।
शुद्ध - यद्यपि मैं आपका बहुत आभारी हूँ पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता।

■ **अशुद्ध** - मेरी पूज्यनीय माँ अब इस संसार में नहीं हैं।
शुद्ध - मेरी पूजनीय माँ अब इस संसार में नहीं हैं।

■ **अशुद्ध** - आपकी महान् कृपा होगी।
शुद्ध - आपकी महती कृपा होगी।

Nitin-Gupta.com

■ **अशुद्ध** - आँखों से आँसू निकल पड़ा।
शुद्ध - आँखों से आँसू निकल पड़े।
■ **अशुद्ध** - हवन सामग्री जल गया।
शुद्ध - हवन सामग्री जल गयी।
■ **अशुद्ध** - उसे कह दो कि भाग जाय।
शुद्ध - उससे कह दो कि भाग जाये।
■ **अशुद्ध** - वह विलाप करके रोने लगी।
शुद्ध - वह विलाप करने लगी।
■ **अशुद्ध** - उसका प्राण निकल गया।
शुद्ध - उसके प्राण निकल गये।
■ **अशुद्ध** - अधिकांश विद्यार्थी शान्त रहे।
शुद्ध - अधिकतर विद्यार्थी शान्त रहे।
■ **अशुद्ध** - दोषी छात्रों ने अपने सिर नीचे को कर लिए।
शुद्ध - दोषी छात्रों ने अपना सिर नीचे कर लिया।
■ **अशुद्ध** - मैं अपनी बात को स्पष्टीकरण करना चाहता हूँ।
शुद्ध - मैं अपनी बात को स्पष्ट करना चाहता हूँ।
■ **अशुद्ध** - उनकी अपनी प्रखर बुद्धि हर काम में प्रकट होती है।
शुद्ध - उनकी प्रखर बुद्धि हर काम में प्रकट होती है।
■ **अशुद्ध** - आप इस पत्र में हस्ताक्षर बना दीजिए।
शुद्ध - आप इस पत्र पर हस्ताक्षर कर दीजिए।
■ **अशुद्ध** - शेर को देखकर उसका प्राण सूख गया।
शुद्ध - शेर को देखकर उसके प्राण सूख गये।
■ **अशुद्ध** - एक पानी का गिलास दीजिए।
शुद्ध - एक गिलास पानी दीजिए।
■ **अशुद्ध** - मैं आपकी प्रतिक्षा करता रहा।
शुद्ध - मैं आपकी प्रतीक्षा करता रहा।
■ **अशुद्ध** - प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्मनिर्भर होना चाहिए।
शुद्ध - प्रत्येक प्राणी को आत्मनिर्भर होना चाहिए।
■ **अशुद्ध** - मैं कपड़े नहीं दिया हूँ।
शुद्ध - मैंने कपड़े नहीं दिये हैं।
■ **अशुद्ध** - वे दो नौ ग्यारह हो गया।
शुद्ध - वह नौ दो ग्यारह हो गया।
■ **अशुद्ध** - आपका पत्र सधन्यवाद सहित मिला।
शुद्ध - आपका पत्र मिला। धन्यवाद।
■ **अशुद्ध** - इस समय आपकी आयु चालीस वर्ष है।
शुद्ध - इस समय आपकी अवस्था चालीस वर्ष है।
■ **अशुद्ध** - श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।
शुद्ध - श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।
■ **अशुद्ध** - आपकी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
शुद्ध - आपकी आयुष्मती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
■ **अशुद्ध** - मैं तुमको अनेकों बार कहा।
शुद्ध - मैंने तुमसे अनेक बार कहा।
■ **अशुद्ध** - तुम मोहन को देखे हो।
शुद्ध - तुमने मोहन को देखा है।
■ **अशुद्ध** - बच्चों से गुस्सा न करो।
शुद्ध - बच्चों पर क्रोध न करो।
■ **अशुद्ध** - दस रुपया में क्या आता है?
शुद्ध - दस रुपये में क्या मिलता है?
■ **अशुद्ध** - उसकी सौजन्यता से यह कार्य हुआ है।
शुद्ध - उनके सौजन्य से यह कार्य हुआ।
■ **अशुद्ध** - तमाम देशभर में ये बात फैल गयी।
शुद्ध - देशभर में ये बात फैल गयी।
■ **अशुद्ध** - मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।
शुद्ध - मैं सप्रमाण कहता हूँ।
■ **अशुद्ध** - भोजन बहुत सुन्दर बना है।
शुद्ध - भोजन बहुत स्वादिष्ट (लजीज) बना है।
■ **अशुद्ध** - मैं सौ रुपये का टिकट खरीदा।
शुद्ध - मैंने सौ रुपये का टिकट खरीदा।
■ **अशुद्ध** - मुझे नहीं मालूम था कि यह आपकी पैत्रिक सम्पत्ति है।
शुद्ध - मुझे नहीं मालूम था कि यह आपकी पैतृक सम्पत्ति है।
■ **अशुद्ध** - उसने मोती का एक हार खरीदा।
शुद्ध - उसने मोतियों का एक हार खरीदा।
■ **अशुद्ध** - हमें अपनी काम करना चाहिए।
शुद्ध - हमें अपना काम करना चाहिए।
■ **अशुद्ध** - निराशा छायी हुई है।
शुद्ध - निराशा छायी है।
■ **अशुद्ध** - अनेकों लोगों ने मुझे पकड़ लिया।
शुद्ध - अनेक लोगों ने मुझे पकड़ लिया।
■ **अशुद्ध** - तितली के पास सुंदर पंख होते हैं।
शुद्ध - तितली के पंख सुंदर होते हैं।
■ **अशुद्ध** - राकेश नया पोषाक पहनकर आया है।
शुद्ध - राकेश नयी पोशाक पहनकर आया है।
■ **अशुद्ध** - जब भी आप जाओ मुझसे मिलो।
शुद्ध - जब भी आप आईए मुझसे मिलिए।
■ **अशुद्ध** - गत रविवार को वह मुंबई जाएगा।
शुद्ध - गत रविवार वह मुंबई गया।
■ **अशुद्ध** - उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग व्यर्थ गँवा दिया।
शुद्ध - उसने अपनी कमाई का अधिकांश गँवा दिया।
■ **अशुद्ध** - व्यक्ति को अपने समय का अच्छा सदुपयोग करना चाहिए।
शुद्ध - व्यक्ति को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए।
■ **अशुद्ध** - मित्र कहाँ थे? इतने वर्षों के बीच दिखाई नहीं दिए।
शुद्ध - मित्र कहाँ थे? इतने वर्षों में दिखाई नहीं दिए।
■ **अशुद्ध** - मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड के योग्य है।
शुद्ध - मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड योग्य है।
■ **अशुद्ध** - छात्रों ने मुख्य अतिथि को मान पत्र प्रदान किया।
शुद्ध - छात्रों ने मुख्य अतिथि को मानपत्र अर्पित किया।

Nitin-Gupta.com

वर्तनी शुद्धियाँ

देवनागरी लिपि अन्य लिपियों की तुलना में सर्वाधिक वैज्ञानिक है। जहाँ इसमें सभी ध्वनियों को व्यक्त करने की क्षमता है, वहीं दूसरी तरफ एक ध्वनि की अभिव्यक्ति हेतु एक ही लिपिचिह्न है। किन्तु अज्ञानतावश कुछ लोग लिपि व उच्चारण संबंधी त्रुटियाँ कर बैठते हैं, जिससे वर्तनी की अशुद्धियाँ हो जाती हैं। यहाँ पर कतिपय वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ एवं उनका समाधान प्रस्तुत किया जा रहा है जो परीक्षा की दृष्टि से अति उपयोगी है।

''ब'' और ''व'' की अशुद्धियाँ

ब और व के प्रयोग सम्बन्धी हिन्दी में बहुतायत अशुद्धियाँ दृष्टिगत होती हैं। इसका महत्त्वपूर्ण कारण है - शब्दों का अशुद्ध उच्चारण। जहाँ तक दोनों शब्दों के उच्चारण का प्रश्न है - 'ब' के उच्चारण में होंठ जुड़ जाते हैं वहीं पर 'व' के उच्चारण में नीचे का होंठ ऊपर वाले दाँतों के अगले भाग के निकट पहुँच जाता है और साथ ही साथ दोनों होठों का आकार गोला हो जाता है, किन्तु वे आपस में मिलते नहीं हैं। 'ब' एवं 'व' के प्रयोग में अशुद्धि उच्चारण की अशुद्धि है। जैसे-

अशुद्ध	**शुद्ध**
बदन	वदन
बंश	वंश
बधू	वधू
बचन	वचन
ब्याज	व्याज

ण और न सम्बन्धी अशुद्धियाँ

वस्तुतः 'ण' का प्रयोग प्रायः संस्कृत शब्दों में ही होता है जिन तत्सम शब्दों में 'ण' होता है, उनके तद्भव में ण के स्थान पर 'न' प्रयुक्त हो जाता है। **उदाहरणार्थ –** कण-कन, फण-फन, विष्णु-विसुन, रण-रन।

छ और क्ष सम्बन्धी अशुद्धियाँ

जहाँ 'क्ष' एक संयुक्त व्यंजन है वहीं 'छ' एक स्वतंत्र व्यंजन। 'क्ष' क् और 'ष' के मेल से बना है। यह शब्द संस्कृत में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है। **जैसे -** समीक्षा, परीक्षा, शिक्षा, दीक्षा, क्षत्रिय, निरीक्षक, अधीक्षण आदि।

'श', 'ष' और 'स' सम्बन्धी अशुद्धियाँ

वस्तुतः श, ष और स तीनों पृथक् हैं और इनका उच्चारण भी पृथक् ही है। इनके उच्चारण सम्बन्धी दोष के परिणामस्वरूप ही वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ प्रायः देखने को मिलती हैं। अतएव उच्चारण में विशेष ध्यान देना अभीष्ट है। एतद् सम्बन्धित निम्न बातों पर सावधानी देना अपेक्षित है-

- विशेष ध्यातव्य यह कि 'ष' शब्द का प्रयोग केवल संस्कृत में ही मिलता है। **जैसे –** कृषक, भाषा, सन्तोष, गवेषणा, कषाय, मूषक, पीयूष, पुरुष, शुश्रूषा, भाषा आदि।
- सन्धि करने में क, ख, ट, ठ, प, फ आदि के पहले आगत विसर्ग (:) सर्वदा 'ष' हो जाता है। **जैसे–** निः + कंटक = निष्कंटक।
- च वर्ग के पहले सदैव 'श्' का प्रयोग होता है। जैसे– निश्चल, निश्छल।
- यदि किसी शब्द में 'स' हो और उसके पहले 'अ' या 'आ' के अतिरिक्त कोई अन्य स्वर हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' हो जाता है।
- ट वर्ग के पहले केवल 'ष' का ही प्रयोग होता है। **जैसे -** षोडस, षडानन, कष्ट, नष्ट।
- ऋ के उपरान्त प्रायः 'ष' ही आता है। **जैसे -** ऋषि, कृषि, वृष्टि, तृषा।
- जहाँ पर श और स एक साथ आते हैं, वहाँ पर 'श' पहले प्रयुक्त होता है। **जैसे -** शासक, शासन, प्रशंसा आदि।
- जहाँ 'श' एवं 'ष' एक साथ आते हैं वहाँ 'श' के बाद 'ष' आता है। जैसे- शोषण, विशेष।
- तत्सम शब्दों का 'श' तद्भव शब्दों में 'स' हो जाता है। जैसे- शूकर- सूअर, श्यामल - साँवला, शाक- साग

विशेष – कतिपय शब्दों के रूप वैकल्पिक हुआ करते हैं जो दोनों ही रूप में शुद्ध होते हैं। **जैसे –** कौशल्या - कौसल्या, वशिष्ठ-वसिष्ठ, केशरी-केसरी, कशा-कषा आदि।

लिंग, प्रत्यय, सन्धि, मात्रा, स्वर, व्यंजन प्रभृति अशुद्धियाँ वाक्यों को विखंडित कर देती हैं, तदर्थ उस वाक्य के मूल भाव यथार्थ से परे हो जाते हैं- ऐसे कुछ शब्द निम्न हैं, जो विशेष ध्यातव्य हैं-

अ, आ

अशुद्ध		**शुद्ध**	**अशुद्ध**		**शुद्ध**
अनुग्रहीत	-	अनुगृहीत	आधीन	-	अधीन
अनुवादित	-	अनूदित	अन्तर्कथा	-	अन्तःकथा
अकृतिम	-	अकृत्रिम	अनाधिकार	-	अनधिकार
अजानवाहु	-	आजानुबाहु	आतीथेय	-	अतिथेय
अन्तर्ध्यान	-	अन्तर्धान	आकंक्षा	-	आकांक्षा
अनुशरण	-	अनुसरण	आर्शीवाद	-	आशीर्वाद
अमावश्या	-	अमावस्या	अपन्हुति	-	अपह्नुति
अक्षादन	-	आच्छादन	आल्हाद	-	आह्लाद
औगुण	-	अवगुण	औतार	-	अवतार
अध्यात्मक	-	आध्यात्मिक	आजिवका	-	आजीविका
अहिल्या	-	अहल्या	औद्योगीकरण	-	उद्योगीकरण
अदितीय	-	अद्वितीय	अमिस	-	आमिष
अराधना	-	आराधना	आसा	-	आशा
आसाढ़	-	आषाढ़	अश्मसान	-	श्मशान
असुद्ध	-	अशुद्ध	आट्टालिका	-	अट्टालिका
अध्यन	-	अध्ययन	आर्द	-	आर्द्र

Nitin-Gupta.com

आधिक्यता	-	आधिक्य	अवश्यकीय	-	आवश्यक
अर्न्तराष्ट्रीय	-	अन्तर्राष्ट्रीय	अरमूद	-	अमरूद
अँधा	-	अंधा	अरपन	-	अर्पण
अनभिग्य	-	अनभिज्ञ	अन्ताक्षरी	-	अंत्याक्षरी
अहार	-	आहार	आस्विकार	-	अस्वीकार
अपरान्ह	-	अपराह्न	अभिसेक	-	अभिषेक

इ-ई

ईर्षा	-	ईर्ष्या	इश्वर	-	ईश्वर
इतिपूर्व	-	इतःपूर्व	इकठ्ठा	-	इकट्ठा

उ, ऊ

उरीड़	-	उऋण	ऊर्मीला	-	उर्मिला
उदिग्न	-	उद्विग्न	उपर	-	ऊपर
उदेश्य	-	उद्देश्य	उपलक्ष	-	उपलक्ष्य
उशृंखल	-	उच्छृंखल	उज्वल	-	उज्ज्वल
उलंघन	-	उल्लंघन	उतपात	-	उत्पात
उन्नती	-	उन्नति	उन्मिलित	-	उन्मीलित
उद्वरड़	-	उद्धरण	उपाशना	-	उपासना

ए-ऐ

एकलौता	-	इकलौता	एकतारा	-	इकतारा
एकत्रित	-	एकत्र	ऐकान्तिक	-	एकान्तिक
ऐक्यता	-	ऐक्य	ऐकदन्त	-	एकदन्त
एश्वर्य	-	ऐश्वर्य	ऐतीहासिक	-	ऐतिहासिक

क

क्रिपा	-	कृपा	कुँज	-	कुंज
किर्ति	-	कीर्ति	करय	-	क्रय
कृप्या	-	कृपया	कवियत्री	-	कवयित्री
कैलाश	-	कैलास	कन्हेया	-	कन्हैया
कालीदास	-	कालिदास	कर्त्तव्यपालन	-	कर्तव्य-पालन
कृंशागिनी	-	कृशांगी	कुवर	-	कुँवर
कौशिल्या	-	कौशल्या	कोमलांगिनी	-	कोमलांगी
कृत्यकृत्य	-	कृतकृत्य	कार्यकर्म	-	कार्यक्रम
कृतघ्नी	-	कृतघ्न	करोण	-	करोड़
केन्द्रियकरण	-	केंद्रीकरण	कियारी	-	क्यारी

ग

गरुण	-	गरुड़	गरीष्ठ	-	गरिष्ठ
गोपनिय	-	गोपनीय	ग्रीहस्थ	-	गृहस्थ
गर्मीयो	-	गर्मियों	गाव	-	गाँव
गायिकी	-	गायिका	गृहीणी	-	गृहिणी
गांधी	-	गाँधी	गृहीत	-	ग्रहीत

घ

घन्टा	-	घंटा	घणा	-	घड़ा
घ्रित	-	घृत	घनिष्ट	-	घनिष्ठ

च

चिन्ह	-	चिह्न	चन्चल	-	चंचल
चंचरिक	-	चंचरीक	चारदीवारी	-	चहारदीवारी

छ

छत्री	-	क्षत्रिय	छमा	-	क्षमा
छुधा	-	क्षुधा	छेम	-	क्षेम
क्षत्र	-	छत्र	छत्रछाया	-	छत्रच्छाया

ज

ज्योत्सना	-	ज्योत्स्ना	जमाता	-	जामाता
जाग्रिति	-	जागरित	जात्याभिमान	-	जात्यभिमान
जगत जननी	-	जगज्जननी	जगधात्री	-	जगद्धात्री
जागरन	-	जागरण	ज्येष्ट	-	ज्येष्ठ

त

तलाव	-	तालाब	त्यज्य	-	त्याज्य
तरुछाया	-	तरुच्छाया	तत्कालिक	-	तात्कालिक
तृकाल	-	त्रिकाल	तालासी	-	तलाशी
त्रिगूड़	-	त्रिगुण	तिलांजली	-	तिलांजलि

द

दारिद्रता	-	दरिद्रता	दांत	-	दाँत
दीवारात्रि	-	दिवारात्र	दूरात्मागण	-	दुरात्मगण
देश-निकाला	-	देशनिकाला	दयाल	-	दयालु
दुरावस्था	-	दुरवस्था	द्रस्टव्य	-	द्रष्टव्य
दृष्य	-	दृश्य	द्वारीका	-	द्वारका
दोस	-	दोष	द्रिग	-	दृग

ध

धनुस	-	धनुष	धैर्यता	-	धैर्य, धीरता

न

निःपराध	-	निरपराध	निर्दयी	-	निर्दय
निरसता	-	नीरसता	निष्कपटी	-	निष्कपट
नराज	-	नाराज	निष्छल	-	निश्छल
निलकंठ	-	नीलकण्ठ	नीवारण	-	निवारण
नीरवाण	-	निर्वाण	निस्चेस्ट	-	निश्चेष्ट
नारायड़	-	नारायण	नबाब	-	नवाब
नारि	-	नारी	निरोग्य	-	नीरोग
नीरश	-	नीरस	नेतागण	-	नेतृगण

Nitin-Gupta.com

प				
पृष्ट	-	पृष्ठ	प्रान -	प्राण
पयपान	-	पयःपान	पिता भक्ति -	पितृभक्ति
पैत्रिक	-	पैतृक	परीच्छा -	परीक्षा
पुजा	-	पूजा	पौरुस -	पौरुष
परिसद	-	परिषद	परेम -	प्रेम
परिक्षण	-	परीक्षण	पूज्यनीय -	पूजनीय
पुलिंग	-	पुल्लिंग	पिशाचिनी -	पिशाची
पतीत	-	पतित	पुष्पवलि -	पुष्पावली
पुरष्कार	-	पुरस्कार	पोशक -	पोषक
पद्मीनी	-	पद्मिनी	पुष्टी -	पुष्टि
परिछेद	-	परिच्छेद	पुस्प -	पुष्प
परिनाम	-	परिणाम		

प्र				
प्रादेसिक	-	प्रादेशिक	परमोषधि -	परमौषधि
प्राप्ती	-	प्राप्ति	प्रमाणिक -	प्रामाणिक
प्रनाम	-	प्रणाम	प्राज्वलित -	प्रज्वलित
प्रतिछाया	-	प्रतिच्छाया	प्रसंसा -	प्रशंसा
प्रेयसि	-	प्रेयसी	प्रदर्शीनी -	प्रदर्शनी
प्रतीज्ञा	-	प्रतिज्ञा	प्रत्यछ -	प्रत्यक्ष
प्रशन्न	-	प्रसन्न	प्राशाद -	प्रासाद
प्रमेश्वर	-	परमेश्वर	परसाद –	प्रसाद

ब				
बिराट	-	विराट्	वीधि -	विधि
व्यापित	-	व्याप्त	बहुल्यता -	बहुलता
विश्लेसण	-	विश्लेषण	व्रिज -	ब्रज
बहिस्कार	-	बहिष्कार	विषेस -	विशेष
बृक्ष	-	वृक्ष	वीराजमान -	विराजमान
वाल्मीकी	-	वाल्मीकि	वाहनी -	वाहिनी
ब्रम्हा	-	ब्रह्मा	वेफिजूल -	फ़जूल

भ				
भुधर	-	भूधर	भष्म -	भस्म
भस्मिभूत	-	भस्मीभूत	भव-सागर -	भवसागर
भाण्डार	-	भंडार	भ्रातागण -	भ्रातृगण
भाष्कर	-	भास्कर	भगीरथी -	भागीरथी

म				
मेनहत	-	मेहनत	मन्त्रीमंडल -	मंत्रिमंडल
मट्टी	-	मिट्टी	महायग्य -	महायज्ञ
महात्म	-	माहात्म्य	म्रित्युञ्जय -	मृत्युञ्जय
मान्यनीय	-	माननीय	मनोग्य -	मनोज्ञ
माताहीन	-	मातृहीन	मनीषीगण -	मनीषिगण

य				
यस	-	यश	यावत जीवन -	यावज्जीवन
योगीवर	-	योगिवर	यशलाभ -	यशोलाभ
यद्‌यपि	-	यद्यपि	योधा -	योद्धा
यथेष्ठ	-	यथेष्ट	याज्ञवल्क -	याज्ञवल्क्य

र				
राजनैतिक	-	राजनीतिक	राजागण -	राजगण
रीतु	-	ऋतु	राजऋषि -	राजर्षि
रीड़	-	ऋण	राजन -	राजन्य

व				
वीदेह	-	विदेह	विकाश -	विकास
विशम	-	विषम	वेष -	वेश
वांग्मय	-	वाङ्मय	व्यवहारिक -	व्यावहारिक
विद्वान	-	विद्वान्	विरहणी -	विरहिणी
विश्वभर	-	विश्वम्भर	विसमृत -	विस्मृत

श				
शिरोपोड़ा	-	शिरःपीड़ा	शशी -	शशि
शताब्दि	-	शताब्दी	शान्तमय -	शान्तिमय
शशीभूषण	-	शशिभूषण	शिवी -	शिवि

स-ह				
सम्वाद	-	संवाद	सौन्दर्यता -	सुन्दरता, सौन्दर्य
सवारना	-	संवारना	सम्राज्य -	साम्राज्य
सौजन्यता	-	सौजन्य	सार्वजनीक -	सार्वजनिक
सतत	-	सतत्	स्वालम्बन -	स्वावलम्बन
साहीत्यिक	-	साहित्यिक	स्वयंम्बर -	स्वयंवर
सृजन	-	सर्जन	सन्मान -	सम्मान
साप्ताहीक	-	साप्ताहिक	सन्यास -	संन्यास
सौख्यता	-	सौख्य	सौन्दर्यानुभूत -	सौन्दर्यानुभूति
स्वास्थ	-	स्वास्थ्य	साम्यता -	साम्य
सन्मुख	-	सम्मुख	संग्रहित -	संगृहीत
सर्वस्य	-	सर्वस्व	हतिबुद्ध -	हतबुद्धि
हस्ताक्षेप	-	हस्तक्षेप	हिरण्यकश्यपु -	हिरण्यकशिपु
ऋषीकेस	-	ऋषिकेश	स्वक्ष -	स्वच्छ
सन्चार	-	संचार	स्थिती -	स्थिति
सहस्त्र	-	सहस्र	सतोगुण -	सत्त्वगुण
समिक्षा	-	समीक्षा	सुश्रुषा -	शुश्रूषा
सम्भवतह	-	सम्भवतः	स्थाई -	स्थायी
संसक्रित	-	संस्कृत	सहीष्णु -	सहिष्णु

Nitin-Gupta.com

कतिपय ध्यातव्य अशुद्धियाँ एवं उसके शुद्ध रूप

स्वर मात्रा की अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
ऐकान्तिक	एकांतिक	परलौकिक	पारलौकिक
मालन	मालिन	अहिल्या	अहल्या
निरसता	नीरसता	संग्रहित	संगृहीत
निर्दयी	निर्दय	अनुगृह	अनुग्रह
निरापराध	निरपराध	अनाधिकृत	अनधिकृत
भगीरथी	भागीरथी	स्थायीत्व	स्थायित्व
आजीवका	आजीविका	कुमदनी	कुमुदिनी
युधिष्ठर	युधिष्ठिर	विरहणी	विरहिणी
द्वारिका	द्वारका	कवियित्री	कवयित्री
निरपराधी	निरपराध	तदान्तर	तदंतर, तदनन्तर
प्रमाणिक	प्रामाणिक	बृज	ब्रज
विशिष्ठ	विशिष्ट	निष्कपटी	निष्कपट
उर्ध्व	ऊर्ध्व	गृहीत	ग्रहीत
प्रिथा	प्रथा	दृष्टा	द्रष्टा
जागृत	जाग्रत्, जागरित	सृष्टा	स्रष्टा
अनुदित	अनूदित	सुश्रुषा	शुश्रूषा
पैत्रिक	पैतृक	विक्ष	वृक्ष
ऐषणा	एषणा		

व्यञ्जन की अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
असाम्यता	असाम्य	बिस्मृत	विस्मृत
उश्रृंखल	उच्छृंखल	यथेष्ठ	यथेष्ट
ज्योत्सना	ज्योत्स्ना	पटाच्छेप	पटाक्षेप
वहिरंग	बहिरंग	सृजन	सर्जन
गरिष्ट	गरिष्ठ	अन्तर्ध्यान	अन्तर्धान
हिरण्यकश्यपु	हिरण्यकशिपु	प्रवृत	प्रवृत्त
प्रवृतनीय	प्रवर्तनीय	जगतजननी	जगज्जननी
सौन्दर्यत्व	सौन्दर्य	पारंगक	पारंगत
आहवान	आह्वान	महात्म	माहात्म्य
आल्हाद	आह्लाद	स्मसान	श्मशान

सन्धि सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
उपरोक्त	उपर्युक्त	स्वयम्वर	स्वयंवर
अत्योक्ति	अत्युक्ति	मनज्ञ	मनोज्ञ
जगतनाथ	जगन्नाथ	निरपाय	निरुपाय
मनहर	मनोहर	निष्छल	निश्छल
निष्तार	निस्तार	दुष्तर	दुस्तर
परिछेद	परिच्छेद	विद्युत्तलता	विद्युत्लता
षट्ऋतु	षड्ऋतु	तरुछाया	तरुच्छाया
पित्रीण	पितृण	मनोकामना	मनःकामना
यशलाभ	यशोलाभ	रीत्यानुसार	रीत्यनुसार
उदिग्न	उद्विग्न	अधगति	अधोगति
तत्मय	तन्मय	राजऋषि	राजर्षि
परमोषधि	परमौषधि	दिगजाल	दिग्जाल
उच्श्रृंखल	उच्छृंखल	अन्तर्रात्मा	अंतरात्मा
दुरावस्था	दुरवस्था	सत्वंश	सद्वंश
पुनराभिनय	पुनरभिनय	मनोकष्ट	मनःकष्ट
इतिपूर्व	इतःपूर्व	अन्तरप्रान्तीय	अन्तःप्रान्तीय
निरोपम	निरुपम	अक्षोहिणी	अक्षौहिणी
वांगमय	वाङ्मय	मतेक्य	मतैक्य
पुष्पवली	पुष्पावली	सत्गति	सद्गति

समास सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	*शुद्ध*	*अशुद्ध*	*शुद्ध*
कृतघ्नों	कृतघ्न	मंत्रीवर	मंत्रिवर
वक्तागण	वक्तृगण	सलज्जित	सलज्ज
अहर्निशि	अहर्निश	सशंकित	सशंक
आत्मापुरुष	आत्मपुरुष	शान्तमय	शान्तिमय
दिवारात्रि	दिवारात्र	दुरात्मागण	दुरात्मगण
सानन्दित	सानन्द	गुणीगण	गुणिगण
भ्रातागण	भ्रातृगण	योगीवर	योगिवर
सतोगुण	सत्त्वगुण	प्राणीवृन्द	प्राणिवृन्द
शशीभूषण	शशिभूषण		

उपसर्ग और प्रत्यय सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
औतार	अवतार	अविदैविक	आधिदैविक
अग्नेय	आग्नेय	अनवासिक	अनावासिक
अर्धशासकीय	अर्द्धशासकीय	अनुषांगिक	आनुषंगिक
लव्धप्रतिष्ठि	लब्धप्रतिष्ठ	प्रतिनिधिक	प्रातिनिधिक
गोपित	गुप्त	चरुताई	चारुता
अभल	अनभल	द्विवार्षिक	द्वैवार्षिक
प्रफुल्लित	प्रफुल्ल	औगुण	अवगुण
ज्ञानमान	ज्ञानवान्		

लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	*शुद्ध*	*अशुद्ध*	*शुद्ध*
प्रेयसि	प्रेयसी	सुलोचनी	सुलोचना
कोमलांगिनी	कोमलांगी	चातकनी	चातकी
अश्विनी	अश्वा	पिशाचिनी	पिशाची
भुजंगिनी	भुजंगी	कृशाँगिनी	कृशांगी

Nitin-Gupta.com

विगत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न : संकलन

1. अधोलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) बजार (b) बारात
(c) कालीदास (d) बाज़ार

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में से 'बाजार' शब्द की वर्तनी शुद्ध है। अन्य शुद्ध वर्तनी निम्न हैं-

अशुद्ध	**शुद्ध**
बारात	बरात
कालीदास	कालिदास

2. निम्नलिखित में सही विराम चिह्न से युक्त वाक्य का चुनाव कीजिए-

(a) सुनो, सुनो, वह गा रही है।
(b) राम! लक्ष्मण! और शत्रुघन पधारे है।
(c) क्या आप हरिद्वार से आ रहे हैं।
(d) रामनरेश गोबर–गणेश हैं।

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (a) : 'सुनो, सुनो वह गा रही है' वाक्य विराम चिह्न की दृष्टि से सही है। अन्य वाक्यों के सही रूप निम्न हैं। -
अशुद्ध- राम! लक्ष्मण! और शत्रुघ्न पधारे हैं।
शुद्ध - राम, लक्ष्मण और शत्रुघ्न पधारे हैं।
अशुद्ध - क्या आप हरिद्वार से आ रहे हैं।
शुद्ध - क्या आप हरिद्वार से आ रहे हैं।
अशुद्ध- रामनरेश गोबर–गणेश है।
शुद्ध - रामनरेश गोबर गणेश है।

3. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है-

(a) श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।
(b) छात्रों ने प्रधानमंत्री को अभिनंदन पत्र प्रदान किया।
(c) श्री कृष्ण के अनेको नाम है।
(d) साहित्य और जीवन का घोर संबंध है।

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (a) : वाक्य 'श्रीकृष्ण के अनेक नाम है।' शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्प-वाक्य अशुद्ध हैं।
अशुद्ध- छात्रों ने प्रधानमंत्री को अभिनंदन पत्र प्रदान किया।
शुद्ध- छात्रों ने प्रधानमंत्री को अभिनंदन पत्र अर्पित किया।
अशुद्ध- साहित्य और जीवन का घोर संबंध है।
शुद्ध- साहित्य और जीवन का अभिन्न संबंध है।

4. निम्नलिखित में से किस एक वाक्य के एक शब्द में व्यंजन-वर्ण संबंधी अशुद्धि है?

(a) उसे धोका देकर लूट लिया ।
(b) जमींदार के पास दो सिपाही थे।
(c) तुम किस कक्षा में पढ़ते हो।
(d) लोग मजदूरो का शोषण करते हैं।

UPPSC-CSAT-2023

Ans. (a) : वाक्य 'उसे धोका देकर लूट लिया' में शब्द 'धोका' में व्यंजन-वर्ण संबंधी अशुद्धि है। यहाँ 'धोका' के स्थान पर 'धोखा' होगा। अन्य सभी विकल्प वाक्य शुद्ध हैं।

5. निम्नलिखित में शुद्ध शब्द है-

(a) लब्धप्रतिष्ठा (b) लुब्धपृतिष्ठ
(c) लब्धप्रतिष्ठ (d) लब्धपृतिष्ठ

UPPCS CSAT 2022

Ans. (c) : दिये गये विकल्पों में से 'लब्धप्रतिष्ठ' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

6. निम्नलिखित वाक्यों में से एक शुद्ध वाक्य है-

(a) वह सातवें कक्षा में पढ़ता है।
(b) सरयू नदी का घाट बहुत लम्बा है।
(c) जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वह जा सकते हैं।
(d) कृपया एक गिलास पानी दीजिए।

UPPCS CSAT 2022

Ans. (d) : दिये गये वाक्यों में से 'कृपया एक गिलास पानी दीजिए' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्य अशुद्ध हैं जिनके शुद्ध रूप इस प्रकार होगें-
अशुद्ध- वह सातवें कक्षा में पढ़ता है।
शुद्ध- वह सातवीं कक्षा में पढ़ता है।
अशुद्ध- सरयू नदी का घाट बहुत लम्बा है।
शुद्ध- सरयू नदी का पाट बहुत लम्बा है।
अशुद्ध- जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वह जा सकते हैं।
शुद्ध- जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं।

7. निम्नलिखित में से एक शब्द की वर्तनी में हलन्त-सम्बन्ध अशुद्धि है, वह शब्द है-

(a) श्रीमान् (b) परिषद्
(c) सम्राट् (d) श्रीयुत्

UPPCS CSAT 2022

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में से 'श्रीयुत्' शब्द में हलन्त संबंधी अशुद्धि है। इसका शुद्ध रूप 'श्रीयुत' होगा। अन्य विकल्प शुद्ध हैं।

8. निम्नलिखित में से किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

(a) कर्पुर (b) कर्पूर
(c) कार्पूर (d) कारपूर

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (b) : दिये गये विकल्पों में 'कर्पूर' शब्द की वर्तनी शुद्ध है। अन्य शब्दों की वर्तनी अशुद्ध है।

9. निम्नलिखित में से किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

(a) अन्तर्धान (b) निरोग
(c) सन्यासी (d) अहिल्या

UPPSC Mines Inspector 2022

Nitin-Gupta.com

Ans. (a) : दिये गये शब्दों में 'अन्तर्धान' की वर्तनी शुद्ध है। अन्य शब्दों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं-

अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप
निरोग	नीरोग
सन्यासी	संन्यासी
अहिल्या	अहल्या

10. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

(a) मैं केवल इतना चाहता हूँ।
(b) शराब पीना विष से भयंकर है।
(c) दिन दहाड़े डाका और चोरी करते हैं।
(d) मैं केवल इतना ही चाहता हूँ।

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (a) : दिये गये वाक्यों में 'मैं केवल इतना चाहता हूँ' वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं-

अशुद्ध- शराब पीना विष से भयंकर है।
शुद्ध- शराब विष से भयंकर है।
अशुद्ध- दिन दहाड़े डाका और चोरी करते हैं।
शुद्ध- दिन दहाड़े डाका मारते और चोरी करते हैं।
अशुद्ध- मैं केवल इतना ही चाहता हूँ।
शुद्ध- मैं केवल इतना चाहता हूँ।

11. निम्नलिखित में कौन सा वाक्य अशुद्ध है?

(a) इसका तात्कालिक प्रभाव पड़ा।
(b) पत्र किसके नाम पर लिखा गया है।
(c) एक रुपये में कितने पैसे होते हैं?
(d) भारत एक समृद्धिशाली देश है।

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (b): 'पत्र किसके नाम पर लिखा गया है' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप - 'पत्र किसके नाम लिखा गया है' होगा। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

12. निम्नलिखित में कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) मेरे लिए ठंडी बर्फ और गर्म आग लाओ।
(b) व्यायाम करना चाहिए जिससे कि स्वस्थ रहें।
(c) एक-एक करके सभी मर गए।
(d) तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ी बात होगी।

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (*) : दिये गये सभी वाक्य अशुद्ध है, इनका शुद्ध रूप निम्न हैं–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मेरे लिए ठंडी बर्फ और गर्म आग लाओ।	मेरे लिए बर्फ और आग लाओ।
व्यायाम करना चाहिए जिससे कि स्वस्थ रहें।	व्यायाम करना चाहिए ताकि स्वस्थ रहें।
एक-एक करके सभी मर गए।	एक-एक कर सभी मर गए।
तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ी बात होगी।	तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ी बात होगा।

13. निम्नलिखित में से एक अशुद्ध वाक्य है–

(a) पूज्यास्पद व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए।
(b) दक्षिण भारत के लोग हिन्दीतर भाषी हैं।
(c) सुरेखा ने गीत की दो-चार कड़ियाँ गायीं।
(d) अब परीक्षा-प्रणाली बदलनी चाहिए।

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (a) : पूज्यास्पद व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए में 'पूज्यास्पद' शब्द की वर्तनी अशुद्ध है, इसका शुद्ध रूप 'पूजास्पद' होगा। जबकि शेष वाक्य शुद्ध हैं।

14. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?

(a) सृष्टी (b) अनधिकार
(c) अभ्यंतरिक (d) समुद्रिक

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (b) : 'अनधिकार' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जबकि अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी निम्नलिखित है–

अशुद्ध	शुद्ध
सृष्टी	सृष्टि
अभ्यंतरिक	आभ्यंतरिक
समुद्रिक	सामुद्रिक

15. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है–

(a) उँगली (b) बाँस
(c) पांचवां (d) दाँत

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (c) : अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'पांचवां' है, इसका शुद्ध रूप 'पाँचवाँ' होगा जबकि अन्य शब्दों की वर्तनी शुद्ध है।

16. वर्तनी की दृष्टि से निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है–

(a) अनुग्रहीत (b) अनूग्रहीत
(c) अनुगृहीत (d) अनुगृहित

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (c) : वर्तनी की दृष्टि से 'अनुगृहीत' शुद्ध शब्द है।

17. एक की वर्तनी शुद्ध है-

(a) अधिकारिक (b) आधिकारिक
(c) अधिकारक (d) अधीकारिक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'आधिकारिक' शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है,जबकि अन्य विकल्प वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

18. निम्नलिखित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है-

(a) उसने मुक्तकण्ठ से बड़ाई की।
(b) उसने मुक्तहस्त धन लुटाया।
(c) समस्त प्राणिमात्र का कल्याण करो।
(d) आपकी आयु चालीस वर्ष है।

UP RO/ARO (Pre) 2021

Nitin-Gupta.com

Ans. (b) : निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य 'उसने मुक्तहस्त धन लुटाया' होगा।
अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं-
- उसने मुक्तकण्ठ प्रशंसा की।
- प्राणिमात्र का कल्याण करो।
- आपकी अवस्था चालीस वर्ष है।

19. निम्नलिखित में एक वर्तनी शुद्ध है-
(a) नुपूर (b) स्मर्णं
(c) कवयित्री (d) परिस्थिती
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : कवयित्री शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है। जबकि अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी निम्नलिखित है–

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
नुपूर	नूपुर
स्मर्णं	स्मरण
परिस्थिती	परिस्थिति

20. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है-
(a) परिच्छा (b) परीच्छा
(c) परीक्षा (d) परिक्षा
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'परीक्षा' शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है।

21. निम्नांकित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है-
(a) मैं अनेकों बार विदेश गया।
(b) इस हीरे का मूल्य नापा नहीं जा सकता।
(c) बिना टिकट यात्रा दण्डनीय है।
(d) आप केवल इतना ही काम कर दीजिए।
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'बिना टिकट यात्रा दण्डनीय है' यह वाक्य शुद्ध है।
अशुद्ध- मैं अनेकों बार विदेश गया।
शुद्ध – मैं अनेक बार विदेश गया।
अशुद्ध – इस हीरे का मूल्य नापा नहीं जा सकता।
शुद्ध – इस हीरे का मूल्य आँका नहीं जा सकता।
अशुद्ध – आप केवल इतना ही काम कर दीजिए।
शुद्ध – आप इतना ही काम कर दीजिए।

22. निम्नलिखित में से किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है -
(a) याज्ञवल्क (b) सदृश
(c) हस्तक्षेप (d) गृहिणी
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : 'याज्ञवल्क' शब्द की वर्तनी अशुद्ध है। इसकी शुद्ध वर्तनी 'याज्ञवल्क्य' है। शेष शब्दों सदृश, हस्तक्षेप, गृहिणी की वर्तनी शुद्ध है।

23. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है -
(a) अधिन (b) अधीन
(c) आधीन (d) आधिन
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : दिये गये विकल्पों में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'अधीन' होगा। अन्य विकल्पों की वर्तनी शुद्ध नहीं है।

24. इसमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है -
(a) रचइता (b) अनाधिकार
(c) चिन्ह (d) अनुकूल
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : दिये गये शब्दों में शुद्ध वर्तनी का शब्द 'अनुकूल' है। अन्य वर्तनी के शुद्ध शब्द इस प्रकार हैं–

अशुद्ध शब्द		शुद्ध शब्द
रचइता	–	रचयिता
अनाधिकार	–	अनधिकार
चिन्ह	–	चिह्न

25. निम्नलिखित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है -
(a) उस जंगल में प्रातःकाल का दृश्य बहुत ही सुहावना होता था।
(b) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीती हैं।
(c) उन्होंने इस बात पर आपत्ति प्रकट की।
(d) तमाम देश भर में यह बात फैल गयी।
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a) : दिये गये वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है 'उस जंगल में प्रातःकाल का दृश्य बहुत ही सुहावना होता था।'
अशुद्ध - बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीती हैं।
शुद्ध - बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं।
अशुद्ध - उन्होंने इस बात पर आपत्ति प्रकट की।
शुद्ध - उन्होंने इस बात पर आपत्ति की।
अशुद्ध - तमाम देश भर में यह बात फैल गयी।
शुद्ध - सम्पूर्ण देश में यह बात फैल गयी।

26. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है -
(a) पूज्यनीय (b) तत्कालिक
(c) प्रामाणिक (d) पैत्रिक
UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : दिये गये शब्दों में से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है – प्रामाणिक। प्रामाणिक शब्द में मूल शब्द 'प्रमाण' है तथा इसमें इक प्रत्यय लगा है।

अशुद्ध		शुद्ध
पूज्यनीय	-	पूजनीय
तत्कालिक	-	तात्कालिक
पैत्रिक	-	पैतृक

Nitin-Gupta.com

27. **निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है**

(a) अनुग्रहित (b) अनग्रहीत
(c) अग्रहित (d) अनुगृहीत

UPPSC AE 2021

Ans. (d) : 'अनुगृहीत' शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है जबकि अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

28. **अधोलिखित शब्द – युग्मों में से कौन-सा शुद्ध है?**

(a) पति -पत्नी (b) पति -पत्नि
(c) पती -पतनी (d) पती - पत्नी

UPPSC AE 2021

Ans. (a) : 'पति-पत्नी' युग्म वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है तथा अन्य विकल्प गलत हैं।

29. **निम्नलिखित में से वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द सही नहीं है?**

(a) प्रातिनिधिक (b) आधीन
(c) आध्यात्मिक (d) आभ्यान्तरिक

UPPSC AE 2021

Ans. (b) : 'आधीन' वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द है। इसका शुद्ध रूप 'अधीन' होता है।

30. **निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है**

(a) कवयत्री (b) घनिष्ठ
(c) चिन्ह (d) ईर्षा

UPPCS (Pre) CSAT 2021

Ans. (b): उपर्युक्त विकल्प में 'घनिष्ठ' शब्द शुद्ध है। अन्य विकल्पों के शुद्ध रूप निम्न हैं–

अशुद्ध	**शुद्ध**
कवयत्री	कवयित्री
चिन्ह	चिह्न
ईर्षा	ईर्ष्या

31. **निम्नलिखित में से एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है**

(a) हस्तलिखित (b) कुमुदिनी
(c) आजीवका (d) सत्याग्रह

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (c) : वर्तनी की दृष्टि से 'आजीवका' शब्द अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप 'आजीविका' है। शेष तीनों शब्द क्रमशः हस्तलिखित, कुमुदिनी और सत्याग्रह शुद्ध हैं।

32. **कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है?**

(a) निरहंकारी (b) पैत्रिक
(c) जाग्रत (d) निरदयी

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : 'निरहंकारी' शब्द शुद्ध है। विकल्प के शेष शब्द अशुद्ध हैं इनका शुद्ध रूप क्रमशः पैतृक, जागृति और निर्दय है।

33. **शुद्ध वाक्य चिह्नित करें।**

(a) शोक है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।
(b) दुख है कि आपने मेरे पत्र का उत्तर नहीं दिया।
(c) क्षोभ है कि आपने मेरे पत्र का सही उत्तर नहीं दिया।
(d) खेद है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (d) : प्रस्तुत विकल्पों में से शुद्ध वाक्य है- खेद है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया। शेष तीनों विकल्प के वाक्य अशुद्ध हैं।

34. **इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है**

(a) हिंस्र (b) भाष्कर
(c) रूपया (d) बदाम

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : दिये गये विकल्प में शुद्ध शब्द 'हिंस्र' है। 'भाष्कर' का शुद्ध 'भास्कर', 'रूपया' का शुद्ध रूप रुपया और 'बदाम' का शुद्ध रूप बादाम है।

35. **निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है**

(a) तुफान में सैकड़ों लोग मर गए।
(b) दूसरा आदमी कौन था?
(c) डॉक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण किया।
(d) सड़क के दोनों ओर आलीशान इमारते हैं।

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : प्रस्तुत विकल्पों में से 'तुफान में सैकड़ों लोग मर गए' अशुद्ध वाक्य है। जिसका शुद्ध रूप 'तूफान में सैकड़ों लोग मारे गये' है। शेष सभी वाक्य अपने शुद्ध रूप में प्रस्तुत हैं।

36. **निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य अशुद्ध है**

(a) छात्रों ने पंडित नेहरू को अभिनन्दन पत्र अर्पित किया।
(b) महादेवी ने सरस्वती को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।
(c) रानी ने बुद्ध को अहिंसा भाव अर्पित किया।
(d) छात्रों ने पंडित नेहरू को अभिनन्दन पत्र प्रदान किया।

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (d) : प्रस्तुत विकल्पों में से विकल्प (d) अशुद्ध वाक्य है, जिसका शुद्ध रूप है - 'छात्रों ने पंडित नेहरू को अभिनन्दन पत्र अर्पित किया'। 'प्रदान' का प्रयोग बड़ों की ओर से छोटों के लिए होता है, जबकि 'अर्पण' का प्रयोग छोटों की ओर से बड़ों के लिए। शेष तीनों विकल्प के वाक्य शुद्ध हैं।

37. **लिंग की दृष्टि से एक शुद्ध है-**

(a) कालिदास की पत्नी बहुत बुद्धिमान थी।
(b) सावित्री के पुत्रवान होने का वरदान माँगा।
(c) लक्ष्मीबाई बहुत बलवान् थीं।
(d) भगवती लक्ष्मी भक्त पर प्रसन्न हुईं।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या : लिंग की दृष्टि से वाक्य 'भगवती लक्ष्मी भक्त पर प्रसन्न हुईं' शुद्ध है। अन्य शुद्ध वाक्य इस प्रकार हैं–
अशुद्ध वाक्य: (a) कालिदास की पत्नी बहुत बुद्धिमान थी।
शुद्ध वाक्य: कालिदास की पत्नी बुद्धिमती थीं।
अशुद्ध वाक्य: (b) सावित्री के पुत्रवान होने का वरदान माँगा।
शुद्ध वाक्य: सावित्री के पुत्रवती होने का वरदान माँगा।
अशुद्ध वाक्य: (c) लक्ष्मीबाई बहुत बलवान थी।
शुद्ध वाक्य: लक्ष्मीबाई बहुत बलवती थीं।

38. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है–
(a) चिन्ह (b) विवर्त
(c) अनुग्रहीत (d) विरहणी
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)
UPPSC AE - 2008

Ans. (b) : वर्तनी की दृष्टि से 'विवर्त' शुद्ध शब्द है। अन्य शब्द एवं उनकी शुद्ध वर्तनी है–

शब्द	**शुद्ध वर्तनी**
चिन्ह	चिह्न
अनुग्रहीत	अनुगृहीत
विरहणी	विरहिणी

39. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें।
(a) ज्योतिसना (b) ज्योत्सना
(c) ज्योतसना (d) ज्योत्स्ना
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)
UPPCS RO/ARO (Special) 2010

Ans. (d) : 'ज्योत्स्ना' शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है। अन्य शब्दों की वर्तनी अशुद्ध है।

40. वर्तनी की दृष्टि से कौन–सा शब्द अशुद्ध है?
(a) कोमलांगी
(b) सम्मिलित
(c) उत्कर्षता
(d) अनुगृहीत
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'उत्कर्षता' शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है। इसका शुद्ध शब्द 'उत्कर्ष' होता है। कोमलांगी, सम्मिलित और अनुगृहीत शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

41. निम्नलिखित में से एक शुद्ध वाक्य है, वह है–
(a) प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेक पुस्तकें पढ़े।
(b) हरेक विद्यार्थियों को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेक पुस्तकें पढ़े।
(c) हरेक विद्यार्थी को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेकों पुस्तकें पढ़े।
(d) हरेक विद्यार्थियों के चाहिए कि वह हिन्दी की अनेकों पुस्तकें पढ़े।
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : उक्त वाक्यों में शुद्ध वाक्य हैं– 'प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह हिन्दी की अनेक पुस्तकें पढ़े।' अन्य वाक्य अशुद्ध हैं।

42. निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है, वह है–
(a) मोहन गेहूँ पिसवाने चक्की पर गया है।
(b) निर्दय व्यक्ति से मित्रता नहीं करनी चाहिए।
(c) उसके घर के पास एक मिठाई की दुकान है।
(d) उपर्युक्त कथन असत्य है।
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : दिये गये वाक्यों में अशुद्ध वाक्य हैं– 'उसके घर के पास एक मिठाई की दुकान है।' इसका शुद्ध रूप होगा– 'उसके घर के पास मिठाई की एक दुकान है।' अन्य वाक्य शुद्ध हैं।

43. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें।
(a) दैदीप्यमान (b) देदीपमान
(c) दैदीपमान (d) देदीप्यमान
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'देदीप्यमान' है। यह विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है, जिसका अर्थ है चमकता हुआ, प्रकाशमान, वैभवशाली, दमकता हुआ। यह शब्द दीप् + यङ् + शानच प्रत्यय लगा कर बना है।

44. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है–
(a) कौतूहल (b) अनधिकार
(c) निरपेक्ष (d) पौराणीक
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'पौराणीक' शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है। इसका शुद्ध वर्तनी 'पौराणिक' है। अन्य शब्द कौतूहल, अनधिकार, निरपेक्ष वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

45. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है–
(a) मुझसे यह काम सम्भव नहीं हो सकता
(b) यह बिल्कुल भी बात नहीं करना चाहता
(c) यह कविता अनेक भाव प्रकट करती है
(d) इन दोनों में केवल यही अंतर है
UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'यह कविता अनेक भाव प्रकट करती है' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप हैं–
- मुझसे यह काम सम्भव नहीं।
- वह बिल्कुल बात नहीं करना चाहता।
- इन दोनों में यही अंतर है।

46. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है, वह है–
(a) इसके बावजूद भी हमसे हिन्दी लिखने में बहुत भूल हो जाती है।

Nitin-Gupta.com

(b) इसके बावजूद भी हमसे हिन्दी लिखने में बहुत भूलें हो जाती है।
(c) इसके बावजूद भी हम लोगों से हिन्दी लिखने में बहुत भूल हो जाती है।
(d) इसके बावजूद हम लोगों से हिन्दी लिखने में बहुत भूलें हो जाती हैं।

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : शुद्ध वाक्य है– 'इसके बावजूद हम लोगों से हिन्दी लिखने में बहुत भूलें हो जाती हैं।' अन्य वाक्यों में 'बावजूद' के बाद 'भी' लगाया गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है।

47. अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।
(a) पुलिस द्वारा डाकुओं का पीछा किया गया।
(b) देश की वर्तमान मौजूदा हालात ठीक नहीं है।
(c) मैं पुस्तकालय में नियत समय पर पहुँचता हूँ।
(d) तुम चिन्ता न करो, मैं कोई न कोई रास्ता निकालूँगा।

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : दिए गये वाक्यों में अशुद्ध वाक्य है– 'देश की वर्तमान मौजूदा हालात ठीक नहीं हैं।' इसका शुद्ध वाक्य होगा– 'देश के वर्तमान हालात ठीक नहीं हैं।' मौजूदा और वर्तमान शब्द एक साथ नहीं प्रयुक्त होंगे।

48. निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है-
(a) उसके मन की थाह नहीं मिलती।
(b) विन्ध्याचल पर्वत पर अनेक वनस्पतियाँ पायी जाती है।
(c) हिन्दी के प्रचार में अब भी अनेक बाधाएँ हैं।
(d) प्रातःकाल घूमना स्वास्थ्य के लिए हितकर है।

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (b) : 'विन्धाचल पर्वत पर अनेक वनस्पतियाँ पायी जाती हैं' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य होगा- 'विध्याचल पर अनेक वनस्पतियाँ जायी जाती हैं' अन्य वाक्य शुद्ध हैं।

49. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी का शब्द है-
(a) पूज्यास्पद (b) श्रीयुत
(c) छत्रच्छाया (d) ज्योत्स्ना

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (a) : 'पूज्यास्पद' शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है, इसकी शुद्ध वर्तनी 'पूजास्पद' होगी। अन्य विकल्प के शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

50. इनमें में लिंग की दृष्टि से एक वाक्य गलत हैं
(a) दही मीठी है।
(b) उसने धीमे स्वर में कहा।
(c) हम नये प्रकार की वस्तु देखना चाहते हैं।
(d) हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दी।

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (a) : वाक्य 'दही मीठी है' लिंग की दृष्टि से गलत है। इसका शुद्ध रूप हैं 'दही मीठा है'। अन्य वाक्य शुद्ध हैं।

51. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी का शब्द है
(a) संग्रहीत (b) हिरण्यश्यपु
(c) अन्तर्धान (d) अपन्हुति

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Ans. (c) : 'अन्तर्धान' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी है- संगृहीत, हिरण्यकशिपु, अपह्नुति।

52. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-
(a) उपलक्ष (b) कुशाशन
(c) प्रशंसा (d) दिपिका

UP PCS AE 2007
UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये शब्दों में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'प्रशंसा' है। अन्य शब्दों का शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–

अशुद्ध		शुद्ध
उपलक्ष	–	उपलक्ष्य
दिपिका	–	दीपिका
कुशाशन	–	कुशासन

53. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है-
(a) यहाँ मीठे पानी का एक कूँआ है।
(b) एक रूपये में कितने पैसे होते हैं।
(c) आज रेणु देवी का व्याख्यान होगा।
(d) साधू को भिक्षा दो।

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'आज रेणु देवी का व्याख्यान होगा।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि है- 'यहाँ मीठे पानी का एक कूँआ है।' में 'कुँआ' होना चाहिए; 'एक रूपये में कितने पैसे होते हैं।' में 'रुपये' होना चाहिए और 'साधू को भिक्षा दो' में 'साधु' होना चाहिए।

54. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है-
(a) चरखा कातना चाहिए।
(b) उसने मुक्त हस्त से धन लुटाया।
(c) हमारे यहाँ तरूण नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।
(d) मुझसे यह काम सम्भव नहीं।

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'मुझसे यह काम सम्भव नहीं' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–
(a) चरखा कातना चाहिए।
शुद्ध– चरखा चलाना चाहिए।
(b) उसने मुक्त हस्त से धन लुटाया।
शुद्ध– उसने मुक्तहस्त धन लुटाया।
(c) हमारे यहाँ तरूण नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।
शुद्ध– हमारे यहाँ नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।

Nitin-Gupta.com

55. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द शुद्ध है-

(a) भष्म (b) फाल्गुण

(c) भीष्म (d) मृन्मय

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'भीष्म' शब्द शुद्ध है। अन्य शब्दों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–

अशुद्ध		**शुद्ध**
भष्म	–	भस्म
फाल्गुण	–	फाल्गुन
मृन्मय	–	मृण्मय

56. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है-

(a) राम और श्याम सम्बधी चर्चा।

(b) राम और श्याम से सम्बद्ध चर्चा।

(c) राम और श्याम विषयक चर्चा।

(d) राम और श्याम से सम्बन्धित चर्चा।

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(b)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में सर्वाधिक शुद्ध वाक्य 'राम और श्याम से संबद्ध चर्चा' है। शेष गलत हैं।

57. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द वर्तनी की दृष्टि से गलत है-

(a) पाँचवाँ (b) गाँधी

(c) बाँस (d) आंख

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में वर्तनी की दृष्टि से 'आंख' शब्द गलत है। इसका शुद्ध रूप 'आँख' है।

58. निम्नलिखित शब्दों में वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द अशुद्ध है ?

(a) पुष्पांजलि (b) निरापराध

(c) भास्कर (d) उज्ज्वल

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्प में उल्लिखित 'निरापराध' वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है, इसकी शुद्ध वर्तनी 'निरपराध' होती है, जबकि शेष शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

59. निम्नलिखित में अशुद्ध वर्तनी का शब्द है-

(a) वाङ्मय (b) उत्कर्ष

(c) वैमनस्य (d) मिथलेशकुमारी

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(d)

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्प में उल्लिखित 'मिथलेशकुमारी' अशुद्ध वर्तनी युक्त शब्द है, जिसकी शुद्ध वर्तनी 'मिथिलेशकुमारी' है, जबकि शेष शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

60. निम्नलिखित में एक शब्द अशुद्ध है-

(a) दैहिक (b) नोकरी

(c) प्रौढ़ (d) पौरुष

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (b)

व्याख्या– प्रश्न में उल्लिखित 'नोकरी' अशुद्ध वर्तनी का शब्द है, जिसकी शुद्ध वर्तनी 'नौकरी' होती है, जबकि शेष शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

61. इनमें से अशुद्ध वर्तनी का शब्द है-

(a) चरमोत्कर्ष (b) वाङ्मय

(c) पुनुरूत्थान (d) हिरण्यकश्यपु

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (*)

व्याख्या– 'चरमोत्कर्ष', 'वाङ्मय' दोनों शुद्ध वर्तनी वाले शब्द हैं, जबकि 'पुनुरूत्थान' शब्द अशुद्ध है, जिसका शुद्ध रूप है– 'पुनरुत्थान' तथा 'हिरण्यकश्यपु' का शुद्ध रूप 'हिरण्यकशिपु' है। **नोट-**आयोग ने इसे मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

62. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) प्रतिदर्श (b) दृष्टा

(c) रचइता (d) अहार

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (a)

व्याख्या– 'प्रतिदर्श' शुद्ध वर्तनी का शब्द है, जबकि अहार, रचइया और दृष्टा अशुद्ध वर्तनी के शब्द हैं जिनकी शुद्ध वर्तनी क्रमशः आहार, रचयिता और द्रष्टा होगी।

63. निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है-

(a) गौतम ऋषि की पत्नी का नाम अहल्या था।

(b) इस कार्य में बहुत विलम्ब हो गया।

(c) रसगुल्ला बहुत स्वादिष्ट है।

(d) एक गुलाब की माला खरीद लेना।

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (d)

व्याख्या– प्रश्न में उल्लिखित वाक्य 'एक गुलाब की माला खरीद लेना' अशुद्ध है क्योंकि इसमें 'एक गुलाब की माला' के स्थान पर 'गुलाब की एक माला' प्रयुक्त होना चाहिए। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

64. निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है-

(a) इस बात का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है।

(b) प्याज तीखा होता है।

Nitin-Gupta.com

(c) आप इतनी देर में क्यों आये ?
(d) प्रत्येक श्रमिक को दो रूपये मिले।

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (a)

व्याख्या–'स्पष्टीकरण' के साथ 'करना' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है इस लिए विकल्प (a) में उल्लिखित वाक्य अशुद्ध है, शेष वाक्य शुद्ध हैं।

65. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है-

(a) भारत कभी ब्रिटेन के आधीन था।
(b) निरपराधी व्यक्ति को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।
(c) बादशाह ने मुक्तहस्त दान दिया।
(d) उसे पैत्रिक सम्पत्ति में हिस्सा नहीं मिला।

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (c)

व्याख्या– प्रश्न में उल्लिखित वाक्यांश 'बादशाह ने मुक्तहस्त दान दिया' के अतिरिक्त शेष सभी अशुद्ध है क्योंकि 'आधीन' के स्थान पर 'अधीन' 'निरपराधी' के स्थान पर 'निरपराध' और 'पैत्रिक' के स्थान पर 'पैतृक' शब्द प्रयुक्त होना चाहिए।

66. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य अशुद्ध है ?

(a) वह अनेकों मामलों में गवाह था।
(b) नूपुर की ध्वनि मनमोहक है।
(c) आपकी मनःकामना पूरी हो।
(d) मनीषिगण ! मेरी बात पर ध्यान दें।

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (a)

व्याख्या– 'वह अनेकों मामलों में गवाह था' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप होगा– 'वह अनेक मामलों में गवाह था। शेष विकल्प वाक्य शुद्ध हैं।

67. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए–

(a) सांसारिक समस्याओं में सभी फँसे हैं।
(b) निरपराध व्यक्ति को दण्ड क्यों मिला ?
(c) हिन्दी देवनागरी लिपी में लिखी जाती है।
(d) अत्याधिक दुःख सहा नहीं जाता।

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (a)

व्याख्या– दिये गये वाक्यों में शुद्ध वाक्य है- 'सांसारिक समस्याओं में सभी फँसे हैं। शेष विकल्प अशुद्ध हैं। जिसका शुद्ध रूप इस प्रकार होगा–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. निरपराध व्यक्ति को दण्ड क्यों मिला।	1. निरपराध को दण्ड क्यों मिला?
2. हिन्दी देवनागरी लिपी में लिखी जाती है।	2. हिन्दी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।
3. अत्याधिक दुःख सहा नहीं जाता।	3. अत्यधिक दुःख सहा नहीं जाता।

68. एक की वर्तनी शुद्ध हैं-

(a) खिवैया (b) न्यौछावर
(c) अनन्नास (d) निर्पेक्ष

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (c)

व्याख्या- 'अनन्नास' की वर्तनी शुद्ध है। शेष निम्नवत हैं-

अशुद्ध	शुद्ध
खिवैया	खेवैया
न्यौछावर	न्योछावर
निर्पेक्ष	निरपेक्ष

69. एक की वर्तनी शुद्ध है-

(a) षट्दर्शन (b) अनापेक्षित
(c) किलिष्ट (d) पर्यवसान

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (d)

व्याख्या- पर्यवसान की वर्तनी शुद्ध है। शेष निम्नवत हैं-

अशुद्ध	शुद्ध
षट्दर्शन	षड्दर्शन
अनापेक्षित	अनपेक्षित
किलिष्ट	क्लिष्ट

70. एक की वर्तनी शुद्ध है-

(a) उनन्यन (b) उन्नयन
(c) उन्यन (d) उन्न्यन

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (b)

व्याख्या- 'उन्नयन' की वर्तनी शुद्ध है, शेष की वर्तनी अशुद्ध है। 'उन्नयन' का तात्पर्य है- ऊपर की ओर उठना या ले जाना।

71. एक की वर्तनी शुद्ध है-

(a) आविष्कार (b) देवार्षि
(c) निशब्द (d) जमाता

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (a)

व्याख्या- 'आविष्कार' की वर्तनी शुद्ध है। शेष निम्नवत हैं-

अशुद्ध	शुद्ध
देवार्षि	देवर्षि
निशब्द	निःशब्द
जमाता	जामाता

72. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) पर्वतीय प्रदेश में प्रातःकाल का दृश्य बहुत चित्ताकर्षक होता है
(b) प्रत्येक धर्म के लिए अच्छा सद्भाव रखना हमारा कर्त्तव्य है

Nitin-Gupta.com

(c) मेरे वेतन का अधिकांश भाग बच्चों की पढ़ाई में ही खर्च हो जाता है
(d) इस बात का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (a)

व्याख्या- 'पर्वतीय प्रदेश में प्रातःकाल का दृश्य बहुत चित्ताकर्षक होता है' एक शुद्ध वाक्य है। विकल्प (b) में 'अच्छा' के साथ 'सद्भाव' शब्द प्रयुक्त हुआ है जो कि अशुद्ध है। विकल्प (c) में 'अधिकांश' के साथ 'भाग' शब्द का प्रयोग अशुद्ध है। इसी प्रकार विकल्प (d) में 'स्पष्टीकरण' के साथ 'करना' शब्द प्रयुक्त हुआ है, जो कि अशुद्ध है। इस प्रकार प्रश्नगत विकल्प (a) शुद्ध है।

73. एक की वर्तनी शुद्ध है-

(a) राज्य महल (b) कोमलांगिनी
(c) निरोग (d) अक्षौहिणी

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (d)

व्याख्या- 'अक्षौहिणी' शब्द की वर्तनी शुद्ध है। शेष निम्नवत हैं-

अशुद्ध	शुद्ध
राज्य महल	राजमहल
कोमलांगिनी	कोमलांगी
निरोग	नीरोग

74. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) यह तो अच्छा हुआ कि चोरों का पदार्पण होते ही मैं जाग गया।
(b) अच्छे लेखन के लिए शब्द संयम आवश्यक है।
(c) कक्ष में असंख्य जनसमूह उपस्थित था।
(d) 'रामचरित मानस' तुलसी की सबसे सुन्दरतम कृति है।

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (b)

व्याख्या- 'अच्छे लेखन के लिए शब्द संयम आवश्यक है' यह एक शुद्ध वाक्य है। विकल्प (a) के वाक्य में 'पदार्पण' शब्द का गलत प्रयोग हुआ है। विकल्प (c) में 'जनसमूह' के साथ 'असंख्य' शब्द का प्रयोग अशुद्ध है जबकि विकल्प (d) में 'सुन्दरतम' के साथ 'सबसे' का प्रयोग अशुद्ध है। इस प्रकार प्रश्नगत विकल्प (b) सत्य है।

75. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) खेत जोतने के पारम्परिक उपादान हल का स्थान अब ट्रैक्टर ने ले लिया है।
(b) निरपराधी के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही का किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।
(c) श्रीमती रेड्डी जिस स्तर की नृत्यांगना है उनके पति उस स्तर के नृत्यांगन नहीं है।
(d) शिक्षा प्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए।

उत्तर– (d) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- 'शिक्षाप्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए' एक शुद्ध वाक्य है। विकल्प (a) में 'उपादान' शब्द का प्रयोग अशुद्ध है। उपादान का तात्पर्य व्यवहार में आने वाली वस्तुओं के बनाने की सामग्री से है। विकल्प (b) में प्रयुक्त 'निरपराधी' के स्थान पर 'निरपराध' शब्द प्रयुक्त होना चाहिए जबकि विकल्प (c) में 'नृत्यांगन' शब्द के स्थान पर 'नर्तक' शब्द प्रयुक्त होना चाहिए। अतः प्रश्नगत विकल्प (d) सत्य है।

76. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) भारतवर्ष के अतीत में कई निर्दयी शासक हुए हैं।
(b) एकत्रित भीड़ जयजयकार कर रही है।
(c) गाँधीजी चरखा चलाते थे।
(d) एक-एक करके प्रत्येक छात्र कक्षा से निकल गए।

उत्तर– (c) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- प्रश्नगत विकल्प (c) मे 'गाँधीजी चरखा चलाते थे' वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में 'निर्दयी' के स्थान पर 'निर्दय' शब्द प्रयुक्त होना चाहिए, विकल्प (b) में 'एकत्रित' शब्द का प्रयोग अनुचित है जबकि विकल्प (d) में 'एक-एक' और 'प्रत्येक' दोनों का एक साथ प्रयोग अनुचित है।

77. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) स्वामी विवेकानंद का भाषण सुनकर उपहास उड़ाने वाले अमरीकियों पर घड़ों पानी पड़ गया।
(b) बाजार का साप्ताहिक अवकाश सोमवार को रहता है।
(c) वह दुखी स्त्री वैधव्यता का जीवन बिता रही है।
(d) मैं सपरिवार सानन्दित हूँ।

उत्तर– (a) **UP RO/ARO (Pre) 2016**

व्याख्या- प्रश्नगत विकल्प (a) में प्रयुक्त वाक्य शुद्ध है जबकि विकल्प (b) मे 'अवकाश' के स्थान पर 'बंदी' शब्द प्रयुक्त होना चाहिए, विकल्प (c) में 'वैधव्यता के साथ 'स्त्री' का प्रयोग निरर्थक है तथा विकल्प (d) में 'सानान्दित' के स्थान पर 'आनन्दित' शब्द प्रयुक्त होना चाहिए।

78. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है –

(a) मेरे घर के पास एक हलवाई की दुकान है।
(b) मेरे घर के पास एक हलवाई की दुकान स्थित है।
(c) मेरे घर के पास एक हलवाईयों की दुकान है।
(d) मेरे घर के पास हलवाई की एक दुकान है।

उत्तर-(d) UP RO/ARO (Pre) 2014

व्याख्या – उक्त दिये गये चारों वाक्यों में शुद्ध वाक्य है – मेरे घर के पास हलवाई की एक दुकान है।

79. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है –

(a) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।
(b) भगवान श्रीकृष्ण के अनेकों नाम का उल्लेख मिलता है।
(c) श्रीकृष्ण को अनेकों नामों से पुकारा जाता है।
(d) श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

उत्तर-(d) UP RO/ARO (Pre) 2014

व्याख्या – दिये गये चारों विकल्पों में शुद्ध वाक्य है – श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

Nitin-Gupta.com

80. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है –

(a) देखो! फूलों पर भौंरे भिनभिना रहे हैं।
(b) देखो! फूलों पर भौंरे गुंजार कर रहे हैं।
(c) देखो! फूलों के ऊपर भौंरे गुंजारते हैं।
(d) देखो! फूलों के ऊपर भौंरे भिनभिना रहे हैं।

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या – दिये गये चारों विकल्पों में शुद्ध वाक्य है – देखो! फूलों पर भौंरे गुंजार कर रहे हैं।

81. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है –

(a) उसकी शंका का निवारण हो गया है।
(b) उसकी शंका समाप्त हो गयी है।
(c) उसकी शंका का समाधान हो गया है।
(d) उन्हें अब शंका नहीं रही है।

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – उक्त चारों विकल्पों में सही विकल्प है- (c) उसकी शंका का समाधान हो गया है। **नोट –** आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (a) और (c) दोनों माना है।

82. शुद्ध 'संयुक्त वाक्य' का उदाहरण है –

(a) मैं परीक्षा देने के लिए इलाहाबाद जा रहा हूँ।
(b) मुझे परीक्षा देनी है, अतः दिल्ली जा रहा हूँ।
(c) मुझे परीक्षा देनी है और मैं गोरखपुर जा रहा हूँ।
(d) मैं वाराणसी जा रहा हूँ क्योंकि मुझे परीक्षा देनी है।

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या – उक्त चारों विकल्पों में संयुक्त वाक्य का सही उदाहरण है- मुझे परीक्षा देनी है और मैं गोरखपुर जा रहा हूँ।

83. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) श्रृंगार (b) श्रंगार
(c) शृंगार (d) सृंगार

उत्तर-(c) **UP RO/ARO (Pre) 2014**

UPPSC AE - 2013

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है– शृंगार।

84. शुद्ध वाक्य बताइए-

(a) हम कहता हूँ। (b) मैं कहते हैं।
(c) हम कहती हूँ। (d) मैं कहता हूँ।

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'मैं कहता हूँ' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्य अशुद्ध हैं।

85. निम्न में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है -

(a) उज्ज्वल (b) वैमनस्यता
(c) कवित्री (d) प्रमाणिक

UP PCS AE 2008
UK PCS AE 2012
UP RO/ARO (Mains) 2014
MP PCS (Pre.) 2015
CGPSC (Pre.) 2018
UP RO/ARO (Pre.) 2010

उत्तर (a)

व्याख्या – 'उज्ज्वल' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। जबकि कवित्री का 'कवयित्री' तथा प्रमाणिक का प्रामाणिक' एवं वैमनस्यता का 'वैमनस्य' शुद्ध वर्तनी' होगी।

86. निम्नलिखित शब्दों में किसकी वर्तनी शुद्ध है?

(a) संन्यास (b) प्रत्यूपकार
(c) दुरावस्था (d) कैलाष

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर (a)

व्याख्या –'संन्यास' शब्द की वर्तनी शुद्ध है, जबकि अन्य विकल्प में दिये गये शब्दों की शुद्ध वर्तनी होगी–

अशुद्ध	–	शुद्ध
प्रत्यूपकार	–	प्रत्युपकार
दुरावस्था	–	दुरवस्था
कैलाष	–	कैलास

87. निम्न में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है -

(a) उद्घोष (b) एकता
(c) तात्कालिक (d) उपरोक्त

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर (d)

व्याख्या –'उपरोक्त' अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। इसका शुद्ध वर्तनी शब्द 'उपर्युक्त' होगा। शेष विकल्प वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

88. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य अशुद्ध है -

(a) काशी सदैव से भारतीय संस्कृति का केन्द्र रहा है।
(b) गाँधीजी का चरखा चलाना 'स्वदेशी' का प्रतीक था।
(c) वन-जीवन के कष्टों का भय भी सीता को राम के अनुगमन से रोक नहीं सका।
(d) अपनी कुशल रणनीति से शिवाजी ने विपक्षियों के छक्के छुड़ा दिये थे।

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर (a)

व्याख्या –'काशी सदैव से भारतीय संस्कृति का केन्द्र रहा है।' यह अशुद्ध वाक्य है, क्योंकि इस वाक्य में 'काशी' शब्द कर्ता है जो सदैव स्त्रीलिंग में प्रयुक्त होता है। अतः 'रहा है' के स्थान पर 'रही है' होना चाहिए। शेष सभी शुद्ध वाक्य हैं।

Nitin-Gupta.com

89. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है -

(a) वे सब प्रकार के दोषों से विहीन हैं।

(b) वे सब दोषों से हीन हैं।

(c) वे सब प्रकार के दोषों से मुक्त हैं।

(d) वे सभी ही दोषों से मुक्त हैं।

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर (c)

व्याख्या –'वे सब प्रकार के दोषों से मुक्त हैं।' यह शुद्ध वाक्य है। जबकि 'वे सब प्रकार के दोषों से विहीन हैं' तथा 'वे सब दोषों से हीन हैं' वाक्यों में क्रमशः 'विहीन' एवं 'हीन' शब्दों का प्रयोग अनुपयुक्त है। इसी प्रकार 'वे सभी ही दोषों से मुक्त हैं।' वाक्य में 'सभी ही' शब्द का प्रयोग अनुपयुक्त है चूँकि 'सभी→ सब + ही' होता हैं। स्पष्ट है कि 'ही' का प्रयोग अतिरिक्त है। अतः वाक्य त्रुटिपूर्ण है।

90. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य शुद्ध है -

(a) पृथ्वीराज चौहान ने यदि राजनीतिक चातुर्य का परिचय दिया होता तो आज भारत का इतिहास कुछ और ही होता।

(b) गिलास ऊपर तक दूध से ठसाठस भरा हुआ था।

(c) प्रबुद्ध विद्यार्थियों को शिक्षक का केवल संकेत मात्र ही पर्याप्त होता है।

(d) शिक्षक ने विद्यार्थियों को आतंकवाद के ऊपर निबन्ध लिखने का आदेश दिया।

उत्तर (a) **UP RO/ARO (Mains) 2014**

व्याख्या –विकल्प (a) में निहित वाक्य शुद्ध है, जबकि 'गिलास ऊपर तक दूध से ठसाठस भरा हुआ था' वाक्य में 'ठसाठस' का प्रयोग अनुपयुक्त है। 'प्रबुद्ध विद्यार्थियों को शिक्षक का केवल संकेत मात्र ही पर्याप्त होता है' वाक्य में दो शब्द 'केवल' एवं 'मात्र' समानार्थी' हैं। इस तरह वाक्य में केवल या मात्र में से किसी एक शब्द का प्रयोग करना चाहिए। वाक्य 'शिक्षक ने विद्यार्थियों को आतंकवाद के ऊपर निबन्ध लिखने का आदेश दिया' अशुद्ध है क्योंकि 'के ऊपर' शब्द का प्रयोग अनुपयुक्त है। इसके स्थान पर 'पर' शब्द प्रयोग होना चाहिए।

91. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) आईन्स्टीन के पास विलक्षण बुद्धि थी।

(b) आईन्स्टीन के पास विचित्र बुद्धि थी।

(c) आईन्स्टीन के पास अलौकिक बुद्धि थी।

(d) आईन्स्टीन के पास दैवीय बुद्धि थी।

उत्तर – (a) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'आईन्स्टीन के पास विलक्षण बुद्धि थी' शुद्ध वाक्य है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

92. कौन सा वाक्य शुद्ध है –

(a) शरत्कालीन दिनों में चंद्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।

(b) शरद् काल के दिनों में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।

(c) शरत् काल में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।

(d) शरत् काल के दिनों में चन्द्रमा की शोभा देखने योग्य होती है।

उत्तर – (c) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'शरत्काल में चंद्रमा की शोभा देखने योग्य होती है' शुद्ध वाक्य है। अन्य विकल्प व्याकरण की दृष्टि से गलत हैं, क्योंकि काल और दिन का प्रयोग एक साथ नहीं होता है।

93. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) दही खट्टी है। (b) दही खट्टा है।

(c) दही खटास है। (d) दही खटाई है।

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (b)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में विकल्प (b) दही खट्टा है, वाक्य शुद्ध है। ध्यातव्य हो कि दही शब्द पुल्लिंग के अर्थ में प्रयोग किया जाता है। दूध एवं दूध से बने पदार्थ प्रायः पुल्लिंग होते हैं।

94. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) सुरेश को एक पाती लिखना है।

(b) सुरेश ने एक पाती लिखनी है।

(c) सुरेश के लिए एक पत्र लिखनी है।

(d) सुरेश के लिए एक पत्र लिखना है।

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (d)

व्याख्या – निर्दिष्ट विकल्पों में विकल्प (d) सुरेश के लिए एक पत्र लिखना है, शुद्ध वाक्य है। जबकि अन्य विकल्प व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण हैं।

95. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) यह आँखों से देखी घटना है।

(b) यह आँखों देखी घटना है।

(c) यह आँखों द्वारा देखी गई घटना है।

(d) यह आँखों द्वारा देखी सुनी-सुनी घटना है।

उत्तर – (b) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या – विकल्प (b) यह आँखों देखी घटना है, शुद्ध वाक्य है। ध्यातव्य हो कि आँखों की उपयोगिता देखने में ही होती है। अतएव इसके साथ किसी भी कारक/विभक्ति का प्रयोग उचित नहीं है।

96. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) पारलौकिक (b) निष्चेष्ट

(c) दुर्धर्ष (d) आशीर्वाद

उत्तर – (b) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या–अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'निष्चेष्ट' है, जबकि इसका शुद्ध रूप **निश्चेष्ट** होता है। शेष विकल्पों के शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

Nitin-Gupta.com

97. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) धोबिन (b) धोबिनी

(c) धोबनी (d) धोबीन

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (a)

व्याख्या – शुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'धोबिन'** है। शेष विकल्पों के शब्द अशुद्ध हैं।

98. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) भगीरथी (b) भागीरथी

(c) भगिरथी (d) भागिरथी

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (b)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में विकल्प (b) **'भागीरथी'** शुद्ध शब्द है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

99. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) विरिहिणी (b) विरहणी

(c) विरहिणी (d) विरिहणी

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (c)

व्याख्या – शुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'विरहिणी'** है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

100. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) प्रज्वलित (b) समुज्ज्वल

(c) उज्ज्वल (d) समुज्वल

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर – (d)

व्याख्या – अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'समुज्वल'** है जिसका शुद्ध वर्तनी 'समुज्ज्वल' होगा। जबकि 'प्रज्वलित' व 'उज्ज्वल' शुद्ध वर्तनीगत शब्द हैं।

101. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?

(a) हर एक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गए।

(b) सड़क पर बहुत भीड़ है।

(c) अध्ययन के लिए अच्छी पुस्तकें आवश्यक हैं।

(d) साहित्य और संस्कृति का गहरा संबंध है।

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर– (a)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में (b) सड़क पर बहुत भीड़ है। (c) अध्ययन के लिए अच्छी पुस्तकें आवश्यक हैं। (d) साहित्य और संस्कृति का गहरा सम्बन्ध है। ये तीनों वाक्य व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध हैं; जबकि **हर एक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गये**, 'गये' की जगह 'गया' प्रयुक्त होगा। क्योंकि हर एक (प्रत्येक) का प्रयोग सदा एकवचन में होता है। अतएव विकल्प (a) अशुद्ध है।

102. सुसंगत शब्द प्रयोग में कौन सा वाक्य सर्वाधिक उपयुक्त है?

(a) दुष्ट को सजा मिलनी चाहिए।

(b) अपराधी को सजा मिलनी चाहिए।

(c) अशिष्ट को सजा मिलनी चाहिए।

(d) शत्रु को सजा मिलनी चाहिए।

उत्तर–(b) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'दुष्ट को सजा मिलनी चाहिए', 'अशिष्ट को सजा मिलनी चाहिए व शत्रु को सजा मिलनी चाहिए', ये तीनों वाक्य अशुद्ध हैं, जबकि **'अपराधी को सजा मिलनी चाहिए'** वाक्य शुद्ध है।

103. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।

(a) गुरू आ रहा है।

(b) गुरू आ रहे है।

(c) गुरु आ रहे हैं।

(d) गुरूजी आ रहे हैं।

उत्तर–(c) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या – 'गुरु' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, इसलिए 'गुरु आ रहे हैं' सही वाक्य है।

104. शब्दानुक्रम में सही वाक्य है–

(a) वह गरीब आदमी था। (b) वह आदमी गरीब था।

(c) था वह गरीब आदमी। (d) था गरीब वह आदमी।

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या – दिये गये वाक्य में 'वह गरीब आदमी था' शब्दानुक्रम की दृष्टि से सही वाक्य है क्योंकि विशेषण विशेष्य या संज्ञा से पहले आता है। शेष सभी वाक्य शब्दानुक्रम की दृष्टि से गलत हैं।

105. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है–

(a) अनुषांगिक (b) अनुसांगिक

(c) आनुषंगिक (d) आनुसांगिक

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या– प्रश्नगत दिये गये विकल्पों में **'आनुषंगिक'** सही वर्तनी वाला शब्द है, जबकि अन्य विकल्प वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

106. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है–

(a) परिच्छा (b) परीच्छा

(c) परीक्षा (d) परिक्षा

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या–वर्तनी की दृष्टि से परिच्छा, परीच्छा, परिक्षा तीनों अशुद्ध शब्द हैं, जबकि **'परीक्षा'** शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है।

Nitin-Gupta.com

107. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध का चयन कीजिए।

(a) अनुग्रहीत (b) अनुगृहीत

(c) अनुग्रहित (d) आनुगृहीत

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या – वर्तनी की दृष्टि से दिये गये विकल्पों में शुद्ध शब्द **अनुगृहीत** है। अन्य विकल्पों के शब्द अशुद्ध हैं।

108. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है–

(a) नरक (b) नर्क

(c) न्रक (d) र्नक

UP RO/ARO (Mains) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या– वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द **नरक** है, जबकि अन्य शब्द नर्क, न्रक और र्नक अशुद्ध हैं।

109. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध का चयन कीजिए।

(a) टिपड़ी (b) टिप्पणि

(c) टीप्पणी (d) टिप्पणी

UP RO/ARO (Mains) 2013
UPPSC AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या – वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द **टिप्पणी** है। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

110. किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है?

(a) लंगड़ (b) बुझक्कड़

(c) कोंकण (d) भुख्खड़

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में लंगड़, बुझक्कड़ और कोंकण शब्द शुद्ध हैं। विकल्प (d) में दिया गया शब्द 'भुख्खड़' अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप 'भुक्खड़' होगा।

111. किस शब्द की वर्तनी अशुद्ध है?

(a) निरनुनासिक (b) छिद्रान्वेशी

(c) गत्यर्थ (d) अन्तश्चेतना

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (b)

व्याख्या – निरनुनासिक, गत्यर्थ और अन्तश्चेतना तीनों की वर्तनी शुद्ध हैं जबकि 'छिद्रान्वेशी' अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप होगा **छिद्रान्वेषी**।

112. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) आपका शासन सम्बन्धी कार्य अधिक विख्यातपूर्ण है।

(b) आपको भूमि-भवन-वाहन का अभिनव सुख की प्राप्ति होगी।

(c) यह समाचार पूरे देश भर में तुरन्त फैल गया।

(d) तुम्हें कल कुछ हो जाये तो मैं कहीं का नहीं रहूँगा।

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में विकल्प (d) तुम्हें कल कुछ हो जाये तो मैं कहीं का नहीं रहूँगा। वाक्य शुद्ध है।

113. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) रोगी अपनी कमजोरियों के कारण उठ तक नहीं पा रहा था।

(b) राजपथ की सड़क से झाँकियां वापस लौट गईं।

(c) शिकारी उस पर गोली चलाई पर वह शेर बच निकला।

(d) उस समय चरखा चलाना भी एक अनुशासन था।

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (d)

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में 'उस समय चरखा चलाना भी एक अनुशासन था' वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–

– रोगी अपनी कमजोरी के कारण उठ तक नहीं पा रहा था।

– राजपथ से झाकियाँ लौट गयीं।

– शिकारी ने शेर पर गोली चालाई पर वह बच निकला।

114. 'सीमा, जाओ बाहर खेलो' कैसा वाक्य है?

(a) इच्छाबोधक (b) आज्ञावाचक

(c) संकेतार्थक (d) निषेधात्मक

UPPCS AE 2004

उत्तर–(b)

व्याख्या : 'सीमा, जाओ बाहर खेलो' **आज्ञावाचक** वाक्य है। **आज्ञावाचक**- ऐसे वाक्य जिसमें किसी तरह की आज्ञा का बोध हो, आज्ञावाचक वाक्य कहलाता है; **जैसे-**

(1) सीमा, जाओ बाहर खेलो (2) तुम पढ़ो।

◘ अर्थ के अनुसार वाक्य के आठ भेद होते हैं—

(1) विधिवाचक वाक्य, (2) निषेधवाचक वाक्य,

(3) प्रश्नवाचक वाक्य, (4) आज्ञावाचक वाक्य,

(5) विस्मयवाचक वाक्य, (6) संदेहवाचक वाक्य,

(7) इच्छावाचक वाक्य, (8) संकेतवाचक वाक्य।

115. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) शुश्रूषा (b) सुश्रूषा

(c) सुश्रुषा (d) श्रुशूषा

उत्तर–(a) **UP RO/ARO (Pre) 2010**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'शुश्रूषा'** है न कि अन्य तीनों शब्द।

Nitin-Gupta.com

116. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है –

(a) ईर्शा (b) ईर्षा

(c) इर्षा (d) ईर्ष्या

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'ईर्ष्या'** है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

117. 'उसके गले में बेड़ी पड़ी थी' वाक्य अशुद्ध है क्योंकि-

(a) क्रिया अशुद्ध है।

(b) काल दोष है।

(c) 'बेड़ी' गले में नहीं पड़ती।

(d) वचन दोष है।

UPPCS AE 2004

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'उसके गले में बेड़ी पड़ी थी' वाक्य अशुद्ध है क्योंकि 'बेड़ी' गले में नहीं बल्कि पैर में पड़ती है।

118. शुद्ध शब्द रूप है –

(a) दुरनिवार (b) दुर्नीवार

(c) दुःनिवार (d) दुर्निवार

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'दुर्निवार'** है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

119. 'ऊँटों का ...... जा रहा है' वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त (शुद्ध) शब्द से कीजिए।

(a) कारवाँ (b) जत्था

(c) काफिला (d) बेड़ा

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर – (c)

व्याख्या – दिये गये विकल्प में **'काफिला'** शब्द शुद्ध है न कि कारवाँ, जत्था और बेड़ा।

120. नीचे दिये शब्दों में से किसकी वर्तनी शुद्ध है?

(a) द्वारका

(b) पूज्यानीया

(c) अन्तर्ध्यान

(d) अहिल्यिया

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में शुद्ध वर्तनी है – **द्वारका**। शेष विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध है। इनका शुद्ध रूप पूज्यानीया का 'पूजनीय', अन्तर्ध्यान का 'अन्तर्धान' तथा अहिल्यिया का 'अहल्या' होगा।

121. नीचे दिये शब्दों में किसकी वर्तनी शुद्ध है?

(a) संन्यासी (b) आकाल

(c) अनुग्रहीत (d) आजीवका

UP PCS AE 2004, 2007

उत्तर–(a) **UP RO/ARO (Mains) 2010**

व्याख्या- दिये गये विकल्प में **'संन्यासी'** शुद्ध शब्द है जबकि अनुग्रहीत का अनुगृहीत, आकाल का अकाल, आजीवका 'आजीविका' शुद्ध शब्द होगा।

122. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

(a) यह आपकी अनाधिकार चेष्टा है।

(b) यह आपकी अनधिकार चेष्टा है।

(c) यह आपकी चेष्टा अनाधिकार है।

(d) यह चेष्टा आपका अनाधिकार है।

उत्तर–(b) **UP RO/ARO (Mains) 2010**

व्याख्या- अनाधिकार के स्थान पर अनधिकार शुद्ध शब्द है। "यह आपकी अनधिकार चेष्टा है।" शुद्ध वाक्य है। यहाँ पर वर्तनीगत दोष है।

123. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

(a) उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग गँवा दिया।

(b) वह अपनी कमाई का अधिकांश भाग गँवा बैठा।

(c) उसने कमाई का अधिकांश भाग गँवा डाला।

(d) उसने अपनी कमाई का अधिकांश गँवा दिया।

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- "उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग गँवा दिया।" इस वाक्य में अधिकांश में **अंश** शब्द जुड़ा हुआ है जिसका अर्थ होता है – भाग। अतः अधिकांश के बाद **भाग** शब्द लगाना गलत है। शुद्ध वाक्य होगा – उसने अपनी कमाई का अधिकांश गँवा दिया।

124. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य सही है?

(a) श्री राम चौदह वर्ष के बाद वन से वापस लौटे।

(b) श्रीराम चौदह वर्ष के बाद वनवास से वापस लौटे।

(c) श्रीराम चौदह वर्ष बाद वन से वापस लौटे।

(d) श्री राम चौदह वर्ष के बाद वन से लौटे।

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- "श्री राम चौदह वर्ष के बाद वन से लौटे।" शुद्ध वाक्य है। 'वापस' और 'लौटे' दोनों शब्द एक समानार्थक भावों को व्यक्त करते हैं। अतः यहाँ पर दोनों शब्दों का साथ-साथ प्रयोग पुनरुक्ति दोष होगा।

Nitin-Gupta.com

125. इनमें से शुद्ध वाक्य है-

(a) डॉ. गुप्ता हमारे पृभारी हैं।

(b) आज मैं इकतिस वर्ष का हो गया हूँ।

(c) इस वर्ष पहाड़ों पर जमकर तुषारपात हुआ है।

(d) हमें कभी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए।

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में शुद्ध वाक्य है- 'हमें कभी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए।' शेष विकल्पों के वाक्य अशुद्ध हैं। विकल्प (a) में पृभारी की जगह 'प्रभारी' होगा, विकल्प (b) में 'इकतिस' की जगह इकतीस होगा तथा विकल्प (c) में तुषारपात की जगह 'तुषारापात' होगा।

126. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी का शब्द है -

(a) वाँङ्मय (b) वांगमय

(c) वाङ्मय (d) बाँगमय

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(c)

व्याख्या – 'वाङ्मय' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष विकल्पों के शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

127. इनमें से कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) मेरा गुप्त रहस्य कोई नहीं जानता।

(b) श्याम सज्जन आदमी है।

(c) उत्तर का अधिकांश भाग पहाड़ी है।

(d) इनमें से एक भी वाक्य शुद्ध नहीं है।

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में विकल्प (a) में 'गुप्त रहस्य' शब्द का प्रयोग एक ही भाव स्पष्ट करता है जो पुनरावृत्ति का द्योतक है। अतः 'रहस्य' ही पर्याप्त आशय रखता है। इसी प्रकार 'श्याम सज्जन आदमी है।' यहाँ पर 'श्याम सज्जन है' से भाव की पूर्ति हो जा रही है। विकल्प (c) में अधिकांश भाग में अधिक + अंश पुनः आगे प्रयुक्त 'भाग अंश' शब्द का पुनरावृत्ति है। अतः यह वाक्य भी दोषपूर्ण है। अगला वाक्य – इनमें से एक भी वाक्य शुद्ध नहीं है। यही वाक्य शुद्ध है। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

128. इनमें से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है -

(a) अन्तर्धान (b) षष्ठ्म

(c) सहस्त्र (d) अनुषंगिक

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(a)

व्याख्या–वर्तनी की दृष्टि से विकल्प (a) **अन्तर्धान** शुद्ध है। अन्य विकल्प षष्ठ्म, सहस्त्र एवं अनुषंगिक वर्तनी की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है। इसका शुद्ध शब्द होगा - षष्ठ, सहस्र एवं आनुषंगिक।

129. इन नामों में से एक की वर्तनी अशुद्ध है -

(a) कौसल्या (b) मैथिलीशरण गुप्त

(c) मेघनाद (d) राहुल सांस्कृत्यायन

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या – वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द विकल्प (d) है। इसका शुद्ध वर्तनी रूप होगा – राहुल सांकृत्यायन। इसके अतिरिक्त अन्य विकल्प वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।

130. इनमें से एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है -

(a) अधीन (b) भागीरथी

(c) जागृत (d) अनुगृहीत

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(c)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में विकल्प (c) त्रुटिपूर्ण है। जागृत का शुद्ध रूप जाग्रत, जागरित होगा। अन्य विकल्प अधीन, भागीरथी और अनुगृहीत शुद्ध शब्द हैं।

131. शुद्ध वाक्य है-

(a) प्रज्ञाचक्षु को हरा रंग पसन्द है।

(b) प्रज्ञाचक्षु ने लाल कमल वाला जलाशय देखा।

(c) प्रज्ञाचक्षु ने चुपचाप सुना।

(d) प्रज्ञाचक्षु ने दर्पण देखा।

UPPCS AE 2004

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'प्रज्ञाचक्षु ने चुपचाप सुना।' शुद्ध वाक्य है। प्रज्ञाचक्षु का अर्थ 'अंधा व्यक्ति' होता है।

132. इनमें से शुद्ध वर्तनी का शब्द है -

(a) हिरण्यकशिपु (b) हिरण्यकश्यपु

(c) हिरण्यकश्यप (d) हिरण्यकस्यप

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या – विकल्प (a) 'हिरण्यकशिपु' शुद्ध वर्तनी का शब्द है।

133. इनमें से अशुद्ध वर्तनी का शब्द है -

(a) महत्त्व (b) वाल्मीकि

(c) पैतृक (d) सन्यासी

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर-(d)

व्याख्या – सन्यासी अशुद्ध वर्तनी का शब्द है। इसका शुद्ध वर्तनी 'संन्यासी' होगा। जबकि महत्त्व, पैतृक,वाल्मीकि की वर्तनी शुद्ध है।

134. 'बाघ और बकरी एक घाट पानी पीती हैं' वाक्य का शुद्ध रूप है-

(a) बाघ-बकरी एक घाट पर पानी पीती हैं।

Nitin-Gupta.com

(b) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं।

(c) बाघ और बकरी एक ही घाट पर पानी पीती हैं।

(d) बाघ और बकरी पानी पीती हैं।

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'बाघ और बकरी एक घाट पानी पीते हैं' वाक्य शुद्ध है। यदि वाक्य में दोनों लिंग के एकवचन के विभक्तिरहित अनेक कर्ता या इसी अर्थ में व्यवहृत किसी अन्य अव्यय से संयुक्त हो, तो क्रिया प्रायः बहुवचन और पुलिंग होगी।

135. नीचे दिये वाक्यों में कौन सा वाक्य त्रुटिहीन है?

(a) मेरे घर के पास एक पान की दूकान है।

(b) मेरे घर के पास एक पान की दूकान स्थित है।

(c) मेरे घर के पास एक पानों की दूकान है।

(d) मेरे घर के पास पान की एक दुकान है।

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'मेरे घर के पास एक पान की दुकान है' वाक्य में क्रम का दोष है। अक्रमत्व दोष के कारण भी प्रायः वाक्य अशुद्ध हो जाते हैं। यहाँ पर 'एक पान' ठीक न होकर 'एक दुकान' सार्थक आशय देता है। विकल्प (d) 'मेरे घर के पास पान की एक दुकान है' वाक्य त्रुटिहीन है।

136. 'पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है' वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए।

(a) पति-पत्नी के झगड़े का क्या हेतु हो सकता है?

(b) पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या है?

(c) पति-पत्नी के झगड़े का कारण क्या हो सकता है?

(d) पति और पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या-पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है। यहाँ पर शब्द 'हेतु' की जगह 'कारण' होगा। अतएव शुद्ध वाक्य होगा – 'पति-पत्नी के झगड़े का कारण क्या हो सकता है।'

137. वर्तनी की दृष्टि से शब्द का शुद्ध रूप कौन है?

(a) बन्दना (b) वंदना

(c) बनदना (d) वन्दना

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द **'वंदना'** होगा न कि बन्दना, वन्दना या बनदना।

138. निम्नलिखित में से कौन-सा संयुक्त वाक्य है?

(a) राजू ने ऐसी कहानी सुनाई कि वह डर गया।

(b) राम गाना गा रहा होगा।

(c) रामू जो तेज दौड़ता है, मेरा मित्र है।

(d) राम बिलकुल नहीं पढ़ा इसलिए फेल हो गया।

(e) हिरन ऐसा पशु है जो कुलाचें भरता है।

उत्तर-(d)

छत्तीसगढ़ पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2012

व्याख्या–दिये गये वाक्यों के विवरण इस प्रकार हैं–

राजू ने ऐसी कहानी सुनाई कि वह डर गया	– मिश्र वाक्य
राम गाना गा रहा होगा	– सरल वाक्य
रामू जो तेज दौड़ता है, मेरा मित्र है	– मिश्र वाक्य
राम बिल्कुल नहीं पढ़ा इसलिए फेल हो गया	– संयुक्त वाक्य
हिरन ऐसा पशु है जो कुलाचें भरता है	– मिश्र वाक्य

139. 'आप क्या कहते हैं' में 'ने' परसर्ग लगाकर शुद्ध वाक्य बनेगा?

(a) आपने क्या कहते हैं? (b) अपने क्या कहते हैं?

(c) आप ने क्या कहते हैं? (d) आपने क्या कहा है?

(e) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर-(d) छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2012

व्याख्या – 'आप क्या कहते हैं' में 'ने' परसर्ग लगाने के बाद दिये गये विकल्पों में 'आपने क्या कहा है?', सही विकल्प है। अतः (d) सही है।

140. निम्नांकित में शुद्ध वाक्य छाँटिए –

(a) रेखा ने भोजन कर ली है।

(b) रेखा भोजन कर ली है।

(c) रेखा भोजन कर ली।

(d) रेखा भोजन किया।

(e) रेखा ने भोजन किया है।

उत्तर–(e)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2013

व्याख्या – उपर्युक्त वाक्यों में रेखा ने भोजन किया है, अन्य दिये गये वाक्यों की तुलना में व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य है।

141. 'कठोर बनो, परन्तु दयालु रहो'____वाक्य है.-

(a) विधिवाचक (b) विधानवाचक

(c) इच्छावाचक (d) उद्गारवाचक

(e) विनम्रतासूचक

उत्तर (a)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2015

व्याख्या- 'कठोर बनो, परन्तु दयालु रहो' वाक्य **विधिवाचक** है क्योंकि हम कठोर रहते हुए भी दयालु बन सकते हैं।

142. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य को चुनिये–

(a) बंदूक एक उपयोगी शस्त्र है।

(b) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।

(c) हमारी सौभाग्वती कन्या का विवाह होने जा रहा है।

Nitin-Gupta.com

(d) किसी भी आदमी को भेज दो।
(e) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर (e)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2016-17

व्याख्या- उक्त विकल्पों में कोई भी सही नहीं है। पहला विकल्प 'बन्दूक एक उपयोगी अस्त्र है' उचित होगा। दूसरा अनेकों के स्थान पर 'अनेक' शुद्ध होगा। तीसरा सौभाग्यवती के स्थान पर 'आयुष्मती' उचित होगा। चौथा-किसी भी आदमी को भेज दो, के स्थान पर 'किसी आदमी को भेज दो', शुद्ध होगा।

143. निम्नांकित में से शुद्ध रूप है–

(a) अंजली (b) कालीदास
(c) श्राप (d) अहल्या

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा 2018

Ans. (d) : दिये गये शब्दों में से **'अहल्या'** वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है। अंजली का शुद्ध रूप 'अंजलि', कालीदास का शुद्ध रूप 'कालिदास' तथा श्राप का शुद्ध रूप 'शाप' होगा।

144. 'उसे मृत्यु-दंड की सजा मिली'
प्रस्तुत वाक्य की अशुद्धि स्पष्ट करें-

(a) संस्कृत के शब्दों का प्रयोग हुआ है।
(b) विदेशी शब्द 'सजा' का प्रयोग हुआ है।
(c) दण्ड और सजा समानार्थी शब्दों का प्रयोग हुआ है।
(d) कोई अशुद्धि नहीं है।

उत्तर-(c)

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

व्याख्या- 'उसे मृत्यु-दण्ड की सजा मिली' में दण्ड और सजा समानार्थी शब्दों का प्रयोग हुआ है। इस वाक्य में 'अधिक पदत्व' दोष है।

145. अधोलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) दधीचि (b) याज्ञवल्क्य
(c) निवृत्ति (d) घनिष्ट

उत्तर-(*)

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्री) परीक्षा-2018

व्याख्या- विकल्प (a) तथा (d) दोनों ही शब्दों की वर्तनी अशुद्ध है। 'दधीचि' न होकर शुद्ध वर्तनी 'दधीचि' होगा तथा 'घनिष्ट' अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जिसका शुद्ध वर्तनी **घनिष्ठ** होगा।

146. अधोलिखित में वर्तनी की दृष्टि से एक शब्द अशुद्ध है-

(a) अन्तर्धान (b) अनुगृहीत
(c) आध्यात्म (d) अधीन

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
सी-सैट द्वितीय प्रश्नपत्र, 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– उपर्युक्त विकल्पों में 'अनुगृहीत', 'अन्तर्धान' और 'अधीन' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं, जबकि आध्यात्म अशुद्ध है, जिसका शुद्ध रूप **'अध्यात्म'** है।

147. अधोलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) रचयिता (b) अनुग्रहीत
(c) अहार (d) सृष्टा

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या– दिये गये विकल्पों में से **'रचयिता'** शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जबकि 'अनुग्रहीत' का 'अनुगृहीत', 'अहार' का 'आहार' एवं 'सृष्टा' का 'स्रष्टा' शुद्ध रूप होगा।

148. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध है?

(a) वह दण्ड देने के योग्य है।
(b) चार विद्यार्थी नकल करते हुए पकड़े गए।
(c) मैंने यह पुस्तक पढ़ी है।
(d) उन्होंने अभी-अभी खाना खाया है।

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
द्वितीय प्रश्नपत्र, 2015

उत्तर-(a)

व्याख्या : 'वह दण्ड देने के योग्य है' यह वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप होगा - 'वह दण्ड योग्य है।' शेष वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हैं।

149. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द है –

(a) कुमुदनी (b) कुमुदिनी
(c) कुमूदनी (d) कूमुदिनी

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
द्वितीय प्रश्नपत्र, 2015

उत्तर-(b)

व्याख्या : दिये गये विकल्पों में शुद्ध शब्द **'कुमुदिनी'** है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

150. निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) यह व्यर्थ बात करने से कोई लाभ नहीं है।
(b) संपूर्ण देश भर में निराशा छा गई।
(c) भाई ने भाई के साथ सलाह की।
(d) कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें।

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा,
सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2014

उत्तर–(d)

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्पों में शुद्ध वाक्य है – 'कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें।' विकल्प (a) में 'व्यर्थ बात' की जगह 'व्यर्थ की बात' होगा, तथा (b) में 'सम्पूर्ण देश भर' की जगह 'सम्पूर्ण देश' होगा तथा विकल्प (c) में 'सलाह' की जगह 'मंत्रणा' होगा।

Nitin-Gupta.com

151. **किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?**

(a) आधीन (b) व्यवहारिक
(c) मिष्ठान्न (d) अत्यधिक

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2014

उत्तर–(d)

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्पों में 'अत्यधिक' की वर्तनी शुद्ध है, जबकि अन्य शब्द वर्तनी की दृष्टि से गलत हैं। इनके शुद्ध रूप हैं – 'आधीन का अधीन', 'व्यवहारिक का व्यावहारिक' एवं 'मिष्ठान्न का मिष्टान्न'।

152. **'महान् व्यक्तियों में भौतिक वस्तुओं के प्रति .... पाई जाती है'– वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त शब्द छांटिए –**

(a) निर्लिप्तता (b) लिप्तता
(c) निष्कपटता (d) निपटता

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या- 'महान व्यक्तियों में भौतिक वस्तुओं के प्रति 'निर्लिप्तता' पाई जाती है।' यहाँ पर '**निर्लिप्तता**' शब्द दिये गये विकल्पों में सर्वाधिक उपयुक्त है।

153. **शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए –**

(a) अन्त्याक्षरी (b) पूज्यनीय
(c) तदोपरान्त (d) कवियित्री

UP RO/ARO Special (Mains) 2010
UP PCS AE 2013
उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, सी-सैट : द्वितीय प्रश्नपत्र, 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या- शुद्ध वर्तनी वाला शब्द '**अन्त्याक्षरी**' है। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है–

अशुद्ध	**शुद्ध**
पूज्यनीय	पूजनीय
तदोपरान्त	तदुपरान्त
कवियित्री	कवयित्री

154. **शुद्ध वर्तनी है-**

(a) वाल्मीकी (b) वाल्मीकि
(c) वालमीकी (d) वाल्मिकि

मध्य प्रदेश पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016
UKPSC 2012

उत्तर (b)

व्याख्या- शुद्ध वर्तनी वाला शब्द 'वाल्मीकि' है। शेष वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

155. **निम्नलिखित में से कौन-सा 'आज्ञार्थक वाक्य' है?**

(a) सुरेश को बुलाना चाहिए।
(b) अभिषेक पुस्तक लाओ।
(c) सुषमा को अभी पढ़ाना जरूरी है।
(d) तुम्हें बाजार जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा द्वितीय प्रश्नपत्र, 2014

उत्तर–(b)

व्याख्या– 'आज्ञार्थक वाक्य' वह होता है, जिससे आज्ञा या आदेश देने के भाव का बोध हो; **जैसे–**'अभिषेक पुस्तक लाओ'।
शेष इस प्रकार हैं–
सुरेश को बुलाना चाहिए – इच्छावाचक
सुषमा को अभी पढ़ाना जरूरी है– विधानवाचक
तुम्हें बाजार जाना चाहिए – इच्छावाचक

156. **इनमें से कौन सा वाक्य संदेहवाचक है?**

(a) दयाशंकर शिवपुर में रहता है।
(b) राजेन्द्र आलमपुर में रहता है।
(c) शायद, सुरेन्द्र इगतपुरी में रहता है।
(d) क्या शंकर रामनगर में रहता है?

मध्य प्रदेश पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा द्वितीय प्रश्नपत्र, 2014

उत्तर–(c)

व्याख्या– 'शायद, सुरेन्द्र इगतपुरी में रहता है।' वाक्य **संदेहवाचक** है। संदेह वाचक वाक्य में कार्य के होने या न होने का संदेह बना रहता है। 'क्या शंकर राम नगर में रहता है' वाक्य **प्रश्नवाचक** तथा 'दयाशंकर शिवपुर में रहता है' व 'राजेन्द्र आलमपुर में रहता है' वाक्य **विधिवाचक** हैं।

157. **निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य शुद्ध वाक्य है?**

(a) मैं सारी रात भर जागता रहा।
(b) मैं पूरी रात भर जागता रहा।
(c) मैं सारी रात जागता रहा।
(d) मैं पूरी रात में जागता रहा।

उत्तर-(c)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2015

व्याख्या : दिये गये चारों विकल्पों में विकल्प (c) 'मैं सारी रात जागता रहा।' शुद्ध वाक्य है। ध्यातव्य हो कि यहाँ पर 'सारी' का प्रयोग कालबोध को स्पष्ट करता है जबकि 'पूरी' का प्रयोग 'परिमाण' को प्रकट करता है।

158. **शुद्ध वर्तनी वाला शब्द चुनिए-**

(a) क्रिपाण (b) कृपाण
(c) क्रपाण (d) कृपाड़

UPPCS AE 2013

उत्तर-(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी वाला शब्द **'कृपाण'** है। जबकि क्रिपाण, क्रमाण, कृपाड़ वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध नहीं हैं।

159. निम्नलिखित वाक्यों में से प्रश्नवाचक सर्वनाम इंगित करें-

(a) क्या वह खा रहा है?
(b) वह क्या खा रहा है?
(c) ज्ञात नहीं क्या से क्या हो गया?
(d) तुम्हारी क्या मज़ाल है कि मुझसे बात करो।

उत्तर–(b) **UPPCS AE 2007**

व्याख्या : 'वह क्या खा रहा है?' वाक्य में **प्रश्नवाचक** सर्वनाम है। अन्य तीनों विकल्प असंगत हैं। जिन शब्दों के प्रयोग से प्रश्न किये जाने का बोध हो और उत्तर अपेक्षित हो, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम की श्रेणी में रखते हैं।

160. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द इंगित करें-

(a) प्रदर्शिनी (b) प्रदर्शनी
(c) पृदर्षिणी (d) प्रदर्सिनी

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : **'प्रदर्शनी'** शुद्ध शब्द है। जबकि अन्य तीनों विकल्प असंगत हैं।

161. थोड़ी देर अभी और प्रतीक्षा कीजिए। इस वाक्य में कौन-सा भाव-संकेत है?

(a) आज्ञा (b) आदेश
(c) अनुरोध (d) प्रार्थना

UPPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'थोड़ी देर अभी और प्रतीक्षा कीजिए' इस वाक्य में 'अनुरोध' सा भाव संकेत हो रहा है। आज्ञा, आदेश, प्रार्थना, असंगत हैं।

162. निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाले क्रियापद चयन कीजिये-

(a) यह रातभर पढ़ता रहा।
(b) वह रात में पढ़ता रहा।
(c) रात पढ़ने के लिये है, सोने के लिये नहीं।
(d) मैं रातभर पढ़ नहीं पाया।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'रात पढ़ने के लिये है, सोने के लिये नहीं' इस वाक्य में भाववाच्य है। क्रिया के उस रूपान्तर को भाववाच्य कहते हैं, जिसमें वाक्य में भाव की प्रधानता का बोध हो
जैसे- राम से टहला नहीं जाता।
नोट- भाववाच्य में क्रिया अकर्मक होती है।

163. निम्नलिखित में से कर्मवाच्य इंगित करें-

(a) राम रोटी खा रहा है।
(b) वह पैदल जा रहा है।
(c) मेरे द्वारा भोजन किया जा रहा है।
(d) मैं बैठा हूँ।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'मेरे द्वारा भोजन किया जा रहा है।' इस वाक्य में कर्मवाच्य है। क्रिया के उस रूपान्तर को कर्मवाच्य कहते हैं, जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध हो; **जैसे**-पुस्तक पढ़ी जाती है; आम खाया जाता है।
नोट -कर्मवाच्य में केवल सकर्मक क्रिया होती है।

164. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य मिश्रित वाक्य है?

(a) भारत की राजधानी दिल्ली है।
(b) उसने बताया कि भारत की राजधानी दिल्ली है।
(c) दिल्ली राजधानी है और बम्बई व्यावसायिक नगरी है।
(d) दिल्ली और बम्बई एक जैसे महानगर हैं।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : 'उसने बताया कि भारत की राजधानी दिल्ली है' यह मिश्रित वाक्य है। जिस वाक्य में एक से अधिक सरल वाक्य हों और उनमें एक प्रधान हो और शेष उसके आश्रित हों, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं। ऐसे वाक्यों का आरम्भ- कि, ताकि, जिससे, जो, जितना, ज्योंहि, ज्यों-ज्यों, चूँकि, क्योंकि, यदि, यद्यपि, जब, जहाँ इत्यादि से होता है। विकल्प (a) और (d) में सरल वाक्य तथा विकल्प (c) में संयुक्त वाक्य है।

165. शुद्ध शब्द है-

(a) प्रोद्योगिकी (b) प्रोद्योगीकी
(c) प्रौद्यागीकि (d) प्रौद्योगिकी

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में **प्रौद्योगिकी** शुद्ध शब्द है।

166. निम्नलिखित वाक्यों में अशुद्ध वाक्य है-

(a) तुम निर्दयी पुरुष हो।
(b) इसका कोई अर्थ नहीं होता।
(c) कालिदास विराट विद्वान् थे।
(d) आज के संसार में ईश्वर की याद कम आती है।

उत्तर–(*) **UPPCS AE 2007**

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में विकल्प (a) तथा विकल्प (c) दोनों अशुद्ध हैं। विकल्प (a) में निर्दयी के स्थान पर 'निर्दय' शब्द का तथा विकल्प (c) में 'विराट' की जगह 'महान्' शब्द का प्रयोग उचित होगा।

Nitin-Gupta.com

167. निम्नलिखित शब्दों में से अशुद्ध शब्द इंगित करें-

(a) उपकार (b) तत्त्व

(c) उपर्युक्त (d) आधीन

UPPCS AE 2004, 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द 'आधीन' है। इसका शुद्ध वर्तनी **'अधीन'** होता है।

168. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द इंगित करें-

(a) महत्व (b) कवियत्री

(c) तैय्यार (d) पूजनीय

UPPCS AE 2007, 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द **पूजनीय** है। जबकि अन्य विकल्प इस प्रकार हैं-

अशुद्ध	शुद्ध
महत्व	महत्त्व
तैय्यार	तैयार
कवियित्री	कवयित्री

169. निम्नलिखित में से कौन-सा शुद्ध वाक्य है?

(a) वह पन्द्रह सौ रुपया लेकर गया है।

(b) वह एक हजार पाँच सौ रुपये लेकर गया है।

(c) वह डेढ़ हजार रुपया लेकर गया है।

(d) वह दो हजार में पाँच सौ कम लेकर गया है।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : 'वह एक हजार पाँच सौ रुपये लेकर गया है।' वर्तनी की दृष्टि से यह वाक्य शुद्ध है।

170. इनमें से कौन-सा वाक्य नहीं है?

(a) वे गये।

(b) उन्होंने मुझसे कहा।

(c) रमाशंकर सिंह जी।

(d) मैंने आम खाये।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'रमाशंकर सिंह जी' यह वाक्य नहीं है। सामान्य तौर पर वाक्य सार्थक शब्दों का समूह है, जिसमें 'कर्ता और क्रिया' दोनों का होना अनिवार्य है। बिना क्रिया के वाक्य का निर्माण संभव नहीं है।

171. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध रूप है-

(a) अनुग्रहीत (b) संगृहीत

(c) उपगृह (d) बिग्रह

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : **'संगृहीत'** वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है। अन्य विवरण इस प्रकार हैं–

अशुद्ध	शुद्ध
अनुग्रहीत	अनुगृहीत
उपगृह	उपग्रह
बिग्रह	विग्रह

172. वर्तनी की दृष्टि से एक शुद्ध शब्द है-

(a) पुरस्कार (b) वहिस्कार

(c) तिरश्कार (d) पुरुस्कार

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2007**

व्याख्या : वर्तनी की दृष्टि से **'पुरस्कार'** शुद्ध शब्द है। शेष विकल्पों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है–

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
पुरुस्कार	पुरस्कार
वहिस्कार	बहिष्कार
तिरश्कार	तिरस्कार

173. निम्नलिखित में से कौन वाक्य शुद्ध है?

(a) आप सज्जन व्यक्ति है।

(b) मन्दोदरी ने अनेक स्वप्न देखे।

(c) राम ने रोटी खाया।

(d) किताबें अलमारी पर रखी है।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : 'मन्दोदरी ने अनेक स्वप्न देखे।' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य है। शेष वाक्यों के क्रमश: शुद्ध रूप इस प्रकार हैं–

- आप सज्जन हैं।
- राम ने रोटी खायी।
- किताबें अलमारी में रखी हैं।

174. निम्नलिखित में से कौन वाक्य अशुद्ध है?

(a) श्याम, सुरेश और राधा गयीं।

(b) मुझे जाना है।

(c) वह वापस आया।

(d) यह पुस्तक राधा की है।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'यह पुस्तक राधा की है।' वर्तनी की दृष्टि से यह वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य- 'यह राधा **की** पुस्तक है।' अन्य विकल्प शुद्ध हैं।

175. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिये-

(a) मैं पुस्तक पढ़ा। (b) मैं पुस्तक को पढ़ा।

(c) मैं पुस्तक पढ़ी। (d) मैंने पुस्तक पढ़ी।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'मैंने पुस्तक पढ़ी'। यह शुद्ध वाक्य है। अन्य सभी वाक्य अशुद्ध हैं।

Nitin-Gupta.com

176. स्कूल मुझे जाना है-वाक्य का सही रूप चुनिए-

(a) स्कूल जाना है मुझे।
(b) मुझे स्कूल जाना है।
(c) मुझे जाना है स्कूल।
(d) जाना है मुझे स्कूल।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : 'मुझे स्कूल जाना है'। यह वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्यों में शब्दों के अनुचित क्रम प्रयुक्त हैं।

177. निम्नांकित में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है:-

(a) पेड़ों पर कौआ बैठा है।
(b) हम हमारे घर जा रहे हैं।
(c) वह प्रात: काल के समय घूमता है।
(d) सीता गीत गा रही है।

उत्तर–(d) **UPPCS AE 2013**

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में शुद्ध वाक्य 'सीता गीत गा रही है।'

अशुद्ध	**शुद्ध**
पेड़ो पर कौआ बैठा हैं।	पेड़ पर कौआ बैठा है।
हम हमारे घर जा रहे हैं।	हम घर जा रहे हैं।
वह प्रात: काल के समय घूमता है।	वह प्रात:काल घूमता है।

178. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) पुरस्कार (b) पुरुस्कार
(c) तिरस्कार (d) परिष्कार

UPPCS AE 2004

उत्तर–(b)

व्याख्या : अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द **पुरुस्कार** है। जिसका शुद्ध शब्द **पुरस्कार** होगा। अन्य शब्द तिरस्कार, परिष्कार शुद्ध शब्द हैं।

179. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द खोजिए-

(a) नायका (b) नाइका
(c) नाईका (d) नायिका

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी **नायिका** है। अन्य विकल्प वर्तनीगत अशुद्ध हैं।

180. शुद्ध वाक्य निर्देशित कीजिए-

(a) यह रूमाल अच्छी है।
(b) पटना में दही बहुत खट्टी है।
(c) कई हाथियाँ जा रही हैं।
(d) उसका मकान अच्छा है।

UPPCS AE 2004
UP RO/ARO Special (Pre.) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'उसका मकान अच्छा है।' वाक्य शुद्ध है।
अन्य वाक्य इस प्रकार हैं—

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
यह रूमाल अच्छी है।	यह रुमाल अच्छा है।
पटना में दही बहुत खट्टी है।	पटना में दही बहुत खट्टा है।
कई हाथियाँ जा रही है।	कई हाथी जा रहें हैं।

181. 'भगवान तुम्हारा भला करे' वाक्य है-

(a) प्रश्नात्मक (b) आदेशात्मक
(c) इच्छात्मक (d) संकेतात्मक

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'भगवान तुम्हारा भला करे' **इच्छात्मक वाक्य है-** जिससे किसी प्रकार की इच्छा या शुभकामना का बोध हो। **जैसे-** तुम अपने कार्य में सफल रहो।

प्रश्नात्मक वाक्य- जिसमें किसी प्रकार के प्रश्न किये जाने का बोध हो, **जैसे-** क्या तुम खा रहे हो? तुम्हारा क्या नाम है?

संकेतात्मक वाक्य - जहाँ एक वाक्य दूसरे वाक्य की संभावना पर निर्भर हो, **जैसे–** पानी न बरसता तो धान सूख जाता।

आदेशात्मक वाक्य - जिससे किसी तरह की आज्ञा का बोध हो, **जैसे-** तुम खाओ। तुम पढ़ो।

182. निम्नांकित में से शुद्ध वाक्य है-

(a) उनकी सौजन्यता से यह कार्य हुआ है।
(b) राम को मकान खरीदना है।
(c) यह असली गाय का दूध है।
(d) पुलिस द्वारा चोरी का माल बरामद हुआ।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में शुद्ध वाक्य है- 'राम को मकान खरीदना है।' अन्य शुद्ध वाक्य इस प्रकार हैं-
• उनके सौजन्य से यह कार्य हुआ है।
• यह गाय का दूध है।
• चोरी का माल पुलिस द्वारा बरामद हुआ।

183. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है-

(a) प्रजवलित (b) प्रज्ज्वलित
(c) प्रज्वलित (d) प्रज्जवलित

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध वर्तनी **'प्रज्वलित'** है। इसमें 'प्र' उपसर्ग 'ज्वल' मूलशब्द एवं 'इत' प्रत्यय है। यह विशेषण शब्द है।

Nitin-Gupta.com

184. निम्नांकित में किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है-

(a) अनाधिकार (b) अनाधीकार

(c) अनधीकार (d) अनधिकार

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध शब्द '**अनधिकार**' है। शेष विकल्प वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

185. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन-सा है?

(a) अष्ठ (b) अष्ट

(c) अश्ट (d) अस्ट

UPPCS AE 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध शब्द '**अष्ट**' है। शेष शब्द अशुद्ध हैं।

186. निम्नांकित में से शुद्ध शब्द कौन-सा है?

(a) अन्तर्ध्यान (b) अन्तरध्यान

(c) अन्तर्धान (d) अन्त: ध्यान

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध शब्द 'अन्तर्धान' है। अन्य विकल्प वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

187. सही वर्तनी है-

(a) सौहार्द्र (b) सौहार्द

(c) सौर्हाद (d) सौर्हाद्र

UPPCS AE 2004

उत्तर–(b)

व्याख्या : सही वर्तनी **सौहार्द** है। अन्य विकल्प वर्तनीगत अशुद्ध हैं।

188. निम्नलिखित शब्दों में से एक वर्तनी शुद्ध है-

(a) उत्कर्स (b) एकत्रीत

(c) सदृश (d) स्थायीत्व

उत्तर–(c) **UPPCS AE 2013**

व्याख्या : '**सदृश**' शुद्ध शब्द है। अन्य शुद्ध शब्द इस प्रकार हैं-

अशुद्ध	**शुद्ध**
उत्कर्स	उत्कर्ष
एकत्रीत	एकत्रित
स्थायीत्व	स्थायित्व

189. निम्नलिखित शब्दों में से वर्तनी की दृष्टि से एक शुद्ध है-

(a) शुद्धीकरण (b) हिरण्यकश्यपु

(c) श्राप (d) लब्धप्रतीष्ठित

UPPCS AE 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या : '**शुद्धीकरण**' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है। अन्य शब्द इस प्रकार हैं-

अशुद्ध	**शुद्ध**
हिरण्यकश्यपु	हिरण्यकशिपु
श्राप	शाप
लब्धप्रतीष्ठित	लब्धप्रतिष्ठ

190. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) प्रिंस बिस्मार्क एक निर्दयवान शासक था।

(b) भारतीय सैनिक जान पर कुरबान होने के लिए तत्पर रहते हैं।

(c) मीरा आटा गूंथ रही है।

(d) राम और श्याम घनिष्ठ मित्र हैं।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : '**राम और श्याम घनिष्ठ मित्र हैं।**' वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं-

* प्रिंस बिस्मार्क एक **निर्दय** शासक था।
* भारतीय सैनिक **देश पर** कुरबान होने को तत्पर रहते हैं।
* मीरा आटा **गूँध** रही है।

191. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) शाहजहाँ की रत्नजड़ित मयूरासन बहुमूल्य था।

(b) उनका आमंत्रण मेरे लिए अग्राह्यकर था।

(c) आपका सुन्दर उपवन सचमुच निरानंदपूर्ण है।

(d) अरे! सूरज डूब गया और तुम घर नहीं गये।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : '**अरे! सूरज डूब गया और तुम घर नहीं गये।**' वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्य अशुद्ध हैं। जिनका शुद्ध रूप इस प्रकार है-

अशुद्ध- शाहजहाँ की रत्नजड़ित मयूरासन बहुमूल्य था।

शुद्ध - शाहजहाँ का रत्नजड़ित मयूरासन बहुमूल्य था।

अशुद्ध- उनका आमंत्रण मेरे लिए अग्राह्यकर था।

शुद्ध - उनका आमंत्रण मेरे लिए अग्राह्य था।

अशुद्ध- आपका सुन्दर उपवन सचमुच निरानंदपूर्ण है।

शुद्ध - आपका सुन्दर उपवन सचमुच आनन्दपूर्ण है।

192. निम्नलिखित में से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) आपका विचार परम उत्तम है।

(b) यह दवा बहुत तत्काल असर दिखाती है।

(c) मैंने उसका गुप्त रहस्य जान लिया है।

(d) प्राय: ऐसे अवसर आते हैं, जबकि लोगों को अपना मत बदलना पड़ता है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में **'प्राय: ऐसे अवसर आते हैं, जबकि लोगों को अपना मत बदलना पड़ता है।'** वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्य इस प्रकार हैं-

अशुद्ध- आपका विचार परम उत्तम है।

शुद्ध - आपका विचार उत्तम है।

अशुद्ध- यह दवा बहुत तत्काल असर दिखाती है।

शुद्ध - यह दवा तत्काल असर दिखाती है।

अशुद्ध- मैंने उसका गुप्त रहस्य जान लिया है।

शुद्ध- मैंने उसका रहस्य जान लिया है।

193. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) उन्हें व्यर्थ रूपये देने से लाभ नहीं।

(b) उनके यहाँ सब तरह का सामान ढुलाई होता है।

(c) उन्होंने हमें नहीं बुलाया था, इसलिए हम वहाँ नहीं गये थे।

(d) भाषा की यह पुस्तक बहुत ही विद्वत्तापूर्ण लिखी गयी है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'उन्होंने हमें नहीं बुलाया था, इसलिए हम वहाँ नहीं गये थे।' वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्य इस प्रकार हैं-

अशुद्ध- उन्हें व्यर्थ रूपये देने से लाभ नहीं।

शुद्ध- उन्हें रुपये देने से लाभ नहीं।

अशुद्ध- उनके यहाँ सब तरह का सामान ढुलाई होता है।

शुद्ध- उनके यहाँ सब तरह के सामान की ढुलाई होती है।

अशुद्ध- भाषा की यह पुस्तक बहुत ही विद्वत्तापूर्ण लिखी गयी है।

शुद्ध- भाषा की यह पुस्तक विद्वतापूर्ण लिखी गयी है।

194. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) राम का दर्शन पा कर अहल्या धन्य हुई।

(b) भांडा फूटने पर उसकी गरदन लज्जा से नीचे हो गयी।

(c) इस चिकित्सालय में सर्वोत्कृष्ट रोगों की चिकित्सा उपलब्ध है।

(d) भाषा के मानकीकरण के लिए व्याकरण जरूरी है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में **'भाषा के मानकीकरण के लिए व्याकरण जरूरी है।'** वाक्य शुद्ध है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं-

- राम के दर्शन पाकर अहल्या धन्य हुई।
- भांडा फूटने पर उसका सिर शर्म से झुक गया।
- इस चिकित्सालय में घातक रोगों की चिकित्सा उपलब्ध है।

195. जो धैर्यवान है, वह कभी असफल नहीं होता- वाक्य में 'जो धैर्यवान है' है-

(a) क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(b) विशेषण उपवाक्य

(c) संज्ञा उपवाक्य

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(b) **UPPCS AE 2013**

व्याख्या : जो धैर्यवान है, वह कभी असफल नहीं होता में 'जो धैर्यवान है' **'विशेषण उपवाक्य'** है। यहाँ धैर्यवान विशेषता बता रहा है। विशेषण उपवाक्य विशेषण की भाँति कार्य करते है।

196. 'जब बादल गरजते हैं, तब मोर नाचते हैं' वाक्य में 'जब बादल गरजते हैं' है-

(a) क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(b) विशेषण उपवाक्य

(c) संज्ञा उपवाक्य

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2013**

व्याख्या : जब बादल गरजते हैं तब मोर नाचते हैं, वाक्य में 'जब बादल गरजते हैं' **'क्रिया विशेषण उपवाक्य'** है। क्रिया-विशेषण उपवाक्य क्रिया की विशेषता बताते हैं।

197. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है-

(a) पाँच रुपये मजदूरों को मिले।

(b) सभी मजदूरों के पाँच रुपये मिले।

(c) प्रत्येक मजदूर को पाँच रुपये मिले।

(d) प्रत्येक मजदूरों को पाच रुपये मिले।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : निम्न वाक्यों में शुद्ध वाक्य है- **'प्रत्येक मजदूर को पाँच रुपये मिले'।** जबकि अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

198. 'मेरा काम है पढ़ना और तुम्हारा काम है लिखना'- वाक्य के संदर्भ में एक कथन गलत है-

(a) इसमें दो प्रधान उपवाक्य हैं।

(b) यह संयुक्त वाक्य है।

(c) इसमें एक संज्ञा उपवाक्य है।

(d) इसमें दो सरल वाक्य संयोजक से जुड़े हैं।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'मेरा काम है पढ़ना और तुम्हारा काम है लिखना' इस वाक्य के संदर्भ में **'इसमें एक संज्ञा उपवाक्य है'** गलत कथन है। जबकि इसमे दो प्रधान उपवाक्य हैं, यह संयुक्त वाक्य है और इसमें दो सरल वाक्य संयोजक से जुड़े हैं।

199. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) दही बहुत खट्टी है।

(b) उसका छाजन टपकता है।

(c) मेरा घर बड़ा है, पर बैठक छोटा है।

(d) सिपाही की पगड़ी लाल है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या : लिंग की दृष्टि से शुद्ध वाक्य है–सिपाही की पगड़ी लाल है। जबकि अन्य विकल्पों का शुद्ध रूप इस प्रकार है-
- दही बहुत खट्टा है।
- उसकी छाजन टपकती है।
- मेरा घर बड़ा है, पर बैठक छोटी है।

200. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य शुद्ध है-
(a) बालू बहुत गीला है।
(b) खटिया टूट गया।
(c) टेसू खूब फूल रही है।
(d) ईख बहुत मीठी है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(*)

व्याख्या : इस प्रश्न में a और d दोनों विकल्प सही हैं। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–
- खटिया टूट गयी।
- टेसू खूब फूल रहा है।

201. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन-सा है?
(a) स्वास्थ्य (b) स्वास्थय
(c) सवास्थय (d) स्वासथ्य

UKPCS AE 2012

उत्तर–(a)

व्याख्या : 'स्वास्थ्य' शुद्ध शब्द है। अन्य की वर्तनी त्रटिपूर्ण है।

202. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन सा है?
(a) अंर्तगत (b) अंतर्गत
(c) अंतगर्त (d) अंतरगत

UKPCS AE 2012

उत्तर–(b)

व्याख्या : 'अंतर्गत' शुद्ध शब्द है। अन्य विकल्पों की वर्तनी अशुद्ध है।

203. शुद्ध वाक्य है-
(a) हम राजेन्द्र बाबू को कई बार देखे थे।
(b) वह बहुत सज्जन आदमी हैं।
(c) वह कमर बाँधे बैठा था।
(d) आज इस प्रश्न का उत्तर दे पाना कठिन है।

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'आज इस प्रश्न का उत्तर दे पाना कठिन है।' शुद्ध वाक्य है। शेष वाक्यों का शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–
- हमने राजेन्द्र बाबू को कई बार देखा था।
- वह बहुत सज्जन है।
- वह कमर कसकर बैठा था।

204. इनमें अशुद्ध वाक्य कौन-सा है?
(a) सप्रमाण उत्तर दीजिए।
(b) शीला ने मोतियों की एक माला खरीदी।
(c) मुझसे यह काम संभव नहीं है।
(d) मैंने अभी बाज़ार जाना है।

UKPCS AE 2012

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'मैंने अभी बाज़ार जाना है' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप होगा-'मुझे अभी बाजार जाना है।' अन्य सभी वाक्य शुद्ध हैं।

205. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प शुद्ध है?
(a) शिखंला (b) श्रंखला
(c) शृंखला (d) सिंखला

UKPCS AE 2012

उत्तर–(c)

व्याख्या : शृंखला शब्द शुद्ध है, जबकि शिंखला, श्रंखला और सिंखला अशुद्ध शब्द हैं।

206. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य शुद्ध है-
(a) पार्वती ने सीता को आयुष्मान होने का वरदान दिया।
(b) यह स्त्री परम सौभाग्यवान है।
(c) यह मेरी बलवान कामना है।
(d) राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की पत्नी रवीन्द्र संगीत की बहुचर्चित गायिका हैं।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की पत्नी रवीन्द्र संगीत की बहुचर्चित गायिका हैं' लिंग की दृष्टि से शुद्ध वाक्य है। जबकि अन्य विकल्पों का शुद्ध रूप होगा-
- पार्वती ने सीता को आयुष्मती होने का वरदान दिया।
- यह स्त्री परम सौभाग्यवती है।
- यह मेरी बलवती इच्छा है।

207. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?
(a) लक्ष्मी सदैव गतिमाना होती है।
(b) शिवानी हिन्दी की प्रतिष्ठित लेखक हैं।
(c) मैं 'धर्मयुग' की नियमित पाठिका हूँ।
(d) मेरी माँ ही मेरी संरक्षक हैं।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : मैं 'धर्मयुग' की नियमित पाठिका हूँ। - शुद्ध वाक्य है जबकि अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं-
- लक्ष्मी सदैव गतिमान होती हैं।
- शिवानी हिन्दी की प्रतिष्ठित लेखिका हैं।
- मेरी माँ ही मेरी संरक्षिका है।

Nitin-Gupta.com

208. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य अशुद्ध है-

(a) यह राम का भवन है।

(b) यह राम की इमारत है।

(c) यह राम की बैठक है।

(d) यह राम का गौशाला है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'यह राम का गौशाला है' अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध वाक्य है- यह राम की गौशाला है। अन्य वाक्य यह राम का भवन है, यह राम की इमारत है और यह राम की बैठक है तीनों शुद्ध वाक्य हैं। ध्यातव्य है कि 'गौशाला' स्त्रीलिंग शब्द है, अत: 'का' के स्थान पर 'की' का प्रयोग होगा।

209. निम्नलिखित में कौन वाक्य भाववाच्य का है?

(a) राम से चला नहीं जाता।

(b) पुस्तक महँगे दाम में खरीदी गयी।

(c) लड़के ने तीर से चिड़िया को मार दिया।

(d) तुलसी ने विनयपत्रिका लिखी है।

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2013**

व्याख्या : 'राम से चला नहीं जाता' यह वाक्य भाववाच्य में है। जब क्रिया का रूप कर्ता या कर्म के अनुसार न परिवर्तित होकर भाव के अनुसार परिवर्तित होता है, तब उसे भाववाच्य कहते हैं। दिये गये वाक्यों का वाच्य इस प्रकार है-

वाक्य	**वाच्य**
राम से चला नहीं जाता।	भाववाच्य
पुस्तक महँगे दाम में खरीदी गयी।	कर्मवाच्य
लड़के ने तीर से चिड़िया को मार दिया।	कर्तृवाच्य
तुलसी ने विनयपत्रिका लिखी है।	कर्तृवाच्य

210. कौन सा वाक्य शुद्ध है–

(a) उसे मत्युदण्ड की सजा मिलेगी।

(b) उसे मृत्युदण्ड मिलेगा।

(c) उसे मत्युसजा मिलेगा।

(d) उसे मत्यूदंड मिलेगा।

उत्तर–(b) **UPPCS AE (I) 2007**

व्याख्या : उसे मृत्युदण्ड मिलेगा। वाक्य शुद्ध है।

211. कौन सा वाक्य शुद्ध है–

(a) मेरा दो लड़का अभी पढ़ता है।

(b) मेरा दो लड़का लोग अभी पढ़ता है।

(c) मेरे दो लड़के अभी पढ़ते हैं।

(d) मेरे दो लड़के पढ़ते हैं अभी।

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'मेरे दो लड़के अभी पढ़ते हैं।' वाक्य शुद्ध है।

212. अशुद्ध वाक्य निर्दिष्ट करें-

(a) अतिरिक्त विनम्रता धूर्तता की निशानी होती है।

(b) बिहारी के दोहे रस सम आप्लावित हैं।

(c) दर्शनार्थियों की भीड़ एकत्र थी।

(d) मृतकों के इलाज की उत्तम व्यवस्था है।

UPPCS AE 2004

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'मृतकों के इलाज की उत्तम व्यवस्था है।' वाक्य अशुद्ध है, जिसका शुद्ध रूप होगा 'रोगियों के इलाज की उत्तम व्यवस्था है।' अन्य वाक्य अशुद्ध हैं।

213. निम्नलिखित वाक्यों में एक में सकर्मक क्रिया है-

(a) रेलगाड़ी चली। (b) लड़का सोता है।

(c) चिड़िया उड़ती है। (d) विद्यार्थी लिखता है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'विद्यार्थी लिखता है' में सकर्मक क्रिया है। अन्य विकल्प तर्कसंगत नहीं हैं। ऐसी क्रिया जिसमें कर्म अपेक्षित हो सकर्मक क्रिया कहलाती है।

214. निम्नलिखित वाक्यों में से एक में अकर्मक क्रिया है-

(a) लड़का खेलता है। (b) बच्चे पढ़ते हैं।

(c) लड़की रोती है। (d) किसान बोता है।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'लड़की रोती है' वाक्य में अकर्मक क्रिया है। जिस क्रिया का प्रभाव कर्म पर न पड़कर स्वयं कर्ता पर ही पड़ता है उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

215. निम्नलिखित वाक्यों में से एक में संयुक्त क्रिया का प्रयोग नहीं हुआ है-

(a) लड़का रो पड़ा। (b) हत्यारे ने मार डला।

(c) लड़की उठ बैठी। (d) वह क्षण भर में आएगा।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'वह क्षण भर में आएगा।' वाक्य में संयुक्त क्रिया नहीं है जबकि 'रो पड़ा', 'मार डाला' और 'उठ बैठी' संयुक्त क्रिया है।

216. 'मेरा वह हार खो गया जो सोने से बना था'- में आश्रित उपवाक्य है

(a) संज्ञा उपवाक्य

(b) विशेषण उपवाक्य

(c) क्रिया विशेषण उपवाक्य

(d) इनमें से कोई नहीं

UPPCS AE 2011

उत्तर–(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या : 'मेरा वह हार खो गया जो सोने से बना था' में **विशेषण उपवाक्य** आश्रित उपवाक्य है, क्योंकि जो आश्रित उपवाक्य प्रधान वाक्य की संज्ञा पद की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण उपवाक्य कहते हैं।

217. 'राम ने कहा कि मैं पढ़ूँगा' वाक्य में 'कि मैं पढ़ूँगा' है-

(a) संज्ञा उपवाक्य (b) विशेषण उपवाक्य
(c) क्रिया विशेषण (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2011**

व्याख्या : जो आश्रित उपवाक्य, प्रधान वाक्य की क्रिया के कर्ता, कर्म अथवा पूरक के रूप में प्रयुक्त हो, उन्हें संज्ञा उपवाक्य कहते हैं। अत: 'राम ने कहा कि मैं पढ़ूँगा वाक्य में 'कि मैं पढ़ूँगा' एक संज्ञा उपवाक्य है।

218. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग गंवा दिया।
(b) अपनी कमाई का उसने अधिकांश भाग गंवा दिया।
(c) उसने कमाई का अधिकांश भाग गंवा दिया।
(d) उसने अपनी कमाई का अधिकांश गंवा दिया।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : उसने अपनी कमाई का अधिकांश गंवा दिया। वाक्य शुद्ध है।

219. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) प्रेमचंद की 'ईदगाह' नामक शींषक कहानी का नायक हामिद है।
(b) प्रेमचंद की 'ईदगाह' नामक के शीर्षक वाली कहानी का नायक हामिद है।
(c) प्रेमचंद की 'ईदगाह' नामक शीर्षक कहानी का नायक हमीद है।
(d) प्रेमचंद की 'ईदगाह' शीर्षक कहानी का नायक हामिद है।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : प्रेमचंद्र की 'ईदगाह' शीर्षक कहानी का नायक हामिद है। वाक्य शुद्ध है।

220. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) प्रात:काल के समय चिड़ियाँ चहचहाती हैं।
(b) चिड़ियाँ प्रात:काल के समय चहचहाती हैं।
(c) प्रात:काल चिड़ियाँ चहचहाती हैं।
(d) प्रात: के समय चिड़ियाएँ चहचहाती हैं।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(c)

व्याख्या : प्रात:काल चिड़ियाँ चहचहाती हैं। वाक्य शुद्ध है।

221. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) हमको परस्पर एक दूसरे के साथ मिल कर रहना चाहिए।
(b) हम सबको परस्पर एक दूसरे के साथ मिल कर रहना चाहिए।
(c) सबको परस्पर एक दूसरे के साथ मिल कर रहना चाहिए।
(d) हमको परस्पर मिल कर रहना चाहिए।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : हमको परस्पर मिलकर रहना चाहिए। वाक्य शुद्ध है। 'परस्पर' का अर्थ 'एक दूसरे' होता है। अतः इसके साथ 'एक दूसरे' लिखना पूर्णतः असंग है।

222. एक वाक्य अशुद्ध है-

(a) बन्दूक खतरनाक अस्त्र है।
(b) साहित्य और जीवन का अभिन्न सम्बन्ध है।
(c) मेरे घर के नुक्कड़ पर एक पान की दुकान है
(d) वहाँ भारी भीड़ लगी थी।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(c)

व्याख्या : विकल्प (c) अशुद्ध है, जिसका शुद्ध वाक्य है- मेरे घर के नुक्कड़ पर पान की एक दुकान है।

223. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) शोक है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।
(b) मुझे शोक है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।
(c) मुझे शोक है कि आपने मेरे पत्रों का उत्तर नहीं दिया।
(d) खेद है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'खेद है कि आपने मेरे पत्रों का कोई उत्तर नहीं दिया।' वाक्य शुद्ध है।

224. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) घर के लोग जान नहीं पाये कि कब घर में चोरों ने पदार्पण कर दिया।
(b) युद्ध का श्रीगणेश होते ही मंहगाई बढ़ जाती है।
(c) बरतन में तेल ठसाठस भरा था।
(d) कमरा लोगों से ठसाठस भरा था।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में 'कमरा लोगों से ठसाठस भरा था।' वाक्य शुद्ध है। शेष वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–

- घर के लोग जान नहीं पाये कि कब घर में चोर आ गये।
- युद्ध शुरू होते ही मँहगाई बढ़ जाती है।
- बरतन में तेल लबालब भरा था।

Nitin-Gupta.com

225. एक की वर्तनी शुद्ध है-

(a) आभ्यन्तरिक (b) स्वातंत्र

(c) संसारिक (d) शुद्धीकरण

UPPCS AE 2011

उत्तर–(a & d)

व्याख्याः दिये गये विकल्पों में आभ्यांतरिक और शुद्धीकरण वर्तनी शुद्ध है। अन्य शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं–

अशुद्ध	**शुद्ध**
स्वातंत्र	स्वतंत्र
संसारिक	सांसारिक

226. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन सा है?

(a) आर्शीवाद (b) आर्शिवाद

(c) आशीर्वाद (d) आशिर्वाद

UKPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : उपर्युक्त में से शुद्ध शब्द **आशीर्वाद** है। अन्य विकल्प वर्तनी की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण हैं।

227. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन सा है?

(a) उच्चारड (b) उच्चारढ़

(c) उच्चारड़ (d) उच्चारण

UKPCS AE 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध शब्द **उच्चारण** है।

228. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन सा है?

(a) क्लेष (b) क्लेस

(c) क्लेश (d) कलेस

UKPCS AE 2007
UP RO/ARO (Pre.) 2014

उत्तर–(c)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध शब्द **क्लेश** है। शेष शब्द त्रुटिपूर्ण हैं।

229. निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द कौन सा है?

(a) दौरना (b) अतिथि

(c) नीरज (d) पंकज

UKPCS AE 2007

उत्तर–(a)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में अशुद्ध शब्द **दौरना** है इसका शुद्ध रूप 'दौड़ना' होता है जबकि अतिथि, नीरज, पंकज शुद्ध शब्द हैं।

230. निम्नलिखित में 'शुद्ध वाक्य' कौन सा है?

(a) आज रविवार का दिन है।

(b) वह अनेकों लोगों से मिल कर आ रहा है।

(c) अपनी स्वेच्छा से जाना है तो जाइये।

(d) चार आदमियों ने हरिद्वार की यात्रा की।

UKPCS AE 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'चार आदमियों ने हरिद्वार की यात्रा की।' शुद्ध वाक्य है। अन्य शुद्ध वाक्य इस प्रकार हैं-

- आज रविवार है।
- वह अनेक लोगों से मिलकर आ रहा है।
- स्वेच्छा से जाना है तो जाइये।

231. निम्नलिखित में 'मिश्र वाक्य' कौन सा है?

(a) रमेश और मनोहर कल घर जा रहे हैं।

(b) वह कौन सा भारतीय है जिसने महात्मा गाँधी का नाम न सुना हो।

(c) माँ अपने बच्चे को दूध पिला रही थी।

(d) नृपेन्द्र को परिश्रम करने का फल प्राप्त हुआ।

उत्तर–(b) **UKPCS AE 2007**

व्याख्या : 'वह कौन सा भारतीय है जिसने महात्मा गाँधी का नाम न सुना हो।' यह मिश्र वाक्य है। ऐसे वाक्य जिनमें सरल वाक्य के साथ-साथ कोई दूसरा उपवाक्य भी हो, वे वाक्य **मिश्र वाक्य** कहलाते हैं; **जैसे-**

- वह कौन-सा मनुष्य है जिसने महाप्रतापी राजा भोज का नाम न सुना हो।
- ऊपर दिये गये उदाहरण में एक उपवाक्य नहीं दो उपवाक्य हैं। इनमें से एक उपवाक्य प्रधान है एवं दूसरा उपवाक्य आश्रित है।

232. निम्नलिखित में कौन शुद्ध शब्द है?

(a) दुरभिसन्धि (b) दुराभिसन्धि

(c) दुरभिसन्धी (d) दुर्‌भिसन्धि

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2008**

व्याख्या : दुरभिसन्धि शुद्ध शब्द है शेष शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

233. इन नामों में किसकी वर्तनी अशुद्ध है?

(a) मैथलीशरण गुप्त (b) सच्चिदानन्द

(c) माण्डवी (d) राहुल सांकृत्यायन

UPPCS AE 2008

उत्तर–(a)

व्याख्या : 'मैथलीशरण गुप्त' वर्तनी अशुद्ध है बल्कि शुद्ध वर्तनी **मैथिलीशरण गुप्त** है जबकि सच्चिदानन्द, माण्डवी, राहुल सांकृत्यायन शुद्ध शब्द हैं।

234. कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) कल जो दाँत तोड़ा था उसमें अभी तक बड़ी दर्द है।

(b) कल जो दाँत तोड़ी थी उसमें अभी तक बड़ा दर्द है।

Nitin-Gupta.com

(c) कल जो दाँत तोड़ा था, उसमें अभी तक बहुत दर्द है।
(d) कल जो दाँत तोड़ी उसमें बड़ी दर्द है अभी तक।

UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या: 'कल जो दाँत तोड़ा था, उसमें अभी तक बहुत दर्द है।' शुद्ध वाक्य है।

235. निम्नलिखित में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) ब्रहमा (b) ब्रहमा
(c) ब्रह्मा (d) ब्रम्हा

UPPCS AE 2008

उत्तर–(c)

व्याख्या : दिए गए शब्दों में **ब्रह्मा** शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। शेष शब्द वर्तनी की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण हैं।

236. शुद्ध वाक्य निर्दिष्ट कीजिए-

(a) हम कहता हूँ आप बैठ जाओ।
(b) मैं कहते हैं आप सब बैठ जाओ।
(c) मैं कहता हूँ आप सब बैठो न।
(d) मैं कहता हूँ आप सब बैठ जाइए।

UPPCS AE 2008

उत्तर–(d)

व्याख्या : मै कहता हूँ आप सब बैठ जाइए। शुद्ध वाक्य है।

237. शुद्ध वाक्य निर्दिष्ट कीजिए–

(a) उसने मुझे एक किताब दिया।
(b) उसने मुझे एक किताब दी।
(c) उसने मेरे को एक किताब दिया।
(d) उसने मुझको एक किताब दीया।

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : उसने मुझे एक किताब दी। वाक्य शुद्ध है।

238. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य अशुद्ध है-

(a) मोती सफेद होता है।
(b) चुन्नी लाल होता है।
(c) पन्ना हरा होता है।
(d) नीलम नीला होता है।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(b)

व्याख्या : लिंग की दृष्टि से 'चुन्नी लाल होता है' वाक्य अशुद्ध है। चुन्नी स्त्रीलिंग है इसलिए 'होता' के स्थान पर 'होती' होगा।

239. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) लीची मीठा है
(b) नाशपाती खट्टा है
(c) जामुन खट्टी-मीठी है।
(d) खरबूजा फीका है।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : लिंग की दृष्टि से 'खरबूजा फीका है' वाक्य शुद्ध है। शेष वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–

- लीची मीठी है।
- नाशपाती खट्टी है।
- जामुन खट्टा-मीठा है।

240. लिंग की दृष्टि से एक सही नहीं है-

(a) उन्होंने बहुत दौलत कमायी।
(b) इस शाल की कीमत बहुत ज्यादा है।
(c) मुझे घर जाने की इजाजत नहीं मिली।
(d) दही बहुत खट्टी है।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : लिंग की दृष्टि से वाक्य 'दही बहुत खट्‌टी है' सही नहीं है, क्योंकि दही पुल्लिंग शब्द है, अत: वाक्य 'दही बहुत खट्टा है' होगा।

241. निम्न में से शुद्ध शब्द कौन-सा है?

(a) दम्पत्ति (b) दम्पती
(c) दम्पत्ती (d) दम्पति

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये शब्दों में शुद्ध शब्द '**दम्पति**' है। वर्तनी की दृष्टि से अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

242. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) राधा उनकी पालित पुत्री है।
(b) नायिकाओं की एक कोटि श्याम नायिका की है।
(c) राधा कृष्ण की प्रियतमा थीं।
(d) यह तो विद्वान् हैं ही, उनकी पत्नी भी विद्वान है।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(c)

व्याख्या : 'राधा कृष्ण की प्रियतमा थी' वाक्य शुद्ध है। विकल्प (a) में 'पालित' की जगह 'पालिता' होगा तथा विकल्प (b) में 'की' का प्रयोग अनावश्यक है। इसका शुद्ध वाक्यह होगा– नायिकाओं की एक कोटि श्याम नायिका है। और विकल्प (d) में 'पत्नी भी विद्वान है' की जगह 'पत्नी भी विदुषी है' होगा।

243. वर्तनी की दृष्टि से एक वाक्य अशुद्ध है-

(a) यह दावत किस उपलक्ष्य में है?
(b) यह मेरी आजीवका का प्रश्न है।
(c) मैं परिश्रम करने का अभ्यस्त नहीं हूँ।
(d) आर्थिक समानता के लिए गाँधीजी ने विकेन्द्रीकरण का सिद्धान्त दिया।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्याः 'यह मेरी आजीवका का प्रश्न है' वाक्य में आजीवका शब्द की शुद्ध वर्तनी 'आजीविका' है। अत: विकल्प (b) वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है।

244. वर्तनी की दृष्टि से एक अशुद्ध है-

(a) मैं आपका अनुग्रहीत हूँ।

(b) भगवान् वरदान देकर अन्तर्धान हो गये।

(c) भारतवासी वर्षों तक विदेशियों के अधीन रहे।

(d) बंगाल में भयानक अकाल पड़ा।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(a)

व्याख्या : 'मैं आपका अनुग्रहीत हूँ' वाक्य अशुद्ध है। 'अनुग्रहीत' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'अनुगृहीत' है।

245. वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है-

(a) भगवान् कृष्ण द्वारका चले गये।

(b) अहल्या गौतम ऋषि की पत्नी थीं।

(c) संन्यासी गेरुआ वस्त्र पहने था।

(d) हम प्रदर्शिनी देखने गये।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'हम प्रदर्शिनी देखने गये' वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में 'प्रदर्शिनी' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'प्रदर्शनी' है। अत: शुद्ध वाक्य होगा– 'हम प्रदर्शनी देखने गये।' शेष सभी वाक्य शुद्ध हैं।

246. एक वाक्य शुद्ध है-

(a) लड़के ने सोया।

(b) लड़के ने बोला।

(c) लड़के ने बताया।

(d) लड़के ने ठहरा।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(c)

व्याख्या : दिये गये वाक्यों में 'लड़के ने बताया।' में लिंग के अनुसार सही क्रिया प्रयुक्त हुई है।

247. एक वाक्य में 'फूट' का शुद्ध प्रयोग है-

(a) उसका गुस्सा फूट पड़ा।

(b) उसका फोड़ा फूट गया।

(c) पेड़ की शाखाएँ फूट गयीं।

(d) बादल छाये और फूट पड़े।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(a)

व्याख्या : 'उसका गुस्सा फूट पड़ा।' वाक्य में फूट क्रिया का शुद्ध प्रयोग है।

निर्देश: प्रश्न संख्या 248 से 256 तक के प्रत्येक प्रश्न में मात्र एक-एक शब्द की वर्तनी शुद्ध है। उन्हें चिह्नित कीजिए।

248.

(a) अक्षुण्ण (b) अक्षुण्य

(c) अच्छुण (d) अक्षूण्य

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(a)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी शब्द **अक्षुण्ण** है।

249.

(a) सौहार्द्र (b) सहस्र

(c) वाड्गमय (d) षष्ठ

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी शब्द 'सहस्र' है। जबकि सौहार्द्र का शुद्ध वर्तनी शब्द सौहार्द, वाड्गमय का शुद्ध वर्तनी शब्द वाङ्मय तथा षष्ठ का शुद्ध वर्तनी शब्द षष्ट होता है।

250.

(a) संग हति (b) अहेतुकी

(c) लब्धप्रतिष्ठि (d) भर्त्सना

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी शब्द 'भर्त्सना' है। जबकि 'संग हति' का शुद्ध वर्तनी शब्द संहति, अहेतुकी शब्द का शुद्ध वर्तनी शब्द 'अहैतुकी', लब्धप्रतिष्ठि शब्द का शुद्ध का वर्तनी शब्द 'लब्धप्रतिष्ठ' है।

251.

(a) धूम्रपान

(b) समयसारिणी

(c) प्रदर्शिनी

(d) ओषधि

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(a)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी शब्द धूम्रपान हैं। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है–

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
समय सारिणी	समयसारणी
प्रदर्शिन्ति	प्रदर्शनी
ओषधि	औषधि

252.

(a) सन्मार्ग (b) सम्मार्ग

(c) सदमार्ग (d) सतमार्ग

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(a)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या: शुद्ध वर्तनी शब्द **'सन्मार्ग'** है। अन्य शब्दों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं–

अशुद्ध	**शुद्ध**
सदमार्ग	सद्मार्ग
सतमार्ग	सत्मार्ग

253.

(a) निरोग (b) अनुग्रहीत

(c) जिजीविषा (d) अभिप्सित

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी शब्द **जिजीविषा** है। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है-

अशुद्ध	**शुद्ध**
निरोग	नीरोग
अनुग्रहीत	अनुगृहीत
अभिप्सित	अभीप्सित

254.

(a) अहिल्या (b) कौसल्या

(c) युधिष्ठिर (d) अनुसूया

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(*)

व्याख्या : दिये गये विकल्पों में कौसल्या तथा युधिष्ठिर दोनों वर्तनी शुद्ध हैं। अतः विकल्प (b) तथा (c) दोनों सही है। हिन्दी में 'कौसल्या' तथा 'कौशल्या' दोनों का प्रयोग शुद्ध माना गया है जबकि अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार है-

अशुद्ध	**शुद्ध**
अहिल्या	अहल्या
अनुसूया	अनसूया

255.

(a) आसाम (b) काश्मीर

(c) गौहाटी (d) चेन्ने

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(a)

व्याख्या : शुद्ध वर्तनी शब्द **आसाम** है। अन्य शब्दों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार होगी-

अशुद्ध	**शुद्ध**
काश्मीर	कश्मीर
गौहाटी	गुवाहाटी
चेन्ने	चेन्नई

256.

(a) नवरात्रि (b) उपरोक्त

(c) निनरलंव (d) अत्याधिक

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(*)

व्याख्या : एक भी शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध नहीं है। शुद्ध शब्द इस प्रकार हैं–

अशुद्ध	**शुद्ध**
उपरोक्त	उपर्युक्त
निनरलेव	निरवलंब
अत्याधिक	अत्यधिक
नवरात्रि	नवरात्र

निर्देश: प्रश्न संख्या 257 से 258 तक के वाक्यों में सही विकल्पों का पहचानिए।

257.

(a) उसने यह लड़ाई जी लिया है।

(b) उसने यह लड़ाई जित लिया है।

(c) उसने यह लड़ायी जी ली है।

(d) उसने यह लड़ाई जीत ली है।

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : 'उसने यह लड़ाई जीत ली है।' सही विकल्प है।

258.

(a) हम यह पूरा मैच देखे हैं।

(b) हमने यह मैच देखे हैं।

(c) हम से पूरे मैच देख हैं।

(d) हमने यह पूरा मैच देखा है।

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(d)

व्याख्या : दिये गये वाक्य में 'हमने यह पूरा मैच देखा है' वाक्य सही है।

259.

(a) नौजवान युवक होकर भी तुम डरते हो?

(b) नौजवान होकर भी तुम डरते हो?

(c) युवक होकर भी तुम डरते हो?

(d) नवजवान यूवक होकर भी तुम डरते हो?

UPPCS AE (I) 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या : नौजवान होकर भी तुम डरते हो? वाक्य शुद्ध है।

Nitin-Gupta.com

विशेषण–विशेष्य

विशेषण-विशेष्य–

विशेषण– जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट होती है, उसे विशेषण कहते हैं। जैसे– **सुन्दर** लड़का, **काली** गाय, **लाल** कमीज आदि।

विशेष्य– विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहते हैं। **जैसे–** 'सुन्दर लड़का' में 'सुन्दर' विशेषण है जो 'लड़का' शब्द की विशेषता बतला रहा है। अतः 'लड़का' विशेष्य शब्द है।

विशेषण	**विशेष्य**
काली	गाय
छोटा	फूल
सफेद	कबूतर

विशेषण के भेद– विशेषण में प्रयोग किये जाने वाले शब्दों के आधार पर इसे तीन भागों में विभाजित किया जाता है। इन तीन मुख्य भेदों के अनेक उपभेद, जो निम्नलिखित हैं–

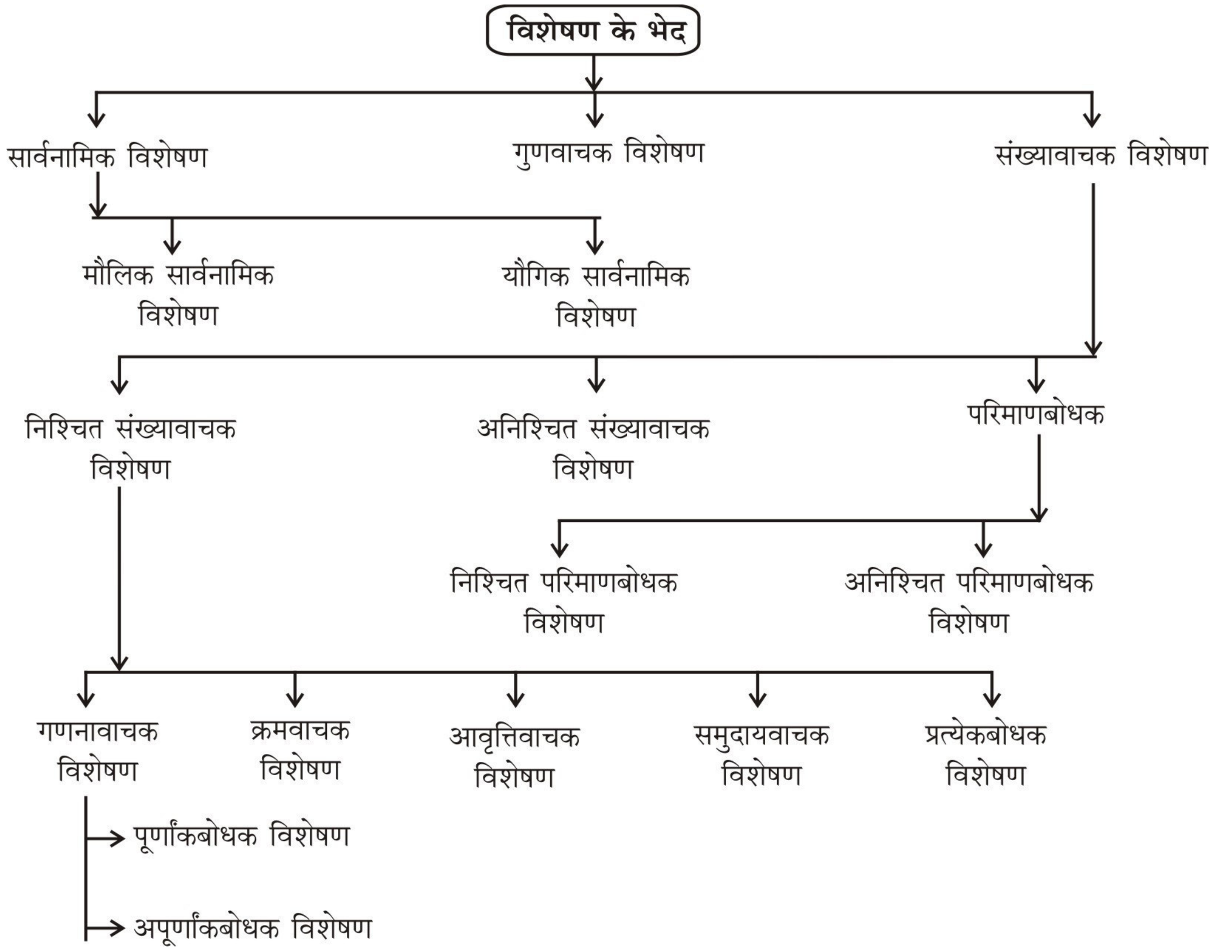

सार्वनामिक विशेषण– जब सर्वनाम के रूप में प्रयुक्त किये जाने वाले शब्द किसी संज्ञा से पहले प्रयुक्त होकर उसकी विशेषता बताये, तब वह सर्वनाम न होकर सार्वनामिक विशेषण कहलाता है। **जैसे– वह** घर हमारा है। **मेरी** पुस्तक। **वह** आदमी हमारा मित्र है।

सार्वनामिक विशेषण के दो भेद होते हैं–

(1) मौलिक सार्वनामिक विशेषण– वे सर्वनाम जो अपने मूल रूप में संज्ञा से पहले आतें हैं। **जैसे– यह** घर, **वह** लड़की, **कोई** कलम आदि।

(2) यौगिक सार्वनामिक विशेषण– ऐसे सर्वनाम जो प्रत्यय लगने से बनते हैं। **जैसे- ऐसा** आदमी, **कैसा** गाँव, **तुम्हारा** घर, **हमारी** किताब इत्यादि।

गुणवाचक विशेषण– जिस शब्द से संज्ञा के विभिन्न गुणधर्म जैसे- रंग, रूप, आकार, अवस्था, स्वभाव, दशा, समय, गुण आदि परिलक्षित होता है, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

गुण– भला, बुरा, सच्चा, झूठा, पापी, दानी, शांत, न्यायी।

काल– नया, पुराना, भूत, भविष्य, वर्तमान, मौसमी।

Nitin-Gupta.com

स्थान– भीतरी, बाहरी, सतही, स्थानीय, देशीय, पंजाबी, अमेरिकी।

आकार– गोल, नुकीला, लम्बा, चौड़ा, सीधा, तिरछा।

रंग– नीला, पीला, हरा, लाल, चमकीला, धुँधला।

दशा– पतला, दुबला, मोटा, नाटा, गीला, सूखा, गरीब, अमीर, नीरोग, रोगी।

दोष– बुरा, कुरूप, नीच, पापी।

नोट– गुणवाचक विशेषणों में 'सा' सादृश्यवाचक पद जोड़कर गुणों को कम भी किया जाता है। जैसे– बड़ा-सा, पीला-सा, छोटी-सी।

संख्यावाचक विशेषण– जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- **चार** घोड़े, **तीस** दिन, **कुछ** लोग, **सब** बच्चे आदि।

संख्यावाचक विशेषण के मुख्यतः तीन भेद होते हैं–

(1) निश्चित संख्यावाचक विशेषण– यह वस्तु (संज्ञा/सर्वनाम) की निश्चित संख्या का बोध कराता है। जैसे- **एक** लड़की, **पच्चीस** रुपये। प्रयोग के आधार पर निश्चित संख्यावाचक विशेषण के निम्न भेद हैं–

(क) गणनावाचक विशेषण– एक, दो, तीन, चार आदि।

(ख) क्रमवाचक विशेषण– पहला, दूसरा, तीसरा आदि।

(ग) आवृत्तिवाचक विशेषण– दुगुना, तिगुना, चौगुना आदि।

(घ) समुदायवाचक विशेषण– दोनों, तीनों, चारों आदि।

(ङ) प्रत्येकबोधक विशेषण– प्रत्येक, हर-एक, दो-दो, सवा-सवा आदि।

नोट–गणनावाचक (संख्यावाचक) विशेषण के भी दो भेद होते हैं। प्रथम पूर्णांकबोधक विशेषण जैसे- एक, दो, चार, सौ, हजार। द्वितीय अपूर्णांकबोधक विशेषण जैसे- पाव, आधा, पौन, सवा इत्यादि।

(2) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण- जब किसी संख्यासूचक शब्द की स्थिति स्पष्ट न हो, तो उसे अनिश्चित संख्यासूचक विशेषण कहते हैं। **जैसे- कुछ** आदमी, **अनेक** जानवर, **कई** लोग, **सब** लोग आदि।

(3) परिमाणबोधक विशेषण– जो शब्द किसी वस्तु के नाप या तौल का बोध कराता है, तो उसे परिमाणबोधक विशेषण कहते हैं। **जैसे**- **सेर** भर दूध, **तोला** भर सोना, **थोड़ा** पानी, **मन** भर अनाज आदि।

परिमाणबोधक विशेषण के दो भेद होते हैं-

(1) निश्चित परिमाणबोधक विशेषण– **दो** सेर घी, **दस** हाथ जमीन आदि।

(2) अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण– **बहुत** पानी, **सब** धन, **पूरा** आनंद, **जरा-सी** चोट, **कुछ** दूध आदि।

प्रविशेषण– जब कोई पद या शब्द विशेषण की विशेषता बतलाये तो उसे प्रविशेषण कहते हैं। **जैसे-** रमेश बहुत तेज दौड़ता है। इस वाक्य में 'तेज' विशेषण, तथा 'बहुत' प्रविशेषण है।

नोट– पं. कामता प्रसाद गुरु ने प्रविशेषण को **'अंतर्विशेषण'** कहा है।

विशेषण की रचना– विशेषण के रूप निम्नलिखित स्थितियों में परिवर्तित होते हैं–

(1) रूप-रचना की दृष्टि से विशेषण विकारी और अविकारी दोनों तरह के होते हैं। अविकारी विशेषणों के रूपों में परिवर्तन नहीं होते। वे अपने मूल रूप में बने रहते हैं।

जैसे- लाल, सुड़ौल, चंचल आदि।

(2) कुछ विशेषण संज्ञाओं में प्रत्यय लगाकर बनते हैं।

जैसे–

संज्ञा	**प्रत्यय**	**विशेषण**
धन	वान	धनवान
मुख	इक	मौखिक
चमक	ईला	चमकीला
दान	ई	दानी
श्री	मान	श्रीमान्

(3) दो या अधिक शब्दों के मेल से भी विशेषण बनते हैं।

जैसे- भला + बुरा = भला-बुरा, छोटा + बड़ा = छोटा-बड़ा एवं चलता + फिरता = चलता-फिरता।

(4) क्रिया में प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण।

जैसे- पूज् + अनीय = पूजनीय

पठ् + अनीय = पठनीय

(5) अव्यय में प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण।

जैसे- अंदर + ऊनी = अन्दरूनी

बाहर + ई = बाहरी

(6) सार्वनामिक विशेषण भी वचन एवं कारक के अनुसार उसी तरह परिवर्तित होते हैं जिस तरह सर्वनाम।

जैसे-

एक वचन	**बहुवचन**
वह बालक	वे बालक
उस लड़के का	उन लड़कों का

(7) जब संज्ञा का लोप रहता है और विशेषण संज्ञा का काम करता है तब उसका रूपान्तर विशेषण के ढंग से नहीं, संज्ञा के ढंग से होता है। सामान्यतः विशेषण के साथ परसर्ग नहीं लगता, विशेष्य के साथ लगता है, किन्तु संज्ञा बन जाने पर विशेषण पद के साथ परसर्ग लगता है।

जैसे- विद्वानों का आदर करना चाहिए।

वीरों ने सब कुछ कर दिखाया।

तुलनात्मक विशेषण– दो या दो से अधिक वस्तुओं या भावों के गुण, मान आदि के परस्पर मिलान का विशेषण 'तुलनात्मक विशेषण' कहलाता है।

विशेषण की अवस्थाएँ -

विशेषण की तीन तुलनात्मक अवस्थाएँ हैं—

1. मूलावस्था 2. उत्तरावस्था 3. उत्तमावस्था

ये अवस्थाएँ केवल गुणात्मक तथा कुछ परिमाणवाचक विशेषणों की ही होती हैं।

Nitin-Gupta.com

1. मूलावस्था—इस अवस्था में किसी से तुलना नहीं होती; **जैसे**—महेश श्रेष्ठ बालक है।

2. उत्तरावस्था—इस अवस्था में दो प्राणियों अथवा वस्तुओं के गुण-दोषों की तुलना होती है तथा एक की दूसरे से अधिकता अथवा न्यूनता बताई जाती है; **जैसे**—महेन्द्र राकेश से श्रेष्ठतर है। राकेश महेन्द्र से लम्बा है।

3. उत्तमावस्था—इस अवस्था में दो से अधिक वस्तुओं के गुण-दोषों की तुलना होती है तथा उनमें से एक की अधिकतम तथा न्यूनतम विशेषता बतायी जाती है; **जैसे**—कृष्ण श्रेष्ठतम धावक है। राकेश पढ़ने में सबसे कमजोर है।

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
सुन्दर	सुन्दरतर	सुन्दरतम
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम

विशेषण शब्दों की रचना

(संज्ञा से)

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
पृथ्वी	पार्थिव	आकाश	आकाशीय
दिन	दैनिक	ग्राम	ग्रामीण
नगर	नागरिक	मनुष्य	मानुषिक
प्यास	प्यासा	इच्छा	इच्छुक
दया	दयालु	कृपा	कृपालु
पशु	पाशविक	जंगल	जंगली
देव	दैवीय	शहर	शहरी
अग्नि	आग्नेय	सूर्य	सौर

(सर्वनाम से)

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
कोई	कोई-सा	कौन	कौन-सा
मैं	मेरा	तू	तेरा
यह	इसका	वह	उसका

(क्रिया से)

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
कमाना	कमाऊ	लड़ना	लड़ाका
चलना	चालू	रक्षा करना	रक्षक
समझना	समझदार	मिलना	मिलनसार

(अव्यय से)

अव्यय	विशेषण	अव्यय	विशेषण
आज	आज का	कल	कल वाला
यहाँ	यहाँ वाला	वहाँ	वहाँ वाला

विशेष्य-विशेषण सम्बंध-

विशेष्य के क्रम के आधार पर विशेषण के दो प्रकार होते हैं–

(1) विशेष्य विशेषण (2) विधेय-विशेषण

(1) विशेष्य-विशेषण– जो विशेषण, विशेष्य के पहले आता है, उसे 'विशेष्य–विशेषण' कहते हैं।

यथा–

(i) रमेश **चतुर** लड़का है।

(ii) मोहन **बुद्धिमान** विद्यार्थी है।

यहाँ 'चतुर' एवं 'बुद्धिमान' विशेष्य विशेषण है क्योंकि यह अपने विशेष्य के पहले प्रयुक्त हैं।

(2) विधेय-विशेषण– जो विशेषण, विशेष्य और क्रिया के बीच में आते हैं, उन्हें विधेय विशेषण कहते हैं।

यथा–

(i) नन्दिनी की गाय **सफेद** है।

(ii) रमेश का लड़का **गुणवान** है।

यहाँ 'सफेद' और 'गुणवान' विशेषण है जिनका प्रयोग विशेष्य एवं क्रिया के बीच में हुआ है, अतः ये दोनों ही विधेय-विशेषण हैं।

विशेषण में विकार

विशेषण शब्दों में लिंग, वचन तथा कारक के आधार पर परिवर्तन होता है। जो लिंग, वचन तथा कारक विशेष्य का होता है वही लिंग, वचन तथा कारक विशेषण का भी होता है। एतद्सम्बन्धी कुछ बातें द्रष्टव्य हैं—

(i) आकारांत विशेषण स्त्रीलिंग विशेष्य के साथ ईकारांत हो जाता है। **उदाहरणार्थ**—अच्छा लड़का, अच्छी लड़की।

(ii) आकारांत विशेषण बहुवचन में एकारांत हो जाते हैं। **उदाहरणार्थ**—मीठा आम—मीठे आम।

(iii) विभक्ति चिह्न 'विशेष्य' के साथ लगते हैं, विशेषण के साथ नहीं। **उदाहरणार्थ**—परिश्रमी छात्रों को पुरस्कार मिलेगा।

(iv) संस्कृत विशेषणों में लिंग के अनुसार परिवर्तन होता भी है और नहीं भी। **जैसे**—प्रिय पुत्र, प्रिय कन्या।

किन्तु कहीं-कहीं आवश्यक रूप में परिवर्तन करना ही पड़ता है। **जैसे**—विदुषी महिला, रूपवती बालिका इत्यादि।

भाववाचक संज्ञाएँ	विशेषण
बुद्धिमत्ता	बुद्धिमान्
मूर्खता	मूर्ख
शिष्टता	शिष्ट
शुक्लिमा	शुक्ल
वीरत्व, वीरता	वीर
लघुत्व, लघुता	लघु
गौरव, गुरुता, गुरुत्व	गुरु
हरापन	हरा

कुछ संज्ञा पद से विशेषण निम्नलिखित प्रकार से बनते हैं–

संज्ञा	विषेषण	संज्ञा	विषेषण
निशा	नैश	तालु	तालव्य
ग्राम	ग्राम्य, ग्रामीण	हिन्दु	हिन्दुआना
लोक	लौकिक	आनंद	आनंदित
दया	दयालु	फल	फलित
बल	बलिष्ठ	कर्म	कर्मनिष्ठ
मुख	मुखर, मौखिक	मधु	मधुर
रक्त	रक्तिम	कुल	कुलीन
ग्राम	ग्रामीण	रूपा	रुपहला

Nitin-Gupta.com

मांस	मांसल	मेधा	मेधावी
तंद्रा	तंद्रिल,तन्द्रालु	राष्ट्र	राष्ट्रीय
पृथु	पृथुल	धन	धनवंत/धनवान्
भूख	भूखा	दूध	दुधार,दुधारू
सोना	सुनहरा	रंग	रंगीला
देहात	देहाती	गरज	गरजू
गेरु	गेरुआ	मामा	ममेरा
बाजार	बाजारू	खपरा	खपरैल
चाचा	चचेरा	लखनऊ	लखनवी
भाँग	भँगेड़ी	भूत	भुतहा
मेरठ	मेरठवाला	छूत	छुतहर

विशेषण बनाने के कुछ नियम -

1. विशेषण बनाने वाले संस्कृत के प्रत्यय दो प्रकार के हैं–

(क) धातु के आदिस्वर को वृद्धि देने वाले अर्थात् शब्द का पहला वर्ण अकारान्त है, तो ऐसे प्रत्ययों के लगने पर वह आकारान्त हो जाएगा; 'इ' या 'ई' मात्रावाला है, तो 'ऐ' मात्रावाला हो जाएगा; 'उ' या 'ऊ' मात्रावाला है, तो 'औ' मात्रावाला और 'ऋ' मात्रावाला है, तो 'आर्' मात्रावाला हो जाएगा। धातु के आदिस्वर को ऐसी वृद्धि देने वाले संस्कृत के प्रत्यय हैं– एय, इक, अ इत्यादि। **जैसे–**

विशेष्य	प्रत्यय	विशेषण
अग्नि	एय	आग्नेय
पुरुष	एय	पौरुषेय
परिवार	इक	पारिवारिक
धर्म	इक	धार्मिक
पृथा	अ	पार्थ
इंद्र	अ	ऐंद्र

(ख) जिनके लगने पर कहीं–कहीं धातु के अन्त्य स्वर में ही विकार होता है, अर्थात् अन्त्य स्वर दीर्घ हुआ, तो वह ह्रस्व हो जाता है। जो धातु व्यंजनांत हैं, उनके व्यंजन में संधिनियम के अनुसार कहीं–कहीं विकार भी होता है। शेष में कुछ भी विकार नहीं होता। ऐसे प्रत्यय हैं– अक, आलु, इत, इल, ई, ईय, अनीय, ईन, उक, उ, क, क्त, ठ, म, मान्, य, र, ल, विनि, वान्, श इत्यादि। **जैसे–**

विशेष्य	प्रत्यय	विशेषण
उपदेश	अक	उपदेशक
ईर्ष्या	आलु	ईर्ष्यालु
अंकुर	इत	अंकुरित
तंद्रा	इल	तंद्रिल
अनुभव	ई	अनुभवी
आदर	अनीय	आदरणीय
आसन	ईन	आसीन
भाव	उक	भावुक
स्वाद	उ	स्वादु
कर्ता	क	कर्तृक
अभिषेक	क्त	अभिषिक्त
कर्म	ठ	कर्मठ
आदि	म	आदिम
बुद्धि	मान्	बुद्धिमान्
अंत	य	अन्त्य
मधु	र	मधुर
पांसु	ल	पांसुल
रोम	श	रोमश

2. 'वान्' और 'मान्' एक ही प्रत्यय है। इकारांत संज्ञाओं के साथ लगने पर 'वान्' का 'मान्' हो जाता है; जैसे– बुद्धिमान्, शक्तिमान्।

विशेषण बनाने में उर्दू के आना, आवर, ई, ईन, इंदा, दार, नाक, मंद, बाज, वार आदि प्रत्ययों का प्रयोग होता है।

हिंदी के आ, आलू, आई, आऊ, आर, आड़ी, इयल, ई, ईला, ऊ, एरा, एलू, ऐलू, ओड़, ओड़ा, था, ल इत्यादि प्रत्यय विशेषण बनाने में प्रयुक्त होते हैं।

संस्कृत, हिंदी और उर्दू प्रत्ययों के आधार पर विशेष्य (संज्ञा) से बने विशेषणों के उदाहरण निम्नांकित हैं–

विशेष्य (संज्ञा) से विशेषण

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
	(अ, आ)		
अंत	अंतिम, अन्त्य	अंतर	आंतरिक
अंकुर	अंकुरित	अंचल	आंचलिक
अंग	आंगिक	अंश	आंशिक
अंकन	अंकित	अग्नि	आग्नेय
अणु	आणविक	अर्थ	आर्थिक
अभिषेक	अभिषिक्त	अवयव	आवयविक
अवश्य	आवश्यक	अनुष्ठान	आनुष्ठानिक, अनुष्ठित
अनुभव	अनुभवी	अनुक्रम	आनुक्रमिक
अनुपात	आनुपातिक	अनुराग	अनुरागी
अन्याय	अन्यायी	अक्ल	अक्लमंद
अपेक्षा	अपेक्षित	अधिकार	अधिकारी
अभ्यास	अभ्यासी	अलंकार	आलंकारिक, अलंकृत
अध्यात्म	आध्यात्मिक	अनादर	अनादृत
अपकार	अपकारी	अकर्म	अकर्मण्य
अज्ञान	अज्ञानी	अजय	अजित
अतिरंजन	अतिरंजित	अध्यापन	अध्यापित
अध्ययन	अध्ययनशील	अनासक्ति	अनासक्त
अनुमोदन	अनुमोदित	अनुशंसा	अनुशंसित
अनुवाद	अनुवादित,अनूदित	अनुशासन	अनुशासित
अनीति	अनैतिक	अपमान	अपमानित
अपराध	अपराधी	आदर	आदरणीय, आदृत
आत्मा	आत्मीय,आत्मिक	आसमान	आसमानी
आराधना	आराध्य	आसक्ति	आसक्त
आकाश	आकाशीय	आक्रमण	आक्रांत
आभूषण	आभूषित	आधार	आधारित, आधृत

Nitin-Gupta.com

आचरण	आचरित	आश्रय	आश्रित
आदि	आदिम, आद्य	आकर्षण	आकृष्ट
आयु	आयुष्मान्		

(इ, ई, उ, ऋ, ए, ओ)

इच्छा	ऐच्छिक, इष्ट	ईसा	ईस्वी
इतिहास	ऐतिहासिक	इहलोक	इहलौकिक, ऐहलौकिक
ईर्ष्या	ईर्ष्यालु, ईर्ष्य	ईश्वर	ईश्वरीय
उपेक्षा	उपेक्षित	उद्योग	औद्योगिक
उपनिवेश	औपनिवेशिक	उच्चारण	औच्चारणिक, उच्चरित, उच्चारणीय
उपार्जन	उपार्जित	उत्साह	उत्साहित
उत्पीड़न	उत्पीड़ित	उन्नति	उन्नत
उदय	उदित	उत्कर्ष	उत्कृष्ट
उपज	उपजाऊ	उत्तेजना	उत्तेजित
उत्तर	उत्तरी	उपनिषद्	औपनिषदिक
उपकार	उपकारक, उपकृत	उपयोग	उपयुक्त, उपयोगी
ऋण	ऋणी	ऋषि	आर्ष
ओष्ठ	ओष्ठ्य		

(क)

कृपा	कृपालु	क्रोध	क्रुद्ध
काम	कामी,कामुक	काल	कालिक,कालीन
कुल	कुलीन	केंद्र	केंद्रीय, केंद्रित
क्रम	क्रमिक	कल्पना	कल्पित, काल्पनिक
कर्म	कर्मी, कर्मठ	कागज	कागजी
कुटुम्ब	कौटुम्बिक	किताब	किताबी
करुणा	कारुणिक, करुण	काँटा	कँटीला
कण्ठ	कण्ठ्य	कंकड़	कँकड़ीला
कत्था	कत्थई	कमाई	कमाऊ
कर्ज	कर्जदार,कर्जखोर	कर्म	कर्मण्य, कर्मठ
कलंक	कलंकित	कसरत	कसरती
क्रय	क्रीत	क्लेश	क्लिष्ट

(ख)

खपड़ा	खपड़ैल	खेल	खिलाड़ी
खण्ड	खण्डित	खजूर	खजूरी
खर्च	खर्चीला	खाना	खाऊ
खान	खनिज	खानदान	खानदानी
खून	खूनी	ख्याति	ख्यात

(ग)

गलती	गलत	ग्राम	ग्रामीण, ग्राम्य
गृहस्थ	गार्हस्थ्य	ग्रहण	ग्राह्य, गृहीत
गाँव	गँवार,गँवारू,गँवई	गर्व	गर्वीला
गर्मी	गर्म	गौरव	गौरवान्वित, गौरवित
गोत्र	गोत्रीय	ग्रास	ग्रस्त
गुण	गुणवान्, गुणी	गुलाब	गुलाबी
गेरू	गेरुआ		

(घ)

घर	घरेलू	घनिष्ठता	घनिष्ठ
घमंड	घमंडी	घृणा	घृणित, घृण्य
घाव	घायल	घात	घातक

(च)

चर्चा	चर्चित	चिंता	चिंतनीय, चिंत्य, चिंतित
चरित्र	चारित्रिक		
चित्र	चित्रित,चितेरा	चार	चौथा
चक्र	चक्रित	चौमास	चौमासा
चाचा	चचेरा	चेष्टा	चेष्टित

(ज)

जल	जलीय	जटा	जटिल
जाति	जातीय	जागरण	जाग्रत्, जागरित
जंगल	जंगली	जवाब	जवाबी
जहर	जहरीला	जनपद	जनपदीय

(त)

तेज	तेजस्वी	ताप	तप्त
त्याग	त्याज्य,त्यागी	तत्त्व	तात्त्विक
तिरस्कार	तिरस्कृत	तालु	तालव्य
तर्क	तार्किक	तंत्र	तांत्रिक

(द, ध)

देश	देशी, देशीय	दूत	दौत
देव	दैवी, दैविक	दिन	दैनिक
दंपति	दांपत्य	दर्शन	दर्शनीय, दार्शनिक
दया	दयालु, दयामय	दर्द	दर्दनाक
दस्त	दस्तावर	दुनिया	दुनियावी
दंत	दंत्य	दगा	दगाबाज
धन	धनी, धनवान्	धर्म	धार्मिक

(न)

नरक	नारकीय	निंदा	निंद्य, निंदनीय
नीति	नैतिक	नगर	नागरिक
नाटक	नाटकीय	निष्कासन	निष्कासित
नियम	नियमित	निश्चय	निश्चित
निज	निजी	न्याय	न्यायी, न्यायिक
नाव	नाविक	नमक	नमकीन
निर्माण	निर्मित	निषेध	निषिद्ध

(प)

पहाड़	पहाड़ी	पशु	पाशविक, पाशव
पुस्तक	पुस्तकीय	पुराण	पौराणिक
पृथु	पृथुल	पृथ्वी	पार्थिव
परिवार	पारिवारिक	प्रथम	प्राथमिक
पर्वत	पर्वतीय	प्रमाण	प्रामाणिक
पुष्टि	पौष्टिक	प्रकृति	प्राकृतिक

Nitin-Gupta.com

परिभाषा	पारिभाषिक	परस्पर	पारस्परिक
पिता	पैतृक	प्रांत	प्रांतीय
परलोक	पारलौकिक	पाठ	पाठ्य
प्रसंग	प्रासंगिक	परिचय	परिचित
प्रशंसा	प्रशंसनीय	प्रतिष्ठा	प्रतिष्ठित
पूजा	पूज्य, पूजनीय	पीड़ा	पीड़ित
पत्थर	पथरीला	प्रदेश	प्रादेशिक
पश्चिम	पाश्चात्य, पश्चिमीय, पश्चिमी	पथ	पाथेय
पक्ष	पाक्षिक	पुरुष	पौरुषेय
प्रार्थना	प्रार्थित, प्रार्थनीय	प्रतीक्षा	प्रतीक्षित
पानी	पेय	पतन	पतित
पराजय	पराजित	पुष्प	पुष्पित
प्रस्ताव	प्रस्तावित,प्रस्तुत	पल्लव	पल्लवित
पूर्व	पूर्वी	परिवर्तन	परिवर्तित
प्यार	प्यारा	प्यास	प्यासा
प्रतिबिंब	प्रतिबिंबित	पुरातत्त्व	पुरातात्त्विक
पाठक	पाठकीय	प्राची	प्राच्य
प्रातःकाल	प्रातःकालीन	प्रणाम	प्रणम्य

(फ, ब, भ)

फेन	फेनिल	फल	फलित
बाजार	बाजारू	बालक	बाल्य
बर्फ	बर्फीला	बल	बलिष्ठ
बुद्ध	बौद्ध	बुद्धि	बौद्धिक
भ्रम	भ्रामक	भूख	भूखा
भूमि	भौमिक	भय	भयानक
भगवत्	भागवत	भोजन	भोज्य
भूत	भौतिक	भूगोल	भौगोलिक
भूषण	भूषित	भाव	भावुक
भारत	भारतीय	भाषा	भाषाई, भाषिक

(म)

मल	मलिन	मास	मासिक
माह	माहवारी	मूल	मौलिक
मनु	मानव	माता	मातृक
मुख	मौखिक, मुखर	मंगल	मांगलिक, मंगलमय
मांस	मांसल	मोह	मुग्ध
माया	मायिक, मायावी	मूर्च्छा	मूर्च्छित
मामा	ममेरा	माल	मालदार
मिथिला	मैथिल	मैल	मैला
मेधा	मेधावी	मान	मान्य
मर्म	मार्मिक	मजहब	मजहबी
मृत्यु	मर्त्य	मध्यम	माध्यमिक
मथुरा	माथुर	माधुर्य	मधुर

(य, र, ल)

योग	योगी, यौगिक	रंग	रंगीन, रंगीला
यज्ञ	याज्ञिक	राजनीति	राजनीतिक
यदु	यादव	रोमांच	रोमांचित
यश	यशस्वी	लखनऊ	लखनवी
रोग	रोगी	लाघव	लाघविक
रसीद	रसीदी	लज्जा	लज्जित, लज्जालु
रस	रसीला, रसिक	लक्षण	लाक्षणिक, लक्ष्य
राक्षस	राक्षसी	लाज	लजालू, लज्जित
रसायन	रासायनिक	लाभ	लभ्य, लब्ध
रोज	रोजाना	लाठी	लठैत
रुद्र	रौद्र	लेख	लिखित
राज	राजकीय, राजसी	लोक	लौकिक
राष्ट्र	राष्ट्रीय	लोभ	लुब्ध, लोभी
राह	राही	लोहा	लौह

(व)

वेद	वैदिक	वर्ष	वार्षिक
वायु	वायवीय, वायव्य	वन	वन्य
विपत्ति, विपद	विपन्न	व्यवसाय	व्यावसायिक
व्यापार	व्यापारिक	वर्णन	वर्णनीय
विचार	वैचारिक, विचारणीय	वंदना	वंद्य, वंदनीय
विस्मय	विस्मित	विनय	विनीत, विनयी
विजय	विजयी, विजेता	विवेक	विवेकी
विकार	विकृत, विकारी	विस्तार	विस्तृत, विस्तीर्ण
विद्या	विद्यावान्	विवाह	वैवाहिक
विरह	विरही	विधान	वैधानिक, विहित
विवाद	विवाद्य, विवादी	व्याख्या	व्याख्येय
वियोग	वियुक्त, वियोगी	वेतन	वैतनिक
विकास	विकसित	विज्ञान	वैज्ञानिक
विभाजन	विभाजित, विभक्त	व्यक्ति	वैयक्तिक
व्यवहार	व्यावहारिक	वास्तव	वास्तविक
विलास	विलासी	विष्णु	वैष्णव
विषाद	विषण्ण	विमान	वैमानिक
विषय	विषयी		

(स)

संसार	सांसारिक	संदेह	संदिग्ध
संताप	संतप्त	संकल्प	संकल्पित
संयोग	संयुक्त	संकेत	सांकेतिक
संख्या	सांख्येय, सांख्यिक	संक्षेप	संक्षिप्त
संपादक	संपादकीय	समर	सामरिक
समाज	सामाजिक	संपत्ति	सांपत्तिक, संपन्न
संबंध	संबद्ध, संबंधी	स्वदेश	स्वादेशिक,स्वदेशी
सम्मान	सम्मानित, सम्मान्य	स्मरण	स्मरणीय
स्मृति	स्मृत, स्मार्त	स्तुति	स्तुत्य
स्वभाव	स्वाभाविक	स्वर्ण	स्वर्णिम

Nitin-Gupta.com

स्वप्न	स्वप्निल	स्थान	स्थानीय, स्थानिक
सूर्य	सौर	सिद्धांत	सैद्धांतिक
सिंधु	सैंधव	स्वास्थ्य	स्वस्थ
स्वर्ग	स्वर्गीय, स्वर्गिक	सागर	सागरीय
सप्ताह	साप्ताहिक	समास	सामासिक
समय	सामयिक	सीमा	सीमित
सुख	सुखी	सुगंध	सुगंधित
समुद्र	समुद्री, सामुद्र, सामुद्रिक	साहस	साहसिक
साहित्य	साहित्यिक	संप्रदाय	सांप्रदायिक
सभा	सभ्य	सुर	सुरीला
सोना	सुनहला, सुनहरा	स्त्री	स्त्रैण
स्वाद	स्वादु		
	(श, श्र, क्ष)		
शिक्षा	शैक्षिक, शिक्षित	शास्त्र	शास्त्रीय
शासन	शासित	शिव	शैव
शरद्	शारदीय	श्रद्धा	श्रद्धेय, श्रद्धालु
शौक	शौकीन	क्षण	क्षणिक
शृंगार	शृंगारिक	क्षोभ	क्षुब्ध
शरीर	शारीरिक	क्षमा	क्षम्य
श्याम	श्यामल	क्षय	क्षीण, क्षयी
श्रम	श्रमित	श्रवण	श्रवणीय
	(ह)		
हवा	हवाई	हँसी	हँसोड़
हिंसा	हिंसक	हृदय	हार्दिक

पदवाचक विशेषण– हिंदी और संस्कृत में कुछ ऐसे विशेषण प्रयुक्त होते हैं, जो विशेष प्रकार के पदों या विशेष्यों के पहले आते हैं। कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं–

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
अगाध	सागर	अनुपम	छवि
अप्रत्याशित	घटना	अनन्य	भक्ति, भक्त, प्रेम
अमानुषिक	अत्याचार, व्यवहार	आकुल	हृदय, प्राण
ओजस्वी	भाषण	उद्भट	योद्धा, विद्वान्
उर्वर	भूमि	करुण	क्रंदन
कलुषित	कार्य, हृदय	गगनचुंबी	अट्टालिका
चतुर	बालक	चालू	बाजार, लड़का
तरुण	हृदय	दूषित	हवा, वातावरण
दुर्गम	वन, पर्वत	दुर्लभ	बंधु
दैवी	प्रकोप, घटना	नश्वर	जगत्, शरीर
निर्मम	हृदय	निंदित	कार्य
निर्जला	एकादशी	नील	कमल, अकाश
नीरस	विषय	प्रचंड	मार्तंड, पुरुष
प्रत्यक्ष	प्रमाण	प्रगाढ़	प्रेम, निद्रा
पुष्ट	शरीर	पांचभौतिक	शरीर
फलित	ज्योतिष	भौतिक	शरीर, जगत्
भीषण	युद्ध	मनोरम	छवि, दृश्य
मरणासन्न	स्थिति	मधुर	भाषण, भोजन
मानसिक	कष्ट	यशस्वी	नेता
विफल	मनोरथ	विशाल	हृदय
सजल	नेत्र, मेघ	सतत	प्रयास
सफल, भग्न	मनोरथ	सदय	हृदय
स्नेहमयी	भगिनी, माता	स्निग्ध	हृदय, दृष्टि
स्वादिष्ट	भोजन	स्वर्णिम	सुयोग, उषा, अक्षर
श्रांत	पथिक	शारीरिक	श्रम, कष्ट
शस्यश्यामला	भूमि	शुभ्र	वसन
हार्दिक	प्रेम, बधाई	हृदयविदारक	समाचार, दृश्य
क्षुब्ध	हृदय		

विगत वर्ष की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न : संकलन

1. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'संज्ञा से बना विशेषण' है?

(a) चालाक (b) मोटर
(c) धूर्त (d) सैनिक

UPPSC Mines Inspector 2022

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में 'सैनिक' शब्द संज्ञा से बना विशेषण है। संज्ञा शब्द 'सेना' में 'इक' प्रत्यय लगाने से 'सैनिक' शब्द का निर्माण होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द स्थानवाचक विशेषण नहीं है?

(a) सुडौल (b) पूरबी
(c) देशीय (d) क्षेत्रीय

UPPSC (Mines) Inspector 2022

Ans. (a) : दिये गये विकल्पों में 'सुडौल' स्थानवाचक विशेषण नहीं है, जबकि अन्य शब्द स्थानवाचक विशेषण हैं। 'सुडौल' गुणवाचक विशेषण का उदाहरण है।

3. निम्नलिखित में एक तथ्य गलत है–

(a) विशेषण से संज्ञा की व्याप्ति परिमित हो जाती है।
(b) जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे विशेषण कहते हैं।
(c) प्रयोग की स्थिति के आधार पर 'अंकित' शब्द विशेषण और विशेष्य दोनों है।
(d) विशेषण शब्द सदैव विशेष्य के पहले प्रयुक्त होता है, विशेष्य के बाद कभी प्रयुक्त नहीं होता।

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Nitin-Gupta.com

Ans. (d) : वाक्य में विशेषण का प्रयोग दो प्रकार से होता है–कभी विशेषण विशेष्य के पहले प्रयुक्त होता है और कभी विशेष्य के बाद। जब विशेषण, विशेष्य से पहले प्रयुक्त होता है तो उसे उद्देश्य-विशेषण या विशेष्य-विशेषण कहते हैं और जब विशेषण, विशेष्य के बाद प्रयुक्त होता है तो उसे विधेय-विशेषण कहते हैं। अतः विकल्प (d) गलत है।

4. संख्यावाचक विशेषण 'चौगुना' इनमें से है–

(a) क्रमवाचक विशेषण (b) आवृत्तिवाचक विशेषण
(c) गणनावचक विशेषण (d) समुदायवाचक विशेषण

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (b) : 'चौगुना' आवृत्तिवाचक विशेषण है, जो कि संख्यावाचक विशेषण का एक प्रकार है।

क्रमवाचक विशेषण - पहला, दूसरा, तीसरा।

गणनावचक विशेषण - एक, दो, तीन।

समुदायवाचक विशेषण - दोनों, तीनों, चारों।

5. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द मूल रूप से विशेषण है?

(a) पतला (b) अर्थ
(c) परिवार (d) परलोक

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (a) : 'पतला' शब्द गुणवाचक विशेषण है। अन्य सभी शब्द विशेष्य हैं, जिनके विशेषण निम्न हैं–

विशेष्य	विशेषण
अर्थ	आर्थिक
परिवार	पारिवारिक
परलोक	पारलौकिक

6. इनमें से विशेषण शब्द नहीं है–

(a) अकूत (b) अकर्ण
(c) अचार (d) अचंड

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (c) : दिये गये शब्दों में 'अचार' शब्द विशेषण न होकर विशेष्य है। इसका विशेषण 'अचारी' होगा।

7. 'वह बहुत खाता है' इस वाक्य में प्रयुक्त 'बहुत' शब्द इनमें से है–

(a) अपूर्णांक बोधक विशेषण
(b) परिमाण बोधक विशेषण
(c) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(d) तुलनात्मक विशेषण

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (b) : 'वह बहुत खाता है' इस वाक्य में प्रयुक्त 'बहुत' शब्द परिमाण बोधक विशेषण है।

अपूर्णांक बोधक विशेषण– पौने, सवा, डेढ़, ढाई।

निश्चित संख्यावाचक विशेषण–एक, पाँच, सात, दूसरा, तिगुना।

तुलनात्मक विशेषण– विशेषण की मूलावस्था में 'तर' अथवा 'तम' लगाकर उसकी उत्तरावस्था और उत्तमावस्था को तुलनात्मक दृष्टि से दिखाया जाता है। जैसे–अधिक का अधिकतर और अधिकतम।

8. 'प्रविशेषण' को कामता प्रसाद गुरु ने इनमें से कहा है–

(a) अन्तर्विशेषण (b) सामान्य विशेषण
(c) बाह्य विशेषण (d) असामान्य विशेषण

UPPCS RO/ARO 2021 mains

Ans. (a) : 'प्रविशेषण' को 'कामता प्रसाद गुरु' ने 'अन्तर्विशेषण' कहा है। विशेषण शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहा जाता है। जैसे– मोहन बहुत सुन्दर है। यहाँ 'सुन्दर' विशेषण है और 'बहुत' प्रविशेषण है क्योंकि 'बहुत' 'सुन्दर' की विशेषता बता रहा है।

9. इनमें से 'खेलना' शब्द से बना विशेषण है -

(a) दयालु (b) कृपालु
(c) खिलाड़ी (d) धार्मिक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'खेलना' शब्द से बना विशेषण 'खिलाड़ी' होगा।
अन्य शब्द (विशेष्य) और उससे निर्मित विशेषण निम्न हैं-

विशेष्य	विशेषण
दया	दयालु
कृपा	कृपालु
धर्म	धार्मिक

10. निम्नलिखित में से एक शब्द विशेषण नहीं है-

(a) अकूत (b) अचार
(c) अकर्ण (d) अचंड

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'अचार' विशेषण शब्द नहीं बल्कि विशेष्य है। इसका विशेषण 'अचारी' होता हैं। अकूत, अकर्ण, अचंड विशेषण शब्द हैं।

11. 'सौ गुना लम्बा' में विशेषण का कौन सा भेद है?

(a) गणनावाचक (b) क्रमवाचक
(c) आवृत्तिवाचक (d) सम्पूर्णतावाचक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'सौ गुना लम्बा' में आवृत्तिवाचक विशेषण है।

आवृत्ति वाचक विशेषण :- जो संख्या वाचक विशेषण किसी संख्या की आवृत्ति को सूचित करता है, आवृत्ति वाचक विशेषण कहलाता है। जैसे- चार गुना, दोगुना, तीन गुना, सौ गुना आदि।

12. 'पाण्डु' शब्द विशेषण की दृष्टि से है -

(a) केवल विशेषण
(b) केवल विशेष्य

Nitin-Gupta.com

(c) विशेषण और विशेष्य दोनों
(d) उपर्युक्त में से एक भी नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'पाण्डु' शब्द विशेषण और विशेष्य दोनों हैं।
पाण्डु-विशेषण - हल्के पीले रंग का।
पाण्डु-विशेष्य-हस्तिनापुर के राजा, सफेद हाथी, पीलापन, पीलिया रोग।

13. निम्नलिखित में 'विशेष्य' शब्द है-
(a) विपन्न (b) वादी
(c) विशिष्ट (d) मानस

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (d) : 'मानस' विशेष्य शब्द है। इसका विशेषण 'मानसिक' होगा।
अन्य विशेषण-विशेष्य शब्द निम्न हैं-

विशेषण	**विशेष्य**
वादी	वाद
विशिष्ट	विशिष्टता
विपन्न	विपत्ति

14. 'प्रताप सिंह का घोड़ा काला है।' – इनमें 'काला' शब्द विशेषण की दृष्टि से है -
(a) सार्वनामिक (b) क्रमबोधक
(c) विधेय विशेषण (d) विशेष्य विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (c) : 'प्रताप सिंह का घोड़ा काला है' वाक्य में 'काला' शब्द विशेषण की दृष्टि से 'विधेय विशेषण' है।
विधेय विशेषण – जो विशेषण विशेष्य और क्रिया के बीच आये, वह विधेय विशेषण होता है। जैसे- मेरा लड़का **आलसी** है।
विशेष्य विशेषण – जो विशेषण, विशेष्य से पहले आये, वह विशेष्य विशेषण होता है, जैसेः- अनामिका **सुन्दर** लड़की है।

15. 'प्रयागराज' में दसवाँ व्यक्ति कोरोना पीड़ित है।' में दसवाँ शब्द है -
(a) गणनावाचक विशेषण (b) क्रमवाचक विशेषण
(c) आवृत्तिवाचक विशेषण (d) समुदायवाचक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : 'प्रयागराज में दसवाँ व्यक्ति कोरोना पीड़ित है' में 'दसवाँ' शब्द क्रमवाचक विशेषण है।
प्रयोग के अनुसार निश्चित संख्यावाचक विशेषण के निम्न प्रकार हैं-
गणनावाचक विशेषण – एक, दो, तीन
क्रमवाचक विशेषण – पहला, दूसरा, तीसरा
आवृत्तिवाचक विशेषण – दूना, तिगुना, चौगुना
समुदायवाचक विशेषण – दोनों, तीनों, चारों
प्रत्येकबोधक विशेषण – प्रत्येक, हर-एक, दो-दो

16. 'कोई आदमी आया है' वाक्य में प्रयुक्त विशेषण है -
(a) अनिश्चयवाचक (b) निश्चयवाचक
(c) प्रश्नवाचक (d) संबंधवाचक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a): 'कोई आदमी आया है' वाक्य में अनिश्चयवाचक विशेषण होगा।
अनिश्चयवाचक विशेषण– जिन शब्दों से अनिश्चितता का बोध होता है, उन्हें अनिश्चयवाचक विशेषण कहते हैं।
जैसे :- कल स्कूल में लगभग चालीस विद्यार्थी उपस्थित थे।

17. एक वाक्य में विशेषण अशुद्ध है, वह है -
(a) सुन्दरी लड़की (b) सुन्दर लड़की
(c) सुन्दर लड़का (d) सुन्दर लड़के

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (a): किसी वाक्य में 'सुन्दरी लड़की' विशेषण अशुद्ध होगा। इसका शुद्ध 'सुन्दर लड़की' होता है।

18. जिसकी विशेषता बतायी जाये, उसे कहते हैं -
(a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) सर्वनाम (d) विशेषक

UP RO/ARO (Pre) 2021

Ans. (b) : जिसकी विशेषता बतायी जाये, उसे 'विशेष्य' कहते हैं।
वे शब्द जिनसें संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतायी जाये, उसे 'विशेषण' कहते हैं।
■ विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्दों को 'प्रविशेषण' कहते हैं।
■ वे शब्द जो क्रिया की विशेषता बताते हैं उन्हें 'क्रिया विशेषण' कहते हैं।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा विशेषण शब्द है?
(a) भालू (b) आलू
(c) ढालू (d) बालू

UPPSC AE 2021

Ans. (c) : 'ढालू' शब्द विशेषण है जबकि भालू, आलू व बालू विशेष्य शब्द हैं।

20. 'बाजार में बहुत घोड़े आए हैं' - इस वाक्य में विशेषण की दृष्टि से इनमें 'बहुत' शब्द है
(a) निश्चित परिमाणबोधक विशेषण
(b) अपूर्णांकबोधक विशेषण
(c) तुलनात्मक विशेषण
(d) अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (*) : 'बाजार में बहुत घोड़े आये हैं' वाक्य में विशेषण की दृष्टि से प्रयुक्त 'बहुत' शब्द घोड़े की अनिश्चित संख्या का बोध करा रहा है। इसलिए वाक्य में प्रयुक्त 'बहुत' शब्द अनिश्चित संख्यावाची

Nitin-Gupta.com

विशेषण होगा। अतः दिये गये सभी विकल्प गलत हैं।

निश्चित परिमाण बोधक विशेषण– जहाँ पर किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध निश्चित हो। जैसे- तोला भर सोना, दो सेर दूध आदि।

अनिश्चित परिमाण बोधक विशेषण– जहाँ पर किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध अनिश्चित हो। जैसे- सब धन, थोड़ा पानी, बहुत दूध इत्यादि।

अपूर्णांक बोधक विशेषण– जहाँ संख्याएँ पूर्णांक के रूप में व्यक्त न हो। जैसे-पाव, आधा, पौना, सवा इत्यादि।

तुलनात्मक विशेषण– दो या दो से अधिक वस्तुओं या भावों के गुण, मान आदि के परस्पर मिलान का विशेषण 'तुलनात्मक विशेषण' कहलाता है। जैसे- सुशील की अपेक्षा गणेश अधिक शिष्ट है।

21. 'भरत सरीखा भाई मिलना कठिन है।' इस वाक्य में 'सरीखा' शब्द है

(a) गुणवाचक विशेषण
(b) अपूर्णांकबोधक विशेषण
(c) आवृत्तिवाचक विशेषण
(d) समुदायवाचक विशेषण

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : 'भरत सरीखा भाई मिलना कठिन है'। इस वाक्य में 'सरीखा' शब्द गुणवाचक विशेषण है। जब विशेषण वस्तु या व्यक्ति के गुण, रंग, आकार, दशा, अवस्था आदि का बोध कराने का आधार बनता है, तो वहाँ गुणवाचक विशेषण प्रयुक्त होता है। उदाहरण-बाहरी, सुन्दर, भला, लम्बा आदि।

22. 'यह कमीज उजली है' इस वाक्य में 'कमीज' शब्द है

(a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) क्रिया विशेषण (d) सर्वनाम

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (b) : 'यह कमीज उजली है' वाक्य में 'कमीज' विशेष्य है और 'उजली' विशेषण है। जो संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताये, उसे 'विशेषण' कहा जाता है और जिसकी विशेषता बताई जाए, उसे 'विशेष्य' कहा जाता है।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है?

(a) धर्म (b) जाति
(c) चमकीला (d) धन

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (c) : दिये गये शब्दों का विवरण निम्नानुसार है-

विशेष्य		विशेषण
धर्म	-	धार्मिक
जाति	-	जातीय
चमक	-	चमकीला
धन	-	धनी

24. विशेष्य/विशेषण की दृष्टि से कौन-सा शब्द युग्म अशुद्ध है?

(a) दृष्टि-दृष्टिवन्त (b) गुरु-शिष्य
(c) मणि-रत्न (d) दीपक-तेल

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : दिये गये विकल्पों मे से विकल्प (a) में 'दृष्टि' (विशेष्य) तथा 'दृष्टिवन्त' (विशेषण) शब्द है। 'दृष्टि' से बना विशेषण 'द्रष्टव्य' होता है। शेष विकल्प में युग्म में दोनों शब्द 'विशेष्य पद' हैं इनमें एक भी विशेषण नहीं है जबकि विकल्प (a) इस नियम का उल्लंघन कर रहा है।

25. निम्नलिखित कथनों में से अशुद्ध कथन है

(a) जो केवल सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते हैं।
(b) विशेषण द्वारा जिस शब्द की विशेषता प्रकट हो, उसे विशेष्य कहते हैं।
(c) जिस विशेषण के द्वारा किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण प्रकट हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।
(d) जो विशेषण विशेष्य और क्रिया के बीच आए, उसे विधेय विशेषण कहते हैं।

UPPCS RO/ARO 2016 mains

Ans. (a) : दिए गये कथनों में विकल्प (a) तार्किक रूप से अशुद्ध है, क्योंकि विशेषण एक ऐसा विकारी शब्द है जो संज्ञा और सर्वनाम (दोनों) की विशेषता बतलाता है।

26. ''वह बहुत खाता है।'' इस वाक्य में 'बहुत' शब्द किस प्रकार का विशेषण है?

(a) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
(b) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(c) तुलनात्मक विशेषण
(d) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (d) : 'वह बहुत खाता है।' इस वाक्य में 'बहुत' शब्द अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण है। अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण के अन्य उदाहरण हैं– थोड़ा, अधिक, कुछ आदि। जिन वस्तुओं को मापा या तौला जाता है उनके साथ परिमाणवाचक तथा जिनकी गणना की जाती है उनके साथ संख्यावाचक विशेषण का प्रयोग किया जाता है।

27. निम्नलिखित वाक्यों में से वह वाक्य चुनिये, जिसमें गुणवाचक विशेषण का प्रयोग किया गया है?

(a) वह नटखट बालक संगीत नहीं सुन रहा है।
(b) वहाँ बहुत से पक्षी उड़ रहे हैं।
(c) मैंने दस मन गेहूँ खरीदा है।
(d) ऐसे आदमी लाखों में एक होते हैं।

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Nitin-Gupta.com

Ans. (a) : 'वह नटखट बालक संगीत नहीं सुन रहा है।' इस वाक्य में गुणवाचक विशेषण (नटखट) का प्रयोग किया गया है। जिन विशेषण शब्दों से पदार्थ के गुण, रंग, आकार, दशा, अवस्था, रूप आदि का बोध होता है, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे– भला, बुरा, पापी, लाल, पीला, बाहरी, सुन्दर, लम्बा, कुरूप आदि।

28. ''सतीश चंचल बालक है'' इस वाक्य में 'चंचल' शब्द है–

(a) विधेय विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
(c) सार्वनामिक विशेषण (d) प्रविशेषण

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : 'सतीश चंचल बालक है।' इस वाक्य में 'चंचल' गुणवाचक विशेषण है। चंचल शब्द यहाँ बालक की विशेषता बता रहा है। अतः यह गुणवाचक विशेषण है। विशेषण के तीन भेद हैं– (1) गुणवाचक, (2) संख्यावाचक, (3) सार्वनामिक।

29. 'मानसिक' विशेषण किस मूल शब्द से बना है?

(a) मान (b) मानस
(c) मनस (d) मनिस

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : मानसिक विशेषण 'मानस' शब्द से बना है। 'मानस' शब्द का प्रयोग विशेषण और विशेष्य दोनों रूपों में होता है।

30. ''चारित्रिक'' विशेषण शब्द का मूल शब्द कौन–सा है?

(a) चरित्र (b) चित्रण
(c) चरित्रता (d) चारुत्व

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'चारित्रिक' विशेषण शब्द का मूल शब्द 'चरित्र' है। चरित्र शब्द में 'इक' प्रत्यय लगाने से विशेषण 'चारित्रिक' बना है। 'इक' प्रत्यय युक्त कुछ विशेषण हैं– धर्म + इक = धार्मिक, मुख + इक = मौखिक, अर्थ + इक = आर्थिक आदि।

31. निम्नलिखित शब्दों में से कौन–सा शब्द 'गुणवाचक' विशेषण है?

(a) उचित (b) पाँचवाँ
(c) कुछ (d) तीन

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'उचित' शब्द गुणवाचक विशेषण है। पाँचवाँ एवं तीन शब्द निश्चित संख्यावाचक विशेषण और 'कुछ' शब्द अनिश्चित संख्यावाचक एवं परिमाणवाचक विशेषण है।

32. निम्नलिखित में से कौन–सा विशेषण संज्ञा से नहीं बना है?

(a) श्रीमान (b) दानी
(c) सुन्दर (d) चमकीला

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'सुन्दर' विशेषण शब्द संज्ञा से नहीं बना है। रूप रचना की दृष्टि से विशेषण विकारी और अविकारी दोनों होते हैं, जिसमें अविकारी विशेषणों के रूपों में परिवर्तन नहीं होते। ये अपने मूल रूप में बने रहते हैं। जैसे– सुन्दर, पीला, गोरा, सुडौल, भारी, चंचल आदि। कुछ विशेषण संज्ञा शब्द में प्रत्यय लगाकर बनते हैं। जैसे– धर्म + इक (प्रत्यय) = धार्मिक, चमक + ईला (प्रत्यय) = चमकीला आदि।

33. निम्नलिखित में से किस वाक्य में उत्तमावस्था गुणवाचक विशेषण–विशेष्य का प्रयोग किया गया है?

(a) परमानन्द कक्षा में सबसे होशियार छात्र है।
(b) मनमोहन ने इस दुकान से एक किलो टमाटर खरीदा है।
(c) इस पौधे में इतना पानी मत डालो।
(d) विजय पहलवान एक दिन में चार लीटर दूध पीता है।

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (a) : 'परमानन्द कक्षा में सबसे होशियार छात्र है।' वाक्य में उत्तमावस्था गुणवाचक विशेषण–विशेष्य का प्रयोग किया गया है। विशेषण की तीन अवस्थायें होती हैं– (1) मूलावस्था (2) उत्तरावस्था और (3) उत्तमावस्था। **मूलावस्था–** जिसमें किसी संज्ञा या सर्वनाम की सामान्य स्थिति का का बोध हो। जैसे– मोहन अच्छा लड़का है। **उत्तरावस्था–** जिसमें दो संज्ञा या सर्वनाम की तुलना की जाती है। जैसे– महेश, राहुल से अच्छा है। **उत्तमावस्था–** जिसमें दो से अधिक संज्ञा या सर्वनामों की तुलना करके, एक को सबसे अच्छा या बुरा बताया जाता है। जैसे– अकबर सबसे अच्छा है।

34. ''सौर'' किस मूल शब्द से बना विशेषण है?

(a) सूर (b) सुर
(c) सूर्य (d) उपर्युक्त में से किसी से नहीं

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (c) : 'सौर' शब्द 'सूर्य' मूल शब्द से बना विशेषण है। अन्य शब्द असंगत हैं।

35. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द विशेषण है?

(a) आग (b) आग्नेय
(c) अगिन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UPPCS RO/ARO 2016 Pre (Re-Exam)

Ans. (b) : दिये गये शब्दों में 'आग्नेय' शब्द विशेषण है तथा आग विशेष्य शब्द है।

36. इनमें से किस वाक्य में 'अच्छा' शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ हैं?

(a) आपने अच्छा किया,जो वहाँ नहीं गये।
(b) अच्छा, तुम अब घर जाओ।
(c) अच्छा है, वह आज नहीं आया।
(d) यह काम बहुत अच्छा है।

UP Polytechnic Lecturer- 2021

Nitin-Gupta.com

Ans. (d): वाक्य 'यह काम बहुत अच्छा है' में अच्छा शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है। यहाँ पर 'अच्छा' शब्द 'काम' की विशेषता बता रहा है।

37. 'वे अच्छी लड़कियाँ हैं' वाक्य में विकारी विशेषण है-

(a) अच्छी (b) लड़कियाँ

(c) वे (d) हैं

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(a)

व्याख्या- दिये गये वाक्य में **'अच्छी'** विकारी विशेषण है। विकारी विशेषण वे शब्द होते हैं, जिनमें परिवर्तन सम्भव होते हैं। इन विशेषणों में लिंग, वचन इत्यादि के आधार पर परिवर्तन होते हैं। जैसे– वे अच्छे लड़के हैं– यहाँ 'अच्छा' शब्द पुलिंग के अनुसार 'अच्छी' से भिन्न रूप में है।

38. 'सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है' वाक्य में विशेष्य है-

(a) सुधामयी (b) वात्सल्यमयी

(c) प्रेममयी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में से कोई भी विशेष्य नहीं है, अतः विकल्प (d) सही है। प्रश्नगत वाक्यांश में 'सुधामयी', 'वात्सल्यमयी' तथा 'प्रेममयी' तीनों ही विशेषण हैं तथा 'तू' विशेष्य है।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेषण है-

(a) उपार्जन (b) उपनिवेश

(c) चक्षु (d) घरेलू

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में **'घरेलू'** शब्द विशेषण है। उपार्जन का विशेषण उपार्जित, उपनिवेश का औपनिवेशिक तथा चक्षु का चाक्षुष होता है।

40. निम्नलिखित में से विशेष्य एवं विशेषण की दृष्टि से एक युग्म गलत है-

(a) क्रोध-क्रुद्ध

(b) आसक्ति-आसक्त

(c) आकर्षण-आकृष्ट

(d) ईर्ष्या-उपेक्षा

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में विशेष्य और विशेषण की दृष्टि से गलत युग्म **'ईर्ष्या–उपेक्षा'** है, क्योंकि दोनों ही संज्ञा रूप हैं, जिनका विशेष्य–विशेषण रूप 'ईर्ष्या–ईर्ष्यालु' तथा 'उपेक्षा–उपेक्षित' है।

41. 'मोहन सुन्दर बालक है' वाक्य में विशेष्य है-

(a) मोहन (b) सुन्दर

(c) बालक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(c)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में 'मोहन सुन्दर बालक है' में विशेष्य **'बालक'** है, क्योंकि **'सुन्दर'** शब्द उसकी विशेषता बता रहा है।

42. निम्न शब्दों में विशेष्य है-

(a) श्वेत (b) जीर्ण

(c) गरीब (d) किताब

UP RO/ARO (Mains) 2017

उत्तर-(d)

व्याख्या- दिये गये विकल्पों में **'किताब'** विशेष्य शब्द है, जिसका विशेषण 'किताबी' होगा। जबकि अन्य शब्द विशेषण हैं। विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहते हैं।

43. 'उसका लड़का लम्बा है' में विशेषण का चयन कीजिए।

(a) लड़का (b) लम्बा

(c) उसका (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(b)

व्याख्या–'उसका लड़का लम्बा है' में गुणवाचक विशेषण शब्द **'लम्बा'** प्रयुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिस विशेषण से किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, रूप-रंग, आकार-प्रकार, सम्बन्ध, दशा आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

44. प्रयोग के आधार पर 'पाण्डु' शब्द होगा-

(a) केवल विशेषण

(b) केवल विशेष्य

(c) विशेषण और विशेष्य दोनों

(d) उपर्युक्त में से एक भी नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या–प्रयोग के आधार पर 'पाण्डु' शब्द 'विशेष्य और विशेषण दोनों' रूपों में प्रयुक्त किया जाता है। 'पाण्डु' का प्रयोग 'हल्के पीले रंग का' विशेषण के अर्थ में किया जाता है जबकि महाभारत कालीन अम्बालिका और ऋषि व्यास के पुत्र का नाम 'पाण्डु' था। अतः 'पाण्डु' संज्ञा होने के कारण विशेष्य भी होगा।

45. 'चतुर विद्यार्थी से प्रश्न पूछो।' वाक्य में विशेषण है-

(a) विद्यार्थी (b) प्रश्न

(c) चतुर (d) पूछो

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या– वाक्य 'चतुर विद्यार्थी से प्रश्न पूछो' में विशेषण **'चतुर'** है, जो विद्यार्थी की विशेषता बता रहा है। अतः 'चतुर' विशेषण शब्द है।

46. ''वह आदमी जो कल आपके घर आया था, बहुत बड़ा ठग है।'' उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण हैं ?

(a) तीन (b) दो

(c) चार (d) पाँच

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– दिये गये वाक्य में 'वह' तथा 'आपके' दोनों शब्द सार्वनामिक विशेषण है, 'बहुत' प्रविशेषण है तथा 'बड़ा' शब्द विशेषण है। अतः वाक्य में **चार** विशेषण वह, आपके, बहुत एवं बड़ा तथा तीन विशेष्य आदमी, घर और ठग हैं।

47. 'दुश्चरित्र व्यक्ति से सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए।' इस वाक्य में प्रयुक्त 'दुश्चरित्र' शब्द व्याकरण की दृष्टि से किस संवर्ग में है ?

(a) संज्ञा (b) सर्वनाम

(c) विशेषण (d) क्रियाविशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– वाक्य 'दुश्चरित्र व्यक्ति से सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए' में 'दुश्चरित्र' शब्द व्याकरण की दृष्टि से **विशेषण** संवर्ग में आता है। यह गुणवाचक विशेषण है।

48. 'लाखों लोगों ने इसे महसूस किया है' वाक्य में विशेषण है-

(a) सहसूस (b) लोगों

(c) लाखों (d) इसे

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– वाक्य 'लाखों लोगों ने इसे महसूस किया है' में संख्यावाचक विशेषण **'लाखों'** प्रयुक्त किया गया है। जिस विशेषण से संख्या का बोध हो, उसे संख्यावाचक विशेषण कहा जाता है। इसके पाँच भेद होते हैं– गणनावाचक, क्रमवाचक, आवृत्तिवाचक, समुदायवाचक और प्रत्येकबोधक।

49. 'विशेष्य' वह शब्द होता है-

(a) जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है।

(b) जिस शब्द के द्वारा विशेषता बतायी जाती है।

(c) जिस हेतु विशेषता बतायी जाती है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या– संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहा जाता है और 'जिस शब्द की विशेषता बतायी जाती है उसे 'विशेष्य' कहा जाता है।' 'काला घोड़ा' में 'काला' विशेषण तथा 'घोड़ा' विशेष्य पद है।

50. 'मोहन एक अच्छा विद्यार्थी है।' वाक्य में विशेष्य है-

(a) मोहन (b) एक

(c) अच्छा (d) विद्यार्थी

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर– (d)

व्याख्या– प्रश्नगत वाक्य में **'विद्यार्थी'** विशेष्य है तथा 'अच्छा' विशेषण पद है।

51. 'आठ बड़े चोर पकड़े गये थे, पुलिस की लापरवाही से आधे चोर भाग गये।' वाक्य में किन शब्दों में विशेषण-विशेष्य सम्बन्ध नहीं है ?

(a) बड़े चोर (b) आधे चोर

(c) पुलिस की लापरवाही (d) आठ बड़े चोर

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(c)

व्याख्या– वाक्यांश 'आठ बड़े चोर पकड़े गए थे, पुलिस की लापरवाही से आधे चोर भाग गए' में **'पुलिस की लापरवाही'** में विशेषण-विशेष्य सम्बंध नहीं है जबकि शेष विकल्पों में विशेषण-विशेष्य संबंध है।

52. निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा विशेषण है ?

(a) क्रोधी (b) कण्टक

(c) चुनौती (d) राही

UP RO/ARO (Pre) 2017

उत्तर–(a)

व्याख्या– विकल्प में उल्लिखित शब्दों में **'क्रोधी'** विशेषण पद है, जबकि कण्टक, चुनौती और राही विशेष्य पद हैं।

53. एक विशेषण शब्द नहीं है-

(a) लजीला (b) लाड़ला

(c) लांछन (d) लापता

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (c)

व्याख्या- संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं और विशेषण के प्रयोग से जिस संज्ञा अथवा सर्वनाम का गुण अथवा धर्म प्रकट होता है, विशेष्य कहलाता है। प्रश्नगत सन्दर्भ में लजीला, लाड़ला और लापता विशेषण है जबकि **लांछन** विशेष्य है।

54. 'युद्ध देखकर अशोक का कठोर हृदय मोम जैसा पिघल गया'- वाक्य में विशेष्य है-

(a) कठोर (b) अशोक

(c) हृदय (d) मोम

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'युद्ध देखकर अशोक का कठोर हृदय मोम जैसा पिघल गया', वाक्यांश में **हृदय** विशेष्य है जबकि 'कठोर' विशेषण है।

Nitin-Gupta.com

55. निम्नलिखित शब्दों में से एक विशेषण नहीं है -

(a) श्रव्य (b) सर्व

(c) गर्व (d) भव्य

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (c)

व्याख्या- श्रव्य, सर्व और भव्य विशेषण पद है जबकि **गर्व** विशेष्य पद है। गर्व का विशेषण पद 'गर्वीला' होता है।

56. 'इन्द्रिय' का विशेषण शब्द है-

(a) इन्द्रीय (b) इन्द्रिक

(c) ऐन्द्रि (d) ऐन्द्रिय

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (d)

व्याख्या- 'इन्द्रिय' शब्द का विशेषण पद **'ऐन्द्रिय'** है जबकि ईश्वर का विशेषण 'ईश्वरीय' और इतिहास का विशेषण 'ऐतिहासिक' होता है।

57. एक वाक्य में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है-

(a) वह विद्यार्थी है

(b) वह लड़का विद्यार्थी है

(c) वह प्रबुद्ध विद्यार्थी है

(d) वह परिश्रमी भी है

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- वाक्य **'वह विद्यार्थी है'** में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है, जबकि अन्य विकल्पों में क्रमशः वह, प्रबुद्ध और परिश्रमी विशेषण शब्द प्रयुक्त हुआ है।

58. 'भक्त की करुण पुकार सुनकर भक्त-वत्सल भगवान् दयार्द्र हो उठे'- वाक्य में प्रयुक्त विशेष्यों की दृष्टि से कौन सा युग्म शुद्ध है?

(a) भक्त तथा भगवान्

(b) करुण तथा दयार्द्र

(c) भक्त-वत्सल तथा भगवान्

(d) पुकार तथा भगवान्

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (d)

व्याख्या- वाक्य 'भक्त की करुण पुकार सुनकर भक्त-वत्सल भगवान दयार्द्र हो उठे' में 'पुकार तथा भगवान' विशेष्य पद हैं जबकि करुण और भक्त-वत्सल विशेषण पद हैं।

59. भोले बालक ने क्रूर डाकू के कठोर हृदय में कोमल भावना जगा दी'- वाक्य में कितने विशेष्य हैं?

(a) चार (b) तीन

(c) दो (d) छह

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर–(a)

व्याख्या- वाक्यखण्ड 'भोले बालक ने क्रूर डाकू के कठोर हृदय में कोमल भावना जगा दी' में **चार** विशेष्य पद बालक, डाकू, हृदय और भावना है जबकि विशेषण पद भी चार हैं- भोले, क्रूर, कठोर और कोमल।

60. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है -

(a) वरदान (b) वरद

(c) वरदायक (d) वरणीय

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (a)

व्याख्या-वरद, वरदायक और वरणीय विशेषण शब्द हैं, जबकि **वरदान** विशेष्य पद है। इस प्रकार प्रश्नगत विकल्प (a) सही उत्तर है।

61. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द है -

(a) लाघव (b) महत्त्व

(c) लघुता (d) महत्

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (d)

व्याख्या- लाघव, महत्त्व और लघुता विशेष्य पद हैं, जबकि **महत्** विशेषण शब्द है। इस प्रकार प्रश्नगत विकल्प (d) सही उत्तर है।

62. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है -

(a) बहुरूपिया (b) बातूनी

(c) बादामी (d) बांका

UP RO/ARO (Pre) 2016

उत्तर– (d)

व्याख्या- 'बांका' विशेषण शब्द नहीं है, बल्कि विशेष्य पद है। जबकि बहुरूपिया, बातूनी और बादामी विशेषण पद हैं।

63. विशेषण जिस संज्ञा की विशेषता बताता है, उसे क्या कहते हैं?

(a) संख्यावाचक विशेषण

(b) गुणवाचक विशेषण

(c) विशेष्य

(d) सार्वनामिक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या–विशेषण जिस संज्ञा की विशेषता बताता है उसे **विशेष्य** कहते हैं। जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाता है उसे विशेषण कहते हैं।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेष्य है?

(a) आसीन (b) अग्नि

(c) मधुर (d) कर्मठ

UP RO/ARO (Pre) 2013, 2014

उत्तर-(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या–प्रश्नगत विकल्प में '**अग्नि**' विशेष्य पद है, जबकि आसीन, मधुर तथा कर्मठ विशेषण शब्द हैं।

65. ''ठण्डा पानी ठण्ड पैदा करता है।'' इस वाक्य में कौन-सा शब्द विशेष्य है?

(a) ठण्डा (b) ठण्ड
(c) पानी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(c)

व्याख्या–ठण्डा पानी ठण्ड पैदा करता है, में विशेष्य शब्द '**पानी**' है; जबकि 'ठण्डा' शब्द विशेषण है।

66. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेष्य है?

(a) अनासक्ति (b) अनासक्त
(c) अनुशंसित (d) अपमानित

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या – उक्त विकल्पों में विशेष्य पद '**अनासक्ति**' है जबकि 'अनासक्त' शब्द इसका विशेषण है।

67. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द विशेष्य है?

(a) पौष्टिक (b) पाठकीय
(c) भावुक (d) विषाद

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में विशेष्य शब्द '**विषाद**' है, इसका विशेषण शब्द 'विषण्ण' है; जबकि पौष्टिक, भावुक और पाठकीय विशेषण शब्द हैं।

68. 'धुँधला' शब्द में विशेषण है –

(a) संख्यावाचक विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
(c) सार्वनामिक विशेषण (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या– 'धुँधला' शब्द में **गुणवाचक विशेषण** है। गुणवाचक विशेषण के अन्य उदाहरण हैं– काला, सफेद, मोटा, पतला, गरीबी, खट्टा, मीठा आदि।

69. 'सरीखा' शब्द में विशेषण है –

(a) गणनावाचक विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
(c) समुदायवाचक विशेषण (d) क्रमवाचक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(b)

व्याख्या–'सरीखा' में 'गुणवाचक विशेषण' है। **गुणवाचक विशेषण–**जिस विशेषण से किसी संज्ञा या सर्वनाम का गुण-दोष, रूप-रंग, आकार-प्रकार, सम्बन्ध, दशा आदि का पता चले, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

70. ''वह नौकर नहीं आया।'' वाक्य में 'वह' कौन-सा विशेषण है?

(a) सार्वनामिक विशेषण (b) गुणवाचक विशेषण
(c) संख्यावाचक विशेषण (d) परिमाणबोधक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(a)

व्याख्या–उक्त प्रश्न में 'वह' सार्वनामिक विशेषण है। संज्ञा के बदले जो शब्द आता है, उसे सर्वनाम कहते हैं; **जैसे-** वह, वे, मैं, तुम आदि। जो सर्वनाम शब्द संज्ञा के पहले आकर संज्ञा की विशेषता बतलाते हैं, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

71. 'तीसरा' शब्द में विशेषण है –

(a) पूर्णांकबोधक विशेषण (b) आवृत्तिवाचक विशेषण
(c) गणनावाचक विशेषण (d) क्रमवाचक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या– 'तीसरा' शब्द में **क्रमवाचक विशेषण** है। उदाहरणार्थ- पहला, दूसरा, तीसरा आदि। 'गणनावाचक विशेषण' एक, दो, तीन, चार आदि होता है एवं 'आवृत्तिवाचक विशेषण' दुगुना, तीगुना, चौगुना आदि होता है।

72. 'चौथाई' शब्द का विशेषण है –

(a) आवृत्तिवाचक विशेषण (b) गणनावाचक विशेषण
(c) क्रमवाचक विशेषण (d) अपूर्णांकबोधक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2014

उत्तर-(d)

व्याख्या–'चौथाई' शब्द में 'अपूर्णांकबोधक विशेषण' है। '**अपूर्णांकबोधक विशेषण**'**–**जिससे पूर्ण संख्या के किसी एक भाग का बोध हो, उसे अपूर्णांकबोधक कहा जाता है; **जैसे–**पौने दो, साढ़े दस, चौथाई, तिहाई आदि।

73. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द विशेषण है?

(a) बनारसी (b) भारतवर्ष
(c) बाजार (d) खेती

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(a)

व्याख्या–'बनारसी' शब्द विशेषण है। जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। **उदाहरणार्थ-** राधा बनारसी साड़ी पहनी है। यहाँ 'साड़ी' विशेष्य की 'बनारसी' विशेषण के द्वारा विशेषता बतलायी जा रही है।

74. 'रमेश की पुस्तक पुरानी है'–इस वाक्य में 'पुस्तक' शब्द है–

(a) विशेष्य (b) विशेषण
(c) क्रिया-विशेषण (d) सर्वनाम

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(a)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या–'रमेश की पुस्तक पुरानी है' वाक्य में **पुस्तक** शब्द 'विशेष्य' है। जिस संज्ञा शब्द की विशेषण द्वारा विशेषता बतलायी जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

75. 'उस ग्रंथ में 500 पृष्ठ हैं'– इस वाक्य में 'उस' शब्द है–

(a) गुणवाचक विशेषण (b) परिमाणवाचक विशेषण
(c) संकेतवाचक विशेषण (d) व्यक्तिवाचक विशेषण

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(c)

व्याख्या –'उस ग्रंथ में 500 पृष्ठ हैं' वाक्य में **'उस'** शब्द में 'संकेतवाचक विशेषण' है। इसे सार्वनामिक विशेषण भी कहते है। पुरुषवाचक या निजवाचक सर्वनामों को छोड़कर अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा की विशेषता बतलाएँ, तो उन्हें 'सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं।

76. 'यह चाँदी खोटी सी दिखती है'–इस वाक्य में खोटी सी' विशेषण का प्रकार है–

(a) गुणवाचक विशेषण (b) संख्यावाचक विशेषण
(c) परिमाण बोधक विशेषण (d) पूर्णांक बोधक विशेषण

UP RO/ARO (Mains) 2014

उत्तर–(a)

व्याख्या –'यह चाँदी खोटी सी दिखती है' वाक्य में 'खोटी सी' **'गुणवाचक विशेषण'** का प्रकार है। जिस विशेषण से किसी संज्ञा या सर्वनाम का गुण-दोष, रूप-रंग, आकार-प्रकार, सम्बन्ध, दशा आदि का पता चले, उसे गुणवाचक विशेषण' कहते है।

77. 'दनामोल' में किस प्रकार का विशेषण है?

(a) परिमाण बोधक (b) अपूर्णांक बोधक
(c) अनिश्चित संख्यावाचक (d) निश्चित संख्यावाचक

उत्तर–(b) **UP RO/ARO (Mains) 2014**

व्याख्या –'दनामोल' में **अपूर्णांक बोधक** विशेषण है।

78. 'ऋषि' संज्ञा शब्द से विशेषण शब्द क्या बनेगा?

(a) आर्ष (b) ऋषिकल्प
(c) ऋषितुल्य (d) ऋषिवत्

UP RO/ARO (Pre) 2013

उत्तर–(a)

व्याख्या–'ऋषि' संज्ञा शब्द से विशेषण शब्द 'आर्ष' बनेगा। अन्य विकल्प ऋषिकल्प, ऋषिवत और ऋषितुल्य असंगत हैं।

79. व्याकरण की दृष्टि से कौन सा शब्द विशेषण नहीं है?

(a) भयभीत (b) निर्भीक
(c) भीरु (d) भय

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या–व्याकरण की दृष्टि से भयभीत, निर्भीक और भीरु शब्द विशेषण हैं, जबकि 'भय' शब्द विशेषण नहीं अपितु विशेष्य है। इसका विशेषण 'भयानक' व 'भयभीत' होता है।

80. 'एक प्रतिभासम्पन्न छात्र' का विशेषण है–

(a) कुशल (b) चतुर
(c) अध्ययनशील (d) मेधावी

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या–एक प्रतिभासम्पन्न छात्र का विशेषण 'मेधावी' है, न कि चतुर, कुशल और अध्ययनशील।

81. 'नीली साड़ी' में कौन सा विशेषण है?

(a) संख्यावाचक (b) परिमाणवाचक
(c) गुणवाचक (d) सार्वनामिक

उत्तर–(c) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या–'नीली साड़ी' में प्रयुक्त विशेषण **गुणवाचक** विशेषण है। संख्यावाचक विशेषण संख्या प्रकट करते हैं। वहीं परिमाणवाचक विशेषण द्रव्य या वस्तु की माप-तौल से सम्बन्धित है।

82. 'विशेषण' शब्द का चयन कीजिये –

(a) सरपंच (b) पाँचवाँ
(c) प्रपंच (d) पहुँच

उत्तर–(b) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'पाँचवाँ' शब्द विशेषण है जो कि निश्चित संख्या (क्रमसूचक) की अभिव्यक्ति करता है जबकि अन्य शब्द सरपंच, प्रपंच और पहुँच विशेषण शब्द नहीं हैं।

83. 'विशेष्य' शब्द है –

(a) रामलला (b) बुद्धिमती स्त्री
(c) रमापति (d) सीता-राम

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या–'विशेष्य' पद सदैव संज्ञा होते हैं। **सीता-राम** दोनों संज्ञा शब्द हैं। 'सीता-राम' विशेष्य पद है। संज्ञा शब्द हमेशा विशेष्य के रूप में ही प्रयुक्त होते हैं। 'रामलला व रमापति' बहुव्रीहि सामासिक शब्द हैं जो विशेषण के रूप में प्रयोग होते हैं। 'बुद्धिमती स्त्री' में विशेषण व विशेष्य का प्रयोग हुआ है।

84. निम्नलिखित विशेष्य-विशेषण युग्मों में एक गलत है –

(a) सर्व-सुलभ (b) ताजी-रोटी
(c) कर्म-निष्ठ (d) भाव-विह्वल

उत्तर–(a) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या–'सर्व-सुलभ' दोनों ही शब्द विशेषण पद हैं। अतः प्रश्न की दृष्टि से यह त्रुटिपूर्ण है। जबकि शेष विकल्पों के शब्द विशेषण-विशेष्य युग्म हैं।

85. 'परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण' का वाक्य होगा –

(a) वह बहुत थक गया है।
(b) वह अभी-अभी गया है।
(c) वह अंदर बैठा है।
(d) वह अब भली-भाँति नाच लेता है।

उत्तर–(a) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

Nitin-Gupta.com

व्याख्या–परिमाणवाचक क्रिया विशेषण का वाक्य है – 'वह बहुत थक गया है'। वाक्य में 'बहुत' शब्द परिमाणवाचक क्रिया विशेषण के अन्तर्गत आता है। अन्य विकल्प वह अभी-अभी गया है, वह अंदर बैठा है व वह अब भली-भाँति नाच लेता है, उक्त प्रश्न से पृथक् आशय रखते हैं।

86. 'बड़ा घर' 'छोटा आदमी' और 'नीला वस्त्र' में विशेष्य कौन-कौन पद हैं?

(a) नीला, छोटा (b) बड़ा, छोटा
(c) घर, आदमी, वस्त्र (d) छोटा, नीला

उत्तर–(c) **UP RO/ARO (Pre) 2013**

व्याख्या – बड़ा घर, छोटा आदमी और नीला वस्त्र में विशेष्य पद हैं - घर, आदमी और वस्त्र। जबकि बड़ा, छोटा तथा नीला विशेषण शब्द हैं।

87. 'मीठा अमरूद' में 'मीठा' विशेषण किस कोटि का है?

(a) परिमाणवाचक (b) गुणवाचक
(c) व्यक्तिवाचक (d) संख्यावाचक

उत्तर–(b) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या – मीठा अमरूद में मीठा '**गुणवाचक**' विशेषण है। यह अमरूद के मीठा होने के गुण की विशेषता बता रहा है।

88 'तुम कहाँ पढ़ते हो'–में किस कोटि का विशेषण प्रयुक्त हुआ है?

(a) गुणवाचक (b) प्रश्नवाचक
(c) संख्यावाचक (d) संकेतवाचक

उत्तर–(b) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या–'तुम **कहाँ** पढ़ते हो' - में '**प्रश्नवाचक विशेषण**' प्रयुक्त हुआ है, न कि गुणवाचक, संख्यावाचक या संकेतवाचक विशेषण।

89. 'लोभी' किस विधि से निर्मित विशेषण है?

(a) संज्ञा-विधि (b) सर्वनाम-विधि
(c) क्रिया-विधि (d) प्रत्यय-विधि

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या–'लोभी' प्रत्यय विधि द्वारा निर्मित विशेषण है। 'लोभी' शब्द 'लोभ' का विशेषण है। 'लोभ' में 'ई' प्रत्यय लगाकर लोभी शब्द का निर्माण किया गया है। अतः विकल्प (d) सही होगा।

90. इनमें कौन सा युग्म विशेषण नहीं है?

(a) छोटा-बड़ा (b) हरा-पीला
(c) दो-तीन (d) राम-लक्ष्मण

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में '**राम-लक्ष्मण**' युग्म विशेषण नहीं है, बल्कि यह संज्ञा युग्म शब्द है; जबकि छोटा-बड़ा, हरा-पीला और दो-तीन युग्म विशेषण हैं।

91. इनमें संख्यावाचक विशेषण कौन सा है?

(a) सात (b) काला
(c) रावण (d) खट्‌टा

उत्तर–(a) **UP RO/ARO (Mains) 2013**

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में **सात** शब्द संख्यावाचक विशेषण है, जबकि काला तथा खट्टा गुणवाचक विशेषण शब्द हैं। 'रावण' विशेष्य शब्द है।

92. 'वह श्रेष्ठ उपासक है' में विशेष्य है –

(a) वह (b) श्रेष्ठ
(c) उपासक (d) है

उत्तर–(c) **UP RO/ARO (Pre) 2010**

व्याख्या –'वह श्रेष्ठ उपासक है' वाक्य में 'उपासक' विशेष्य है। जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाता है, उसे विशेषण कहते हैं तथा विशेषण जिसकी विशेषता बतलाता है उसे विशेष्य कहते हैं।

93. 'भले और महान लोग उचित और संयमित व्यवहार करते हैं।'

उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण विशेष्य हैं?

(a) दो विशेषण और दो विशेष्य
(b) तीन विशेषण और दो विशेष्य
(c) चार विशेषण और तीन विशेष्य
(d) चार विशेषण और दो विशेष्य

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्प में 'चार विशेषण और दो विशेष्य' हैं। 'भले' 'महान', 'उचित' और 'संयमित' विशेषण हैं तथा 'लोग' एवं 'व्यवहार' विशेष्य हैं।

94. 'यह गाय अधिक दूध देती है' उक्त वाक्य में 'अधिक' विशेषण किसकी विशेषता बता रहा है?

(a) गाय की (b) दूध की
(c) देने की (d) किसी की नहीं

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – दिये गये विकल्प में 'अधिक' शब्द 'दूध' की विशेषता बतला रहा है न कि गाय की। 'अधिक' परिमाणवाचक विशेषण शब्द है।

95. 'विद्वान् व्यक्ति पूज्य होते हैं' में प्रयुक्त विशेषण है –

(a) सार्वनामिक विशेषण
(b) गुणवाचक विशेषण
(c) संख्यावाचक विशेषण
(d) परिणामबोधक विशेषण

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(b)

Nitin-Gupta.com

व्याख्या– 'विद्वान् व्यक्ति पूज्य होते हैं' में **गुणवाचक विशेषण** है। जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण, रूप, रंग, आकार, अवस्था, स्वभाव, दशा, स्वाद, स्पर्श, गंध, स्थान आदि का बोध होता है, गुणवाचक विशेषण कहलाता है।

96. निम्नलिखित में से कौन शब्द विशेषण नहीं है –

(a) उत्कृष्ट (b) निकृष्ट
(c) धृष्ट (d) विषाद

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में उत्कृष्ट, निकृष्ट और धृष्ट शब्द विशेषण हैं। जबकि 'विषाद' शब्द विशेषण नहीं है। यह संज्ञा (विशेष्य) शब्द है जिसका विशेषण 'विषण्ण' होगा।

97. निम्नलिखित शब्दों में से जो शब्द विशेषण नहीं है, उसका उल्लेख कीजिए –

(a) सज्जन (b) दुर्जन
(c) सुकुमार (d) मानस

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या–दिये गये विकल्प में सज्जन, दुर्जन और सुकुमार विशेषण शब्द हैं, जबकि 'मानस' विशेषण नहीं विशेष्य है जिसका विशेषण 'मानसिक' होगा।

98. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'विशेषण' नहीं है?

(a) आगामी (b) शान्त
(c) काला (d) तुम

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – आगामी, काला और शान्त विशेषण शब्द हैं जबकि 'तुम' शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम है। ऐसे सर्वनाम जो किसी पुरुष या स्त्री के लिए प्रयुक्त होते हैं, पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; **जैसे -** मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, यह और ये।

99. 'विशेष्य' शब्द है –

(a) ललिता (b) सुन्दर
(c) लम्बा (d) लघु

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या– दिये गये शब्दों में 'ललिता' विशेष्य शब्द है, जबकि सुन्दर, लम्बा और लघु विशेषण हैं।

100. निम्नलिखित में विशेष्य पद है –

(a) उमा (b) कालिमा
(c) मधुरिमा (d) महिमा

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – कालिमा, महिमा और मधुरिमा विशेषण शब्द हैं। जबकि **उमा** विशेष्य पद है।

101. निम्नलिखित में विशेषण पद है –

(a) उपासना (b) उद्‌गार
(c) आयतलोचना (d) वन्दना

UP RO/ARO (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'आयतलोचना विशेषण' है, शेष शब्द विशेष्य हैं। उपासना का विशेषण 'उपास्य' व 'उपासनीय' होगा। उद्‌गार का विशेषण 'उद्‌गारी' व 'उद्‌गारित' होगा तथा वन्दना का विशेषण वन्दित, वन्दनीय व वंद्य होगें।

102. जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे कहते हैं–

(a) सर्वनाम (b) विशेषण
(c) क्रिया (d) अव्यय

UP RO/ARO (Mains) 2014
UP RO/ARO (Pre./Special) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या –जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे 'विशेषण' कहते हैं। **उदाहरण**–घोड़ा दौड़ रहा है। यहाँ 'घोड़ा' शब्द समस्त घोड़ा जाति का बोध करा रहा है। जबकि एक घोड़ा दौड़ रहा है। वाक्य में 'एक' संख्यावाचक विशेषण है, जो घोड़ा (संज्ञा) की व्याप्ति को मर्यादित कर रहा है।

103. एक वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है-

(a) लड़का आता है।
(b) लड़का चने बेचता है।
(c) बच्चे चने खरीदते हैं।
(d) चने बेचकर वह लड़का लौट जाता है।

UPPCS AE 2011

उत्तर–(d)

व्याख्या– 'चने बेचकर वह लड़का लौट जाता है।' वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है। इसमें 'वह' शब्द सार्वनामिक विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

104. नीचे दिये किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?

(a) लड़का आया है।
(b) वह गुलाब के फूल लाया है।
(c) गुलाब के फूल मुझे पसंद हैं।
(d) वह लड़का फूल देकर चला गया।

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- 'वह लड़का फूल देकर चला गया।' वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है। उपर्युक्त वाक्य में 'वह' सार्वनामिक विशेषण है।

सार्वनामिक विशेषण–ऐसे सर्वनाम जो संज्ञा से पहले लगकर

Nitin-Gupta.com

उस संज्ञा शब्द की विशेषण की तरह विशेषता बताते हैं, वे शब्द सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं, **जैसे—**वह पुस्तक, वह आदमी, वह लड़की आदि।

105. 'सुगंधित कस्तूरी के लोभी शिकारी राजस्थानी हिरणों का अवैध शिकार करते हैं'-वाक्य में हैं-

(a) तीन विशेषण और तीन विशेष्य
(b) दो विशेषण और दो विशेष्य
(c) चार विशेषण और चार विशेष्य
(d) तीन विशेषण और चार विशेष्य

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'सुगन्धित कस्तूरी के लोभी शिकारी राजस्थानी हिरणों का अवैध शिकार करते हैं' वाक्य में चार विशेषण और चार विशेष्य हैं। सुगंधित, लोभी, राजस्थानी, अवैध विशेषण हैं तथा कस्तूरी, शिकारी, हिरण, शिकार विशेष्य हैं।

106. 'समुद्री साँप में घातक परन्तु बहुत कीमती ज़हर पाया जाता है'-वाक्य में हैं–

(a) तीन विशेषण और दो विशेष्य
(b) दो विशेषण और तीन विशेष्य
(c) दो विशेषण और दो विशेष्य
(d) चार विशेषण और दो विशेष्य

उत्तर–(d) **UP RO/ARO (Mains) 2010**

व्याख्या–'समुद्री साँप में घातक परन्तु बहुत कीमती जहर पाया जाता है' वाक्य में 'चार विशेषण और दो विशेष्य' हैं। दिये गये वाक्य में समुद्री, घातक, बहुत, कीमती शब्द विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए हैं, जबकि साँप तथा जहर विशेष्य के रूप में।

107. 'दशरथ के प्राण राम के लिए आकुल थे'-वाक्य में मुख्य विशेष्य है–

(a) दशरथ (b) राम
(c) प्राण (d) आकुल

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'दशरथ के प्राण राम के लिए आकुल थे।' वाक्य में मुख्य विशेष्य **'प्राण'** है। विशेषण जिसकी विशेषता बतलाता है, उसे विशेष्य कहते हैं।

108. इनमें से कौन सा शब्द विशेषण नहीं है?

(a) भयभीत (b) निर्भीक
(c) भीरु (d) भव

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर—(d)

व्याख्या – उपर्युक्त विकल्पों में 'भव' शब्द विशेषण नहीं है, जबकि निर्भीक, भीरु और भयभीत शब्द विशेषण हैं।

109. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द विशेषण है?

(a) सुन्दरता (b) कवि
(c) विद्वान (d) भलाई

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – निर्दिष्ट विकल्पों में **'विद्वान'** शब्द विशेषण है, जबकि कवि, भलाई और सुन्दरता संज्ञा शब्द हैं।

110. 'वह कृशकाय व्यक्ति दौड़ने लगा' – इस वाक्य में विशेष्य है-

(a) व्यक्ति (b) कृशकाय
(c) वह (d) दौड़ने लगा

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या–'वह कृशकाय व्यक्ति दौड़ने लगा।' इस वाक्य में विशेष्य शब्द 'व्यक्ति' है, जबकि 'कृशकाय' विशेषण शब्द है।

111. एक में क्रिया विशेषण का प्रयोग नहीं है-

(a) लड़का आदमी के बराबर दौड़ा।
(b) राम और मोहन साथ पढ़ते हैं।
(c) अम्मा ने खटिया पर लंबी तानी।
(d) एक आता है तो एक जाता है।

उत्तर–(c) **UPPCS AE 2011**

व्याख्या– वाक्य (a), (b) व (d) में क्रमशः 'बराबर','साथ', तथा 'एक' क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है। विकल्प (c) में किसी क्रिया विशेषण का प्रयोग नहीं है।

112. 'रोगी को थोड़ा-थोड़ा पानी पिलाओ' वाक्य में 'थोड़ा थोड़ा' है–

(a) विशेषण (b) संज्ञा
(c) क्रिया विशेषण (d) इनमें से कोई नहीं

UPPCS AE 2011

उत्तर–(a)

व्याख्या– वाक्य में 'थोड़ा-थोड़ा' पानी (संज्ञा) की विशेषता बताता है अत: यह एक विशेषण है। 'थोड़ा-थोड़ा' में अनिश्चत परिमाणवाचक विशेषण है।

113. निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण है -

(a) अँधेरा (b) धीरे-धीरे
(c) चाल-चलन (d) सुन्दर

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर—(b)

व्याख्या – **'धीरे-धीरे'** क्रिया विशेषण शब्द है। जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।

Nitin-Gupta.com

114. **'दोनों' शब्द किस प्रकार का संख्यावाचक विशेषण है?**

(a) समुदायबोधक (b) पुनरुक्तिबोधक
(c) आवृत्तिबोधक (d) क्रमबोधक

UP RO/ARO Special (Pre/Mains) 2010

उत्तर–(a)

व्याख्या – **'दोनों'** शब्द 'समुदायबोधक' संख्यावाचक विशेषण है, क्योंकि इससे एक समुदाय का स्पष्टीकरण होता है।
संख्यावाचक विशेषण के निम्न भेद है–
(अ) निश्चित संख्यावाचक (गणनावाचक, क्रमवाचक, आवृत्तिवाचक, समुदायवाचक, प्रत्येकबोधक)
(ब) अनिश्चित संख्यावाचक
(स) परिमाणबोधक

115. **'प्रतिदिन' किस प्रकार का क्रिया-विशेषण है?**

(a) रीतिवाचक (b) परिमाणवाचक
(c) स्थानवाचक (d) कालवाचक

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या – दिये गये विकल्पों में 'प्रतिदिन' **कालवाचक** क्रिया विशेषण है।

116. **इनमें से किस वाक्य में गलत विशेषण प्रयुक्त हुआ है?**

(a) कविता परिश्रमी युवती है।
(b) प्रबुद्धजनों से हमारी अपेक्षा है।
(c) यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।
(d) वह अच्छा आदमी था, लेकिन काम न आया।

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या–दिये गये विकल्प में 'यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।' वाक्य में गलत विशेषण प्रयुक्त हुआ है। इसमें शब्द क्रम दोष है सही वाक्य होगा – 'यह महिलाओं का सरकारी अस्पताल है।'

117. **'गुणवाचक विशेषण' के कितने भेद हैं?**

(a) चार (b) पाँच
(c) छह (d) सात

UP RO/ARO Special (Pre) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या – जिस शब्द से संज्ञा का गुण, दशा, स्वभाव आदि लक्षित हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं। इसके छः भेद हैं – काल, स्थान, आकार, रंग, दशा, गुण।

118. **'काला घोड़ा तेज दौड़ता है' में क्रिया विशेषण है-**

(a) घोड़ा (b) काला
(c) तेज (d) दौड़ता है

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(c)

व्याख्या- 'काला घोड़ा **तेज** दौड़ता है।' वाक्य में 'तेज' क्रिया विशेषण है। क्रिया की विशेषता बताने वाला शब्द क्रिया विशेषण होता है। अतः यहाँ पर **तेज** क्रिया विशेषण है।

119. **अधोलिखित में से कौन-सा युग्म विशेषण नहीं है?**

(a) छोटा-बड़ा (b) हरा-पीला
(c) दो-तीन (d) राम-लक्ष्मण

उत्तर–(d)

उत्तर प्रदेश पी. सी. एस. (प्रीलिम्स) परीक्षा, द्वितीय प्रश्नपत्र, 2016
उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. आर.ओ. (मुख्य) परीक्षा 2013

व्याख्या–'राम-लक्ष्मण' विशेषण शब्द युग्म नहीं है, बल्कि यह विशेष्य (संज्ञा) शब्द युग्म है। 'छोटा-बड़ा' तथा 'हरा-पीला' गुणवाचक विशेषणों का शब्द युग्म है तथा 'दो-तीन' संख्यावाची विशेषणों का शब्द युग्म है।

120. **'गीला' है-**

(a) सार्वनामिक विशेषण
(b) गुणवाचक विशेषण
(c) संख्यावाचक विशेषण
(d) इनमें से कोई नहीं

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या – 'गीला' में गुणवाचक विशेषण है। जिस विशेषण में रूप, रंग, आकार, अवस्था, स्वभाव, दशा, स्वाद, स्पर्श, गंध, दिशा, स्थान, समय, तापमान आदि का बोध होता है, वहाँ गुणवाचक विशेषण होता है।

121. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेष्य कौन है?**

(a) आकाशीय (b) आकाश
(c) आराध्य (d) आश्रित

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- प्रश्नगत विकल्पों में 'आकाश' विशेष्य शब्द है। इसका विशेषण 'आकाशीय' होता है। अन्य विशेषण शब्दों यथा- 'आराध्य' का विशेष्य 'आराधना' तथा 'आश्रित' का विशेष्य 'आश्रय' होगा।

122. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण कौन है?**

(a) अजय (b) अजित
(c) अकर्म (d) अनुशंसा

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- 'अजित' विशेषण शब्द है, जिसका विशेष्य 'अजय' होगा, जबकि 'अकर्म' तथा 'अनुशंसा' विशेष्य शब्द हैं, जिनका विशेषण क्रमशः 'अकर्मण्य' तथा 'अनुशंसित' होगा।

Nitin-Gupta.com

123. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण कौन नहीं है?

(a) आंतरिक (b) अंतर

(c) आग्नेय (d) अधिकारी

UP RO/ARO Special (Mains) 2010

उत्तर–(b)

व्याख्या- आंतरिक, आग्नेय और अधिकारी शब्द विशेषण हैं, जबकि **'अंतर'** शब्द विशेषण नहीं है। यह विशेष्य शब्द है, जिसका विशेषण 'आंतरिक' होगा।

124. निम्नांकित में से कौन-सा शब्द परिमाणवाचक विशेषण है?

(a) चमकीला (b) अधिक

(c) सुगंधित (d) प्राचीन

(e) तिकोना

उत्तर–(b)

छत्तीसगढ़ पी. एस. सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2012

व्याख्या–दिये गये विकल्पों में **'अधिक'** शब्द परिमाणवाचक विशेषण है। जिस विशेषण से किसी वस्तु की माप या तौल का बोध होता है, उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; **जैसे** - सेर भर दूध, थोड़ा पानी, सब-धन आदि।

125. ''राधा बहुत ही सुन्दर लड़की है'' वाक्य में कौन सा विशेषण है?

(a) परिमाणवाचक विश्लेषण

(b) संख्यावाचक विशेषण

(c) गुणवाचक विशेषण

(d) सार्वनामिक विशेषण

(e) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रीलिम्स) परीक्षा, 2014

व्याख्या—'राधा बहुत ही सुन्दर लड़की है।' यहाँ पर राधा की सुन्दरता की चर्चा की जा रही है, अतएव **गुणवाचक विशेषण** होगा। जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण, रूप, रंग, आकार, अवस्था, स्वभाव, दशा, स्वाद, स्पर्श, गन्ध, दिशा, स्थान, समय आदि का बोध होता है, वह गुणवाचक विशेषण होता है।

126. 'आज मैंने अधिक केले खा लिए हैं' वाक्य में कौन-सा विशेषण है?

(a) संख्यावाचक विशेषण

(b) परिमाणवाचक विशेषण

(c) गुण वाचक विशेषण

(d) सार्वनामिक विशेषण

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (प्रीलिम्स) परीक्षा द्वितीय प्रश्नपत्र, 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या–'आज मैनें अधिक केले खा लिए हैं' वाक्य में अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण 'अधिक' के रूप में प्रयुक्त हुआ है। यहाँ केले के निश्चित परिमाण का बोध नहीं हो रहा है अतः यहाँ अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण प्रयुक्त हुआ है।

127. निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण इंगित करें-

(a) खाओ और सोओ।

(b) खाकर अभी सो जाओ।

(c) खाने के बाद सोना नहीं।

(d) खाओ, पर सो न जाओ।

UPPCS AE 2007

उत्तर–(b)

व्याख्या– 'खाकर अभी सो जाओ' वाक्य में 'अभी' शब्द क्रिया-विशेषण है। जिस शब्द से क्रिया की विशेषता या क्रिया विशेषण की विशेषता प्रकट हो, उसे क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे- राम धीरे-धीरे टहलता है, राम वहाँ टहलता है, राम अभी टहलता है। इन वाक्यों में 'धीरे-धीरे', 'वहाँ' और 'अभी' राम के टहलने (क्रिया) की विशेषता बतलाते हैं।

128. 'यह तीसरा बच्चा है' वाक्य में 'तीसरा' शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है?

(a) सर्वनाम (b) क्रिया-विशेषण

(c) विशेषण (d) अव्यय

उत्तर–(c) **UPPCS AE 2007**

व्याख्या– व्याकरण की दृष्टि से 'तीसरा' शब्द विशेषण है। प्रयोग के अनुसार निश्चित संख्यावाचक विशेषण के निम्नांकित प्रकार हैं-

[i] गणनावाचक विशेषण - एक, दो, तीन।

[ii] क्रमवाचक विशेषण -पहला, दूसरा, तीसरा।

[iii] आवृत्तिवाचक विशेषण - दूना, तिगुना, चौगुना।

[iv] समुदायवाचक विशेषण -दोनों, तीनों, चारों।

[v] प्रत्येकबोधक विशेषण - प्रत्येक, हरएक, दो-दो, सवा-सवा।

129. निम्नलिखित वाक्यों में 'अच्छा' शब्द का प्रयोग क्रिया-विशेषण के रूप में किस वाक्य में हुआ है?

(a) अच्छा अध्यापक शिक्षा के प्रति समर्पित है।

(b) मुझे उनका अध्यापन अच्छा लगता है।

(c) अच्छा, तो ये अध्यापक जो है।

(d) अच्छे अध्यापक का साथ करके कुछ अच्छा करो।

उत्तर–(b) **UPPCS AE 2007**

व्याख्या– 'मुझे उनका अध्यापन अच्छा लगता है' इस वाक्य में 'अच्छा' शब्द क्रिया-विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है। जिस शब्द से क्रिया की विशेषता प्रकट हो, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं, **जैसे**-मोहन **धीरे-धीरे** टहलता है।

Nitin-Gupta.com

130. 'अग्नि' का विशेषण होगा?

(a) आगिक (b) आग्नेय

(c) आग्निक (d) आगेय

UPPCS AE 2013

उत्तर–(b)

व्याख्या– 'अग्नि' का विशेषण **'आग्नेय'** है। शेष विकल्प असंगत हैं।

131. 'लूट' धातु से निर्मित शब्दों में कौन-सा विशेषण है?

(a) लूटना (b) लुटाना

(c) लुटेरा (d) लुटना

UPPCS AE 2013

उत्तर–(c)

व्याख्या– 'लूट' धातु से निर्मित शब्दों में **'लुटेरा'** विशेषण है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

132. 'लम्बाई' से विशेषण बनेगा-

(a) लम्बा (b) लम्बापन

(c) लंबान (d) लंबन

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2013**

व्याख्या– लम्बाई से विशेषण **'लम्बा'** बनेगा। ऐसे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताएँ, विशेषण कहलाते हैं, **जैसे-** गोरा, छोटा, काला आदि।

1. मोहन **गोरा** है।
2. रीना **छोटी** है।
3. रहीम **काला** है।

133. एक वाक्य में गुणवाचक विशेषण नहीं है-

(a) दूध ठंडा है।

(b) दूध मीठा भी नहीं है।

(c) मुझे गरम दूध चाहिए।

(d) एक गिलास दूध लाओ।

UPPCS AE 2013

उत्तर–(d)

व्याख्या– **'एक गिलास दूध लाओ'** वाक्य में गुणवाचक विशेषण नहीं है, बल्कि गणनावाचक विशेषण है। अन्य विकल्पों में गुणवाचक विशेषण हैं, जो इस प्रकार है-

1. दूध **ठंडा** है।
2. दूध **मीठा** भी नहीं है।
3. मुझे **गरम** दूध चाहिए।

उपर्युक्त वाक्यों में ठंडा, मीठा, गरम गुणवाचक विशेषण हैं।

134. 'मेरा बेटा हजारों में एक है' वाक्य में 'हजारों' है-

(a) संज्ञा (b) विशेषण

(c) क्रिया विशेषण (d) अव्यय

उत्तर–(b) **UPPCS AE 2011**

व्याख्या– वाक्य 'मेरा बेटा हजारों में एक है' में 'हजारों' शब्द विशेषण है।

135. ''कण्ठ'' का विशेषण होगा-

(a) कण्ठी (b) काठी

(c) कण्ठक (d) कण्ठ्य

UKPCS AE 2012

उत्तर–(d)

व्याख्या– ''कण्ठ'' का विशेषण 'कण्ठ्य' होगा। संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

136. निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'विशेषण' है?

(a) सीता (b) हमारा

(c) नीला (d) रोना

UKPCS AE 2007

उत्तर–(c)

व्याख्या– **नीला** शब्द गुणवाचक विशेषण है। विशेषण वे शब्द होते हैं, जो संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। **जैसे-** भारी, सुंदर, कायर, एक, दो, वीर, बुरा, मीठा, खट्टा आदि।

137. नीचे दिये किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?

(a) राम और श्याम भाई है

(b) राम ने माँ से पानी और खाना माँगा।

(c) माँ ने खाने में दाल और रोटी परोसी।

(d) राम ने रोटी खाकर और रोटी माँगी।

UP RO/ARO (Mains) 2010

उत्तर–(d)

व्याख्या- ''राम ने रोटी खाकर और रोटी माँगी।'' यहाँ 'और' शब्द अनिश्चित संख्यावाची विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

138. 'काला कपड़ा' में कौन सा विशेषण है?

(a) गुणवाचक

(b) संख्यावाचक

(c) परिमाणवाचक

(d) सार्वनामिक

उत्तर–(a) **UPPCS AE 2008**

व्याख्या– 'काला कपड़ा' में गुणवाचक विशेषण है।

गुणवाचक विशेषण– जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण-धर्म, स्वभाव का बोध कराते हैं, उन्हे गुणवाचक विशेषण कहते हैं; **जैसे-**

- **काल बोधक**- नया, पुराना, ताजा, प्राचीन आदि।
- **रंगबोधक**- लाल, पीला, नीला, हरा, काला, बैंगनी आदि।
- **दशाबोधक**- मोटा, पतला, युवा, वृद्ध, भारी, गीला आदि।
- **गुणबोधक**- अच्छा, भला, बुरा, कपटी, झूठा, सच्चा, पापी आदि।
- **आकार बोधक**- गोल, चौकोर, सुडौल, मोटा, पतला, लम्बा आदि।

Nitin-Gupta.com